



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 256]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, नवम्बर 16, 2006/कार्तिक 25, 1928

No. 256]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 16, 2006/KARTIKA 25, 1928

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अंतिम जांच परिणाम

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 2006

विषय:— चीन जनवादी गणराज्य से 20-100 ग्राम प्रति मीटर के रेशमी वस्त्रों के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच ।

फा. सं. 14/20/2004-डीजीएडी.—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) एवं सीमाशुल्क टैरिफ नियमावली (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क अथवा अतिरिक्त शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. पृष्ठभूमि एवं जांच शुरूआत

2. यतः उपर्युक्त नियमावली को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) ने केन्द्रीय रेशम बोर्ड द्वारा भारत के विद्युत करघा रेशम वस्त्र उत्पादकों का प्रतिनिधित्व करने वाली निम्नलिखित सहकारी समितियों/फेडरेशनों/एसोसिएशनों नामतः (क) दि मैसूर पावरलूम सिल्क मैन्यूफैक्चरर्स को ऑपरेटिव सोसाइटी लि०, बंगलौर, कर्नाटक (ख) मैसर्स कर्नाटक वीवर्स फेडरेशन, बंगलौर, कर्नाटक (ग) मैसर्स बंगलौर डिस्ट्रिक्ट एण्ड बंगलौर रूरल डिस्ट्रिक्ट पावरलूम वीवर्स प्रोडक्शन एण्ड सेल्स को-ऑपरेटिव फेडरेशन लि०, डोड्डा बल्लापुर, कर्नाटक (घ) मैसर्स सिल्क ट्रेड एसोसिएशन (रजिस्टर्ड) वाराणसी, उ.प्र. (ड.) मैसर्स प्योर सिल्क वीवर्स एसोसिएशन, सूरत, गुजरात (जिन्हें एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है), की ओर से एक पूर्णतः प्रलेखित आवेदन के आधार पर, जिसमें चीन जनवादी गणराज्य (जिसे एतदपश्चात् सम्बद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 20-100 ग्राम प्रति मी. वजन के रेशमी वस्त्रों के पाटन का आरोप लगाया गया था, के कथित पाटन के अस्तित्व, सीमा तथा प्रभाव का निर्धारण करने तथा पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने के लिए जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति दूर करने के लिए पर्याप्त हो, उक्त नियमावली के नियम 5(5) के अनुसरण में दिनांक 18 मई, 2005 की अधिसूचना द्वारा एक जांच शुरू की थी ।

3. एवं यतः प्राधिकारी द्वारा, सम्बद्ध देश से आयातित सम्बद्ध वस्तुओं पर अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में दिनांक 27 अप्रैल, 2006 को प्रकाशित अधिसूचना के माध्यम से प्रारम्भिक जांच परिणाम अधिसूचित किए गए थे। केन्द्रीय सरकार ने सम्बद्ध वस्तुओं पर दिनांक 31 मई, 2006 की अधिसूचना सं. 53/2006-सीमाशुल्क द्वारा अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया था।

ख. प्रक्रिया

4. प्रारम्भिक जांच परिणाम जारी करने के पश्चात् इस जांच के संबंध में प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त मामले में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनायी गयी :-

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा दिनांक 27 अप्रैल, 2006 के प्रारम्भिक जांच परिणाम की प्रतियाँ भारत में सम्बद्ध देश के दूतावास सहित इस जांच से सम्बद्ध सभी पक्षों, सम्बद्ध देश के सहयोगी निर्यातकों, घरेलू उद्योग तथा जांच में सहभागी आयातकों को भिजवाई गई और उनसे प्रारम्भिक जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना के 40 दिन के भीतर अपने अभिमत से लिखित रूप में अवगत कराने का अनुरोध किया गया।

(ii) जैसा कि जांच शुरुआत परिणाम में दर्ज है, प्राधिकारी द्वारा नियम 17 के अनुसार नमूनों का सहारा लिया गया; तदनुसार सम्बद्ध देश के निम्नलिखित नमूना निर्यातकों ने जांच शुरुआत में प्रश्नावली के प्रश्नों के उत्तर प्रस्तुत किए और प्रारम्भिक जांच परिणाम में सारगर्भित विवरण प्रस्तुत किए :-

(क) मैसर्स झेजियांग जी एण्ड एफ फॉरेन ट्रेडिंग कम्पनी लि० (निर्यातक) एवं इनसे संबंधित दो उत्पादक नामतः मैसर्स हुआऊ सिटी लिंगहू जिनशान यीशेंग सिल्क बुवेन फेक्टरी; तथा मैसर्स डेक्विंग वेन्या हीट प्रिजरवेटिव मटेरियल एण्ड सिल्क फेब्रिक्स लिमिटेड कम्पनी

(ख) मैसर्स सिचुआन सिल्क एक्सपोर्ट एण्ड इम्पोर्ट (निर्यातक) एवं इनसे संबंधित दो उत्पादक नामतः मैसर्स डेयांग बेलांग लीफेंग सिल्क कं.लि. तथा मैसर्स डेक्विंग वेन्या हीट प्रिजरवेटिव मटेरियल एण्ड सिल्क फेब्रिक्स लिमिटेड कम्पनी

(ग) मैसर्स झेजियांग कंथाया इण्टरनेशनल कं.लि. (निर्यातक) एवं इनसे संबंधित 5 उत्पादक नामतः मैसर्स डेक्विंग काऊंटी बोलिडा सिल्क कं.लि.; मैसर्स हुआऊ हुआशेंग सिल्क फैक्टरी; मैसर्स डेक्विंग जिनरंग सिल्क कं.लि.; मैसर्स झेजियांग यांगशी सिल्क कं.लि.; मैसर्स हेंगझाऊ युआनयुआन सिल्क कं.लि.;

(घ) मैसर्स नानजिंग टेक्सटाइल्स इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन लि०. तथा इनसे संबंधित उत्पादक मैसर्स सिक्वान होंगयुन सिल्क कं.लि. तथा देयांग बेलांग लीफेंग सिल्क फेब्रिक्स कं.लि.;

(ङ.) मैसर्स चोंगक्विन सनफील शीझाऊ सिल्क वीविंग कं.लि., उत्पादक-निर्यातक।

(iii) निम्नलिखित दो अन्य गैर-नमूना परंतु सहयोगी निर्यातकों ने भी प्रश्नावली के उत्तरों सहित वैयक्तिक व्यवहार का अनुरोध किया :-

(क) मैसर्स गीजाऊ फार्चून ग्रीन प्रोडक्ट्स इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कं.लि. तथा

(ख) मैसर्स चोंगक्विंग विंट्स (न्यू स्टार) ट्रेड डेवलपमेंट लि० (चोंगक्विंग विंट्स) तथा इनके अनुषंगी उत्पादक मैसर्स लियांगपिंग विंट्स सिल्क एण्ड टेक्सटाइल लि० ("लियांगपिंग विंट्स")

प्रारंभिक जांच परिणाम पर चाइना चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री (सीसीसीटी) से भी टिप्पणियां प्राप्त हुईं ।

(iv) प्रारम्भिक जांच परिणाम पर निम्नलिखित आयातक एवं निर्यातक एसोसिएशनों ने भी टिप्पणियां प्रस्तुत कीं

(क) मैसर्स किल्पार इंजीनियरिंग कं.लि., मुम्बई

(ख) मैसर्स टेकचन्द इण्टरनेशनल, दिल्ली;

(ग) मैसर्स यूनिवर्सल टेक्सटाइल मिल्स, बंगलौर

(v) जैसा कि प्रारम्भिक जांच परिणाम में उल्लेख किया गया है, मैसर्स भारतीय रेशम निर्यात संवर्धन परिषद (आईएसईपीसी), मुम्बई, मैसर्स सिल्क एण्ड टेक्सटाइल मर्केटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन (रजि.), दिल्ली तथा दिल्ली हिन्दुस्तानी मर्केटाइल एसोसिएशन (रजि.), दिल्ली से भी संक्षिप्त प्रस्तुतियां प्राप्त हुईं;

(vi) जांच शुरुआत के प्रत्युत्तर तथा प्रारम्भिक जांच परिणाम में हितबद्ध पक्षों द्वारा की गई टिप्पणियां रिकार्ड में दर्ज की गई हैं और उठाए गए मुद्दों की जांच इस प्रकटीकरण विवरण में की गई है ।

(vii) विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय पाठ प्राधिकारी द्वारा हितबद्ध पक्षों के अवलोकनार्थ रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया गया ।

(viii) विभिन्न हितबद्ध पक्षों की टिप्पणियों, प्रारम्भिक जांच परिणाम में उठाए गए मुद्दों तथा प्रकटीकरण विवरण को, जहां तक सम्भव हो सका, स्थानाभाव के कारण इस जांच परिणाम में दोहराया नहीं गया है ।

(ix) हितबद्ध पक्षों को अपने विचार व्यक्त करने का अवसर देने के लिए प्राधिकारी द्वारा दिनांक 16.06.2006 को एक सार्वजनिक सुनवाई का आयोजन किया गया ।

(x) उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसरण में इस जांच परिणाम तथा निर्धारण के आधार में विचारित अनिवार्य तथ्यों को दिनांक 30 अक्टूबर, 2006 के पत्रों के माध्यम से ज्ञात हितबद्ध पक्षों को सामान्य प्रकटीकरण तथा संबंधित पक्षों को गोपनीय प्रकटीकरण द्वारा प्रकट किया गया । प्रकटीकरण के संबंध में हितबद्ध पक्षों से प्राप्त टिप्पणियों पर, विभिन्न पक्षों द्वारा दिए गए तर्कों व किए गए दावों के साक्ष्य तथा आंकड़ों के अनुसार विधिवत विचार किया गया है ।

(xi) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के गोपनीयता दावे की जांच की है। वह सूचना जो स्वभावतः गोपनीय है अथवा हितबद्ध पक्षों द्वारा गोपनीय आधार पर उसके अगोपनीय सारांश सहित प्रदत्त सूचना गोपनीय मानी गयी है। इस प्रकटीकरण में *** याचिकाकर्त्ता द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना प्रदर्शित करता है, जिसे प्राधिकारी ने नियमावली के तहत गोपनीय माना है।

(xii) जांच दिनांक 1 अप्रैल, 2003 से 30 सितम्बर, 2004 (जांच अवधि) तक की अवधि हेतु की गयी।

ग. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

5. वर्तमान जांच में शामिल उत्पाद केवल विद्युत करघे पर उत्पादित 20-100 ग्राम प्रति मीटर भार का रेशमी वस्त्र (जिसे एतदपश्चात् सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) है। जैसा कि जांच शुरूआत सूचना में ही इंगित है, विचाराधीन उत्पाद में केवल विद्युत करघे पर उत्पादित रेशमी वस्त्र शामिल किया गया है, न कि करघा क्षेत्र द्वारा उत्पादित वस्त्र। रेशमी वस्त्र का उत्पादन आधारभूत कच्चे माल अपरिष्कृत रेशम से किया जाता है, जो रेशम कृमिकोषों से प्राप्त होती है। रेशम को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के शीर्ष 5007 के तहत वर्गीकृत किया गया है और इनकी निकासी सामान्यतः उपशीर्ष 5007 9000 के तहत की जाती है। सम्बद्ध वस्तुओं की निकासी भी सीमाशुल्क अधिनियम के उप शीर्ष 5007 1000, 5007 2000, 5007 2010 तथा 5007 2090 के तहत की जाती है। यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

6. प्राधिकारी नोट करते हैं कि 20-100 ग्राम वजन के विभिन्न गुणवत्ता के रेशमी वस्त्रों का उपयोग सामान्यतः महिलाओं के स्कार्फ, शाल, ओढुनियों, दुपट्टों, पुरुषों के परिधानों, टाइयों आदि में किया जाता है। भारी किस्मों (100 ग्राम प्रति मीटर से अधिक) का प्रयोग मुख्यतः फर्निशिंग, बिछावन, रजाइयों आदि रूप में किया जाता है।

7. आवेदकों ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तुएं सम्बद्ध देशों से निर्यात की जा रही वस्तुओं के समान हैं और उनके द्वारा उत्पादित उत्पाद तथा कथित पाटित उत्पाद में कोई अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग तथा निर्यातकों द्वारा प्रयुक्त उत्पादन प्रक्रिया में भी कोई वास्तविक अन्तर नहीं है। याचिकाकर्त्ता द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तुओं और सम्बद्ध देश से निर्यातित वस्तुओं में भी कोई उल्लेखनीय भिन्नता नहीं है।

ग.1 हितबद्ध पक्षों के विचार

8. सीसीसीटी ने अपने प्रस्तुतिकरण में यह तर्क दिया है कि भारतीय रेशम और चीन की रेशम तकनीकी तथा वाणिज्यिक दृष्टि से प्रतिस्थापनीय नहीं है। भारतीय रेशमी वस्त्रों के 90% का उत्पादन मल्टी वोल्टीन कृमिकोषों से किया जाता है, जिनकी गुणवत्ता कम होती है, उत्पादकता कम होती है और रीलेबिलिटी कम होती है, जबकि चीनी रेशम मुख्यतः बाई-वोल्टीन किस्म से तैयार होती है। इसके अलावा चीनी रेशम उत्पादक अपरिष्कृत रेशम, जो सम्बद्ध वस्तुओं की प्रमुख कच्ची सामग्री है, प्राप्त करने के लिए शुष्क कृमिकोष रीलिंग विधि प्रयुक्त करते हैं, जबकि भारतीय उत्पादक अपरिष्कृत रेशम प्राप्त

करने के लिए ताजा कृमिकोष रीलिंग विधि प्रयुक्त करते हैं, जिससे गुणवत्ता में अंतर आ जाता है। यह अंतर इतना होता है कि घरेलू उद्योग अन्तर्राष्ट्रीय रेशम एसोसिएशन के मानकों के अनुसार 4ए स्तर से अधिक स्तर की सम्बद्ध वस्तुएं कभी-कभार ही उत्पादित कर पाते हैं, जबकि चीन ग्रेड 7ए अथवा इससे उच्च ग्रेड का उत्पादन भी कर सकता है। इसके अलावा यह भी तर्क दिया गया है कि चीन और भारत की उत्पादन प्रक्रिया में भी भारी अंतर है। भारतीय मशीनें पुरानी और नकारा हैं और उनकी रीलेबिलिटी कम है, जबकि चीन के उत्पादक स्वचालित मल्टी-एण्ड मशीनों का प्रयोग करते हैं। भारतीय रीलिंग दर 10 किग्रा. कृमिकोषों से 1 किग्रा. रेशम है जबकि चीन के उत्पादकों की रीलिंग दर 6 किग्रा. कृमिकोषों से 1 किग्रा. रेशम है। भारतीय उत्पादकों की टिवस्टिंग मशीनें प्रति मिनट अधिक से अधिक 800 टिवस्ट कर पाती हैं, जबकि चीन की टिवस्टिंग मशीनें प्रति मिनट 2600 टिवस्ट करती हैं।

9. अपने प्रस्तुतिकरण में उत्पादकों ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित तर्क प्रस्तुत किए हैं :-

- संबंधित उत्पादों का दायरा परिभाषित करते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने केवल ग्रामेज को ही मानदण्ड माना है और रेशमी वस्त्र की अन्य विशेषताओं की कोई सीमा निर्धारित नहीं की है, जिसके परिणामस्वरूप जांच का दायरा बढ़ गया है। यह तर्क दिया गया है कि भारत जॉर्जेट, हेबुताई व अन्य विनिर्देशन युक्त कुछ उत्पादों का उत्पादन नहीं करता। अतः इन उत्पादों को जांच के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।
- ईसी - बाइसिकल्स के डब्ल्यूटीओ एबी निर्णय में इस व्यवस्था का प्रावधान है कि असमान वस्तुएँ किसी भी तरीके से न तो तकनीकी रूप से और न ही वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। तथापि यह प्राधिकारी को प्रत्येक ग्रेड, प्रकार, मॉडल अथवा भार में भिन्नता जिसके कारण सुस्पष्ट लागत, कीमत अथवा उपयोग अथवा बाजार में कारगर हिस्सा बनता है, का संज्ञान लेने में बाधा उत्पन्न नहीं करता।
- कीमत में कुछ भिन्नता के अलावा प्रत्येक प्रकार की सम्बद्ध वस्तु की मांग वास्तविक प्रयोक्ता की अपेक्षाओं तथा पसंद एवं सुविधा पर आधारित होती है। यह संकेत करता है कि घरेलू उत्पाद तथा चीन से निर्यातित उत्पाद के बाजार हिस्सा, वितरण चैनल तथा व्यापार स्तर में उल्लेखनीय अन्तर है और उनके बीच प्रतिस्पर्धा सीमित है।
- यद्यपि विचाराधीन उत्पाद को '20-100 ग्राम/मीटर भार श्रेणी के रेशमी वस्त्र' के रूप में परिभाषित किया गया है, तथापि रेशम के केवल विद्युत करघा उत्पादकों को ही घरेलू उद्योग माना गया है। इसके अलावा विनिर्माण प्रक्रिया से यह निर्धारित नहीं किया जा सकता है कि घरेलू उद्योग कौन सा है। अंतिम उत्पाद ही संगत मानदण्ड है। जो भी विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करता है, चाहे विद्युत करघे से या हथकरघे से 'घरेलू उद्योग' माना जाना चाहिए।
- नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को 'समान वस्तु के विनिर्माण में संलग्न सभी उत्पादक' के रूप में परिभाषित किया गया है। नियम 2(घ) में समान वस्तु को 'जांच के अधीन वस्तु से सभी प्रकार से समान अथवा अन्य वस्तु जो यद्यपि सभी प्रकार से समान नहीं है, परंतु जिसकी विशेषताएं जांच के अधीन वस्तु से अच्छी तरह मिलती-जुलती हैं' के रूप में परिभाषित किया गया है। इस नियम में कहीं भी वस्तु के विनिर्माण में प्रयुक्त प्रक्रिया अथवा प्रौद्योगिकी का उल्लेख नहीं किया गया है। अतः प्राधिकारी को रेशमी वस्त्रों का उत्पादन करने वाले भारत के सभी हथकरघों पर भी विचार करना चाहिए।

- भारत और चीन में उत्पादित संबंधित संबद्ध वस्तुओं को दोनों देशों के प्रयोक्ताओं/उपभोक्ताओं अथवा विश्व बाजार द्वारा समान वस्तु नहीं माना जाता। भारतीय रेशम का उपयोग सजावट तथा फर्निशिंग एवं भारत में कतिपय परम्परागत समारोहों तथा आयोजनों में अधिक किया जाता है। चीन की रेशम परिधान तथा वस्त्रों के लिए अधिक अनुकूल है और यही कारण है कि प्रयोक्ता/निर्यातकों ने पाटनरोधी शुल्क का विरोध किया है।
- यह कि भारतीय और चीनी रेशमी वस्त्रों के प्रयोक्ताओं एवं बाजार हिस्से तथा खपत के तरीके में भी अंतर है, का निष्कर्ष प्रथम दृष्टया इस तथ्य से भी निकाला जा सकता है कि भारत रेशमी वस्त्रों का विश्व में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, जैसाकि प्राधिकारी ने पाया है, तथापि यह दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक नहीं है और विश्व निर्यातों में इसका हिस्सा अनुपातिक रूप से बहुत कम है। यह इस तथ्य से स्पष्ट होता है कि विश्व में रेशमी वस्त्रों का अधिकांश व्यापार अन्तर्राष्ट्रीय स्टाइल के परिधानों, वस्त्रों के लिए किया जाता है तथा फर्निशिंग सजावट और परम्परागत वस्त्रों की दृष्टि से रेशमी कपड़े का व्यापार बहुत कम है। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि संबंधित सभी बाजारों में उल्लेखनीय भिन्नता है। कोई छोटा सा दोहराव होने की स्थिति में यह कारणात्मक क्षति के निर्धारण की दृष्टि से पर्याप्त नहीं हो सकता। गुणवत्ता विनिर्देशनों, उत्पाद प्रक्रिया, चीन को प्राप्त प्राकृतिक फायदों, जलवायु आदि में भी भिन्नता के मद्देनजर प्राधिकारी चीन तथा भारत की सम्बद्ध वस्तुओं को समान वस्तुएं नहीं मान सकते।
- आयातित वस्तुओं का वर्गीकरण पांच सुस्पष्ट वर्गों यथा टसर, क्रेप, जॉर्जेट/शिफॉन, हेबुताई तथा अन्य में किया गया है। तथापि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित रेशम के प्रकार एवं वर्ग स्पष्ट नहीं हैं। रेशम की अनेक किस्में जैसे टसर, ईरी तथा मूगा विभिन्न प्रकार के रेशम कीटों से प्राप्त होती हैं और भारत के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादित की जाती हैं, जबकि इनका विनिर्माण चीन में नहीं किया जाता।
- हेबुताई चीनी रेशम की विशेषता है और इसका भारतीय रेशम में कोई समरूप नहीं है। हेबुताई ऐसी किस्म होने के कारण, जिसका विनिर्माण भारत में किया ही नहीं जाता, विचाराधीन उत्पाद नहीं मानी जानी चाहिए। रेशम की अन्य किस्मों के संबंध में प्राधिकारी तदनु रूप समान किस्म का निर्धारण नहीं कर सके हैं, जिससे लागत, कीमत आदि की तुलना की जा सके।

ग.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

10. प्राधिकारी द्वारा समान वस्तु के मुद्दे के बारे में सीसीसीटी के तर्कों सहित हितबद्ध पक्षों के विभिन्न तर्कों को नोट किया गया। विचाराधीन उत्पाद के दायरे के संबंध में हितबद्ध पक्षों द्वारा उठाया गया आधारभूत मुद्दा यह है कि उत्पाद के दायरे को ग्रामेज के रूप में परिभाषित नहीं किया जाना चाहिए था और अन्य विशेषताओं पर भी विचार किया जाना चाहिए था; और ऐसा करने से रेशम की कतिपय किस्में जिनका उत्पादन भारत में नहीं किया जाता, परंतु चीन में उत्पादन व निर्यात किया जाता है और जिनका उत्पादन चीन में नहीं किया जाता और भारत में उत्पादन व निर्यात किया जाता है, दायरे से बाहर कर दी जातीं। एक अन्य विचार यह व्यक्त किया गया कि भारतीय हथकरघा वस्त्र, प्रमुख भाग होने और विद्युत करघा क्षेत्र में विनिर्मित वस्त्र के समान उत्पाद होने के कारण इसे विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल

किया जाना चाहिए था अथवा आवेदक घरेलू उद्योग के अभिमत के निर्धारण हेतु समान वस्तु माना जाना चाहिए था ।

11. यद्यपि यह दलील दी गई है कि भारतीय रेशमी वस्त्र, जिसका अधिकांश हिस्सा हथकरघा क्षेत्र से आता है, मोटा होता है और इसका उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में किया जात है, चीन के रेशम का प्रतिस्पर्धी नहीं है; साथ ही यह भी तर्क दिया गया है कि घरेलू समान उत्पाद के निर्धारण में हथकरघा रेशम को भी शामिल किया जाना चाहिए, चाहे इसका ग्राभेज कुछ भी हो, क्योंकि समान उत्पाद निर्धारण का मानदण्ड अंतिम उत्पाद है, न कि विनिर्माण की प्रक्रिया ।

12. प्राधिकारी का यह अभिमत है कि इस मामले में विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा सम्बद्ध देश से आयोजित उत्पाद के प्रकार व घरेलू उद्योग के जिस क्षेत्र को यह प्रभावित करता है, को ध्यान में रखकर की गई है । यह स्पष्ट है कि 20-100 ग्राम प्रति मीटर श्रेणी के रेशमी वस्त्र के आयात से केवल भारतीय विद्युत करघा क्षेत्र प्रभावित होता है । इससे ऊपर की श्रेणी के रेशमी वस्त्र की उपयोगिता भिन्न है और यह 100 ग्राम प्रति मीटर से निचली श्रेणी के वस्त्रों से प्रतिस्पर्धा करता है । भारत में विनिर्मित हथकरघा वस्त्रों का बाजार क्षेत्र अलग है अतः यह विद्युत करघा उत्पादों, जो प्रमुख वस्त्र है, से प्रतिस्पर्धा नहीं करता । उपर्युक्त के मद्देनजर विचाराधीन उत्पाद के संबंध में हितबद्ध पक्षों की दलीलें वैध नहीं हैं । अतः प्राधिकारी का यह मत है कि 20 से 100 ग्राम प्रति मीटर की श्रेणी में विद्युत करघा रेशमी वस्त्रों के रूप विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा सही है ।

13. जहां तक भारत में रेशम के विविध प्रकारों का प्रश्न है, वस्त्र मंत्रालय की वर्ष 2003-2004 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार भारत में रेशम की वाणिज्यिक रूप से ज्ञात चारों किस्मों, यथा मल्बेरी, टसर, ईरी तथा मूगा का उत्पादन किया जाता है । भारत के कुल रेशम उत्पादन में मल्बेरी का योगदान 88.7% है । अन्य भारतीय स्वदेशी किस्में टसर (2.0%) ईरी (8.6%) तथा मूगा (0.7%) हैं । ये किस्में भारत में उत्पादित रेशम का एक छोटा अनुपात हैं और इनका प्रयोग मुख्यतः परम्परागत उत्पादों हेतु हथकरघा क्षेत्र द्वारा किया जाता है । तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि जांच शुरुआत अधिसूचना में इस उत्पाद को 20-100 ग्राम भार श्रेणी के वस्त्रों के रूप में परिभाषित किया गया है, तथापि यह उत्पाद छः स्पष्ट प्रकारों अर्थात् टसर, क्रेप, शिफॉन, जॉर्जेट, हेबुताई तथा अन्य में वर्गीकृत किया गया है । जांच से ज्ञात होता है कि चीन जन.गण. से टसर निर्मित वस्त्रों का आयात जांच अवधि के दौरान नहीं किया गया है । चूंकि भारत के कुल रेशम उत्पादन में टसर उत्पाद का हिस्सा बहुत कम (2%) है, अतः प्राधिकारी का यह मत है कि इस वर्ग के वस्त्र को विचाराधीन उत्पाद के दायरों में रखने का कोई औचित्य नहीं है । इस उत्पाद का हिस्सा बहुत छोटा है, अतः यह घरेलू उद्योग की संरचना और इसके अभिमत को प्रभावित नहीं करेगा । तदनुसार इस जांच में विचाराधीन उत्पाद के दायरे से टसर को बाहर कर दिया गया है ।

14. जहां तक घरेलू उद्योग के दायरे के निर्धारण और इसके अभिमत की दृष्टि से घरेलू समान उत्पाद के निर्धारण का प्रश्न है, हितबद्ध पक्षों ने दलील दी है कि भारतीय हथकरघा उद्योग द्वारा उत्पादित वस्त्रों को भी विद्युत करघा उत्पाद के समान उत्पाद माना जाए और घरेलू उद्योग के अभिमत और क्षति निर्धारण हेतु घरेलू उद्योग के दायरे में हथकरघा उत्पादकों को भी शामिल कर लिया जाए । उपर्युक्त पैराग्राफों में उल्लिखित कारणों को देखते हुए प्राधिकारी का अभिमत है कि भारत के हथकरघा क्षेत्र में विनिर्मित वस्त्र विद्युतकरघा क्षेत्र में विनिर्मित वस्त्र के समान उत्पाद नहीं है । उनके अंतिम उपयोग

भिन्न-भिन्न हैं और वे बाजार के सर्वथा भिन्न तबकों की जरूरतें पूरी करते हैं। अतः वे बाजार के एक ही तबके में परस्पर प्रतिस्पर्धा नहीं करते। अतः प्राधिकारी का अभिमत है कि उपर्युक्त प्रयोजनार्थ विद्युत करघा वस्त्रों एवं भारतीय हथकरघा वस्त्रों को समान वस्तुएं नहीं माना जा सकता, जैसा कि हितबद्ध पक्षों ने दलील दी है।

15. जहां तक सम्पूर्णतः और कुछेक विशिष्ट किस्मों के मामले में भारतीय रेशमी वस्त्रों एवं चीनी रेशमी वस्त्रों की समानता का प्रश्न है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जहां तक कच्चे माल का प्रश्न है, रेशम उत्पादन हेतु रेशम कीट से प्राप्त कृमिकोष ही आधारभूत कच्चा माल है। जबकि बाई-वोल्टीन कृमिकोषों का उत्पादन (इन्हें वर्ष में केवल दो बार प्राप्त किया जाता है) चीन में किया जाता है, भारतीय कृषिकोष उत्पादन का 90% मल्टीवोल्टीन प्रकार (इन्हें वर्षभर निरंतर प्राप्त किया जाता है) से किया जाता है। भारत के तकनीकी संस्थानों ने जेआईसीए जैसी अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के सहयोग से कृमिकोष संकर प्रजातियों का उत्पादन किया है जो अधिक पैदावार तथा उत्पादकता के कारण भारत के रेशम कीट पालकों में लोकप्रिय हैं। जहां भारत में रीलिंग ताजे कृमिकोषों से उनके प्राप्त होने के तुरंत बाद और कोषीभवन से पहले की जाती है, वहीं चीन में रीलिंग शुष्क कृमिकोषों से की जाती है। ताजे कृमिकोषों को उबालकर, सुखाकर उनका भण्डारण रीलिंग हेतु कर लिया जाता है, क्योंकि कृमिकोषों का उत्पादन वर्ष में केवल दो मौसमों में होता है। शुष्क कृमिकोषों को फिर उबालकर उनसे रेशा निकालने के लिए उनका उपयोग मल्टी-एण्ड रीलिंग मशीनों में किया जाता है। तथापि सुखाने की प्रक्रिया में अतिरिक्त प्रहस्तन तथा इससे संबंधित व्यय शामिल होते हैं। आगे यह भी कहा गया था कि चूंकि भारत में ताजे कृमिकोषों की रीलिंग हाथ से की जाती है, अतः रीलिंग दर सामान्यतः 800% होती है; अर्थात् 800 किलोग्राम ताजे कृमिकोषों से 100 किलोग्राम रेशम का धागा प्राप्त होता है। जबकि चीन में सभी रेशम रीलिंग यूनिते स्वचालित हैं और रीलिंग दर लगभग 300% है। तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीनी रेशम उद्योग में रीलिंग शुष्क कृमिकोषों से किया जाता है, जो ताजे कृमिकोषों के भार का केवल 40% है, अतः चीन में ताजे कृमिकोषों की रीलिंग दर 750-800% बनती है, जो भारत की रीलिंग दर के समान है। तथापि यह भी तर्क प्रस्तुत किया गया है कि रीलिंग दर समान होने के बावजूद ताजे कृमिकोषों के भण्डारण तथा अपव्यय एवं हाथ से रीलिंग में कार्यक्षमता में कमी के कारण लागत बढ़ जाती है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में समस्त रीलिंग कार्य हाथ से नहीं किया जाता जैसाकि हितबद्ध पक्षों ने तर्क दिया है। रीलिंग का उल्लेखनीय अंश अर्थ-स्वचालित तथा चालित मल्टी-एण्ड मशीनों द्वारा किया जाता है। इसके अलावा शुष्कन, प्रहस्तन एवं भण्डारण तथा रीलिंग हेतु उबालने से जुड़ी लागत भी उल्लेखनीय है जो लागत के मुनाफे, यदि कोई हो, को शून्य कर देती है।

16. जहां तक भारत और चीन में रेशम के ग्रेडेशन और गुणवत्ता में अंतर का प्रश्न है, यद्यपि चीन का दावा है कि कृमिकोषों की गुणवत्ता एवं प्रयुक्त प्रक्रिया से वह 7ए ग्रेड की रेशम उत्पादित कर सकता है, तथापि चीन की सत्यापन प्रक्रिया से यह ज्ञात होता है कि ग्रेड 3ए तथा बी चीन में सर्वाधिक लोकप्रिय ग्रेड है और भारत को केवल 3ए ग्रेड से कम का निर्यात होता है। भारतीय अपरिष्कृत रेशम उत्पादन 2ए से 4ए ग्रेड के बीच है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय विद्युत करघों में भारतीय रेशमी धागे तथा चीनी रेशमी धागे दोनों का प्रयोग किया जाता है क्योंकि भारत बुनाई तथा वस्त्रों हेतु रेशमी धागे का निवल आयातक है। अतः रेशमी वस्त्रों हेतु समान वस्तु के निर्धारण के मुद्दे में भारतीय व चीनी रेशमी धागे का कोई खास महत्व नहीं है।

17. संयंत्र एवं मशीनरी की तकनीकी उत्कृष्टता के दावे की जांच से ज्ञात होता है कि चीन में अधिकांश रेशमी वस्त्र यूनिटों तथा रीलिंग यूनिटों में बहुत पुरानी मशीनरी प्रयुक्त की जाती है, जो पूर्ववर्ती सरकार के स्वामित्व की यूनिटों से अधिग्रहित की गई है और उनकी प्रौद्योगिकी भी वही है। अतः भारतीय रेशम के मुकाबले प्रौद्योगिकी व गुणवत्ता में उत्कृष्टता का तर्क भी सही नहीं है। जहां तक चीनी रेशमी वस्त्रों की कतिपय किस्मों में समानता का प्रश्न है, प्राधिकारी का अभिमत है कि यद्यपि प्रयुक्त की गई टिक्स्टिंग एवं बुनाई विधियों के अनुसार वस्त्रों के प्रकार में भिन्नता है, तथापि इस जांच में शामिल सभी रेशमी वस्त्रों की तकनीकी तथा वाणिज्यिक प्रतिस्थापनीयता का स्तर उल्लेखनीय है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि हेबुताई अनट्रिवस्टेड धागे से बनाया जाता है और भारतीय रेशम के अनट्रिवस्टेड यार्न से बने ऐसे ही उत्पाद हैं जिन्हें वाणिज्यिक रूप से सॉफ्ट सिल्क कहा जाता है। अतः हेबुताई को घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्त्रों के समान वस्तु मान लिया गया है।

18. कुछेक निर्यातकों ने प्रकटीकरण-पश्चात टिप्पणियों में यह दलील दी है कि कतिपय प्रकार के उत्पादों अथवा भार रेंज के उत्पादों, जिनका उन्होंने जांच अवधि के दौरान निर्यात नहीं किया, को शुल्क लगाने के प्रयोजनार्थ, यदि प्राधिकारी शुल्क लगाते हैं, हटा दिया जाना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी अधिनियम के अनुच्छेद 2.4.2 में यथानिर्धारित विधि के अनुसार समानता की तुलना हेतु जांच अवधि के दौरान वास्तव में निर्यातित उत्पाद के प्रकारों के आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण किया जाता है और किसी निर्यातक के लिए भारत औसत पाटन-मार्जिन निश्चित हो जाने पर उसे समस्त विचाराधीन उत्पाद पर लागू कर दिया जाता है। अतः अलग-अलग निर्यातकों के लिए उप प्रकारों को हटाना सम्भव नहीं है।

19. उपर्युक्त जांच से इंगित होता है कि यद्यपि चीनी रेशम उद्योग द्वारा ताजे कृमिकोषों के स्थान पर शुष्क कृमिकोषों की रीलिंग की भिन्न प्रक्रिया का उपयोग करते हुए रेशमी धागे से रेशमी वस्त्रों का उत्पादन किया जाता है, तथापि बुनाई प्रक्रिया में कोई उल्लेखनीय भिन्नता नहीं है। भारत को निर्यातित रेशमी वस्त्रों में भी कोई उल्लेखनीय भिन्नता नहीं है, और इसका अधिकांश भाग 3ए से कम श्रेणी के अनुरूप है। चीन से निर्यातित तथा भारतीय विद्युतकरघों पर विनिर्मित रेशमी वस्त्र तकनीकी तथा वाणिज्यिक दृष्टि से प्रतिस्थापनीय हैं और उनका प्रयोग एक दूसरे के स्थान पर किया जाता है। अतः प्राधिकारी का यह अभिमत है कि चीन से निर्यातित तथा घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित रेशमी वस्त्र नियमावली में यथापरिभाषित शब्द के अर्थ के भीतर 'समान उत्पाद' है।

घ. घरेलू उद्योग और उसका अभिमत

20. यह आवेदन केन्द्रीय रेशम बोर्ड द्वारा निम्नलिखित सहकारी समितियों/फेडरेशनों/एसोसिएशनों, जो निम्नलिखित विद्युतकरघा रेशमी वस्त्र उत्पादकों का प्रतिनिधित्व करते हैं, की ओर से प्रस्तुत किया गया है:

- (क) दि मैसूर पावरलूम सिल्क मैनुफैक्चरर्स को-ऑपरेटिव सोसाइटी लि० बंगलौर, कर्नाटक
- (ख) मैसर्स कर्नाटक वीवर्स फेडरेशन, बंगलौर, कर्नाटक
- (ग) मैसर्स बंगलौर डिस्ट्रिक्ट एण्ड बंगलौर रूरल डिस्ट्रिक्ट पावर लूम वीवर्स प्रोडक्शन एण्ड सेल्स को-ऑपरेटिव फेडरेशन लि० डोड्डा, बल्लापुर, कर्नाटक
- (घ) मैसर्स सिल्क ट्रेड एसोसिएशन (रजि.) वाराणसी, उत्तर प्रदेश
- (ङ) मैसर्स प्योर सिल्क वीवर्स एसोसिएशन, सूरत, गुजरात

21. आवेदन का समर्थन करने वाली इन सहकारी समितियों/फेडरेशनों/एसोसिएशनों के सदस्यों की क्षमता एवं उत्पादन के संबंध में प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के आधार पर अपने प्रारम्भिक जांच परिणाम में प्राधिकारी ने मत व्यक्त किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान वस्तु के कुल उत्पादन में इन उत्पादकों का योगदान 50 प्रतिशत से अधिक है। तदनुसार प्राधिकारी ने यह माना कि उपर्युक्त आवेदकगण नियम 5(3) (क) की शर्तों के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से आवेदन प्रस्तुत करने की पात्रता के मानदण्डों को संतुष्ट करते हैं और उपर्युक्त नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हैं। तथापि हितबद्ध पक्षों में पात्रता तथा घरेलू उद्योग के निर्धारण के बारे में अनेक आपत्तियां उठाई, जिनकी विवेचना निम्नानुसार की गई है :-

घ.1 पात्रता के बारे में निर्यातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार

22. निर्यातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षों ने अपने प्रस्तुतिकरण में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित तर्क प्रस्तुत किए हैं :-

- घरेलू उद्योग की पहचान भारत में निर्मित किए जाने वाले विभिन्न किस्मों की पहचान पर निर्भर करती है। वर्तमान आवेदन कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश तथा गुजरात में अवस्थित पावर लूम बुनकरों द्वारा किया गया है। तथापि, भिन्न-भिन्न किस्मों का रेशम अन्य अनेक राज्यों में विनिर्मित किया जा रहा है जिसमें रेशम की अनेक किस्में भी शामिल हैं जिन्हें ध्यान में नहीं लिया गया है।
- कि पांच आवेदकों में से एक सहकारी सोसायटी है, दो एसोसिएशन हैं तथा दो फेडरेशन हैं। चूंकि पांच आवेदकों में से कोई भी स्वयम् में संबद्ध वस्तु का उत्पादक नहीं है इसलिए उनके संघटक सदस्यों जो संबद्ध वस्तु के उत्पादक हैं, के नाम याचिका में दिए जाने चाहिए थे। यह तर्क दिया गया है कि नियम 5(3) में विशिष्ट रूप से कुल घरेलू उत्पादन में "आवेदकों के हिस्से" का निर्धारण होना अपेक्षित है। इस नियम में संदर्भित कुल उत्पादन से आशय "वास्तविक" उत्पादन है। यह अनुमानित अथवा सैद्धांतिक धारणाओं पर आधारित नहीं हो सकता। तथापि याचिका में सिर्फ कुछ सैद्धांतिक धारणाओं पर आधारित उत्पादन भी दिया गया है।
- कि प्राधिकारी ने उसके समक्ष आवेदकों द्वारा दायर आवेदन के समर्थन अथवा विरोध के संबंध में स्थिति संबंधी अपेक्षाओं की जांच नहीं की है। पाटनरोधी करार की पाद टिप्पणी 13 के उल्लंघन में आवेदन के समर्थन का निर्धारण करने के लिए सांख्यिकीय रूप से वैध प्रतिदर्श तकनीकों का उपयोग नहीं किया गया है।
- कि यदि कोई एसोसिएशन किसी विखण्डित उद्योग का प्रतिनिधित्व कर सकती है, तब भी इस मामले में आवेदक कोई एसोसिएशन नहीं वरन एक सरकारी निकाय है जिसे भारत में रेशम उद्योग विकास के पर्यवेक्षण का कार्य सौंपा गया है और यह न तो कोई उत्पादक है और न ही उत्पादकों की कोई एसोसिएशन। अतः केन्द्रीय रेशम बोर्ड आवेदक के रूप में, विशेष रूप से इस कारण कि उत्पादकों का एसोसिएशन है जो कि इसके स्थान पर याचिका दायर कर सकते थे, अर्ह होने के लिए पात्र नहीं हो सकता।

- यूएस- हॉट- रोल्ड इस्पात के मामले में डब्ल्यूटीओ अपीलीय निकाय ने निर्णय दिया था कि जांचकर्ता प्राधिकारी " घरेलू उद्योग के भीतर किसी विशेष हिस्से, क्षेत्र या तबके का मूल्यांकन कर सकते हैं, " बशर्ते कि वे अनुच्छेद 3.1 में वर्णित " वस्तुनिष्ठ आकलन " करने के मूलभूत दायित्व को पूरा करें; जांचकर्ता प्राधिकारियों को इस प्रकार से जांच करने का कोई अधिकार नहीं है जिससे इस बात के ज्यादा आसार बन जाए कि तथ्यों का पता लगाने या मूल्यांकन प्रक्रिया के परिणामस्वरूप वे यह निर्धारित करेंगे कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। अतः यह आवश्यक है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी घरेलू उद्योग को समग्र रूप से अभिज्ञात करें और तब पाटन और क्षति की मौजूदगी के निर्धारण के लिए घरेलू उद्योग से प्राप्त ऐसे आंकड़ों का प्रयोग करें। घरेलू उद्योग के आंकड़ों के वस्तुनिष्ठ आकलन के बिना क्षति और पाटनरोधी शुल्क का कोई वैध निर्धारण नहीं हो सकता है और इस वस्तुनिष्ठ आकलन से पहले घरेलू उद्योग को अभिज्ञात किया जाना अपेक्षित है।
- यह भी तर्क दिया गया है कि संबद्ध वस्तुओं के आयात से आयातक/उत्पादक को घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर नहीं रखा जाएगा। इसलिए प्राधिकारी को पहले यह निर्णय लेना चाहिए कि क्या वे उन उत्पादकों को घरेलू उद्योग के दायरे में रखेंगे या उससे बाहर रखेंगे जो आयातक भी हो सकते हैं। केवल तभी आवेदकों की घरेलू उद्योग संबंधी पात्रता का निर्धारण किया जा सकता है।
- स्वीकृत रूप से प्राधिकारी उद्योग के एक विखण्डित उद्योग होने के आधार पर सामान्य मानकों से भटक गए हैं। किसी विखण्डित उद्योग की " सीमाओं " को परिवर्तित किए जाने के लिए कोई कानूनी आधार नहीं उपलब्ध कराया गया है।
- कि उक्त प्रक्रिया के निष्पक्ष होने की वास्तविकता उस समय विकृत हो जाती है जब आवेदक एक सरकारी निकाय है और प्राधिकारी उनके लिए सामान्य मानकों से छूट या उनमें कमी करते प्रतीत होते हैं और वे इस आधार पर आवेदक की सूचना के पक्ष में मान्यताएं निर्धारित कर रहे हैं कि वह संबंधित उद्योग का पर्यवेक्षण करने वाला एक सरकारी निकाय है।

घ.2. प्राधिकारी द्वारा जांच

23. प्राधिकारी नोट करते हैं कि केवल पावरलूमों में विनिर्मित फेब्रिक ही इस जांच की विषयवस्तु है और हथकरघों में विनिर्मित फेब्रिक विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु नहीं है। इसलिए पावरलूम क्षेत्र में विनिर्मित सिल्क फेब्रिक्स के उत्पाद की उत्पादन मात्रा घरेलू उद्योग के दायरे के निर्धारण और इस मामले में आवेदकों की पात्रता का मापदंड है। यह याचिका भारत में पावरलूम सिल्क फेब्रिक उत्पादकों का प्रतिनिधित्व करने वाले कतिपय सहकारी संघों/परिसंघों/एसोसिएशनों की ओर से केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बंगलौर द्वारा दायर की गई है। हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि सरकारी निकाय होने और उत्पादक या उत्पादकों की एसोसिएशन नहीं होने के कारण, सीएसबी याचिका दायर नहीं कर सकता है। इस संबंध में नियमावली के नियम 5(1) में यह व्यवस्था है कि :-

24. " उप नियम (4) में यथावर्णित को छोड़कर, निर्दिष्ट प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा या उनकी ओर से प्रस्तुत लिखित आवेदन की प्राप्ति पर ही किसी कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और उसके प्रभाव का निर्धारण करने के लिए जांच शुरू करेंगे। "

स्पष्टीकरण : - ' इस नियम के प्रयोजनार्थ किसी आवेदन को घरेलू उद्योग द्वारा या उनकी ओर से प्रस्तुत किया गया तभी माना जाएगा यदि वह उन घरेलू उत्पादकों द्वारा समर्थित हो जिनका समग्र उत्पादन घरेलू उद्योग के उस हिस्से जिसने आवेदन का समर्थन या विरोध किया हो, जैसा भी मामला हो, द्वारा उत्पादित समान वस्तु के कुल उत्पादन के 50 प्रतिशत से अधिक हो । '

25. अतः इस प्रकार इस नियम से घरेलू उद्योग से इतर किसी उद्योग द्वारा कोई आवेदन प्रस्तुत किया जाना तब तक प्रतिबंधित नहीं होता जब कि वह घरेलू उद्योग की ओर से प्रस्तुत किया जाए । वर्तमान मामले में ऊपर नामित परिसंघ/एसोसिएशन जिनका भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन में 50% से अधिक हिस्सा बनता है, ओवरदक हैं और देश में रेशम उद्योग की देखरेख करने वाले नोडल अभिकरण सीएसबी ने केवल उद्योग की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए आवेदन प्रस्तुत करने में सुविधा प्रदान की है । यह सर्वविदित है कि भारत में रेशम उद्योग काफी बिखरा हुआ और असंगठित है । यह उद्योग मूल रूप से छोटे, परिवार आधारित कुटीर उद्योग हैं जो विभिन्न क्षेत्रों में फैले हुए हैं । यह उद्योग अपनी एसोसिएशनों के सहयोग से भी तब तक इस आवेदन को प्रस्तुत करने में अपने को संगठित करने में सक्षम नहीं हो सकता था जब तक कि यह कार्यकलाप किसी ऐसे अभिकरण द्वारा समन्वित न किए जाएं जिसे इसकी प्रक्रियात्मक एवं विधिक मुद्दों की जानकारी हो । अतः सीएसबी ने एक नोडल अभिकरण के रूप में आवेदन प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाया है और जहां तक संभव हो इस प्रयोजनार्थ आंकड़ों संबंधी सहायता प्रदान की है । अतः प्राधिकारी मानते हैं कि सीएसबी के शामिल होने के कारण जांच आरंभ को गलत नहीं माना जा सकता है ।

26. जहाँ तक आवेदन के समर्थन और विरोध का संबंध है, चूंकि परिसंघ/एसोसिएशन देश के विभिन्न क्षेत्रों में पावरलूम उत्पादकों के लगभग 100% का प्रतिनिधित्व करते हैं इसलिए यह माना गया है कि उन्हें सम्पूर्ण घरेलू उत्पादकों का समर्थन प्राप्त है और इसलिए उनके पास इस प्रयोजनार्थ उपर्युक्त नियमों के अनुसार योग्यता है । एडीए की पाद टिप्पणी 13 का संदर्भ दिया गया है जिसमें यह व्यवस्था है कि काफी बड़ी संख्या में उत्पादकों वाले विखण्डित उद्योग के मामले में प्राधिकारी सांख्यिकीय दृष्टि से वैध निदर्शन तकनीकों का प्रयोग करते हुए समर्थन एवं विरोध का निर्धारण कर सकते हैं । तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जब उत्पादकों का प्रतिनिधित्व उनकी अपनी- अपनी एसोसिएशनों के जरिए किया गया है जो देश में संबद्ध वस्तु का लगभग संपूर्ण उत्पादन करते हैं, तो एसोसिएशनों/ परिसंघों के भीतर निर्णय लेने की आंतरिक प्रक्रिया और समर्थन तथा विरोध प्राधिकारी की जांच का विषय नहीं है । इसके अलावा, किसी उत्पादक या उत्पादकों के किसी प्रतिनिधि निकाय ने जांच पर कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई है । अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि यह आवेदन घरेलू उद्योग के प्रमुख हिस्से द्वारा समर्थित है और इसलिए वैध है ।

27. जहाँ तक क्षति की जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग के कार्यक्षेत्र का संबंध है नियम 2(घ) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है -

' घरेलू उद्योग ' का तात्पर्य समग्र रूप से उन घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण या उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में शामिल हैं या वे जिनका उक्त वस्तु का समग्र उत्पादन उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का प्रमुख हिस्सा बनता है तथा ऐसे उत्पादक जो कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से

संबंधित हों या वे स्वयं इसके आयातक हों तो उस मामले में उन्हें (ऐसे उत्पादकों को) घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं माना जाएगा।"

28. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी के समक्ष इस संबंध में संकेत देने वाला कोई वास्तविक तथ्य प्रस्तुत नहीं किया गया है कि प्राधिकारी के समक्ष उपस्थित एसोसिएशनों के किसी सदस्य ने वस्तुतः संबद्ध वस्तु का आयात किया है या वह आयातकों अथवा निर्यातकों से संबंधित है। यह भी नोट किया जाता है कि इस उद्योग की संरचना ऐसी है कि इस मामले में घरेलू उद्योग का गठन करने वाले कुटीर एवं लघु क्षेत्र के बुनकरों के लिए बड़ी मात्रा में फेब्रिक्स का आयात करना जिससे वे घरेलू उद्योग समझे जाने से अयोग्य ठहरा दिए जाएंगे, संभव नहीं है। अतः संबद्ध वस्तु के उत्पादन के उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर प्राधिकारी यह मानते हैं कि प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत उक्त एसोसिएशनों और परिसंघों के सदस्य भारत में संबद्ध वस्तु के कुल उत्पादन के प्रमुख हिस्से का उत्पादन करते हैं और इसलिए नियमों के अर्थों के भीतर घरेलू उद्योग का गठन करते हैं।

ड. जांच की शुरुआत और इससे संबंधित मुद्दे

ड.1 हितबद्ध पक्षकारों के विचार

29. निर्यातकों ने इस मामले में पाटनरोधी जांच की शुरुआत के लिए घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए आवेदन में दी गई सूचना की पर्याप्तता और सत्यता के मुद्दे को इन आधारों पर उठाया है कि घरेलू उद्योग द्वारा घरेलू उद्योग के गठन और उनके उत्पादन के संबंध में पर्याप्त सूचना तथा पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध से संबंधित सूचना आवेदन के साथ नहीं दी गई थी। अतः आवेदन में उपलब्ध कराई गई सूचना पाटनरोधी जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए पर्याप्त नहीं है। यह तर्क दिया गया है कि उत्पादन की मात्रा का अनुमान वास्तविक उत्पादन और क्षमताओं को उपलब्ध कराए बिना लगाया है और ऐसा अनुमानित आंकड़ों की विश्वसनीयता सिद्ध करने के लिए समर्थनकारी साक्ष्यों के बिना किया गया है। यह भी तर्क दिया गया है कि याचिका में लगाया गया पाटन का आरोप अनुमानों पर आधारित उत्पादन की परिकलित लागत पर आधारित है और घरेलू उद्योग ने अपनी उत्पादन लागत के ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए हैं। अतः प्राधिकारी को उक्त सूचना/आंकड़ों की सत्यता का परीक्षण किए बिना और/या इससे संतुष्ट हुए बिना, जो कि नियम 5(3)(ख) का उल्लंघन है, याचिकाकर्ताओं के दावों को स्वीकार नहीं करना चाहिए। अतः निर्यातकों ने मूल रूप से इस आधार पर जांच की शुरुआत संबंधी मानकों पर प्रश्न उठाया है कि आवेदन अपूर्ण था, इसमें योग्यता, पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के अनेक पहलुओं के संबंध में अनेक निराधार वक्तव्य और आरोप लगाए गए हैं।

30. घरेलू उद्योग ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की वैधता और अधिकार क्षेत्र के बारे में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई आपत्तियों का उत्तर देते हुए यह तर्क दिया है कि हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्तता और सत्यता का मुद्दा जांच शुरुआत के तुरंत बाद उठाना चाहिए। इस स्तर पर इस मुद्दे को उठाकर जांच प्रक्रिया को दिशाहीन बनाने का प्रयास किया गया है। अमरीका-अर्जेंटिना से ऑयल कंट्री ट्यूबलर गुड्स संबंधी पाटनरोधी उपायों की निर्णायक समीक्षा (डब्ल्यूटी/डीएस268/एबी/आर, 29 नवम्बर, 2004) का संदर्भ देते हुए जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ यह माना गया था कि अनुच्छेद 6.1 और 6.2 में ऐसे "अनिश्चित"

अधिकारों की व्यवस्था नहीं है जिनसे प्रतिवादियों को जब वे चाहे संगत साक्ष्यों को प्रस्तुत करने, सुनवाई में उपस्थित रहने या पूछताछ में भागीदारी करने का अधिकार मिल जाए, घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि हितबद्ध पक्षकारों के लिए यह विकल्प खुला नहीं है कि वे किसी भी समय किसी भी मुद्दे को उठा सकें।

31. घरेलू उद्योग ने आगे यह तर्क दिया है कि निर्धारित समय सीमा के बाद पर्याप्तता और सत्यता से संबंधित मुद्दों को उठाने की अनुमति न होने की पूर्वापेक्षा के बिना भी इस तथ्य के कारण इन तर्कों में कोई दम नहीं है कि आवेदन के प्रोफार्मा के सभी हिस्सों को आवेदक द्वारा विधिवत ढंग से भरा गया है और इनमें पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में पर्याप्त सूचना उपलब्ध कराई गई है। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि जब तक किसी जांच को न्यायोचित ठहराने के लिए पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध के बारे में पर्याप्त सूचना उपलब्ध हो तब तक प्राधिकारी के निर्णय या फैसले पर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता है। वर्तमान मामले में माँगी गई समस्त सूचना आवेदक द्वारा उपलब्ध कराई गई थी और प्राधिकारी इस सूचना से संतुष्ट है तथा उन्होंने इसे जांच को उचित ठहराने के लिए पर्याप्त माना है।

32. इसके अलावा, निर्यातकों ने यह तर्क दिया है कि भारत में पर्याप्त न्यायिक व्यवस्थाओं के अनुसार, आम तौर पर जब किसी पक्षकार द्वारा कोई विधिक आपत्ति करने की संभावना होगी तो सर्वप्रथम किसी मौलिक अधिकार क्षेत्र संबंधी मुद्दे को किसी भी स्तर पर उठाने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। यह भी तर्क दिया गया है कि इस मामले में प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई निदर्शन प्रक्रिया के कारण वस्तुतः चीनी सहयोगी पक्षकारों द्वारा विधिक मुद्दों को उठाने में कोई देरी नहीं की गई है और उन्होंने उपलब्ध कराए गए पहले अवसर पर अपनी आपत्तियाँ दर्ज कराई थी। यह तर्क दिया गया है कि भारतीय न्याय व्यवस्था के अनुसार एक बार कोई तर्क दिया जाता है तो अंतिम निर्णय होने तक उसे विकसित, स्पष्ट, तथ्यपूर्ण तथा परिष्कृत किया जा सकता है।

ड.2. प्राधिकारी द्वारा जांच

33. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ग्वाटेमाला- मैक्सिको सीमेंट मामले में पैनल ने यह माना था कि तथापि किसी जांच की शुरुआत करने या न करने के निर्धारण के मामले में साक्ष्यों की पूर्णता और न कि उनकी पर्याप्तता और सत्यता, उसमें प्रयोग किए जाने वाले विधिक मानक को प्रदर्शित करती है। उक्त विवाद में पैनल ने यह माना कि पाटनरोधी जांच वह प्रक्रिया होती है जिसमें जांच के आगे बढ़ने के साथ किसी उपाय को अपनाने की दृष्टि से सभी आवश्यक तत्वों की मौजूदगी को सुनिश्चित किया जाता है। तथापि, साक्ष्य ऐसे होने चाहिए कि एक निष्पक्ष एवं वस्तुनिष्ठ प्राधिकारी यह निर्धारण कर सकें कि अनुच्छेद 2 के अर्थों के भीतर जांच की शुरुआत को उचित ठहराने के लिए पाटन के पर्याप्त साक्ष्य मौजूद थे। वर्तमान मामले में आवेदकों द्वारा पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत किए गए थे जिनसे प्रथम दृष्ट्या पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध की मौजूदगी का संकेत मिलता था। तथापि, असंगठित क्षेत्र होने के कारण घरेलू उद्योग की संरचना की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, कुछ सूचना समग्र रूप से प्राप्त नहीं हो सकी है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि करार के अनुच्छेद 5.2 में यह व्यवस्था है कि आवेदन में वह सूचना दी जाए जो आवेदकों को युक्तिसंगत ढंग से उपलब्ध हो। इस तथ्य पर विचार करते हुए कि घरेलू उद्योग अत्यधिक बिखरा हुआ तथा असंगठित है, आवेदकों को जो सूचना युक्तिसंगत ढंग से उपलब्ध थी उसे आवेदन में दिया गया है। अपने समक्ष प्रस्तुत साक्ष्यों से प्रथम

दृष्ट्या संतुष्ट होते हुए प्राधिकारी ने इस मुद्दे के अधिक ब्यौरो के परीक्षण हेतु यह जांच शुरू की है। अतः हितबद्ध पक्षकारों की आपत्तियाँ युक्तिसंगत नहीं हैं।

च. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दे

34. पूर्ववर्ती खण्डों में उल्लिखित मुद्दों के संबंध में किए गए अपने अनुरोधों के अलावा निर्यातकों और आयातकों समेत हितबद्ध पक्षकारों ने प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद के अपने अनुरोधों में अन्य बातों के साथ-साथ यह तर्क दिया है कि प्रारंभिक जांच परिणामों से प्राधिकारी द्वारा यथाअपेक्षित वस्तुनिष्ठ आकलन के अभाव का संकेत मिलता है। यह तर्क दिया गया है कि इस जांच में पक्षकारों के रूप में भाग लेने वाले विखण्डित उद्योग और सरकारी निकायों के लिए अपेक्षाओं को कम करते हुए आवेदक को मित्र सरकारी निकाय होने के कारण अधिमानी व्यवहार प्रदान किया गया है। इसी प्रकार के चीनी उद्योग की समान विखण्डित प्रकृति के बावजूद चीनी विखण्डित उद्योग के संबंध में चेम्बर द्वारा केवल संगठित उत्तर के होते हुए अलग-अलग उत्तर देने से छूट नहीं दी गई थी और न ही वास्तविक आंकड़ों के बजाय अनुमानों पर विश्वास किया गया था। यह तर्क दिया गया है कि प्रारंभिक निष्कर्षों में न केवल जांच शुरूआत के संबंध में बल्कि प्रारंभिक निष्कर्षों की तिथि के संबंध में भी आवेदकों द्वारा प्रस्तुत सूचना में कमियाँ पाई गई थीं। यह भी तर्क दिया गया है कि यदि किसी समय समग्र आंकड़ों का प्रयोग करना संभव भी हो तो भी ऐसी समग्र सूचना को पर्याप्तता और सत्यता परीक्षणों पर खरा उतरना चाहिए। प्राधिकारी को जांच किए बिना आवेदक जो एक अन्य सरकारी निकाय है, द्वारा प्रदत्त सूचना को स्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत अनुमानों और वस्त्र मंत्रालय द्वारा उसकी वार्षिक रिपोर्ट में करघों की संख्या और उत्पादित फेब्रिक्स के संबंध में दिए गए आंकड़ों में व्यापक अंतर है।

35. हितबद्ध पक्षकारों के उपर्युक्त तर्कों के अलावा आयातकों ने प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद के अपने अनुरोधों में अन्य बातों के साथ-साथ यह तर्क दिया है कि आवेदक एसोसिएशनों में से अधिकांश सदस्य चीन के कच्चे रेशम का प्रयोग या उसका आयात कर रहे हैं जिसका कारण भारत में कच्चे रेशम का पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध न होना है और भारतीय कच्चे रेशम से चीनी कृप या जार्जेट या हबुताई या टस्सर जैसी गुणवत्ता की सामग्री बनाना संभव नहीं है। घरेलू उद्योग चीनी फेब्रिक जैसी गुणवत्ता का फेब्रिक का उत्पादन नहीं कर सकता क्योंकि इसके लिए उन्हें केवल चीनी कच्चे रेशम की आवश्यकता होगी। चूंकि कच्चे रेशम पर पाटनरोधी शुल्क लागू है इसलिए कच्ची सामग्री और तैयार वस्तुओं दोनों पर पाटनरोधी शुल्क लागू करना उचित नहीं होगा क्योंकि रेशम वस्त्र की कीमतें कच्चे रेशम की कीमतों पर अत्यधिक निर्भर करती है।

36. आयातकों द्वारा यह भी तर्क दिया गया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए प्रारंभिक जांच परिणामों में संदर्भ कीमतों की गणना गलत ढंग से की गई है और ये शिकायतकर्ता/आवेदक द्वारा मांग की गई कीमतों से भी अधिक है तथा ऐसी शुल्क संरचना से केवल एक समूह विशेष को लाभ होगा और भारत से सीमा पार इसकी तस्करी को प्रोत्साहन मिलेगा। पाटनरोधी शुल्क से यह उत्पाद क्रेताओं और उपभोक्ताओं के लिए अधिक मंहगे हो जाएंगे तथा अधिक कीमतों से रेशम के कपड़ों, स्कार्फ और मेड-अप्स आदि के निर्यात को नुकसान पहुंचेगा और इसकी वृद्धि में कमी होगी। उच्च पाटनरोधी शुल्क से वैध आयातों में कमी होगी और सरकार को राजस्व में घाटा होगा।

37. आयातकों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि यदि पाटनरोधी शुल्क लागू करना आवश्यक भी है तो प्राधिकारी को सामान्य लागत पर विचार करना चाहिए और उन्हें भारतीय बुनकरों की अक्षमता को उपभोक्तियों पर नहीं लादना चाहिए। आयातकों ने आगे यह तर्क दिया है कि यदि पाटनरोधी शुल्क को लागू भी किया जाना है तो इसे ग्राम मापन के कारण कीमत में अंतर को ध्यान में रखते हुए कि.ग्रा. आधार पर लगाया जाना चाहिए और न कि ग्राम प्रति मीटर आधार पर और भेदभाव से बचाव हेतु सभी निर्यातकों के लिए यह समान होना चाहिए।

38. प्राधिकारी द्वारा इन मुद्दों की जांच की गई है। जहां तक घरेलू उद्योग के विखण्डित स्वरूप और जांच के मानकों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि केन्द्रीय रेशम बोर्ड द्वारा प्रस्तुत सूचना की प्राधिकारी द्वारा जांच की गई है और प्राधिकारी के ध्यान में लाई गई अन्य सूचना सीएसबी द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की पुष्टि करती है। अतः प्राधिकारी सीएसबी द्वारा प्रदत्त किसी आंकड़े या सूचना को केवल इसी कारण से अस्वीकार नहीं कर सकते कि ये आंकड़े एक अन्य सरकारी निकाय द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं जिसने घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की प्रक्रिया को समन्वित किया है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि इस विषय पर करार या नियमावली या कोई अन्य न्याय व्यवस्था किसी अन्य सरकारी निकाय द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों को स्वीकार करने को प्रतिबंधित नहीं करती है। भारतीय रेशम उद्योग का बिखरा हुआ स्वरूप उद्योग की संरचना से ही बिल्कुल स्पष्ट है तथा तदनुसार उद्योग के बारे में विभिन्न सूचना को संभव सीमा तक एकत्रित एवं परीक्षित किया गया है। अतः हितबद्ध पक्षों का यह तर्क कि घरेलू उद्योग को किसी तरह का अधिमानी व्यवहार प्रदान किया गया है, स्वीकार्य नहीं है।

39. जहां तक विभिन्न क्षति मापदंडों के संबंध में दिए गए अनुमानों को स्वीकार करने का प्रश्न है, क्षति संबंधी मापदंडों की जांच पुनः प्राधिकारी को प्राप्त विभिन्न निविष्टियों पर विचार करते हुए की गई है और उन पर इन जांच परिणामों में उचित स्थान पर विचार किया गया है।

40. प्राधिकारी ने अपरिष्कृत रेशम और रेशम के वस्त्रों पर लगे शुल्क के संबंध में आयातकों के विचारों को भी नोट किया है और उनका यह विचार है कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य उचित स्तर तक बाजार में विकृतियों को समाप्त करना है और न कि गुणवत्ता या मात्रा की दृष्टि से वस्तुओं की कमी की स्थिति उत्पन्न करना। जहां तक शुल्क की संरचना एवं स्तर का संबंध है, पाटन और क्षति मार्जिन के विभिन्न तत्वों के निर्धारण के लिए हितबद्ध पक्षकारों के विचारों को ध्यान में रखा गया है।

छ. गोपनीयता

41. निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग ने जांच में शामिल पक्षकारों के गोपनीयता के विभिन्न दावों और प्राधिकारी द्वारा गोपनीय सूचना को प्रदत्त व्यवहार पर टिप्पणियाँ की हैं। निर्यातकों ने अन्य बातों के साथ-साथ ये तर्क दिए हैं कि :

- यह एक स्वीकृत प्रक्रिया है कि जब किसी जांच में शामिल कोई पक्षकार गोपनीय सूचना देता है तो उस पक्षकार को उनके सार्थक अगोपनीय सारांश भी उपलब्ध कराना होता है। उस स्थिति में जबकि किसी

सूचना का सारांश नहीं किया जा सकता तो जांचाधीन पक्षकार को इस प्रकार सारांश नहीं किए जाने का कारण बताना होता है। वर्तमान मामले में, ओवदक ने लागत निर्धारण संबंधी सूचना और सामान्य मूल्य के निर्धारण की पद्धति से संबंधित कतिपय महत्वपूर्ण सूचना को गोपनीय रखा है। जो सूचना उन्होंने गोपनीय रखी है उसका सार्थक अगोपनीय सारांश भी उपलब्ध नहीं कराया है। इसके अलावा, डीजीसीआईएंडएस से लिए गए आयात आंकड़ों को भी गोपनीय रखा गया है। आवेदक ने न तो अपेक्षित गोपनीय व्यवहार के आधार संबंधी कारण ही बताए हैं और न ही यह बताया है कि उनका सारांश क्यों नहीं प्रस्तुत किया जा सकता है।

- यह कि चीन में सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के अनुमानों के व्यौरों में कोई संवेदनशील, स्वामित्व संबंधी व्यावसायिक सूचना नहीं है क्योंकि ये केवल अनुमान हैं और इसलिए इन्हें गोपनीय नहीं माना जा सकता और इन्हें सार्वजनिक फाइल के जरिए विस्तृत टिप्पणियों हेतु अन्य पक्षकारों को उपलब्ध कराया जाना चाहिए।
- इसी प्रकार, ओवदकों के भारित औसत आंकड़े, न तो किसी एकल आवेदक के लिए स्वामित्व संबंधी हैं और न ही अलग-अलग व्यावसायिक हितों की दृष्टि से संवेदनशील हैं। अतः प्राधिकारी द्वारा निर्धारित सामान्य मूल्य के व्यौरे दर्शाने वाली संपूर्ण गणना सभी हितबद्ध पक्षों को उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

42. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि प्रतिदर्शित या गैर-प्रतिदर्शित निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा बिना किसी औचित्य के अत्यधिक गोपनीयता दावा किया गया है। इसके अलावा, प्रश्नावली के उत्तर का अगोपनीय अंश गोपनीय अंश में दी गई संपूर्ण सूचना हेतु नहीं दिया गया है। उत्पादक/निर्यातकों का यह दायित्व है कि वह इस संबंध में उचित कारण बताए कि गोपनीयता का दावा क्यों किया गया है, कतिपय सूचना का सारांश प्रस्तुत करना संभव क्यों नहीं है।

43. अपने प्रकटन विवरण के बाद के अनुरोधों में हितबद्ध पक्षकारों ने गोपनीयता संबंधी विभिन्न दावों तथा आवश्यक तथ्यों के प्रकटन के संबंध में अपने-अपने दृष्टिकोण को दोहराया है। यह तर्क दिया गया है कि जांच की प्रक्रिया के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत या प्राधिकारी को प्राप्त समस्त सूचना को सार्वजनिक फाइल में रखा जाना चाहिए। हितबद्ध पक्षकारों ने सामान्य मूल्य, क्षति रहित कीमत और क्षति निर्धारण के निर्धारण संबंधी तत्वों के प्रकटन के लिए कहा है। यह भी तर्क दिया गया है कि चूंकि सामान्य मूल्य का परिकलन अनुमानित आंकड़ों पर आधारित है और न कि किसी उद्योग विशेष के आंकड़ों के आधार पर, सामान्य मूल्य की संपूर्ण गणना की पद्धति का खुलासा किया जाना चाहिए।

44. प्राधिकारी ने उठाए गए मुद्दों की जांच की है और यह नोट करते हैं कि संभव और व्यवहार्य सीमा तक सूचना प्रस्तुत करने वाले विभिन्न पक्षकारों के गोपनीयता के दावों की जांच की गई है और पक्षकारों द्वारा प्रदत्त सूचना की प्रकृति के आधार पर गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयात आंकड़े और मात्रा संबंधी समंक आदि को सार्वजनिक फोल्डर में रखा गया है और ऐसी सूचना के लिए गोपनीयता के किसी दावे को स्वीकार नहीं किया गया है जो व्यावसायिक स्वामित्व संबंधी सूचना है या घरेलू उद्योग के लिए संवेदनशील है। तथापि, इस बात को ध्यान में रखते हुए कि चीनी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का अनुमान घरेलू उद्योग की प्रचालनात्मक सूचना के आधार पर लगाया गया है और ऐसे किसी अनुमानित मूल्य के विभिन्न तत्वों को अलग-अलग करना घरेलू उद्योग के लिए व्यावसायिक दृष्टि से

संवेदनशील सूचना होगी, इसका विस्तृत ब्यौरा सार्वजनिक फाइल में पृथक रूप से नहीं उपलब्ध कराया गया है। जहाँ तक निर्यातकों के अनुरोधों का संबंध है, प्रतिदर्शित तथा अप्रतिदर्शित निर्यातकों द्वारा प्रदत्त सूचना को, उस सीमा तक जहाँ तक ये इसे उपलब्ध कराने वाले पक्षकार के लिए व्यवसायिक दृष्टि से संवेदनशील न हो, सार्वजनिक फोल्डर में शामिल किया गया है। उपर्युक्त के मद्देनजर प्रतिवादी पक्षकारों के गोपनीयता संबंधी दावों के संबंध में सभी पक्षकारों की आपत्तियों को निपटा दिया गया है।

45. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य की गणना की पद्धति को प्रकटन विवरण में स्पष्ट किया गया है और अलग-अलग पीसीएन स्तरों पर अंतिम सामान्य मूल्य को भी प्रकट किया गया है। तथापि, इसमें अपनाई गई पद्धति की बेहतर समझ बनाने के लिए इन निष्कर्षों के संगत खण्डों में आगे के ब्यौरे उपलब्ध कराए गए हैं।

46. जहाँ तक क्षति निर्धारण में प्राधिकारी द्वारा प्रयुक्त विभिन्न सरकारी दस्तावेजों को प्रस्तुत करने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की प्रक्रिया के दौरान प्राधिकारी द्वारा एकत्रित ऐसी रिपोर्टों को सार्वजनिक फाइल में रखा गया है और उक्त रिपोर्ट में दी गई सूचना, जिस मात्रा में वह इस जांच में प्रयोग की गई है, का खुलासा प्रकटन विवरण में किया गया है।

ज. पाटन का निर्धारण

ज.1. बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी स्थितियों की जांच

47. प्रारंभिक जांच परिणामों में प्राधिकारी ने यह माना कि यद्यपि रेशम के वस्त्र के उत्पादन हेतु कच्ची सामग्री अपरिष्कृत रेशम है तथापि कोकून के व्यापार पर राज्य का नियंत्रण अपरिष्कृत रेशम की कीमत पर अत्यधिक प्रभाव पड़ता है क्योंकि कोकून की लागत रेशम यार्न की कीमत का लगभग 80% होती है और रेशम यार्न रेशम फेब्रिक की कीमत का लगभग 65-70% तक होता है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने यह दर्शाने के लिए साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए हैं कि ताजे कोकून और शुष्क कोकून की कीमतों के बीच कोई संबंध नहीं है या शुष्क कोकून की कीमतें ताजे कोकून की कीमतों से प्रभावित नहीं होती हैं। अतः प्राधिकारी ने इस तथ्य के कारण प्रारंभिक निर्धारण के लिए प्रतिदर्शित निर्यातकों/उत्पादकों के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावों को स्वीकार नहीं किया कि प्रमुख कच्ची सामग्री अपरिष्कृत रेशम की लागत कोकून की सरकारी रूप से निर्देशित कीमत निर्धारण से प्रभावित होता है जो अपरिष्कृत रेशम की लागत का प्रमुख हिस्सा है। तदनुसार, प्रारंभिक जांच परिणामों के लिए सामान्य मूल्य पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से दी गई या देय कीमत या किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर निर्धारित किया गया है। तथापि, निर्यातकों और सीसीसीटी ने गैर बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार के संबंध में अनेक तर्क दिए हैं तथा इस संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों का सारांश निम्नानुसार है :-

ज.1.1 मै, सनफील; विन्टस, कथाया एवं नेनटेक्स की ओर से अनुरोध

48. प्राधिकारी द्वारा उनके प्रारंभिक जांच परिणामों में किए गए गैर बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी निर्धारण पर टिप्पणी करते हुए उपर्युक्त निर्यातकों ने यह तर्क दिया है कि बाजार की विफलता से बचाव की दृष्टि से समुचित समन्वय किसी भी आधुनिक सरकार के लिए आवश्यक है। कोकून एक प्रकार का दुर्लभ संसाधन है और किसी भी देश में इसका उत्पादन काफी बिखरे हुए, साधन विहीन और वित्तीय रूप से असुरक्षित क्षेत्र द्वारा किया जाता है। कोकून किसानों, जो अभी भी चीन में एक पिछड़ा वर्ग है, के मूलभूत जीविकोपार्जन अधिकार

का संरक्षण करने की दृष्टि से संस्कार को कोकून की कीमतों में संतुलन स्थापित करने के लिए उपाय करने होते हैं जो समाज में स्थायित्व और चीन के पिछड़े हुए प्रदेशों के आर्थिक विकास के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत समेत अन्य देश भी कोकून उत्पादन की समान समर्थकारी नीति अपनाते हैं। तथापि, सरकारी रूप से निर्देशित कीमतों की प्रथाओं से रेशम की कीमतों पर प्रभाव नहीं पड़ता है और न ही पड़ेगा।

49. यह तर्क दिया गया है कि चीन की निर्देशित कीमत प्रथाओं से कभी भी डब्ल्यूटीओ करार का उल्लंघन नहीं हुआ है और यह पूर्ण रूप से डब्ल्यूटीओ के कार्यवाह के अंतर्गत चीन के दायित्वों और अधिकारों के अनुरूप हैं। प्रोटोकाल के अनुच्छेद 9.2 के आधार पर चीन के पास निर्देशित कीमतों की पद्धति अपनाने का अधिकार है और कोकून अनुच्छेद 2 में उल्लिखित निर्देशित कीमतों के अंतर्गत वस्तुओं में से एक है। धारा 52, 53, 54 और 55 में चीन द्वारा रखी गई निर्देशित कीमतों की मात्रा और पद्धति का स्पष्ट रूप से उल्लेख है। निर्देशित कीमत बाजार आधारित कीमत निर्धारण के अधीन उत्पाद एवं सेवाएं वे वस्तुएं एवं सेवाएं होती हैं जिनका राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और लोगों की आजीविका की मूल आवश्यकताओं पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है तथा इनमें चीन में कुछ किसानों के लिए दुर्लभ और आवश्यक उत्पाद भी शामिल हैं। किसी भी देश में कोकून अपने उत्पादन और विपणन की दृष्टि से अस्थिर होता है। अतः निर्देशित कीमत लागू करना डब्ल्यूटीओ की अवधारणा के अनुरूप है।

50. चीन में लागू निर्देशित कीमत तंत्र के अनुसार, निर्देशित कीमत लागू करके "सक्षम अभिकरण या प्रचालक, बाजार में हुए परिवर्तनों के आलोक में तथा कीमत कानून के संगत प्रावधानों के अनुसार, सक्षम कीमत निर्धारण प्राधिकरणों को कीमत निर्धारण या मूल कीमतों में समायोजन हेतु आवेदन या प्रस्ताव कर सकते हैं।" सरकार अपनी इच्छा से कीमतों को नियंत्रित नहीं करती है बल्कि वह निर्देशित कीमतों तथा परिवर्तनशील रेंज जिसके भीतर प्रचालक अपनी निर्दिष्ट कीमतें निर्धारित कर सकते हैं, को निर्धारित करते समय "बाजार मांग एवं आपूर्ति, प्रचालन लागतों, उपभोक्ताओं पर प्रभाव तथा सेवाओं की गुणवत्ता जैसे कारकों पर विचार करेगी। अतः निर्देशित कीमत एक लोचशील कीमत निर्धारण तंत्र है और यह कभी भी प्रचालकों के प्रचालन में कोई महत्वपूर्ण हस्तक्षेप नहीं रहा है। यह कार्य संबंधी रिपोर्ट के खण्ड 54 के विवरणों में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित है।

51. चीन के कोकून कीमत निर्धारण प्रबंधनों की सामान्य नीति में वर्ष 2001 में घोषित कोकून बाजार तंत्र में सुधार के संबंध में अन्य बातों के साथ-साथ यह उल्लेख है कि कोकून बाजार तंत्र में सुधार को आगे बढ़ाने के लिए दिशानिर्देश इस प्रकार हैं - बाजार अर्थव्यवस्था की मांग के अनुसार, सरकारी कार्यों में आगे और बदलाव करना, सरकार और उद्यमों के बीच विसंगति का पता लगाना, मुक्त कोकून आपूर्ति को बढ़ावा देना, संसाधनों का इष्टतम आवंटन, कोकून और रेशम वस्त्र बाजार का विकास करना, बाजार आधारित कीमत तंत्र की स्थापना करना, संसाधनों के आवंटन में बाजार की मुख्य भूमिका को बढ़ावा देना, राज्य बाजार की स्थिरता को बनाए रखते हुए कोकून और रेशम यार्न बाजार को समायोजित करने के लिए परिष्कृत रेशम भण्डार जैसे आर्थिक उपायों का प्रयोग करेगा। वर्ष 2001 से बाजार स्थितियों के अनुसार ताजे और शुष्क कोकून पर प्रादेशिक निर्देश कीमतें लागू की जाती हैं। बाजार मांग एवं आपूर्ति, प्रचालन लागत, अनाज और कपास से विनिमय की दर, अंतर्राष्ट्रीय कीमतों जैसे कारकों के आलोक में सक्षम प्राधिकारी कीमतों का प्रस्ताव करेंगे। राज्य अब अपरिष्कृत रेशम की कीमतें निर्धारित नहीं करता है।

52. यह तर्क दिया गया है कि सरकार निर्देशक मूल्यों के रूप में बाजार संकेतों को प्रभावित तथा उनका प्रसार करके विकृत बाजार कीमत संकेत में सुधार करती है। वास्तव में, सरकार बाजार स्थिरता स्थापित करने के इस क्रम में एक नियंत्रक अथवा निर्देशक नहीं, बल्कि एक समयानुकूल संदेशवाहक की भूमिका अधिक

निभाती है, जिसका विवरण नोटिफिकेशन ऑफ इन्स्पेक्शन रिपोर्ट फॉर्म मेकेनिज्म एंड रिपोर्ट वर्क ऑन ककून एंड सिल्क मार्केट मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स में दिया गया है। यह तर्क दिया गया है कि किसी भी स्थिति में, कृमिकोष संबंधी ऐसे किसी कीमत निर्देशन के प्रभाव से कच्ची सामग्री की कीमतों में तथा लागत में वृद्धि होगी। अतः यह अप्रत्यक्ष सब्सिडी नहीं होगी अथवा इससे पाटन सुकर नहीं होगा।

53. यह तर्क दिया गया है कि चूंकि याचिकाकर्ता अर्थात् केंद्रीय सिल्क बोर्ड एक सरकारी निकाय है इसलिए प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान करने से मना करने के आधार के रूप में किसी उत्पादक के आंशिक राज्य स्वामित्व का उदाहरण देना अत्यधिक आपत्तिजनक माना जाएगा।

54. इन निर्यातकों ने अपने निवेदन में आगे तर्क दिया है कि -

- चीन में निर्यातकों के पास संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन, व्यापार अथवा निर्यातों का एकाधिकार नहीं है तथा निर्यातकों के कीमत निर्धारण तथा लागत पर राज्य/सरकार का नियंत्रण नहीं होता है। निर्यातक बाजार संचालित कीमतों पर जो राज्य/सरकार द्वारा विनियमित नहीं किए जाते हैं, कच्ची सामग्री खरीदते एवं तैयार उत्पाद क्रय करते हैं।
- चीन में निर्यातकों द्वारा प्रयुक्त लेखा प्रणाली बाजार अर्थव्यवस्था में अंतर्राष्ट्रीय मानकों से संगत है। निर्यातकों को घरेलू बिक्री पर लगाई गई अनुमत वैट प्रतिपूर्तियों के अलावा किसी प्रकार की सब्सिडी प्राप्त नहीं होती है तथा वे अन्य बाजार अर्थव्यवस्था में प्राधिकृत डीलर बैंक के जरिए विदेशी मुद्रा खरीदते हैं।
- कीमत, कच्ची सामग्री सहित लागत तथा निविष्टियां, प्रौद्योगिकी लागत तथा श्रम, उत्पादन, बिक्री एवं निवेश के संबंध में चीन के निर्यातकों के निर्णय, मांग एवं आपूर्ति दर्शाने वाले बाजार संकेतों के आधार पर लिए जाते हैं तथा निविष्टियों की लागत से बाजार मूल्य प्रदर्शित होते हैं। यह निवेदन किया गया है कि चीन में इन निविष्टियों की लागतों अथवा कीमतों के संबंध में न तो कोई राज्य विनियमन है और न ही "कीमतों के निर्धारण" की कोई प्रणाली मौजूद है। यह भी निवेदन किया गया है कि :-
- दिवालियापन तथा संपत्ति के संबंध में निर्यातक चीन के कानूनों एवं विनियमनों के अधधीन है। चीन में जांच अवधि सहित इसी प्रकार की फर्मों में दिवालियापन के कई मामले सामने आए हैं।
- पूर्ण तथा आंशिक "राज्य स्वामित्व" को उक्त प्रोटोकॉल अथवा उक्त नियमावली में कीमत/व्यवहार तुलनीयता हेतु संगत प्रकाशित मानदण्ड के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया गया है तथा इसे "राज्य द्वारा हस्तक्षेप" के रूप में नहीं माना जा सकता चूंकि उक्त प्रोटोकॉल में केवल कीमत तुलनीयता पर विचार किया गया है तथा उक्त नियमावली में व्यवहार को इंगित करते हुए "बाजार अर्थव्यवस्था फर्म के रूप में प्रचालन" का प्रावधान है।
- शब्द "राज्य द्वारा हस्तक्षेप" को विवेक के अनुसार "राज्य हस्तक्षेप, बाजार अर्थव्यवस्था से असंगत" पढ़ा जाना चाहिए। तथापि, राज्य हस्तक्षेप का अपने आप में यह अर्थ नहीं है कि एक अर्थव्यवस्था, बाजार अर्थव्यवस्था नहीं है। अतः केवल तभी जबकि संबद्ध राज्य हस्तक्षेप बाजार अर्थव्यवस्था के नियमों से अधिक होगा, तब विनिदिष्ट गैर-बाजार अर्थव्यवस्था से निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान करने से मना करने के लिए इस मानदण्ड को उपयोग में लाया जा सकता है।
- केवल आंशिक राज्य स्वामित्व के कारण बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे से बाहर कर देना तथा "अतः राज्य के हस्तक्षेप को नकारा नहीं जा सकता" एक अच्छा और पर्याप्त कारण नहीं है।

ज.1.2 में, झोजियांग जी एंड एफ तथा में, सिचुआन सिल्क की ओर से निवेदन

55. इन निर्यातकों की ओर से किए गए इन निवेदनों में यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी इस तथ्य की जांच करने में नाकाम रहे हैं कि चीन में सरकार द्वारा दिशा-निर्देशित कीमत प्रणाली के प्रचालन की पद्धति क्या है और क्या इससे बाजार में विकृति उत्पन्न होती है। इस संबंध में चीन जन. गण. के विषय में 28 फरवरी, 2006 (डब्ल्यूटी/टीपीआर/एस/161) को प्रकाशित डब्ल्यूटीओ की व्यापार नीति समीक्षा रिपोर्ट के संगत अंश निम्नानुसार हैं :-

'डब्ल्यूटीओ के नयाचार के उसके अभिगमन के अनुसार, चीन के प्रवेश के समय, तंबाकू 'राज्य द्वारा कीमत निर्धारण' (केन्द्र सरकार स्तर पर कीमत का निर्धारण) के अध्यक्ष था तथा कपास, अनाज, रेशम कीट कृमिकोष तथा वनस्पति तेल 'सरकार द्वारा दिशा-निर्देशित कीमत निर्धारण' (अर्थात् सरकार या तो एक 'आधारभूत कीमत' अथवा एक ऐसी कीमत जो एक रेंज में है (सामान्यतः 5% से 15% तक)) के अधीन थे। इस समीक्षा के संदर्भ में, प्राधिकारियों ने यह स्पष्ट किया है कि यद्यपि कपास को अभिगमन नयाचार¹ के अनुबंध 4 (सरकार द्वारा दिशा-निर्देशित कीमत निर्धारण के अधीन आने वाले उत्पाद) में शामिल किया गया था, उसकी कीमत को 1998 से आरंभ करके जब राज्य द्वारा कीमत निर्धारण को दिशा-निर्देशित कीमत में परिवर्तित किया गया था, क्रमिक रूप से उदारीकृत किया गया है; सितम्बर, 1999 से, इसका निर्धारण प्रमुखतः बाजार शक्तियों² द्वारा निर्धारण किया जाता है। वनस्पति तेल को भी सरकारी कीमत-निर्धारण³ के अध्यक्ष आने वाले उत्पादों की सूची से हटा दिया गया है। 1 अगस्त, 2001 की स्थिति के अनुसार, विभिन्न कृषि उत्पादों अर्थात् कपास, खाद्य वनस्पति तेल, अनाज, रेशम कीट कृमिकोष तथा चीनी को 'महत्वपूर्ण सुरक्षित सामग्री' माना गया है। सुरक्षित उत्पादों को वैधानिक कीमत पर बेचा जाता है, जो बाजार कीमत से कम होती है, जब बाजार कीमत एक निश्चित स्तर तक पहुंच जाती है। ऐसा प्रतीत होता है कि ये उत्पाद अन्यथा कीमत नियंत्रण के अधीन नहीं हैं (अध्याय III (4)(ii))।

56. यह तर्क दिया गया है कि चीन में प्रचलित जीजीपी के तहत कीमत नियंत्रण, राज्य द्वारा सुरक्षित उत्पादों के रूप में रखे गए मर्च के स्टॉक पर ही लागू होता है। उद्योग, बाजार में स्वयं की कीमतें निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र हैं। सरकार इन वस्तुओं के लिए किसी कीमत का निर्धारण नहीं करती है। जब भी किसी कृषि संबंधी वस्तु की बाजार कीमत एक निश्चित स्तर पर पहुंच जाती है, जो आम व्यक्ति की पहुंच से बाहर होती है तो सरकार अपने पास सुरक्षित उत्पादों के रूप में मौजूद स्टॉक को बाजार कीमत से कम कीमत पर बाजार में निकालती है। कम कीमत पर सरकारी स्टॉक के बाजार में आ जाने से बाजार कीमतें स्वाभाविक रूप से कम हो जाती हैं। अतः यह बाजार कीमतों को आम मनुष्य के लिए सुलभ स्तर पर पहुंचाने हेतु एक पद्धति है। यह उन सिद्धांतों के समान है, जिनके आधार पर भारतीय पीडीएस को तैयार किया गया है। अतः चीन जीजीपी को बाजार विकृति के लिए जिम्मेदार नहीं माना जा सकता। अधिक से अधिक यह कहा जा सकता है कि इस बाजार में बढ़ती हुई कीमत को सुधारा जाता है।

ज.1.3 सीसीसीटी की ओर से निवेदन

57. चाइना चैंबर ऑफ कॉमर्स फॉर टेक्स्टाइल्स ने अपने निवेदनों में निर्यातकों एवं उत्पादकों की ओर दिए गए विभिन्न तर्कों को दोहराया है और अन्य बातों के साथ-साथ यह निवेदन किया है कि चीन में रेशम क्षेत्र

1. डब्ल्यूटीओ दस्तावेज, डब्ल्यूटी/एल/432, 23 नवम्बर, 2001

2. लियू, झेनवेई (2002)

3. डब्ल्यूटीओ दस्तावेज जी/एससीएम/एम/48, 30 मार्च, 2004

और रेशमी वस्त्र के निर्माता बाजार अर्थव्यवस्था परिस्थितियों के तहत कार्य कर रहे हैं और इसलिए इस जांच में भाग लेने वाले निर्यातकों को चीन में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किया जाना चाहिए। सीसीसीटी ने तर्क दिया है कि रेशमी कपड़े के उत्पादन के लिए मूलभूत कच्ची सामग्री कच्चा रेशम है, कृमिकोष नहीं। अतः कृमिकोष को संबद्ध वस्तु अथवा प्रमुख कच्ची सामग्री नहीं माना जाना चाहिए। यह तर्क दिया गया है कि चीन में केन्द्र सरकार, राज्य द्वारा निर्धारित कीमत को लागू नहीं करती है बल्कि केवल ताजे कृमिकोषों के संबंध में राज्य द्वारा वार्षिक रूप से अनुमानित कीमत को लागू करती है। सूखे कृमिकोषों, कच्चे रेशम तथा रेशमी वस्त्रों की कीमतें किसी प्रकार के सरकारी विनियमनों एवं नियंत्रण के अधीन नहीं होती हैं। सीसीसीटी ने डब्ल्यूटीओ में चीन को शामिल किए जाने के संबंध में कार्यकारी पक्षकार के रिपोर्ट की एक प्रति भी प्रस्तुत की है और इसके खण्ड 7 (पैरा 52 से 55) का संदर्भ देते हुए सीसीसीटी ने निवेदन किया है कि "कीमत नियंत्रण" तथा "कीमत संबंधी दिशा-निर्देश" के बीच में एक बड़ा अंतर है। "कीमत नियंत्रण" विशिष्ट वस्तुओं हेतु सरकारी एजेंसियों द्वारा निर्धारित सरकारी कीमत है जबकि "दिशा-निर्देशित कीमत" सरकार द्वारा निर्देशित कीमत निर्धारण का एक लोचशील स्वरूप है। उपर्युक्त के अलावा, उन्होंने इस आधार पर कि चीन के रेशम उत्पादक, भारतीय उत्पादकों की तुलना में कुछेक तकनीकी एवं उत्पादकता संबंधी विषयों में अधिक लाभप्रद स्थिति में हैं, भारत के रेशम उत्पादकों की तुलना में चीन के रेशम उत्पादकों के लागत एवं कीमत लाभों के संबंध में कुछेक तर्क प्रस्तुत किए हैं।

ज.1.4 घरेलू उद्योग की ओर से निवेदन

58. घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि सिल्क बाजार की परिस्थितियों तथा चीन के अभिगमन संबंधी नयाधार, जहां चीन ने रेशम कृमिकोषों की कीमत पर राज्य का नियंत्रण होना स्वीकार किया है, को देखते हुए प्राधिकारी ने सभी निर्यातकों एवं उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान न करके उचित किया है। चीन के निर्यातक तथा चीनी दूतावास के अधिकारी, कृमिकोष तथा कच्चे रेशम के कीमत-निर्धारण तंत्र के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा किए गए प्रश्नों के उत्तर देने में असमर्थ रहे हैं। यह भी निवेदन किया गया है कि अनेक कारणों से चीन के किसी भी निर्यातक/उत्पादक को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान नहीं किया जा सकता। लगभग सभी मामलों में, चीन के निर्यातकों तथा उत्पादकों के उत्तर त्रुटिपूर्ण तथा अयथार्थ रूप से प्रस्तुत किए गए हैं क्योंकि निर्यातकों ने ऐसी सूचनाओं को प्रकट नहीं किया है जो बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान किए जाने हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण है। निर्यातकों द्वारा अपने वकीलों के माध्यम से दिए गए तर्कों के उत्तर में, जिसमें जब तक अन्यथा साबित नहीं किया जाता तब तक चीन को बाजार अर्थव्यवस्था माना जाएगा, घरेलू उद्योग ने दोहराया है कि भारतीय कानून में यह पर्याप्त रूप से स्पष्ट किया गया है कि यह परिकल्पना कि चीन एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है, विधिक परंतु खण्डनीय है।

ज.2. प्राधिकारी द्वारा जांच

59. प्राधिकारी ने संगत नियमावली तथा किए गए निवेदनों के संदर्भ में चीन के उत्तर देने वाले निर्यातकों द्वारा किए गए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावों के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए विभिन्न तर्कों की जांच की है।

60. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध I के पैरा 8, जिसे दिनांक 10.11.2003 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 101/2003-सी.शु. (एनटी) द्वारा संशोधित किया गया है, के अनुसार :

(1) "गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश" शब्द का अर्थ है कि कोई देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धांतों को लागू नहीं करने वाले के रूप में मानते हैं। जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की बिक्रियों उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंड के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य को नहीं दर्शाती है।

(2) यह कहना परिकल्पना होगी कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यूटीओ के किसी सदस्य के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

तथापि, गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या :-

(क) ऐसे देश में कच्ची सामग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्य को दर्शाती है;

(ख) ऐसे फर्मों की उत्पादन लागतें तथा विनीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाए गए विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है। खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसम्पत्तियों के ह्रास, अन्य राइट ऑफ, वस्तु विनिमय व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में;

(ग) ऐसी फर्म दिवालियापन तथा सम्पत्ति कानून के अधीन होती है जा कि फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है; तथा

(घ) विनिमय दर में परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं;

तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसे अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धांतों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।

(4) उप पैराग्राफ (2) में निहित किसी बात के होते हुए भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे किसी देश को बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मान सकते हैं जिसे उप- पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मानदण्डों सहित संगत मानदण्डों के नवीनतम विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर किसी सरकारी दस्तावेज में ऐसे मूल्यांकन के प्रकाशन द्वारा किसी ऐसे देश जो विश्व व्यापार संगठन का सदस्य है, ने पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है अथवा ऐसा मानने के लिए निर्धारित किया है।”

61. उपर्युक्त नियमों के आलोक में चीन के निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान करने संबंधी मुद्दों की जांच की गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पूर्व में केन्द्र द्वारा बनाई गई अर्थव्यवस्थाओं के मामले में, गैर- बाजार अर्थव्यवस्था का एक खण्डनीय पूर्वानुमान है जब तक कि उक्त नियमावली में निर्धारित किए अनुसार सभी संगत मानदण्डों के मूल्यांकन के पश्चात देश को किसी अन्य डब्ल्यूटीओ सदस्य द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान न किया गया हो। यद्यपि उत्तर देने वाले निर्यातकों तथा सीसीसीटी ने दावा किया है कि चीन का कई देशों द्वारा गैर बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किया जा चुका है परंतु सभी संगत मानकों के मूल्यांकन के पश्चात ऐसा कोई साक्ष्य नहीं मिलता है जिससे यह साबित होता हो कि उन्हें यह व्यवहार प्रदान किया गया है। अतः यह खण्डनीय पूर्वानुमान बना हुआ है तथा अलग- अलग बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान किए जाने हेतु पैरा 8(2) के संदर्भ में निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा अलग- अलग साक्ष्य प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है।

62. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सभी प्रतिदर्शित तथा प्रतिभागी निर्यातकों/उत्पादकों ने गैर बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं तथा यथासंभव सीमा तक मौके पर सत्यापन के माध्यम से उनकी जांच की गई है। सीसीसीटी ने समग्र रूप से क्षेत्र की सामान्य बाजार अर्थव्यवस्था परिस्थितियों के संबंध में भी निवेदन किए हैं तथा सीसीसीटी द्वारा उठाए गए मुद्दों की भी मौके पर सत्यापन के माध्यम से जांच की गई है। इन जांचों के आधार पर समग्र रूप से क्षेत्र के बाजार अर्थव्यवस्था दावों तथा अलग-अलग प्रतिभागी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में प्राधिकारी के विचार निम्नानुसार हैं :-

ज.2.1 चीन में सिल्क क्षेत्र की सामान्य बाजार अर्थव्यवस्था जांच

63. सीसीसीटी ने तर्क दिया है कि रेशमी वस्त्रों के उत्पादन हेतु मूल कच्ची सामग्री कच्ची रेशम है तथा चीन में कच्ची रेशम का उत्पादन सूखे कृमिकोषों से किया जाता है। अतः ताजे कृमिकोषों में कथित दिशा-निर्देशित कीमत तंत्र के कारण हुई विकृति, यदि कोई हो, से कपड़ा उत्पादकों के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने यह तर्क भी दिया है कि ताजे कृमिकोषों हेतु इस्तेमाल किया जाने वाला "दिशा-निर्देशित तंत्र", "नियंत्रित कीमत तंत्र" से मूलतः अलग है। यह तर्क दिया गया है कि सरकार द्वारा नियंत्रित कीमतों का निर्धारण कीमत प्रबंध प्राधिकारियों द्वारा निर्धारित किया जाता है और उन्हीं प्राधिकारियों के अनुमोदन के बिना उनमें परिवर्तन नहीं किया जा सकता है। सरकार द्वारा कीमत निर्धारण के अध्वधीन वे उत्पाद तथा सेवाएं हैं, जिनका राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था तथा लोगों की आजीविका हेतु आधारभूत आवश्यकताओं पर सीधा प्रभाव पड़ता है, तथा इनमें वे उत्पाद भी शामिल हैं जिनका चीन में अभाव है। दूसरी ओर, दिशा-निर्देशित कीमत तंत्र के तहत, कीमत प्रबंध प्राधिकारी कोई एक मूल कीमत अथवा फ्लोटिंग रेंज विनिर्दिष्ट करते हैं। उद्यम, दिशा-निर्देशन के संदर्भ में तथा बाजार की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, कीमतों के संबंध में स्वयं निर्णय लेते हैं। सरकारी कीमतों तथा सरकार द्वारा दिशा-निर्देशित कीमतों को तैयार करते समय, प्रबंधन प्राधिकारी, सामान्य उत्पादन लागतों, आपूर्ति एवं मांग की स्थितियों, संगत सरकारी नीतियों तथा संबद्ध उत्पादों की कीमतों जैसे मानदण्डों को ध्यान में रखते हैं। अतः यह तर्क दिया गया है कि सरकार द्वारा दिशा-निर्देशित कीमत सरकार द्वारा मनमाने ढंग से निर्धारित कीमत नहीं है बल्कि सरकार द्वारा उपयोग में लाया जाने वाला लोचशील कीमत निर्धारण तंत्र है जो प्रमुखतः बाजार कीमतों पर आधारित है। दिशा-निर्देशित कीमत का मुख्य उद्देश्य उद्यमों को उचित कीमत अपनाने का सुझाव देना है ताकि बाजार व्यवस्था में अस्त-व्यस्तता, कीमत निर्धारण में घपलों तथा एकाधिकार से बचा जा सके। तथापि, सरकार द्वारा दिशा-निर्देशित कीमत का अनुपालन न करने पर राज्य द्वारा दण्ड नहीं दिया जाएगा।

64. यह साबित करने के लिए कि रेशम एवं कृमिकोष क्षेत्र में सरकारी नियंत्रण तंत्र तथा दिशा-निर्देशन में वर्ष 2002 के पश्चात काफी कमी हुई है, राज्य आर्थिक एवं व्यापार आयोग द्वारा कृमिकोष तथा रेशम के प्रसार के संबंध में प्रशासनिक उपाय, राष्ट्रीय विकास एवं सुधार आयोग, 2002 तथा वर्ष 2003, 2004, 2005 तथा 2006 की कृमिकोष की कीमत संबंधी नीति तथा क्रय की कार्यवाहियों के प्रबंध के सुदृढीकरण के संबंध में नोटिस, राष्ट्रीय विकास तथा सुधार आयोग का संदर्भ दिया गया है। यह तर्क दिया गया है कि इन अधिसूचनाओं में निर्देशन तंत्र में किए गए परिवर्तन अत्यंत स्पष्ट हैं क्योंकि इन अधिसूचनाओं में कृषकों को प्रोत्साहित करने के लिए ताजे कृमिकोषों की केवल एक अनुमानित कीमत दी गई है। चीनी सरकार इस तंत्र के जरिए कृषकों के हितों को दृढ़तापूर्वक सुरक्षा प्रदान करती है, यद्यपि इस कीमत निर्धारण को लागू नहीं किया जा सकता है। यह भी तर्क दिया गया था कि सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट कीमत के बावजूद बाजार में ताजे कृमिकोषों की वास्तविक कीमतों में काफी विविधता है। इस तर्क के समर्थन में चीन के सिल्क एसोसिएशन द्वारा संकलित वर्ष 2003 तथा 2004 में चीन में ताजे कृमिकोषों की खरीद कीमतों के आंकड़े तथा वर्ष

2003-04 के दौरान चाइना ककून एंड सिल्क एक्सचेंज में सूखे कृमिकोषों तथा कच्चे रेशम की कीमत के मासिक आंकड़े प्रस्तुत किए गए थे। इन वक्तव्यों का संदर्भ देते हुए सीसीसीटी ने निवेदन किया है कि ताजे कृमिकोषों तथा सूखी कृमिकोषों एवं कच्चे रेशम की कीमतें हर मौसम में तथा हर क्षेत्र में अलग-अलग होती हैं। अतः यह तर्क दिया गया है कि वास्तविक बाजार कीमत पर निर्देशित कीमतों का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

65. प्राधिकारी द्वारा इस मुद्दे की जांच की गई है। जहां तक रेशमी कपड़ों के विनिर्माण हेतु कच्ची सामग्री के प्रारंभिक बिंदु का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी रेशमी वस्तु के विनिर्माण हेतु मूल कच्ची सामग्री रेशम कृमिकोष हैं। भले ही रेशम यार्न ताजे कृमिकोष से प्राप्त किया जाए, जैसा भारत में किया जाता है अथवा सूखे कृमिकोष से जैसा चीन में किया जाता है, यह केवल प्रक्रिया का मामला है। सूखे कृमिकोष और कुछ नहीं बल्कि बाद के चरण में रीलिंग हेतु सुखाए हुए एवं संरक्षित ताजे कृमिकोष होते हैं। अतः ताजे कृमिकोष अथवा सूखे कृमिकोष के उपयोग के अंतर से इस तथ्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है कि मूल कच्ची सामग्री, कृमिकोष से प्राप्त होती है। अनेक संयुक्त रेशम इकाइयों में कृमिकोष रीलिंग स्तर से लेकर बुनाई तथा परिष्करण के स्तर तक कार्य होता है। वस्त्रों की लागत मुख्यतः कृमिकोष की लागत पर निर्भर करती है तथा विभिन्न मध्यवर्ती लागतों जैसे रीलिंग ट्विस्टिंग तथा वीविंग पर निर्भर करती है। इस प्रकार कृमिकोष की लागत वस्त्रों की लागत का लगभग 70% होती है। अतः ताजे कृमिकोषों के कीमत तंत्र में विकृति यदि कोई हो, को समझना तथा उनकी जांच करना महत्वपूर्ण है।

66. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि जहां निर्यातकों के एक समूह ने यह तर्क दिया है कि कृमिकोष के कीमत दिशानिर्देशन प्रणाली के प्रभाव से कच्ची सामग्री की कीमत एवं लागत घटने के बजाय बढ़ जाएगी जिससे पाटन में वृद्धि होगी; निर्यातकों के दूसरे समूह ने तर्क दिया है कि दिशा-निर्देशित कीमत तंत्र, बाजार कीमतों को आम आदमी के लिए सुलभ बनाने की एक पद्धति है और यह बाजार में बढ़ती कीमतों का सुधारने हेतु कार्य करता है। दूसरी ओर, सीसीसीटी ने तर्क दिया है कि निर्देशित कीमत का मुख्य उद्देश्य उद्यमों को उचित कीमत अपनाने हेतु सुझाव देना है ताकि बाजार व्यवस्था में गड़बड़, मनमाने ढंग से कीमत निर्धारण तथा एकाधिकार से बचा जा सके। प्राधिकारी पाते हैं कि ये तर्क विरोधाभासी हैं तथा इन तर्कों से निर्यातकों के इस दावे को समर्थन नहीं मिलता है कि सरकार द्वारा कृमिकोष का कीमत निर्धारण, मुक्त बाजार कीमत तंत्र में सरकार द्वारा हस्तक्षेप नहीं है और इससे कीमत विकृत नहीं होती है। इसके विपरीत, ऊपर उद्धरित कीमत संबंधी निर्देशन आदेशों में सभी स्तर की सरकारी एजेंसियों के लिए कृमिकोषों के संबंध में "कीमत संबंधी नीतियों के कार्यान्वयन की गंभीरतापूर्वक निगरानी" करने तथा बाजार के अत्यधिक उतार-चढ़ावों से बचने हेतु सामान्य कीमत व्यवस्था बनाए रखने तथा कृमिकोष तथा रेशम में स्थिर एवं उचित सुधार को प्रोत्साहित करने के लिए विनिर्दिष्ट दिशा-निर्देश हैं। 2004 के आदेश के पैरा 2 में इस संबंध में "पर्यवेक्षण कार्य" करने हेतु संगत प्रशासनिक प्राधिकारियों को सामान्य दिशा-निर्देश तथा "रेशम कृमिकोष खरीददारों की विधिक पात्रता की परिभाषा दी गई है। अतः इस तथ्य के बावजूद कि ताजे कृमिकोष के कीमत निर्देशन तंत्र तथा रेशम एवं कृमिकोष क्षेत्र में सरकारी नियंत्रण एवं निर्देशन में वर्ष 2002 के पश्चात काफी कमी हुई है, ऐसा मालूम होता है कि ताजे कृमिकोषों की कीमत सहित इस क्षेत्र में सरकार का काफी दखल है।

67. उपर्युक्त मामले के अलावा, प्राधिकारी ने चीन में रेशम उद्योग के अन्य पहलुओं की भी जांच की है तथा यह पाया है कि सरकार के हस्तक्षेप के कारण बाजार में अत्यधिक विकृति मौजूद है अथवा पूर्व में लागू

किए गए गैर- बाजार प्रणाली को स्थगित करने के कारण काफी विकृतियां मौजूद हैं। अतः प्राधिकारी ने रेशम उद्योग की संरचना की सामान्य रूप से तथा चीन में रेशम वस्त्र उद्योग की संरचना की विशेष रूप से जांच की है।

68. जहां तक कृमिकोष प्रजनन का संबंध है, चीन में मलबरी फार्मिंग तथा रेशम कीटों (कृमिकोष फार्मिंग) का पालन, प्रमुखतः अलग- अलग परिवारों द्वारा किया जाता है। सामान्यतः रेशम कीटों का पालन कृषकों के निजी आवासों के भीतर किया जाता है। ये कीट घरों के पिछवाड़ों में उगाई जाने वाली मलबरी के पत्तों से भोजन प्राप्त करते हैं। तथापि, कुछेक क्षेत्रों में स्वैच्छिक कृमिकोष सहकारिता स्थापित की गई है। चूंकि चीन में भूमि पर दिए जाने के अलावा किसी व्यक्ति के पास निजी भूमि नहीं होती है, इसलिए मलबरी के उपजकर्ता फार्मिंग हेतु स्थानीय सरकारों के जरिए राज्य से भूमि प्राप्त करते हैं। चीन में भूमि संबंधी शुल्क अथवा पट्टा संबंधी भाड़ा अत्यंत कम है। चूंकि रेशम फार्मिंग की संपूर्ण पूंजी लागत, फार्म हेतु भूमि तथा लघु आवासीय इकाइयां हैं अतः कृमिकोष की लागत के संबंध में कम भूमि शुल्क का लागत निहितार्थ महत्वपूर्ण है।

69. कृमिकोष उत्पादक, ताजे कृमिकोषों की बिक्री स्थानीय क्षेत्रों में सीधे कृमिकोष खरीदने वाले अथवा रीलिंग उद्यमों को करते हैं। चूंकि संपूर्ण कोशावस्था तथा कीट के बाहर निकलने में केवल 7 से 10 दिन का समय लगता है इसलिए ताजे कृमिकोषों की या तो तुरंत रीलिंग कर दी जानी चाहिए अथवा भविष्य में रीलिंग प्रक्रिया हेतु इस अवधि के दौरान शुष्कन अभिक्रिया द्वारा सूखे कृमिकोषों में परिवर्तित किया जाना चाहिए। सूखे कृमिकोष का भार शुष्कन अभिक्रिया पूर्व ताजे कृमिकोष का केवल 40-50% होता है। तथापि, इस प्रक्रिया में श्रम एवं अभिक्रिया की लागत शामिल है। कृमिकोष के उत्पादक अथवा रीलर्स, शुष्कन अभिक्रिया करते हैं। शुष्कन तथा रीलिंग एकक संयोजित अथवा अलग- अलग लघु या मध्यम उद्यम होते हैं जो कृमिकोष विनिमय केन्द्रों अथवा ब्रीडरों द्वारा सीधे कृमिकोष खरीदते हैं।

70. चीन में वीविंग एकक लघु मध्यम आकार के उद्यम होते हैं। चीन जन. गण. के नैशनल ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स द्वारा सिल्क इंडस्ट्री रिपोर्ट ऑफ चाइना, 2005 के अनुसार चीन में सिल्क उद्योग के अंतर्गत 2558 उद्यम हैं। चीन में उदारीकरण की प्रक्रिया के शुरू होने से पहले चीन के लगभग सभी रेशम एकक टाउन एवं विलेज इंटरप्राइजेज (टीवीई) के रूप में राज्य नियंत्रण के अधीन थे, जिसे स्थानीय सरकारों द्वारा चलाया जाता था। उदारीकरण के शुरू होने के पश्चात भी, उपर्युक्त रिपोर्ट के अनुसार, 113 एकक अब भी राज्य के स्वामित्व अथवा राज्य के नियंत्रण में हैं। शेष एकक, जो पूर्व में अधिकांशतः राज्य के स्वामित्व वाले रेशम उद्यम थे, का नैगमिक पुनःसंरचना, एसोसिएशनों, संविलयनों, प्रॉपर्टी लीज, अनुबंधित प्रबंधन, संयुक्त उद्यमों, राज्य स्वामित्व संपत्ति अधिकारों के हस्तांतरण अथवा संयुक्त इक्विटी के जरिए आंशिक अथवा पूर्ण रूप से निजीकरण कर दिया गया है। प्रतिदर्शी निर्यातकों तथा उनके समर्थनकारी उत्पादकों के मौके पर सत्यापन से, जैसा निम्नलिखित पैराग्राफों में दर्शाया गया है, यह प्रदर्शित होता है कि अधिकांश व्यापारिक एकक पहले पूर्ण रूप से राज्य में थे। पुनःसंरचना की प्रक्रिया में इन राज्य स्वामित्व वाले उद्यमों को विभिन्न निवेश नियंत्रक कंपनियों को हस्तांतरित कर दिया गया है, जो मुख्य राज्य द्वारा नियंत्रित की जाती हैं। इनमें से अधिकांश एकक पूर्व में राज्य के नियंत्रण में थे और भारी हानि के कारण इन्हें नैगमिक पुनः संरचना, एसोसिएशनों, संविलयनों, प्रॉपर्टी लीज, अनुबंधित प्रबंधन, संयुक्त उद्यमों, राज्य स्वामित्व संपत्ति अधिकारों के हस्तांतरण अथवा संयुक्त इक्विटी के जरिए वर्तमान प्रबंधन संरचना को हस्तांतरित कर दिया गया है।

हस्तांतरण के समय परिसंपत्तियों तथा देनदारियों का मूल्यांकन तथा हस्तांतरण की पद्धति अधिकतर अपारदर्शी होती है तथा बाजार को प्रदर्शित नहीं करती है। एककों के पास ज्यादातर पुराने एवं संयंत्र तथा मशीनरी है जो उन्हें अत्यधिक कम पूंजी पर पूर्ववर्ती राज्य-स्वामित्व वाले उद्यमों से प्राप्त हुए हैं और इसलिए उन पर बहुत कम पूंजी एवं वित्तीय लागत आई है।

ज.2.2 अलग-अलग निर्यातकों/उत्पादकों की जांच

(क) मै. झेजियांग कथाया एवं संबद्ध उत्पादक

71. कथाया एवं उसके पांच साझेदार उत्पादकों की जांच से यह संकेत मिलता है कि कथाया को रेशम व्यापार सहित अन्य वस्त्र मशीनरी तथा उपकरणों में निवेश करने के लिए झेजियांग प्रांतीय सरकार द्वारा स्थापित एक *** % राज्य स्वामित्व नियंत्रक कम्पनी, मै. झेजियांग सिल्क ग्रुप कंपनी से ***% अंशदान के साथ एक चीनी संयुक्त स्टॉक लिमिटेड कंपनी के रूप में स्थापित किया गया था। कथाया में नियंत्रक कंपनी का पूंजीगत अंशदान, परिसंपत्तियों के रूप में है तथा किसी प्रकार का नकद अंशदान नहीं किया गया है। नियंत्रक कंपनी तथा कथाया के बीच संबंध एक व्यापक सेवा करार द्वारा स्थापित किया गया है। कंपनी का ***% हिस्सा, तीन अन्य राज्य स्वामित्व वाली सत्ताओं के पास है। कंपनी का ***% हिस्सा शंघाई इन्ना इन्वेस्टमेन्ट एवं डेवलपमेन्ट कं. लि. के पास निवेश द्वारा वर्ष 2001 में स्थापित किया गया था। ये कर्मचारी बाद में कथाया में कर्मचारियों के रूप में शामिल हो गए थे। कथाया का प्रबंधन नियंत्रण एक निदेशक मंडल के हाथ में होता है जिसे व्यापक रूप से राज्य स्वामित्व वाली सत्ताओं द्वारा नियंत्रित किया जाता है।

72. कथाया के साझेदार उत्पादक नामतः मै. झेजियांग यांगशी सिल्क कं. लि.; मै. हांगझोऊ युआनयुआन सिल्क कं. लि.; मै. डेकिंग जिनरून सिल्क कंपनी लि.; मै. डेकिंग काउंटी बोपलिडासिल्क कंपनी लि.; मै. होझाऊ हुआशेंग सिल्क फैक्ट्री की जांच से यह भी प्रदर्शित होता है कि इन कंपनियों की फैक्ट्रियां शहरी तथा ग्राम उद्यमों के रूप में प्रचालनरत थी अथवा विभिन्न स्थानीय सरकारों के अधीन ग्राम समुदायों द्वारा सामूहिक उद्यम के रूप में चलाई जा रही थी। संचित हानियों अथवा एककों के दिवालियापन के कारण, एककों को बंद कर दिया गया था इन एककों की परिसंपत्तियों को बाद में वर्तमान स्वामियों को बेच दिया गया। मूल्यांकन तथा परिसंपत्ति के हस्तांतरण की पद्धति अपारदर्शी अथवा बाजार की प्रवृत्तियों से प्रेरित नहीं रही है। उपर्युक्त के मद्देनजर ऐसा प्रतीत होता है कि उत्पादन लागत तथा तैयार वस्तुओं की कीमत, उत्पाद का उचित बाजार मूल्य नहीं दर्शाया गया है।

(ख) मै. सिचुआन सिल्क एक्सपोर्ट एंड इंपोर्ट तथा उसके संबद्ध उत्पादक

73. मै. सिचुआन सिल्क की जांच से यह प्रकट होता है कि इस व्यावसायिक सत्ता की स्थापना, सिचुआन प्रांत की प्रांतीय सरकार के अधीन एक राज्य स्वामित्व वाले उद्यम के रूप में सिचुआन सिल्क इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन के नाम से चीनी कंपनी कानून के तहत वर्ष 1982 में की गई थी। वर्ष 1998 तक यह पूर्णतः सिचुआन प्रांत की प्रांतीय सरकार के स्वामित्व में था। वर्ष 1998 में प्रांतीय सरकार ने इस व्यापारिक उद्यम को मै. सिचुआन होइस्ट ग्रुप इंक लि. के नाम से दूसरे राज्य स्वामित्व वाले उद्यम का हस्तांतरित कर दिया गया था। वर्तमान में होइस्ट के पास उद्यम का *** % हिस्सा है तथा केवल *** % हिस्सा एक निजी

व्यक्ति के पास है। होइस्ट की स्थापना वर्ष 1994 में की गई थी, जिसमें 7 राज्य उद्यमों द्वारा निवेश किया गया था। उसके पश्चात इसमें कई संरचनात्मक परिवर्तन हुए हैं। तथापि नियंत्रक कम्पनी अब भी प्रमुखतः राज्य के नियंत्रण में है। कंपनी की प्रबंधन प्रणाली से यह प्रदर्शित होता है कि कंपनी में एक निदेशक मंडल है, जिसमें अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक होइस्ट के हैं तथा अन्य निदेशक यूनिवर्सिटी रिसर्च इंस्टीट्यूट, जिसका मुख्य कंपनी में ***% हिस्सा है, सहित अपने-अपने उद्यमों के प्रतिनिधि हैं।

74. सिचुआन के साझेदार उत्पादकों, नामतः मै. देयांग बैलांग लाइफेंग सिल्क कं. लि. तथा मै. सिचुआन लेज्ही लॉंगटाई सिल्क फैब्रिक कं. लि. की जांच से यह पता चलता है कि सिचुआन प्रान्त में देयांग बैलांग सिल्क फैक्ट्री, सिचुआन प्रान्तीय सरकार के अधीन वर्ष 2003 तक प्रचालनरत थी। राज्य नियंत्रण के अधीन यह फैक्ट्री भारी घाटा उठा रही थी और फैक्ट्री का निवल मूल्य ऋणात्मक था। इस फैक्ट्री के कुछ कर्मचारियों ने इस फैक्ट्री को काऊंटी सरकार से खरीद लिया और मै. देयांग बैलांग लाइफेंग सिल्क फैब्रिक कं. लि. की स्थापना वर्ष 2004 में एक निजी कंपनी के रूप में की गई। मूल्यांकन रिपोर्ट से प्रदर्शित होता है कि 31.3.2004 की स्थिति के अनुसार कंपनी का निवल मूल्य ऋणात्मक है। नए निवेशकों ने कंपनी के एक हिस्से के परिसंपत्तियों तथा देनदारियों का दायित्व ले लिया है और बाकी की परिसंपत्तियों और देनदारियां अब भी मूल फैक्ट्री के नाम पर हैं, जो केवल कागज पर ही मौजूद हैं। अतः व्यावहारिक रूप में संयंत्र तथा प्राप्त की गई मशीनरी के लिए कुछ भुगतान नहीं किया गया है।

75. मै. सिचुआन लेज्ही लॉंगटाई सिल्क फैब्रिक कं. लि. की जांच से भी यह प्रदर्शित होता है कि मूलतः यह फैक्ट्री शुगुआंग सिल्क फैक्ट्री के नाम से प्रचालनरत थी, जो संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन करती थी। तथापि, फैक्ट्री में वित्तीय सनराओं के उत्पन्न होने पर प्रमुख बैंकर अर्थात् एग्रीकल्चरल बैंक ऑफ चाइना ने ऋणों का भुगतान न किए जाने पर उनकी परिसंपत्तियों को अपने कब्जे में ले लिया। प्रारंभ में चार व्यक्तियों ने नवम्बर, 2000 में फैक्ट्री को भाड़े पर चलाने के संबंध में बैंक के साथ करार किया था। इस करार का वर्ष 2003 में पुनर्नवीकरण किया गया था। फैक्ट्री को लेज्ही उपशाखा के पास रहने के रूप में रखा गया है और तत्पश्चात इसे दिवालिया घोषित कर दिया गया है। एग्रीकल्चरल बैंक ऑफ चाइना के लेज्ही उप शाखा द्वारा विशेष रूप से विनिर्दिष्ट किए जाने पर सिचुआन चेंगहू हुआलियान ऑक्शन कं. लि. ने शुगुआंग सिल्क मिल को बेचने के लिए लेज्ही काऊंटी में एक नीलामी का आयोजन किया था। उन्हीं चार व्यक्तियों ने नीलामी में भाग लिया और बोली लगा कर फैक्ट्री को बैंक से प्राप्त कर लिया और वर्तमान कंपनी की स्थापना की।

76. उपर्युक्त जांच से पता चलता है कि निर्यातक कंपनी प्रमुखतः राज्य के नियंत्रण में है। उत्पादकों की लागतें एवं कीमतें भी पूर्ववर्ती राज्य स्वामित्व वाले अथवा राज्य द्वारा नियंत्रित एककों को निजी उद्यमों में परिवर्तित किए जाने की अपारदर्शी पद्धति के कारण अत्यधिक विकृत हुई हैं।

(ग) मै. झेजियांग जी एंड एफ फॉरेन ट्रेडिंग कं. लि. तथा उसके संबद्ध उत्पादक

77. इस निर्यातक की स्थिति की जांच से यह पता चलता है कि यह कंपनी 1995 में स्थापित की गई थी, जिसको मै. झेजियांग नेटिव प्रोड्यूस एंड एनिमल बाय-प्रोडक्ट्स कं. लि. के नाम से एक राज्य स्वामित्व वाले उद्यम द्वारा संवर्धित किया गया जो प्रांतीय सरकार के अधीन थी। इस निवेश कंपनी को वर्ष 1975 में एक

नियंत्रक कंपनी के अधीन, झेजियांग प्रॉविंस ग्रैंड ग्लोरी होल्लिंग कंपनी लि. के नाम से स्थापित किया गया, जिसे झेजियांग प्रांतीय सरकार द्वारा नियंत्रित किया जाता था। वर्ष 1995 तक मै. झेजियांग नेटिव प्रोड्यूस एंड एनिमल बाय प्रोडक्ट्स कं. लि. एक राज्य व्यापार कंपनी के रूप में विभिन्न प्राकृतिक उत्पादों के आयात एवं निर्यात संबंधी व्यापार में लगी हुई थी। इसके पश्चात यह केवल निवेश कंपनी बन गई तथा इसका व्यापार दूसरी निवेशित कंपनियों को सौंप दिया गया। मै. झेजियांग जी एंड एफ फॉरेन ट्रेडिंग कं. लि. एक ऐसी ही कंपनी है जिसका अधिकार उससे छीन लिया गया है। हस्तांतरण एवं अधिकार हरण की पद्धति की भी जांच की गई ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या सरकार अब भी कंपनी में दखल रखती है अथवा नहीं। यह देखा गया कि नई सत्ता अर्थात् मै. झेजियांग जी एंड एफ फॉरेन ट्रेडिंग कं. लि. की स्थापना वर्ष 1999 में श्रमिक संघ तथा संवर्धक अर्थात् मै. झेजियांग नेटिव प्रोड्यूस एंड एनिमल बाय प्रोडक्ट्स कं. लि. के बीच *** - ***% के करार के आधार पर की गई थी। चीन जन. गण. के व्यापार संघ कानून के अनुसार श्रमिक संघ एक पृथक विधिक सत्ता है और उक्त कानून के अनुच्छेद 2 के संदर्भ में कर्मचारियों के कानूनी अधिकारों का प्रतिनिधित्व करता है। कर्मचारियों द्वारा किए गए अंशदान का श्रमिक संघ द्वारा एकत्र कर, एक नई कंपनी में निवेश किया गया है। सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए नई कंपनी, राज्य स्वामित्व वाली झेजियांग नेटिव प्रोड्यूस एंड एनिमल बाय प्रोडक्ट्स कं. लि. तथा उसी कंपनी के श्रमिक संघ के बीच एक संयुक्त उद्यम है। निदेशक मंडल के अध्यक्ष मै. झेजियांग नेटिव प्रोड्यूस एंड एनिमल बाय- प्रोडक्ट्स कं. लि. का प्रतिनिधित्व करता है, जो प्रांतीय सरकार के स्वामित्व में है। अन्य निदेशकों का चुनाव कर्मचारियों द्वारा पणधारकों की बैठक में किया जाता है। महाप्रबंधक का चुनाव, कंपनी के दिन- प्रतिदिन के मामलों की देखरेख के लिए निदेशक मंडल द्वारा किया जाता है।

78. इस निर्यातक के साझेदार उत्पादकों नामतः हुआऊ सिटी लिंघू जिन्शान यिशेंग सिल्क वीवन फैक्ट्री; तथा मै. डेक्विंग वेन्या हीट प्रिजर्वेटिव मैटीरियल एंड सिल्क फैब्रिक्स लि. कंपनी की जांच से यह पता चलता है कि यिशेंग के विनिर्माण फैक्ट्री की स्थापना एक निवेशक द्वारा पुराने संयंत्रों और मशीनरी के साथ वर्ष 2002 में की गई थी। जिन स्रोतों से संयंत्र एवं मशीनरी प्राप्त किए गए हैं उनका पूर्ववृत्त ज्ञात नहीं है। दूसरा उत्पादक उष्मा संरक्षण का व्यापार कर रहा था और वर्ष 2002 में रेशम का व्यापार प्रारंभ किया है। यह भूमि झोंगुआन ग्राम से इकोनॉमिक को-ऑपरेटिव सोसायटी द्वारा ***/- आरएमबी के वार्षिक भाड़े पर मई, 2002 से 30 वर्षों की अवधि के लिए पट्टे पर ली गई है। उत्पादन इकाई के पास जांच अवधि के दौरान *** मीटर कपड़े की वार्षिक उत्पादन क्षमता के साथ 351 लूम हैं, जिनमें से अधिकांश पुराने हैं। संयंत्रों एवं मशीनरी का स्रोत ज्ञात नहीं है।

79. उपर्युक्त जांच से यह पता चलता है कि निर्यातक अब भी काफी हद तक राज्य के नियंत्रण में हैं तथा उत्पादन इकाइयों की स्थापना की पद्धति अपारदर्शी है। अतः संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों तथा उपर्युक्त उत्पादकों तथा निर्यातकों द्वारा निर्यातित उत्पादों की लागत एवं कीमतें काफी विकृत प्रतीत होती हैं।

(घ) मै0 नान्जिंग टेक्सटाइल्स एक्सपोर्ट इंपोर्ट कॉर्पोरेशन एवं उसके सहयोगी उत्पादक

80. इस निर्यातक की स्थिति की जाँच से यह पता चलता है कि यह कम्पनी 5 फरवरी, 2001 से एक सूचीगत संयुक्त स्टॉक कम्पनी है। मूलरूप से नान्टेक्स सिल्क फैब्रिक्स का निर्यात करने वाली एक राज्य व्यापार कम्पनी थी जिसका ***% स्वामित्व नान्जिंग नगर निगम के पास था। एसओई का प्रथम पुनर्गठन वर्ष 1994 में किया गया था। नान्जिंग इकॉनॉमी सिस्टम रिफॉर्म कमिटी द्वारा अनुमोदित उपर्युक्त पुनर्गठन के अनुसार एसओई संयुक्त स्टॉक कम्पनी बन गई और कम्पनी के कर्मचारियों को लगभग ***% शेयर मिला। दिनांक 30 अप्रैल, 1994 की परिसम्पत्ति मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार मूल्यांकन के पश्चात कम्पनी की निवल सम्पत्ति को नान्जिंग स्टेट-आन्डे एसेट मैनेजमेंट (होल्डिंग) कं.लि. के जरिए राज्य द्वारा पूंजी में परिणत कर रख लिया गया था। कर्मचारियों से 1 आरएमबी प्रति शेयर की दर से अतिरिक्त पूंजी की उगाही की गई थी।

81. दूसरा पूंजीगत पुनर्गठन वर्ष 1999 में किया गया था और कर्मचारियों द्वारा धारित शेयरों को चार अन्य राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों को हस्तांतरित कर दिया गया था। दिनांक 5 फरवरी, 2001 को चीन प्रतिभूति नियंत्रण आयोग द्वारा अनुमोदन के पश्चात कम्पनी ने आरएमबी साधारण शेयर, पहले *** शेयर जारी किए थे। इन जारी किए गए शेयरों को दिनांक 6 मार्च, 2001 को शंघाई स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध तथा उनका व्यापार किया गया था।

82. वर्तमान कम्पनी का शेयर धारिता पैटर्न यह दर्शाता है कि नान्जिंग स्टेट-आन्डे एसेट मैनेजमेंट (होल्डिंग) कं. लि. तथा अन्य राज्य के स्वामित्व वाले निकायों के जरिए राज्य के पास अभी भी इस कम्पनी के ****% शेयर हैं। कम्पनी के शेष ****% शेयर सौदा-योग्य हैं और शंघाई स्टॉक एक्सचेंज में इनका व्यापार होता है।

83. कम्पनी की प्रबंधन संरचना और प्रबंधन नियंत्रण से यह संकेत मिलता है कि 11 निदेशकों में से 2 राज्य परिसम्पत्ति प्रबंधन (धारिता कम्पनी) के और 2 स्वतंत्र निदेशक हैं। अन्य निदेशकों का चुनाव अन्य राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों सहित शेयर धारकों द्वारा किया जाता है।

84. इस निर्यातक के भागीदार उत्पादकों अर्थात् मै0 सुक्वियान हाँगयुन सिल्क कं.लि. तथा मै0 डेयांग बायलॉग लाइफेंग सिल्क फैब्रिक कं.लि. की जांच से यह संकेत मिलता है कि सुक्वियान हाँगयुन सिल्क कं.लि. की मूल रूप से स्थापना सुक्वियान काउंटी द्वारा संयुक्त स्वामित्व वाले उद्यम के रूप में मै0 सुक्वियांग हाँगयुन सिल्क एंड डिगमिंग कं.लि. के नाम से की गई थी। वर्ष 2000 में कम्पनी को कुछ व्यक्तियों को बेच दिया गया और यह व्यक्तिगत स्वामित्व वाला उद्यम बन गई। वर्ष 2001 की मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार, कम्पनी का निवल मूल्य ऋणात्मक था। पुरानी फैक्टरी के लगभग 180 करघों का अधिग्रहण नई कम्पनी द्वारा किया गया था। इससे पता चलता है कि हाँगयुन के नाम से स्थापित कम्पनी के नए स्वामियों ने मूल रूप से ऋणात्मक निवल मूल्य पर पूर्ववर्ती राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम के पुराने संयंत्रों और मशीनों का अधिग्रहण किया था। वर्तमान कम्पनी के शेयरधारिता पैटर्न से यह संकेत मिलता है कि पूर्ववर्ती फैक्टरी के प्रमुख ने कम्पनी के ****% से अधिक शेयरों का अधिग्रहण कर लिया है। अन्य 27 शेयर धारकों के पास कम्पनी के शेष शेयर हैं। सभी शेयरधारक

पुरानी फैक्टरी के कर्मचारी थे और उन्होंने पुरानी फैक्टरी की परिसम्पत्तियों के अधिग्रहण हेतु काउंटी सरकार को **** आरएमबी का नकद भुगतान किया था ।

85. अन्य सहायक उत्पादक की जाँच से पता चलता है कि 2003 तक सिथुआन प्रोविन्स डेयांग सिटी बायलॉग सिल्क फैक्टरी सिथुआन प्रोविंसियल सरकार के तहत प्रचालन कर रही थी । राज्य के नियंत्रण के तहत फैक्टरी को भारी घाटा हो रहा था और उसका निवल मूल्य ऋणात्मक था । दिनांक 1 जनवरी, 2004 को श्री झोऊ तथा 48 अन्य व्यक्तियों (उनमें से कुछ पूर्ववर्ती फैक्टरी के कर्मचारी थे) ने राज्य सरकार से कम्पनी खरीद ली और वर्ष 2004 में चीन जन.गण. के कम्पनी कानून के तहत निजी कम्पनी के रूप में मै0 डेयांग बायलॉग लाइफेंग सिल्क फैब्रिक कं.लि. की स्थापना हुई । नए निवेशकों ने परिसम्पत्तियों तथा उत्तरदायित्वों का कुछ हिस्सा खरीदा और शेष परिसम्पत्तियाँ तथा उत्तरदायित्व अभी तक मूल फैक्टरी के नाम पर हैं जो केवल कागजों पर ही मौजूद है । उत्पादक के पास दो उत्पादन इकाइयाँ हैं जिनकी संयुक्त वार्षिक क्षमता **** मी. फैब्रिक प्रति वर्ष है । इकाई के संयंत्र व मशीनें पुरानी हैं जिनका अधिग्रहण प्रोविंसियल/काउंटी सरकार के तहत पूर्ववर्ती फैक्टरी से किया गया है । व्यवहार में आवश्यक परिसम्पत्तियों के लिए कोई भुगतान नहीं किया गया है ।

86. उपर्युक्त जाँच से यह संकेत मिलता है कि निर्यातक अभी भी काफी हद तक राज्य के नियंत्रण में है और पूर्ववर्ती राज्य के नियंत्रण वाली उत्पादन इकाइयों से निजी उद्यमों को परिसम्पत्तियों के हस्तांतरण के तरीकों का संबद्ध वस्तु की लागत एवं कीमत पर काफी विकृतिकारी प्रभाव पड़ा है ।

(ड.) मै0 चोंगक्विंग सनफील शिझु सिल्क वीविंग कं.लि. (उत्पादक - निर्यातक)

87. इस उत्पादक निर्यातक की स्थिति की जाँच से यह पता चलता है कि मै0 चोंगक्विंग सनफील शिझु सिल्क वीविंग कं.लि. की स्थापना वर्ष 2000 में चीन जन.गण. के कम्पनी कानून के तहत निजी लिमि. कम्पनी के रूप में हुई थी जिसमें मै0 चोंगक्विंग सनफील इंडस्ट्रियल ग्रुप कं.लि. के नाम व रूप में एक अन्य कम्पनी के साथ मै0 झोऊ योंगझोंग नामक एक व्यक्ति, जिसका ग्रुप कम्पनी में भी प्रमुख हिस्सा है, द्वारा निवेश किया गया था । मै0 चोंगक्विंग सनफील इंडस्ट्रियल ग्रुप कं.लि. के पास मै0 चोंगक्विंग सनफील शिझु सिल्क वीविंग कं.लि. के ****% शेयर हैं तथा शेष ****% शेयर मै0 झोऊ योंगझोंग के पास हैं । इस कम्पनी का कोई निदेशक मंडल नहीं है परंतु एक कार्यकारी निदेशक मि0 झोऊ योंगझोंग है ।

88. वर्ष 1996 में श्री झोऊ योंगझोंग तथा श्री टांग लाई, जिनके पास नकद व वस्तु के रूप में योगदान किए गए शेयरों का ****% है, सहित 10 व्यक्तिगत शेयर धारकों द्वारा शेयर योगदान से ग्रुप कम्पनी मै0 चोंगक्विंग सनफील ट्रेडिंग कम्पनी शिझु लि. की स्थापना ट्रेडिंग कम्पनी के रूप में हुई थी । यद्यपि ग्रुप कम्पनी की स्थापना ट्रेडिंग कम्पनी के रूप में हुई थी, तथापि अब यह कोई प्रत्यक्ष व्यापार नहीं करती है । इसके अंतर्गत भिन्न-भिन्न कम्पनियाँ हैं जो रेशम, मदिरा, निर्माण तथा औषधि पैकेजिंग आदि का व्यापार करती हैं और ग्रुप कम्पनी ने अन्य व्यक्तिगत निवेशकों के साथ इन व्यापारों में संयुक्त रूप से निवेश किया है । वर्ष 2000 में कम्पनी का नाम बदल कर मै0 चोंगक्विंग सनफील इंडस्ट्रियल ग्रुप कं.लि. हो गया । मई, 2000 में इस ग्रुप कम्पनी ने सनफील सिल्क वीविंग कम्पनी की स्थापना की

जिसने रेशम फैब्रिक उत्पादन व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए शिझु काउंटी की पुरानी फैक्टरी का अधिग्रहण किया।

89 यह पता लगाने के लिए कि क्या अधिग्रहण की पूंजीगत लागत में कोई अत्यधिक विकृति और उसके परिणामस्वरूप उत्पादन लागत और बिक्री कीमतों में अत्यधिक विकृति आई है, निर्यातक की उत्पादन सुविधा अर्थात् सनफील सिल्क वीविंग कं. की स्थापना की पद्धति की भी जांच की गई। चोंगक्विंग नगर निगम के काउंटी प्रशासन के तहत काउंटी में शिझु काउंटी सिल्क फैक्टरी नामक एक पुरानी सामूहिक स्वामित्व वाली सिल्क फैक्टरी थी। इस फैक्टरी के नाम वृहत संचयी घाटा था और यह दिवालिया थी। अतः फैक्टरी बंद थी और उसका परिसमापन किया जा रहा था। मै0 चोंगक्विंग सनफील इंडस्ट्रियल ग्रुप कं.लि. ने परिसमापकों के साथ सौदा किया और उन्होंने *** मिलियन आरएमबी की कुल कीमत पर काउंटी सरकार से संयंत्रों व मशीनों, इस पुरानी फैक्टरी के भवन के साथ भूमि प्रयोग अधिकार सहित फैक्टरी के भवन के साथ भूमि प्रयोग अधिकार सहित फैक्टरी खरीद ली। तथापि, परिसमापन के प्रयोजनार्थ परिसमापकों द्वारा फैक्टरी की परिसम्पत्तियों का कोई मूल्यांकन नहीं किया गया था। परिसम्पत्तियों का अधिग्रहण परिसमापकों के साथ सौदेबाजी की प्रक्रिया के जरिए किया गया था और रकम का भुगतान परिसमापक को किया गया था। पूर्ववर्ती एसओई इकाई की अधिगृहित परिसम्पत्तियों के साथ मै0 चोंगक्विंग सनफील शिझु सिल्क वीविंग कं. के नाम से नई कम्पनी की स्थापना की गई थी। मै0 चोंगक्विंग सनफील शिझु सिल्क वीविंग कं. द्वारा वीविंग संबंधी प्रचालन किए जाते हैं और उसकी तीन सहायक कम्पनियाँ हैं जो अपरिष्कृत रेशम तथा कुकून का उत्पादन करती हैं।

90 उपर्युक्त जाँच से यह संकेत मिलता है कि वर्तमान में उत्पादक निर्यातक एक पूर्णतः निजी निकाय है और इस प्रकार प्रचालन करते हैं कि राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम से संयंत्रों एवं मशीनों के अधिग्रहण की पद्धति का उनकी लागत एवं कीमत पर अत्यधिक विकृतिकारी प्रभाव पड़ता है।

(घ) मै0 चोंगक्विंग विन्टस (न्यू स्टार) ट्रेड डेवलपमेंट लि0 तथा उसके सहायक उत्पादक मै0 लियांगपिंग विन्टस सिल्क एंड ट्रेक्सटाइल लि0

91. मै0 चोंगक्विंग विन्टस (न्यू स्टार) ट्रेड डेवलपमेंट लि0 ('चोंगक्विंग विन्टस'), चीन जन.गण. का स्थापना श्री वांग जियाओहुई द्वारा वर्ष 1997 में घरेलू बाजार में मुख्य रूप से कॉटन उत्पादों तथा कॉटन से बनी होटल संबंधी सहायक सामग्रियों का व्यापार करने के लिए ट्रेडिंग कम्पनी के रूप में की गई थी। वर्ष 2002 तक कम्पनी केवल घरेलू बाजार में व्यापार में संलग्न थी। वर्ष 2002 में कम्पनी को अपना निर्यात लाइसेंस मिला और उसने सिल्क वस्तुओं के निर्यात सहित निर्यात व्यापार प्रारंभ कर दिया। उसके पश्चात् ****% शेयर को एक अन्य व्यक्ति अर्थात् श्री लुओ पिंग के नाम हस्तांतरित कर दिया गया है। इस कम्पनी के तीन संबंधित निकाय अधिकांशतः रेशम एवं रेशम फैब्रिक के व्यापार में संलग्न हैं। मै0 वुलॉंग विन्टस सिल्क लि0, वर्ष 1934 में स्थापित चोंगक्विंग विन्टस की सहायक कम्पनी है और यह वुलॉंग काउन्टी में कुकून के उत्पादन में संलग्न है। कम्पनी कुकून के उत्पादन हेतु किसानों को सहायता प्रदान करती है और किसानों से ताजे कुकून खरीदती है। कुकून को सुखा कर चोंगक्विंग विन्टस की एक अन्य सहायक कम्पनी अर्थात् मै0 लायपिंग विन्टस की रीलिंग इकाई को भेजा जाता है।

92. मै0 लायपिंग विन्टस की स्थापना मार्च, 2004 में भारत को निर्यात हेतु सिल्क फैब्रिक्स के रीलर एवं वीवर के रूप में की गई थी। इस कम्पनी में विन्टस का शेयर ****% है और विन्टस के संवर्धनकर्ता का इस कम्पनी में व्यक्तिगत रूप से ****% शेयर है।

93. उत्पादन इकाई के इतिहास और उत्पादन सुविधा की स्थापना की पद्धति की भी जाँच यह पता लगाने की लिए की गई थी कि क्या अधिग्रहण की पूंजीगत लागत में और उसके परिणामस्वरूप इस इकाई द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और बिक्री कीमत में कोई अत्यधिक विकृति आई है। यह नोटिस किया गया था कि उत्पादन इकाई मूल रूप से राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम के रूप में चौंगक्विंग नगर निगम के तहत लियांगपिंग युली सिल्क कं.लि. के नाम से प्रचालन कर रही थी। इकाई को भारी घाटा हो रहा था और वह दिवालिया थी। चौंगक्विंग विन्टस (न्यू स्टार) ट्रेड डेवलपमेंट लि. ने जुलाई, 2002 से सितम्बर, 2003 तक सिल्क फैब्रिक का उत्पादन करने के लिए इस फैक्टरी के सभी विनिर्माण उपकरणों को किराए पर लिया था। इस अवधि के दौरान सभी उत्पादन एवं प्रचालन संबंधी कार्यकलाप चौंगक्विंग विन्टस के स्थान पर चौंगक्विंग युली के नाम से कार्यान्वित किए गए हैं। लाइपिंग युली की पुरानी फैक्टरी इकाई की उत्पादन इकाई के प्रचालन के लिए लियांगपिंग विन्टस की स्थापना संवर्धनकर्ता कम्पनी चौंगक्विंग विन्टस द्वारा सितम्बर, 2003 में की गई थी। वर्ष 2003 में विन्टस द्वारा **** आरएमबी का भुगतान करके नगर निगम से उत्पादन सुविधाएँ (अर्थात् भूमि को छोड़कर संयंत्र तथा मशीनें) खरीद ली गई थी। पुराने संयंत्र तथा मशीनें खरीदने के बाद नई जगह पर उत्पादन सुविधा की स्थापना लियांगपिंग विन्टस के नाम से की गई थी।

94. समग्र रूप से समूह के व्यापार प्रचालन की जाँच से यह पता चला कि इस समूह के पास बुलॉंग विन्टस के नाम से एक कुकून उत्पादन सहायता एवं क्रय इकाई है जो लायपिंग विन्टस की रीलिंग एवं वीविंग इकाई को सुखाएँ हुए कुकून की आपूर्ति करती है। चौंगक्विंग विन्टस लियांगपिंग विन्टस तथा अन्य आपूर्तिकर्ताओं से संबद्ध वस्तु खरीद कर उसे घरेलू तथा विदेशी बाजारों में बेचती है। भारत को निर्यात उसकी विदेशी ट्रेडिंग इकाई मै0 हॉंगकाँग विन्टस के नाम से किए जाते हैं।

95. अतः उपर्युक्त कम्पनी की जाँच से पता चलता है कि यद्यपि कम्पनी का वर्तमान प्रचालन बाजार संकेतकों के अनुरूप है परंतु जिस तरीके से पूर्ववर्ती राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम से संयंत्र तथा मशीनों का अधिग्रहण किया गया है, उसके कारण संबद्ध वस्तु की लागत एवं कीमतों में अत्यधिक विकृति आई है।

(छ) मै0 गुईझोऊ फॉर्च्यून ग्रीन प्रोडक्ट्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं.लि., चीन जन.गण.

96. यह कम्पनी केवल संबद्ध वस्तु की निर्यातक है और इसकी अपनी कोई उत्पादन इकाई नहीं है। चीन के इस निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का कोई दावा नहीं किया है। तथापि, उन्होंने सामान्य मूल्य के आधार पर उनके लिए अलग पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु अपनी निर्यात कीमत को रवीकार करने का अनुरोध किया है, जिसका निर्धारण प्राधिकारी द्वारा किया जाएगा। अतः इस निर्यातक के लिए विस्तृत बाजार अर्थव्यवस्था जाँच नहीं की गई है।

ज.3 निर्यातकों के बाजार अर्थव्यवस्था दावों का समग्र आकलन

97. नियमावली में दिए गए के अनुसार अन्य बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मापदण्डों की जाँच से यह संकेत मिलता है कि चीनी सरकार ने उत्तरोत्तर श्रम कानून, संपत्ति एवं दिवालिया कानून अधिनियमित किए हैं, ब्याज दरों, लेखा सिद्धांतों में सुधार किया है और अपनी विदेशी विनिमय प्रणाली में मामूली परिवर्तन किया है। यह स्पष्ट किया गया है कि चीन के श्रम कानून में श्रमिक वर्ग के हितों की रक्षा के लिए श्रमिक को भुगतान किए जाने वाले न्यूनतम वेतन का प्रावधान है। तथापि, एक प्रांत से दूसरे प्रांत में न्यूनतम वेतन में अंतर होता है। भिन्न-भिन्न प्रांतों में रेशम उद्योग कर्मचारियों की उत्पादकता के आधार पर उनका वेतन निर्धारित करते हैं। श्रम हेतु औसत वेतन 650 से 700 आरएमबी प्रति माह के बीच था।

98. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने कुछ उत्पादकों के व्यक्तिगत बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के दावों को छोड़कर उपर्युक्त आम गैर-बाजार अर्थव्यवस्था जाँच का विरोध नहीं किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह निर्धारित करने के लिए कि चीन का रेशम उद्योग समग्र रूप से बाजार अर्थव्यवस्था परिस्थितियों के तहत प्रचालन नहीं करता है, पूंजी अधिग्रहण पद्धति और सरकारी एजेंसियों के शामिल होने के अतिरिक्त, कई अन्य कारकों को भी ध्यान में रखा गया है। व्यक्तिगत निर्यातकों की स्थिति की सावधानीपूर्वक जाँच की गई है और प्राधिकारी का यह मत है कि परिसम्पत्तियों के हस्तांतरण की पद्धतियों में अंतर के बावजूद गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली की कई विकृतियाँ विद्यमान हैं।

99. अतः बाजार अर्थव्यवस्था मापदण्डों से संबंधित विभिन्न मुद्दों और पृष्ठभूमियों के साथ-साथ समग्र रूप से चीन के रेशम उद्योग और विशेष रूप से सिल्क फैब्रिक उद्योग की वर्तमान प्रचालन परिस्थितियों की जाँच करने के बाद प्राधिकारी यह मानते हैं कि :-

- कि जाँच किए गए उत्पादकों/निर्यातकों की उत्पादन लागत तथा वित्तीय स्थिति परिसम्पत्तियों के मूल्य ह्रास एवं मूल्यांकन उत्तरदायित्वों को बटुटे-खाते डालना और पूर्ववर्ती एसओई से नए उम्मीदों को परिसम्पत्तियों का हस्तांतरण, भूमि प्रयोग अधिकार, विनिर्माण एवं बिक्रियों के रूप में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से चली आ रही अत्यधिक विकृति के अधीन है।
- कि चीन सरकार द्वारा अनुपालन की जाने वाली कीमत प्रणाली के दिशा-निर्देशों के तहत ताजे कुकून के कीमत निर्धारण की प्रणाली में राज्य के हस्तक्षेप के कारण प्रमुख निविष्टियों की लागत बाजार मूल्य को पूर्ण रूप से नहीं दर्शाती है।
- कि प्राधिकारी द्वारा जाँच किए गए प्रमुख निर्यातकों में राज्य के प्रभाव की पर्याप्त उपस्थिति तथा इन निकायों के प्रचालन पर राज्य का नियंत्रण बना हुआ है। वस्तुतः अधिकांश निर्यातकों की स्थापना राज्य-व्यापार निगमों के रूप में की गई थी और उनके शेषधारिता पैटर्न में परिवर्तन के बावजूद रेशम व्यापार में उनकी प्रभावशाली स्थिति बनी हुई है।
- प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि चीन से अपरिष्कृत रेशम के आयात के मामले में प्राधिकारी ने माना था कि अपरिष्कृत रेशम, जो सिल्क फैब्रिक्स के उत्पादन हेतु प्रमुख कच्ची सामग्री है, के चीनी उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था परिस्थितियों के तहत प्रचालन नहीं करते हैं।

100. उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी मानते हैं कि नियमावली के अनुबन्ध-1 के पैरा 8(3) के अनुसार संबद्ध वस्तु के लिए उनके सामान्य मूल्यों के निर्धारणार्थ चीन के निर्यातकों एवं उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता है।

झ. सामान्य मूल्य का निर्धारण

101 अनन्तिम गैर-बाजार अर्थव्यवस्था निर्धारण और उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की अनुपस्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने अपने प्रारंभिक जाँच परिणामों में नियमावली के अनुबन्ध-1 के पैराग्राफ 7 के दूसरे भाग के अनुरूप "समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान योग्य कीमत सहित किसी अन्य उचित आधार" के आधार पर अनन्तिम रूप से चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया। भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान योग्य कीमत के निर्धारणार्थ प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य निकालने के लिए उचित समायोजनों तथा उचित लाभ मार्जिन के बाद घरेलू उद्योग की लागत के आधार पर भारत में जाँच अवधि के दौरान विद्यमान सिल्क यार्न कीमत के आधार पर प्रमुख कच्ची सामग्री अर्थात् अपरिष्कृत रेशम की कीमत, परिवर्तन प्रभार, वित्तीय लागत, फैक्टरी ऊपरी व्यय, बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्चों पर विचार किया। तथापि, हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया नियमानुसार नहीं है। हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियों का सार-संक्षेप निम्नानुसार है।

झ.1 निर्यातकों एवं हितबद्ध पक्षकारों के विचार

102 हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि प्राधिकारी ने वास्तव में "उचित समायोजनों के पश्चात्" घरेलू उद्योग की लागतों के आधार पर सामान्य मूल्य के परिकलन का सहारा लिया है लेकिन प्रारंभिक जाँच परिणामों में व्ययों की प्रकृति के साथ-साथ समायोजनों के औचित्य सहित समायोजनों की प्रकृति के बारे में कोई उल्लेख नहीं किया गया है। यह तर्क दिया गया है कि उन्होंने केवल उनकी लागतों का अनुमान प्रस्तुत किया है और उनकी वास्तविक लागतें प्रस्तुत नहीं की हैं।

103 यह तर्क दिया गया है कि भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान योग्य कीमत के निर्धारण के लिए प्राधिकारी ने भारत में जाँच अवधि के दौरान विद्यमान सिल्क यार्न कीमत के आधार पर प्रमुख कच्ची सामग्री अर्थात् अपरिष्कृत रेशम की कीमत पर विचार किया है। चूँकि सिल्क यार्न की विभिन्न किस्मों अर्थात् शहतूती अपरिष्कृत रेशम, इरी, मुगा, तसर आदि की कीमतों में बहुत अधिक अंतर होता है अतः यह स्पष्ट किया जाना आवश्यक है कि कच्ची सामग्री की कीमत निकालने के लिए रेशम की किस किस्म पर विचार किया गया है। दूसरे, हतुताई जैसी विशेष किस्म, जिसका भारत में विनिर्माण होता ही नहीं है, के मामले में प्राधिकारी भारतीय सिल्क यार्न एक्सचेंज से कच्ची सामग्री कीमत का पता नहीं लगा सकते थे। यह ज्ञात नहीं है कि ऐसी किस्मों के लिए प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण किस प्रकार किया। इसके अतिरिक्त यह तर्क दिया गया है कि "भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान योग्य कीमत" का निर्धारण करते समय प्राधिकारी एक स्रोत से लागत, दूसरे से परिवर्तन लागत और किसी अन्य मापदण्ड के आधार पर लाभ मार्जिन नहीं ले सकते थे। प्राधिकारी द्वारा संबंधित उत्पाद के लिए बाजार में विद्यमान कीमत लेना और उसमें उचित लाभ मार्जिन जोड़ना अपेक्षित है।

104 इसके आगे यह तर्क दिया गया है कि तुलनीय बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में या सामान्य मूल्य के परिकलन के लिए एक बार किसी देश को चुन लिए जाने के बाद राष्ट्रीय अधिमान्यता सिद्धांत की भावना के अनुसरण में सार्वजनिक नीति विनियामक वातावरण, प्रचालन, व्यापार संगठन और बाजार संरचना के पहलू, जो चीन तथा तुलनीय बाजार अर्थव्यवस्था के बीच समान हैं, को चीनी उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान न करने के लिए आधार के रूप में अभिज्ञात नहीं किया जा सकता है। रेशम फैब्रिक्स के विश्व उत्पादन तथा व्यापार में चीन के बड़े हिस्से को देखते हुए वास्तव में कोई उचित तुलनीय बाजार अर्थव्यवस्था नहीं है। प्राधिकारी द्वारा एक बार भारतीय लागतों और कीमतों के अनुरूप सामान्य मूल्य का परिकलन करने का निर्णय लिए जाने के बाद उनके द्वारा भारत में रेशम उद्योग की संरचना एवं विनियमन पर और न कि चीन के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली संरचना एवं विनियमों पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

झ.2 प्राधिकारी द्वारा जाँच तथा सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु पद्धति

105 यह निर्धारित करने के बाद कि चीन जन.गण. के उत्पादक एवं निर्यातक बाजार अर्थव्यवस्था परिस्थितियों के तहत प्रचालन नहीं करते हैं और संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु की लागत एवं कीमतें, बाजार संचालित लागतों एवं कीमतों को नहीं दर्शाती हैं, प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध -1 के पैरा 7, जो नीचे दिया गया है, के अनुरूप चीनी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है :-

पैरा 7 : गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान की गई अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत सहित, सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहाँ यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। प्राधिकारी द्वारा "संबंधित देश के विकास के स्तर तथा विचाराधीन उत्पाद को ध्यान में रखते हुए" एक उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वास योग्य सूचना पर भी ध्यान दिया जाएगा। किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के संबंध में किसी समान मामले में की गई जाँच पर, जहाँ उचित हो, समय-सीमा के भीतर विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त चयन के बारे में किसी अनुचित विलम्ब के बिना जाँच के पक्षकारों को सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत करने के लिए उचित समय अवधि प्रदान की जाएगी।

106. प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार विश्व में सिल्क फैब्रिक्स के उत्पादन का 90% से अधिक भारत और चीन में होता है जिसमें से चीन का हिस्सा 78% और भारत का हिस्सा 14% है। इन दो देशों में सिल्क फैब्रिक के उत्पादन का अत्यधिक संघनन होने और इस उद्योग की अन्य अनन्य

विशेषताओं के कारण कोई और ऐसा देश नहीं है जिसे पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाला तीसरा देश माना जा सके। अतः चीन के निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ किसी उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन करना संभव नहीं है। हितबद्ध पक्षकार भी इस तथ्य से सहमत हैं कि इस मामले में सामान्य मूल्य के निर्धारणार्थ कोई तीसरा देश नहीं है।

107. नियमावली के तहत उपलब्ध विभिन्न विकल्पों तथा हितबद्ध पक्षकारों के विचारों की जाँच करने के बाद प्राधिकारी मानते हैं कि इस मामले में किसी अन्य विकल्प की अनुपस्थिति में चीन में सिल्क फैब्रिक्स के सामान्य मूल्य को भारत में भुगतान की गई या भुगतान योग्य कीमत सहित किसी उचित आधार पर अथवा उपर्युक्त नियमावली के द्वितीय परंतुक के अनुसार किसी उचित आधार पर आधारित होगा। प्राधिकारी ने निर्यातकों और सीसीसीटी को भी अधिसूचित किया और उपर्युक्त नियमावली के अनुसार इस संबंध में उनकी टिप्पणियाँ मांगी।

108. अतः निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने वर्तमान परिस्थिति में सर्वाधिक उचित पद्धति के रूप में उचित रूप से समायोजित भारत में भुगतान योग्य कीमत पर विचार किया है। सिल्क फैब्रिक्स के विभिन्न प्रकारों की उत्पादन लागत का निर्धारण जाँच अवधि के दौरान अपरिष्कृत रेशम की औसत आयात कीमत के आधार पर किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन अपरिष्कृत रेशम का सबसे बड़ा निर्यातक है और अधिकांश अपरिष्कृत रेशम का चीन से भारत में आयात किया जाता है। तथापि, जैसा कि प्राधिकारी द्वारा पिछली जाँच में निर्धारित किया गया था, चीन से अपरिष्कृत रेशम का निर्यात पाटित कीमत पर भी किया गया है और ऐसे आयात 27.97 अमरीकी डॉलर प्रति किग्रा. की संदर्भ कीमत के आधार पर पाटनरोधी शुल्क के अधीन है। अतः, अपरिष्कृत रेशम की अंतर्राष्ट्रीय कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ संदर्भ कीमत पर आधारित सीआईएफ कीमत को सिल्क फैब्रिक्स के विनिर्माण के लिए उचित निविष्टि कीमत के रूप में अपनाया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रकटन विवरण में प्रकट किए गए के अनुसार उत्पादन लागत तथा सामान्य मूल्य की गणना करते समय अपरिष्कृत रेशम से फैब्रिक में डिगमिंग घाटे पर त्रुटिवश ध्यान नहीं दिया गया है। अपने प्रकटन पश्चात निवेदनों में हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि सिल्क फैब्रिक्स के उत्पादन के भौतिक मापदण्डों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था परिस्थितियों से प्रभावित हुआ नहीं माना जा सकता है और इसलिए सहयोगी उत्पादक के उत्पादन आंकड़ों के अनुसार खपत/अपव्यय मापदण्डों को निविष्टि लागत के परिकलन हेतु अपनाया जाना चाहिए। तदनुसार, प्राधिकारी ने सिल्क फैब्रिक्स के उत्पादन में खपत किए गए अपरिष्कृत रेशम की लागत निकालने के लिए सहयोगी उत्पादक के डिगमिंग एवं बीलिंग घाटों को अपनाया है। उचित समायोजनों के बाद घरेलू उद्योग की लागत के आधार पर परिवर्तन प्रभारों, वित्तीय लागत, फैक्टरी ऊपरी व्यय, बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्ययों पर विचार किया गया है। कारखाना-द्वार स्तर पर विभिन्न उत्पाद नियंत्रण संख्याओं (पीसीएन) के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारणार्थ इस प्रकार निकाली गई लागत में ****% का उचित लाभ मार्जिन जोड़ा गया है।

109. कुछेक हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि एक देश के लिए एकल सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी अधिनियम के प्रावधानों के प्रतिकूल है। तथापि, यह नोट किया जाए कि चीन को गैर-बाजार अर्थ-व्यवस्था व्यवहार प्रदान किया गया है और उनकी अपनी लागतों एवं कीमतों के आधार पर व्यक्तिगत सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए कोई भी उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हुआ है। अतः उपर्युक्त परिस्थितियों में पूरे देश के लिए एकल सामान्य मूल्य एक मानक मापदण्ड है और पाटनरोधी अधिनियम के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन नहीं किया गया है, जैसा कि निर्यातकों द्वारा तर्क दिया गया है।

अ.3 पद्धति एवं निर्यात कीमतों का निर्धारण

110. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यात कीमतों की पद्धति एवं परिकलन शीटों के बारे में भागीदार निर्यातकों को प्रकटन विवरण में सूचित कर दिया गया था और निर्यातकों द्वारा इंगित मामूली त्रुटियों सहित उनकी टिप्पणियों पर इन जाँच परिणामों में ध्यान दिया गया है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुछेक निर्यातकों ने तर्क दिया है कि उनकी सूचना के अनुसार, चीन के सभी निर्यातकों की निर्यात कीमतें एक समान हैं और इसलिए पूरे देश के लिए एक सामान्य मूल्य के साथ उनका पाटन मार्जिन अलग-अलग नहीं होना चाहिए।

111. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन से निर्यातित प्रकारों एवं भार रेंजों के रूप में उत्पादों की एक बड़ी रेंज है और कैथाया को छोड़कर प्रत्येक निर्यातक ने कुछ समानताओं के साथ केवल विशेष उत्पाद प्रकारों एवं भार रेंजों (पीसीएन) का व्यापार किया है। अतः, इन निर्यातकों के उत्पादों के संघटन में बहुत अधिक अंतर होने के कारण, उनकी निर्यात कीमतें समान नहीं हो सकती है। इसके अतिरिक्त, यद्यपि व्यक्तिगत उत्पाद स्तरों में जहाँ कहीं भी पीसीएन में समानता है, पाटन मार्जिन बहुत छोटी रेंज में हो सकता था, तथापि सूचित पाटन मार्जिन व्यक्तिगत निर्यातकों द्वारा निर्यातित सभी उत्पादों का भारित औसत पाटन मार्जिन है और इसलिए वह सही परस्पर तुलना को नहीं दर्शाता है। अतः, इस संबंध में निर्यातक के तर्क एवं आशंका वैध नहीं हैं।

112. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने भी सहयोगी निर्यातकों की निर्यात कीमत का मुद्दा उठाया है और यह निवेदन किया गया है कि प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा प्राप्त आय जिसका उसने दावा किया है, पर इस बात पर ध्यान दिए बिना विचार किया है कि वस्तु का क्रय करने वाले संबंधित उत्पादक के कारण उचित बैंकिंग चैनल से उसे प्राप्त किया गया है। यह तर्क दिया गया है कि निर्यात कीमत के परिकलन के प्रयोजनार्थ टीटी सौदों के जरिए प्राप्त कुछ निर्यात आय पर विचार नहीं किया जाना चाहिए। कुछ न्यायिक मुद्दों को छोड़कर इस विषय पर समाधान हेतु न तो पाटनरोधी अधिनियम और न ही पाटनरोधी नियमावली में कोई प्रावधान है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूँकि अनन्तिम जाँच परिणामों में संदर्भ कीमत के आधार पर शुल्क की सिफारिश की गई है, अतः प्राप्त निर्यात आय को छोड़कर निर्यात कीमत तथा पहुंच मूल्य के निर्धारण का संदर्भ कीमत पर अन्यथा कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। अतः प्राधिकारी ने इस मामले में न्यायिक किफायत बरती है।

झ.3.1 नमूना निर्यातक

113. सहयोगी निर्यातकों और उनके सहायक उत्पादकों के निर्यात आँकड़ों की प्राधिकारी द्वारा संभव सीमा तक सत्यापन किया गया था और ऐसे सत्यापन के आधार पर प्रत्येक निर्यातक/उत्पादक को विस्तृत रिपोर्ट भेजी गई थी और उनकी निवल निर्यात कीमतों के निर्धारणार्थ उनसे प्राप्त टिप्पणियों पर विचार किया गया है। तदनुसार, नमूना निर्यातकों की निर्यात कीमत का निर्धारण नीचे दिए गए पैराग्राफों के विवरण के अनुसार किया गया है।

(क) मै0 झेजियांग कथाया इंटरनेशनल कं.लि.

114. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस निर्यातक के सभी सहयोगी उत्पादकों ने उसे घरेलू रूप से वस्तु बेची है और निर्यातक ने उसका भारत को निर्यात किया है। चूँकि उत्पादकों एवं निर्यातकों के बीच का सौदा घरेलू बिक्री है और निर्यात संबंधी दस्तावेजों में उत्पादकों का नाम नहीं है, अतः निर्यातक के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण उत्पादकों के कारखाना-द्वार स्तर तक लाने के लिए उचित रूप से समायोजित, जाँच अवधि के दौरान मै0 कथाया द्वारा किए गए निर्यातों के सौदे-वार आँकड़ों के आधार पर किया गया है। कथाया ने जाँच अवधि के दौरान 45 पीसीएन वाले **** मी. सिल्क फ़ैब्रिक का निर्यात किया है। चूँकि निर्यात कीमत सीआईएफ स्तर पर है, अतः उत्पादकों के कारखाना-द्वार स्तर पर प्रत्येक पीसीएन के लिए निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए अंतर्देशीय प्रभार, समुद्री प्रभार तथा बीमा, बैंक प्रभार, भंडारण एवं प्रहस्तन प्रभार, पैकिंग लागत तथा वस्तुओं की खरीद के समय भुगतान किए गए वैट के अंतर के रूप में वैट समायोजन और उनके रिकॉर्ड्स से किए गए सत्यापन के अनुसार निर्यात के समय प्राप्त प्रतिपूर्ति आदि के लिए समायोजन किया गया है। निर्यातक द्वारा अपने प्रकटीकरण पश्चात निवेदन में अंतर्देशीय परिवहन व्ययों की गणना में मामूली त्रुटि को इंगित किया गया था और संशोधित निर्यात कीमत निकालने के लिए आवश्यक संशोधन किए गए हैं।

(ख) मै0 सिचुआन सिल्क एक्सपोर्ट एंड इम्पोर्ट ग्रुप कं.लि.

115. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस निर्यातक के सभी सहयोगी उत्पादकों ने उसे घरेलू रूप से वस्तु बेची है और निर्यातक ने उसका भारत को निर्यात किया है। चूँकि उत्पादकों एवं निर्यातकों के बीच का सौदा घरेलू बिक्री है और निर्यात संबंधी दस्तावेजों में उत्पादकों का नाम नहीं है, अतः निर्यातक के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण उत्पादकों के कारखाना-द्वार स्तर तक लाने के लिए उचित रूप से समायोजित, जाँच अवधि के दौरान मै0 सिचुआन द्वारा किए गए निर्यातों के सौदे-वार आँकड़ों के आधार पर किया गया है। सिचुआन ने जाँच अवधि के दौरान 12 पीसीएन वाले **** मी. सिल्क फ़ैब्रिक का निर्यात किया है। चूँकि निर्यात कीमत सीआईएफ स्तर पर है, अतः उत्पादकों के कारखाना-द्वार स्तर पर प्रत्येक पीसीएन के लिए निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए अंतर्देशीय प्रभार, समुद्री प्रभार तथा बीमा, बैंक प्रभार, भंडारण एवं प्रहस्तन प्रभार, पैकिंग लागत तथा वस्तुओं की खरीद के समय भुगतान किए गए वैट के अंतर के रूप में वैट समायोजन और उनके रिकॉर्ड्स से किए गए सत्यापन के अनुसार निर्यात के समय प्राप्त प्रतिपूर्ति आदि के लिए समायोजन किया गया है।

(ग) मै0 झेजियांग जी एंड एफ फॉरेन ट्रेडिंग कं.लि.

116. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस निर्यातक के सभी सहयोगी उत्पादकों ने उसे घरेलू रूप से वस्तु बेची है और निर्यातक ने उसका भारत को निर्यात किया है। चूँकि उत्पादकों एवं निर्यातकों के बीच का सौदा घरेलू बिक्री है और निर्यात संबंधी दस्तावेजों में उत्पादकों का नाम नहीं है, अतः निर्यातक के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण उत्पादकों के कारखाना-द्वार स्तर तक लाने के लिए उचित रूप से समायोजित, जाँच अवधि के दौरान मै0 जी एंड एफ द्वारा किए गए निर्यातों के सौदे-वार आँकड़ों के आधार पर किया गया है। जी एंड एफ ने जाँच अवधि के दौरान 15 पीसीएन वाले **** मी. सिल्क फैब्रिक का निर्यात किया है। चूँकि निर्यात कीमत सीआईएफ स्तर पर है, अतः उत्पादकों के कारखाना-द्वार स्तर पर प्रत्येक पीसीएन के लिए निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए अंतर्देशीय प्रभार, समुद्री प्रभार तथा बीमा, बैंक प्रभार, भंडारण एवं प्रहस्तन प्रभार, पैकिंग लागत तथा वस्तुओं की खरीद के समय भुगतान किए गए वैट के अंतर के रूप में वैट समायोजन और उनके रिकॉर्ड्स से किए गए सत्यापन के अनुसार निर्यात के समय प्राप्त प्रतिपूर्ति आदि के लिए समायोजन किया गया है।

(घ) मै0 नान्जिंग टेक्सटाइल्स एक्सपोर्ट इम्पोर्ट कॉरपोरेशन

117. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस निर्यातक के सभी सहयोगी उत्पादकों ने उसे घरेलू रूप से वस्तु बेची है और निर्यातक ने उसका भारत को निर्यात किया है। चूँकि उत्पादकों एवं निर्यातकों के बीच का सौदा घरेलू बिक्री है और निर्यात संबंधी दस्तावेजों में उत्पादकों का नाम नहीं है, अतः निर्यातक के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण उत्पादकों के कारखाना-द्वार स्तर तक लाने के लिए उचित रूप से समायोजित, जाँच अवधि के दौरान मै0 नान्टेक्स द्वारा किए गए निर्यातों के सौदे-वार आँकड़ों के आधार पर किया गया है। नान्टेक्स ने जाँच अवधि के दौरान 18 पीसीएन वाले **** मी. सिल्क फैब्रिक का निर्यात किया है। चूँकि निर्यात कीमत एफओबी स्तर पर है, अतः उत्पादकों के कारखाना-द्वार स्तर पर प्रत्येक पीसीएन के लिए निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए केवल अंतर्देशीय प्रभार एवं अन्य बिक्री संबंधी व्ययों तथा वस्तुओं की खरीद के समय भुगतान किए गए वैट के अंतर के रूप में वैट समायोजन और निर्यात के समय प्राप्त प्रतिपूर्ति आदि के लिए समायोजन किया गया है।

(ड.) मै0 चोंगाक्विंग सनफील शिझु सिल्क वीविंग कं.लि.

118. उपर्युक्त निर्यातक संबद्ध वस्तु का उत्पादक निर्यातक है। कम्पनी के रिकॉर्डों से यह प्रदर्शित हुआ कि उन्होंने भारत को निर्यात के लिए *** मी. सिल्क फैब्रिक बेचा है। तथापि कुल 262 निर्यात सौदों में सं. *** मी. की बिक्री मै0 चीन नैशनल एक्सपोर्ट बेसेस डेवेलपमेंट, तिब्बल कं.लि. के जरिए और **** मी. की बिक्री मै0 चीन तिब्बल इंटरनेशनल इकोनॉमिक एंड टेक्नीकल कं.लि. के जरिए की गई थी। उत्तर देने वाले निर्यातक के इन दो व्यापारियों को की गई बिक्रियाँ घरेलू बिक्री बीजकों के तहत आरएमबी में हैं और इन दो व्यापारियों ने जाँच में सहयोग नहीं किया है। इन व्यापारियों की वास्तविक निर्यात कीमत भी ज्ञात नहीं है। अतः इस निर्यातक की निर्यात कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ इस निर्यातक के निर्यात सौदों में से इन सौदों को हटा दिया गया है।

119. चूँकि निर्यात कीमत सीआईएफ स्तर के रूप में है, अतः उत्पादकों के कारखाना-द्वार स्तर पर प्रत्येक पीसीएन के लिए निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए केवल अंतर्देशीय प्रभार एवं अन्य बिक्री संबंधी व्ययों तथा वस्तुओं की खरीद के समय भुगतान किए गए वैट के अंतर के रूप में वैट समायोजन और निर्यात के समय प्राप्त प्रतिपूर्ति आदि के लिए समायोजन किया गया है।

झ.3.2 नमूना न लिए गए निर्यातक

120. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश के केवल दो निर्यातकों ने अपना निर्यातक उत्तर प्रस्तुत किया है और नियमावली के नियम 17(3) के अनुसार व्यक्तिगत व्यवहार हेतु अनुरोध किया है। अन्य निर्यातक जिन्होंने प्रारंभिक रूप से व्यक्तिगत व्यवहार हेतु अनुरोध किया था, उन्होंने या तो अपना अनुरोध वापस ले लिया है या प्रश्नावली का अपना उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। अतः व्यक्तिगत व्यवहार हेतु प्राप्त केवल दो अनुरोधों की जाँच की गई थी और नियमावली के अनुसार उनका सत्यापन भी किया गया था। इन दो निर्यातकों के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :-

क. मै0 चोंगक्विंग विन्टस (न्यू स्टार) ट्रेड डेवलपमेंट कं.लि.

121. इस कम्पनी ने 27 निर्यात सौदों में अपनी सहायक कम्पनी मै0 हॉगकाँग विन्टस (विन्टस चीन) के जरिए भारत को निर्यात हेतु **** मी. सिल्क फैब्रिक बेचा है, हालाँकि सभी सीमाशुल्क दस्तावेज चोंगक्विंग विन्टस द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं और चोंगक्विंग विन्टस से भारत को सीधे पोतलदान किया गया है। निर्यात ने भारत को 4 प्रकार के फैब्रिक का निर्यात किया है। निर्यातक के पास भिन्न नाम से उत्पादक के बीजक मूल्य के 17% की दर से वैट के भुगतान पर वस्तुएँ भेजी गई हैं। वस्तुओं का निर्यात चोंगक्विंग विन्टस निर्यात दस्तावेजों के तहत किया गया है और चोंगक्विंग विन्टस द्वारा वर्ष 2003 के दौरान 15% की दर से और वर्ष 2004 के दौरान 13% की दर से वैट प्रतिपूर्ति का दावा किया गया है। चूँकि सभी सौदे सीआईएफ रूप में हैं, अतः कारखाना-द्वार स्तर पर प्रत्येक पीसीएन के लिए निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए अंतर्देशीय परिवहन, समुद्री भाड़ा प्रहस्तन प्रभार एवं पोत लदान प्रभार, पैकिंग प्रभार, दस्तावेजीकरण एवं प्रहस्तन प्रभार, वस्तु निरीक्षण शुल्क आदि तथा निर्यातक के रिकॉर्ड्स से सत्यापन के अनुसार, भुगतान किए गए वैट तथा प्रतिपूर्ति के बीच अंतर के लिए आवश्यक समायोजन किया गया है।

(ख) मै0 गुईझाऊ फार्च्यून ग्रीन प्रोडक्ट्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.

122. जांच अवधि के दौरान, इस कंपनी ने भारत को सिल्क फैब्रिक्स के *** रनिंग मीटरों की 34 खेपों का निर्यात किया। निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान फैब्रिक्स के 11 प्रकारों का निर्यात किया है। निर्यात सी आई एफ स्तर पर हुए हैं। इसलिए, प्रदत्त वैट तथा प्राप्त वापसी भुगतान, अंतर्देशीय परिवहन तथा प्रदत्त समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा तथा निरीक्षण शुल्क के प्रति समायोजन, जैसा कि उनके अभिलेखों से सत्यापित किया गया है, को कारखाना स्तर पर प्रत्येक पी सी एन की निवल निर्यात कीमत के आकलन के लिए प्रयुक्त किया गया है।

झ.4 पाटन मार्जिन की विधि तथा निर्धारण

झ.4.1 प्रतिदर्शित निर्यातक

123. उपर्युक्त व्याख्यानुसार व्यष्टि उत्पाद समूहों (पी सी एन) के लिए कारखाना द्वार स्तर पर भारित औसत सामान्य मूल्य तथा भारित औसत निर्यात कीमत का निर्धारण करने के पश्चात व्यष्टि निर्यातकों के लिए प्रत्येक पी सी एन हेतु पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए व्यापार के समतुल्य स्तर पर उनकी तुलना की गई है। उत्पाद समूह (पी सी एन) स्तर पर निर्धारित व्यष्टि पाटन मार्जिन का नकारात्मक पाटन मार्जिन, यदि कोई हो, को शून्य किए बिना व्यष्टि निर्यातकों के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए उपयोग किया जा रहा है। तदनुसार, व्यष्टि निर्यातकों के भारित औसत पाटन मार्जिन का परिकलन इस खण्ड के अंत में दी गई तालिका में दिया गया है।

झ.4.2 व्यष्टि पाटन मार्जिन का दावा करने वाले निर्यातक

124. उपर्युक्त व्याख्या की गई विधि को गैर प्रतिदर्शित निर्यातकों जिन्हें व्यष्टि: व्यवहार प्रदान किया गया है, के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण करने हेतु अंगीकृत किया गया है।

झ.4.3 गैर-प्रतिदर्शित निर्यातक

125. निम्नांकित निर्यातकों जिन्होंने स्वयं को प्रतिदर्श प्रश्नावली के उत्तर में ज्ञात होने दिया है लेकिन जिन्हें प्रतिदर्श में शामिल नहीं किया गया है, के लिए पाटन मार्जिन नियमावली के नियम 17(3) के अनुसार उपर्युक्त उल्लिखित प्रतिदर्शित निर्यातकों के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन के भारित औसत मूल्य के रूप में निर्धारित किया गया है। उपर्युक्त विधि के आधार पर निर्धारित भारित औसत पाटन मार्जिन..... % बनता है।

क्र.सं.	गैर प्रतिदर्शित निर्यातकों के नाम	प्रान्त
1	लॉगचांग यिन्हुआ सिल्क कं0	सिचुआन
2	जियांग्सु होंगबाओ ग्रुप इ.एंड एक्स. कं. लि.	जियांग्सु
3	चोंगकिंग बोशन सिल्क कं. लि.	चोंगकिंग
4	एन्हुई सिल्क कं. लि.	एन्हुई
5	जिनयुआन कोकून सिल्क ग्रुप कं.लि.	जियांग्सु
6	हुझाऊ सेंटांग सिल्क वीविंग कं. लि.	झेजियांग
7	शंघाई सिल्क ग्रुप कं. लि.	शंघाई
8	झेजियांग मिहुअंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं.लि.	झेजियांग
9	देयांग बाइलॉग लाइफिंग सिल्क फेब्रिक कं.लि.	सिचुआन
10	जियांग्सु सोहो इंटरनेशनल ग्रुप कार्प.	जियांग्सु
11	ग्वांगडांग सिलिक इंटरनेशनल ग्रुप गोल्ड सिल्क कं.लि	ग्वांगडांग
12	ग्वांगडांग सिलिक इंटरनेशनल ग्रुप विन्टेक्स कार्प लि.	ग्वांगडांग
13	चेंग्डु इन्वेस्टमेंट इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.	सिचुआन
14	चेंग्डु किल्टर सिल्क ट्रेड कार्पोरेशन लि0	सिचुआन
15	क्विनडाओ हिरून इन्वेस्टमेंट ग्रुप कं.लि.	शानडोंग
16	झेजियांग जियांक्सिंग सिल्क इ. एक्स कं.लि.	झेजियांग

17	सिचुआन न्यू राइज (लेंगझांग) सिल्क कं.लि.	सिचुआन
18	सिचुआन न्यू राइज इ.एंड एक्स कं. लि.	सिचुआन
19	सिचुआन याटे सिल्क इ. एंड एक्स कं. लि.	सिचुआन
20	चेनकेंग (जियांग्सु) क्लोदिंग कं. लि.	जियांग्सु

झ. 4.4 अन्य सभी निर्यातक

126. अन्य सभी गैर-सहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन सहयोगी निर्यातकों के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत पर ध्यान देते हुए उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया गया है।

झ. 5 पाटन मार्जिन का सारांश

127. उपर्युक्त जांच के आधार पर संबद्ध देश के सभी निर्यातकों के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन निम्नानुसार परिकलित होता है:

प्रतिदर्शित निर्यातक	पाटन मार्जिन
मै0 सिचुआन सिल्क एक्सपोर्ट एंड इम्पोर्ट	42 %
झेजियांग जी एंड एफ फारेन ट्रेडिंग कं. लि.	51 %
मै0 झेजियांग कैथाया इंटरनेशनल कं. लि.	51 %
मै. नानजिंग टेक्सटाइल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड	77 %
मै. चोंगकिंग सनफील शिडू सिल्क वीविंग कं. लि.	69 %
भारित औसत पाटन मार्जिन	56 %
सभी गैर प्रतिदर्शित निर्यातक (सूची के अनुसार)	56 %
व्यष्टि व्यवहार प्राप्तकर्ता गैर-प्रतिदर्शित निर्यातक	
मै0 चोंगिंग विनटस (न्यू स्टार) ट्रेड लि0	64 %
मै0 गुडझाउ फाब्रून ग्रीन प्रोडक्ट्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि0	63 %
अन्य सभी गैर सहयोगी निर्यातक	77 %

झ. क्षति का निर्धारण तथा कारणात्मक संबंध

128. प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणामों में यह नोट किया था कि वर्तमान मामले में घरेलू उद्योग खण्डों में अत्यधिक विभाजित तथा बिखरा हुआ है जिसमें छोटी-छोटी हजारों इकाइयाँ शामिल हैं। इसलिए यह उद्योग संरचना तथा संगठन, विभिन्न अन्य मामलों में लाक्षणिक घरेलू उद्योग की तुलना में काफी अलग है। यह इकाइयाँ मुख्यतः कुटीर आधारित हैं तथा व्यक्तिगत परिवारों द्वारा चलाई जाती हैं। उनके विनिर्माण कार्यकलापों की प्रकृति के कारण ये इकाइयाँ विभिन्न भारतीय कानूनों के तहत न तो लेखे रखती हैं न ही उनका लेखा रखना अपेक्षित है जैसा कि संगठित उद्योग रखते हैं। यह भी नोट किया गया था कि इकाइयों के प्रचालन की प्रकृति तथा आकार के मद्देनजर घरेलू उद्योग से विभिन्न क्षति मानदण्डों के संबंध में यथार्थ ब्यौरा प्राप्त करना संभव नहीं है, जैसा कि संगठित क्षेत्र के उद्योगों के मामले में सामान्यतः अपेक्षित होता है। प्राधिकारी यह भी पाते हैं कि यद्यपि नियमावली के तहत विनिर्दिष्ट सभी मानदंडों की जांच करना अपेक्षित है तथापि यह भी एक स्थापित स्थिति है कि सकारात्मक क्षति निर्धारण के लिए किसी पाटनरोधी जांच में सभी मानदण्डों का घरेलू उद्योग के लिए अनिवार्यतः क्षति दर्शाना आवश्यक नहीं है। प्राधिकारी ने नोट किया कि कारकों का समग्र आकलन ही उन्हें यह देखने में समर्थ बनाएगा कि किसी विशेष मामले में क्षति हुई है अथवा नहीं। तदनुसार, प्राधिकारी ने कतिपय मानदंडों के आधार पर अनंतिम क्षति

निर्धारण किया था। तथापि, निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह दलील दी थी कि क्षति जांच के प्रति इस प्रकार का दृष्टिकोण दोषपूर्ण है। क्षति जांच के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों का सारांश निम्नानुसार है:

अ. 1 हितबद्ध पक्षकारों के विचार

129. सी सी सी टी ने अपने पश्च-प्रारंभिक जांच परिणाम संबंधी अनुरोधों में अन्य बातों के साथ-साथ यह तर्क दिया है कि समूचा क्षति विश्लेषण इस तथ्य के आधार पर अधिकांशतः अपूर्ण है कि घरेलू उद्योग द्वारा कोई ऐसे आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए गए हैं जो घरेलू उद्योग को हुई कथित क्षति का आकलन करने में प्राधिकारी को समर्थ बना सकते। उन्होंने यह तर्क दिया कि जहां तक मात्रा तथा कीमत विश्लेषण का संबंध है, न केवल सकारात्मक जांच परिणाम प्रस्तुत करना कि संबद्ध वस्तु के इसके सामान्य मूल्य की तुलना में कमतर कीमत पर आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है, पर्याप्त है बल्कि आयातों के कारण घरेलू उद्योग पर हुई परिणामी क्षति के प्रभावों को प्रदर्शित करना भी आवश्यक है। घरेलू उद्योग पर पड़े प्रभावों को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 के पैराग्राफ IV में व्याख्या किए गए कतिपय आर्थिक मानदण्डों के संदर्भ में मापा जाना है। यह तर्क दिया गया है कि कतिपय नामित मानदण्डों पर घरेलू उद्योग का विश्लेषण क्षति निर्धारण के लिए अनिवार्य शर्त है। आगे यह तर्क दिया गया है कि न तो करार में न ही नियमावली में ऐसा कोई अपवाद दिया गया है जो घरेलू उद्योग को आर्थिक मानदण्डों पर सूचना उपलब्ध कराने की आवश्यकता से घरेलू उद्योग को कतिपय प्रकार तथा प्रकृति की छूट प्रदान करे अथवा ऐसी आवश्यकता से घरेलू उद्योग को छूट देने हेतु प्राधिकारी को अनुमति प्रदान करती हो इसलिए यदि प्राधिकारी क्षति से संबंधित प्राथमिक आंकड़े उपलब्ध कराने की घरेलू उद्योग की आवश्यकता का त्याग भी करता है तब भी प्राधिकारी क्षति के समर्थन में कम से कम द्वितीयक स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों की आवश्यकता का त्याग नहीं कर सकता। न तो प्राथमिक न ही द्वितीयक स्रोतों से क्षति विश्लेषण के समर्थन में कोई आंकड़े उपलब्ध कराए गए हैं जो कि कानून द्वारा अपेक्षित हैं।

130. निर्यातकों ने अपने भिन्न-भिन्न अनुरोधों में उपर्युक्त तर्कों को दोहराया है तथा आगे यह तर्क दिया है कि सिल्क बोर्ड, पाटनरोधी कानून की अपेक्षाओं को पूरा करने के प्रयोजन से संबंधित उद्योग के अभिलेखों को प्रतिस्थापित नहीं कर सकता। यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी को पाटित आयातों की मात्रा एवं समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में पाटित आयातों का प्रभाव तथा ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव दोनों की वस्तुनिष्ठ रूप से जांच करना अनिवार्य है। जहां यह सत्य है कि क्षति संबंधी सभी मानदण्ड क्षति प्रदर्शित नहीं करते हैं वहीं क्षति संबंधी मानदण्डों की जांच की जानी आवश्यक है। कुछ मानदण्डों में क्षति का पता लगाना तथा अन्य मानदण्डों की उपेक्षा कर देना पर्याप्त नहीं है। घरेलू उद्योग अपने प्रारूप IV क में पाटनरोधी संबंधी डब्ल्यू टी ओ करार के अनुच्छेद 3.4 के तहत अधिदेशित क्षति के सभी सूचीबद्ध कारकों का आकलन तथा उनकी जांच करने में असफल रहा है। निर्यातकों ने तर्क दिया है कि प्राधिकारी अधिदेशित मानदण्डों का विश्लेषण करने में असमर्थ रहे हैं तथा प्राधिकारी द्वारा क्षति संबंधी संकेतकों की जांच बहुधा अनुमानित आंकड़ों पर आधारित रही है जो निष्कर्षों को अविश्वसनीय बना देती है। यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी ने न तो वास्तविक न ही अनुमानित उत्पाद की जांच की है। प्राधिकारी ने इस दावे को ध्यान में लिया है कि पावरलूमों की संख्या 75000 से घटकर 30000 हो गई है इसलिए कमतर क्षमता तथा कमतर क्षमता उपयोग होना चाहिए। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से का निर्धारण भी घरेलू उद्योग की वास्तविक तथा अनुमानित बिक्री मात्रा पर ध्यान दिए बिना किया गया है।

131. निर्यातक ने आगे यह तर्क दिया है कि भारतीय तथा चीनी सिल्क फैब्रिक बिल्कुल अलग बाजारों में बेचे जाते हैं - चीनी सिल्क फैब्रिक परिधान एवं वस्त्रों तथा भारतीय सिल्क फैब्रिक्स फर्निशिंग तथा कतिपय परम्परागत वस्त्रों के लिए प्रयुक्त होते हैं। परिधान तथा वस्त्रों के लिए अतिव्यापन, यदि कोई हो, बहुत कम है। अतः कोई क्षति नहीं है एवं कोई कीमत प्रभाव नहीं है क्योंकि बाजार के क्षेत्र अलग-अलग हैं।

132. निर्यातकों ने इस आधार पर कि फैब्रिक के कतिपय प्रकारों के संबंध में कोई घरेलू बिक्री कीमतें उपलब्ध नहीं थी, प्रारंभिक जांच परिणामों में कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री संबंधी विश्लेषण पर भी संदेह किया है।

अ . 2 प्राधिकारी द्वारा जांच

133. पाटनरोधी अधिनियम का अनुच्छेद 3.1 तथा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में (क) पाटित आयातों की मात्रा एवं समान उत्पादों के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव; तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में परिणामी प्रभाव, दोनों की वस्तुनिष्ठ जांच के लिए प्रावधान है। प्राधिकारी को यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या निरपेक्षतः अथवा आयातक सदस्य में उत्पादन या खपत के संबंध में आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है अथवा नहीं। पाटित आयातों के कीमत प्रभावों के संबंध में प्राधिकारी से यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या आयातक देश में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा प्रभावी कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के परिणामस्वरूप कीमतों में अन्यथा उल्लेखनीय मंदी होती है अथवा इससे कीमत में वृद्धि रूकती है जो कि अन्यथा अत्यधिक बढ़ गई होती।

134. प्राधिकारी ने क्षति जांच संबंधी पहलू पर हितबद्ध पक्षों के तर्कों को नोट किया है और इस प्रकटन विवरण में उस सीमा तक जहाँ तक ये तर्क वैध हैं उपयुक्त स्थान पर उठाए गए मुद्दों का समाधान किया है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की संरचना तथा प्रकृति को ध्यान में रखते हुए क्षति संबंधी मानदण्डों की वस्तुनिष्ठ रूप से जांच की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने उद्योग की प्रकृति के मद्देनजर तर्कसंगत रूप से उपलब्ध विभिन्न क्षति मानदण्डों पर सूचना उपलब्ध कराई है, वहीं प्राधिकारी ने स्वतंत्र स्रोतों और मौके पर दौरे के जरिए आंकड़े तथा सूचना की पुष्टि के लिए भी कदम उठाए हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि पाटनरोधी संबंधी करार में जहाँ क्षति जांच के लिए प्रासंगिक सभी मानदण्डों की वस्तुनिष्ठ जांच के लिए उपबंध है वहीं यह करार की पाद टिप्पणी में विखण्डित तथा असंगठित उद्योगों की समस्या को भी मान्यता देता है।

135. अपने पश्च-प्रकटन अनुरोधों में हितबद्ध पक्षकारों ने इस मामले में क्षति तथा कारणात्मक संबंधों के निर्धारण से संबंधित अपनी संगत स्थितियों को दोहराया है। हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि करणों की संख्या तथा उत्पादन आदि पर कतिपय सूचना पहली बार कतिपय रिपोर्टों के आधार पर जांच में प्रयुक्त की गई है जिसे हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध नहीं कराया गया है। उनसे उठाए गए मुद्दों पर बिना कोई सूचना उपलब्ध कराए क्षति तथा कारणात्मक संबंध पर अनेक अवलोकन तथा विश्लेषण भी प्रश्नगत किए गए हैं।

136. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस मामले में घरेलू उद्योग की विशिष्टताओं तथा निरपेक्ष आंकड़ों की उपलब्धता को प्रकटन विवरण में पर्याप्त स्थान दिया गया है तथा इस मामले में क्षति

जांच घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों तथा प्रकटन विवरण में उद्धृत विभिन्न सर्वेक्षण रिपोर्टों जैसे द्वितीयक स्रोतों द्वारा आपूरित आंकड़ों के आधार पर की गई है। इन रिपोर्टों तथा अन्य सूचनाओं को जांच अवधि के दौरान सार्वजनिक फाइल में रखे जाने पर प्राधिकारी को उपलब्ध कराया गया है तथा उक्त रिपोर्ट में निहित सूचना, उस सीमा तक जहां तक उसका उपयोग किया गया है, को प्रकटन विवरण में प्रकट किया गया है।

137. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि पूर्ववर्ती खण्ड में सम्पन्न पाटन जांच में यह स्पष्ट रूप से स्थापित होता है कि संबद्ध देश से भारतीय बाजार में वस्तुओं का पाटित कीमतों पर निर्यात हुआ है तथा पाटन मार्जिन पर्याप्त पाया गया है। इसलिए घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की निम्नानुसार जांच की गई है:

(क) मात्रात्मक प्रभाव

(i) पाटित आयातों की मात्रा तथा घरेलू उद्योग पर प्रभाव

138. प्रारंभिक जांच परिणाम में प्राधिकारी ने दो स्रोतों अर्थात् डी जी सी आई एंड एस तथा विश्व व्यापार एटलस से संबद्ध वस्तुओं के समेकित आयात आंकड़ों पर आधारित आयातों की मात्रा की जांच की थी। आंकड़े के स्रोतों में इंगित मात्रा पर किसी भी पक्ष ने विवाद नहीं किया है। दोनों आंकड़ा स्रोत निरपेक्षतः तथा कुल आयातों की तुलना में, दोनों स्थितियों में संबद्ध देश से आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि प्रदर्शित करते हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि इस मामले में चीन के निर्यातकों की भागीदारी की मात्रा काफी अधिक है जिन्होंने अपने निर्यात आंकड़े दिए हैं। प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस आयातों की आंकड़ों की सौदा स्तर पर भी जांच की है। भागीदार निर्यातकों के आंकड़े डी जी सी आई एंड एस आंकड़ों तथा विश्व व्यापार एटलस आंकड़ों के आधार पर संबद्ध वस्तुओं के आयात की मात्रा संबंधी प्रवृत्ति का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है:

चीन से सिल्क फैब्रिक का निर्यात (एच एस एन 5007 2011 मलबेरी सिल्क के अतिरिक्त अथवा विरिजित फैब्रिक - मात्रा मीटर में)

	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05
विश्व	104,372,481	100,984,242	131,395,482	165,033,508	213,811,686
भारत	1,448,613	10,786,081	41,051,422	67,652,080	96,491,270
सूचीबद्ध	100	745	2834	4670	6661

स्रोत: वर्ल्ड ट्रेड एटलस

139. ये आंकड़े दर्शाते हैं कि 2000-01 तथा 2004-05 के बीच चीन से सिल्क फैब्रिक के आयात में मात्रा के रूप में 66 गुने से भी अधिक वृद्धि हुई। तथापि, चूंकि ये आंकड़े समेकित स्तर पर हैं इसलिए डी जी सी आई एस के सौदा-वार आयात आंकड़ों की चीन जन गण से भारत को उब्ल्यू टी ए निर्यात आंकड़ों के साथ इनकी तुलना करने के लिए जांच की गई। सिल्क फैब्रिक को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के शीर्ष 5007 के तहत वर्गीकृत किया गया है तथा सामान्यतः इसकी निकासी उपशीर्ष 5007 9000 के तहत की जाती है। तथापि संबद्ध वस्तु की सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के उपशीर्ष 5007 1000, 5007 2000, 5007 2010 तथा 5007 2090

के तहत भी निकासी की जाती है। डी जी सी आई एस के आंकड़े उपर्युक्त शीर्षों के तहत असंबंधित उत्पादों के लिए की गई छंटाई के पश्चात, यह दर्शाते हैं कि चीन से संबद्ध वस्तु के आयात आंकड़े कमोबेश वर्ष 2004-05 जबकि डब्ल्यू टी ए आंकड़े काफी अधिक आंकड़े प्रदर्शित करते हैं, को छोड़कर डब्ल्यू टी ए सांख्यिकी की पुष्टि करते हैं। इसलिए क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ डी जी सी आई एस आंकड़ों को अधिक संरक्षी अनुमान के रूप में प्रयुक्त करने का प्रस्ताव है।

डी जी सी आई एंड एस सांख्यिकी

(मात्रा मीटर में)

देश	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
कुल	2074817	12108520	31774534	64355121	99657099	66438066
प्रवृत्ति	100	584	1531	3102	4803	3202
चीन	1184240	10508057	28806755	61361520	95182613	63455075.33
प्रवृत्ति	100	887	2433	5182	8037	5358
अन्य	890577	1600463	2967779	2993601	4474486	2982991
प्रवृत्ति	100	180	333	336	502	335
चीन का हिस्सा	57%	87%	91%	95%	96%	96%
अन्य का हिस्सा	43%	13%	9%	5%	4%	4%

140. यह संरक्षी आंकड़े भी प्रदर्शित करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं के आयात में क्षति जांच अवधि में 50 गुने से अधिक की वृद्धि हुई जबकि अन्य देशों से आयातों में केवल तीन गुनी वृद्धि हुई। कुल आयात में चीन से आयातों का हिस्सा 57 प्रतिशत से बढ़कर 96 प्रतिशत हो गया है। इसलिए संबद्ध देश से आयातों की वृद्धि तथा क्षति जांच अवधि के दौरान कुल आयात में इसका हिस्सा बेहद ज्यादा है।

(ii) क्षमता तथा उत्पादन

141. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने केन्द्रीय सिल्क बोर्ड, जो आवेदकों का प्रतिनिधित्व भी कर रहा है, द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर अनुमानित क्षमताओं तथा उत्पादन के उपयोग पर कई आपत्तियाँ की हैं। उन्होंने सी एस बी तथा वस्त्र मंत्रालय द्वारा प्रचालनरत करघों की संख्या से संबंधित उपलब्ध कराए गए आंकड़ों में विसंगतियों के मुद्दे को भी उठाया है तथा आंकड़े विवादित हैं।

142. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु के उत्पाद की क्षमता प्रचालनरत करघों की संख्या के सीधे अनुपात में है। सिल्क बुनाई उद्योग की संरचना ऐसा है कि प्रचालनरत करघों की वास्तविक संख्या तथा इन करघों के वास्तविक उत्पादन का यथार्थ अनुमान लगाना संभव नहीं है। जैसा कि प्रारंभिक जांच परिणाम में नोट किया गया है ये इकाइयाँ छोटी तथा बिखरी हुई हैं। भारत में सिल्क बुनाई का प्रमुख हिस्सा बुनियादी रूप से एक प्रकार का कुटीर उद्योग है जिनका आकार 2 - 3 करघों से 10 - 12 करघों तक परिवर्तित होता है। इस उद्योग की इसी प्रकृति के कारण इन उत्पादकों को किसी प्रशासनिक प्राधिकारी के पास स्वयं को पंजीकृत कराना तथा अपने वास्तविक उत्पादन तथा बिक्री का ब्यौरा दर्ज कराना अपेक्षित नहीं है जिसके परिणामस्वरूप उनकी क्षमता तथा उपयोग के वास्तविक आंकड़े किसी प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत नहीं किए जाते। वस्त्र मंत्रालय द्वारा यह भी माना गया है तथा अपनी वार्षिक रिपोर्ट में वस्त्र मंत्रालय ने दर्ज किया है कि वस्त्र उद्योग के विभिन्न खण्डों में पावरलूम समूचे देश में फैले हैं तथा प्रचालनरत लूमों की यथार्थ

संख्या ज्ञात नहीं है इसलिए पावरलूमों तथा हैंडलूमों की संख्या का आकलन समय-समय पर गणना के जरिए किया गया है। ऐसी एक गणना 1987 में की गई थी तथा वस्त्र मंत्रालय की वेबसाइट में उपलब्ध प्रस्थिति रिपोर्ट में दी गई पावरलूमों की संख्या जो कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उद्धृत की गई है, 1987 की गणना के परिणाम को दर्शाती है। दूसरा व्यापक सर्वेक्षण 1995-96 में नेशनल कौंसिल फार एप्लाइड इकोनामिक रिसर्च (एन सी ए ई आर) के जरिए वस्त्र मंत्रालय द्वारा कराया गया था। इस प्रयोजन के लिए एन सी ए ई आर द्वारा जारी किए गए पावरलूम क्षेत्र की संयुक्त गणना पर भी गौर किया गया था। तथापि, इस गणना में कपास तथा सिल्क सहित पावरलूमों को शामिल किया गया था तथा यह केवल सिल्क का उत्पादन करने वाले पावरलूमों पर अविखंडित आंकड़े उपलब्ध नहीं कराती।

143. सेंट्रल सिल्क टेक्नोलॉजिकल रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बंगलौर द्वारा वर्ष 2003 में कर्नाटक पावरलूम विकास निगम के लिए कर्नाटक में सिल्क तथा कलात्मक सिल्क फैब्रिक्स उत्पादन में लगी पावरलूम इकाइयों का सर्वेक्षण कराया गया था। रिपोर्ट के अनुसार "पावरलूमों की गणना 1996" में उल्लिखित 88566 पावरलूमों में से वर्ष 2003 में कर्नाटक में 48341 करघे 14951 इकाइयों में कार्यशील थे। इकाइयों का औसत आकार प्रति इकाई 6 करघे से कम था। इन इकाइयों में से 83 प्रतिशत स्वामित्व वाले प्रतिष्ठान थे तथा पारिवारिक व्यवसाय के रूप में चलाए जा रहे थे तथा 41 प्रतिशत संविदा आधार पर चलाए जा रहे थे। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उपर्युक्त रिपोर्ट व्यापक है जो कर्नाटक में 7 समूहों जो भारत में सिल्क फैब्रिक का पर्याप्त रूप से प्रतिनिधित्व करते हैं के मूके पर वास्तविक सर्वेक्षण पर आधारित है। इसलिए देश में करघों की संख्या का इस रिपोर्ट के आधार पर अनुमान इस विषय पर उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना प्रतीत होती है तथा केवल इस कारण से अमान्य नहीं की जा सकती कि आवेदन के पक्षकारों में से एक सी एस बी ने भी इसे प्रस्तुत किया है।

144. प्राधिकारी ने 1983 में आर्थिक विकास एसोसिएट्स द्वारा संकलित नेशनल सेरीकल्चर प्रोजेक्ट, वाराणसी यार्न मार्केट के लाभानुभोगी आकलन की भी जांच की है। यह रिपोर्ट क्षेत्र के अनुमानों के आधार पर 1993 में उत्तर प्रदेश में पावरलूमों की संख्या लगभग 17750 बताती है। हथकरघा एवं वस्त्र विभाग, कर्नाटक सरकार ने 11.7.2006 के अपने पत्र में सूचित किया है कि वर्तमान में कर्नाटक क्षेत्र में लगभग 25,000 करघे प्रचालनरत हैं।

145. हितबद्ध पक्षकारों ने ऐसी कोई ठोस सूचना उपलब्ध नहीं कराई है जो इन आंकड़ों को विवादित ठहराए। इसलिए क्षति सूचना अवधि के दौरान करघों की संख्या का अनुमान तथा उनमें गिरावट की आंकड़ों द्वारा पर्याप्त रूप से पुष्टि की गई है तथा इसीलिए क्षति जांच के प्रयोजनार्थ इन्हें प्राधिकारी द्वारा स्वीकार किया गया है। उपर्युक्त रिपोर्ट के आधार पर 2000-01 में भारत में प्रचालनरत पावरलूमों की संख्या मोटे तौर पर 75000 होने का अनुमान लगाया गया है जो जांच अवधि में घटकर 30000 से कम हो गए।

146. जहां तक क्षमता, वास्तविक उत्पादन तथा क्षमता उपयोग का संबंध है, कर्नाटक में पावरलूम इकाइयों के सर्वेक्षण पर उक्त रिपोर्ट करघों की उत्पादकता तथा प्रतिदिन बुने गए मीटरों के रूप में श्रम उत्पादकता के संबंध में वास्तविक फील्ड सर्वेक्षण के आधार पर 2003 की स्थिति में सूचना उपलब्ध कराती है। इस रिपोर्ट के अनुसार प्रति करघा उत्पादन सादे फैब्रिक्स के मामले में लगभग 10-15 मीटर था तथा ताने-बाने की सामान्य लम्बाई 200-500 मीटर थी। एक करघा एक बुनकर

सामान्य करघा आबंटन है किन्तु शिफान की बुनाई के मामले में दो करघा एक बुनकर की पद्धति भी अपनाई जाती है। औसत उत्पादन प्रति करघा लगभग 11 मीटर प्रति दिन है तथा औसत उत्पादन प्रति श्रमिक लगभग 12 मीटर प्रति दिन है। सर्वेक्षण के अनुसार कर्नाटक क्षेत्र में उद्योग द्वारा प्राप्त क्षमता उपयोग लगभग 78 प्रतिशत है। कर्नाटक क्षेत्र के भारतीय सिल्क उद्योग के सबसे बड़े तथा प्रतिनिधि होने के नाते उस पर पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभावों की जांच करने के लिए निर्भर रहा गया है।

147. हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि सी एस बी के सिल्क क्षेत्र की प्रभारी सरकारी एजेंसी होने के नाते प्राधिकारी को सी एस बी द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों को स्वीकार नहीं करना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सी एस बी नोडल एजेंसी है जिसे इस क्षेत्र की वृद्धि को सुकर बनाने की जिम्मेवारी सौंपी गई है। यद्यपि इसने घरेलू उत्पादकों के एसोसिएशनों की ओर से आवेदन प्रस्तुत करने में सुविधा प्रदान की है तथापि इसके पास मामले के भिन्न-भिन्न पहलुओं के बारे में प्रामाणिक सूचना प्रदान करने की जिम्मेदारी भी है। करघों की संख्या आदि के संबंध में सी एस बी द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों की विभिन्न फील्ड सर्वेक्षण रिपोर्टें तथा अन्य सरकारों एवं स्वतंत्र एजेंसियों की रिपोर्टें द्वारा पुष्टि की गई है जैसा कि ऊपर नोट किया गया है। इसलिए इस संबंध में सी एस बी द्वारा प्रदत्त सूचना अथवा अनुमान की विश्वसनीयता को चुनौती देने की कोई संभावना नहीं है।

148. ऊपर उल्लिखित कारकों के मद्देनजर प्राधिकारी यह पाते हैं कि वर्ष-दर-वर्ष आधार पर करघों के आंकड़े प्राप्त करना संभव नहीं है। तथापि, ऊपर उल्लिखित विभिन्न स्रोतों से संकलित तथा संबंधित एसोसिएशनों तथा फेडरेशनों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों द्वारा संपुष्ट किए गए आंकड़ों के आधार पर घरेलू उद्योग की क्षमता तथा उत्पादन का निम्नानुसार अनुमान लगाया गया है:

विवरण	2000-01	2003-04
विद्युत करघों की संख्या	75000	29900
मी.टन में क्षमता	11250	4485
उत्पादित सिल्क फैब्रिक की मात्रा मी.टन	10408.5	3163.2
क्षमता उपयोग	93%	71%

50 ग्राम प्रति मीटर फैब्रिक्स प्रति करघा प्रति दिन 10 मीटर के औसत उत्पादन के आधार पर क्षमता का आकलन किया गया है।

149. जहां तक सामान्य क्षति मानदण्डों का संबंध है प्राधिकारी ने आवेदकों तथा साथ ही प्रभावित राज्यों के रेशमकृषि आयुक्तों से सिल्क उद्योग की स्थिति के बारे में सूचना प्राप्त की है। तथापि, पावरलूम क्षेत्र की दुर्दशा तथा विभिन्न समूहों में इकाइयों के बंद होने के बारे में आवेदकों के दावों की स्वतंत्र रूप से जांच करने की दृष्टि से प्राधिकारी ने पावरलूम इकाइयों पर अधिकतम केन्द्रित होते हुए निचले स्तर पर वास्तविक स्थितियों की जांच करने के लिए कर्नाटक राज्य में कुछेक समूहों की मौके पर जांच की। उन समूहों की जांच से पता चला कि अनेक इकाइयाँ बंद हो गई हैं तथा करघों को विखण्डित कर अन्य क्षेत्रों में कपास तथा संश्लेषित वस्त्रों के उत्पादकों को बेच

दिया गया है। इस प्रकार की अनेक बंद/विस्थापित इकाइयों, जहां पर्याप्त संख्या में करघों का प्रचालन हो रहा था, को ऐसे मुआयनों के दौरान देखा गया था। अभी भी चल रही पर्याप्त संख्या में इकाइयों ने टिके रहने के लिए कलात्मक रेशम हेतु ठेके पर अथवा जरी आधारित उत्पादों की ओर स्थानांतरण कर लिया है। इसलिए, यद्यपि करघों की अनुमानित संख्या की यथार्थता पर बहस की जा सकती है तथापि यह तथ्य विद्यमान है कि अनेक करघे बंद हो गये हैं तथा संबद्ध देश से पाटित आयातों की प्रतिस्पर्धा के कारण इस अवधि के दौरान अन्य खण्डों की ओर स्थानांतरित हो गए हैं।

150. यह पाया गया है कि संगठित क्षेत्र में केवल 3 से 4 इकाइयां हैं। इनमें से सबसे बड़ी इकाइयों में से एक मै0 चामुण्डी सिल्क जो अपने क्रेप रेशम के लिए विख्यात है, ने बंगलौर के समीप 100 करघों से अधिक वाली अपनी प्रमुख उत्पादन इकाई को बंद कर दिया है। लगभग 25 करघों को ड्यूपिअन फर्निशिंग फैब्रिक वर्क में संविदा कार्य के लिए पट्टे पर दिया गया है। शेष करघे तथा समूची फर्निशिंग लाइन लम्बे समय से बेकार पड़े हैं। मै0 कर्नाटक सिल्क इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन पावरलूम खण्ड में सबसे बड़ी इकाई - विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के स्थान पर हाई-एंड विशुद्ध जरी आधारित साड़ियों की ओर स्थानांतरित हो गई है। तथापि, जरी आधारित साड़ियों की सीमित मांग के कारण इकाई के पास विशाल निष्क्रिय क्षमता है तथा फैब्रिक का वर्तमान कीमत स्तर चीन से पाटित आयातों से कीमत दबाव के कारण ऐसा है कि इस उत्पाद के लिए कारखाना चलाना व्यवहार्य नहीं है भले ही इसके पास निष्क्रिय क्षमता है। लगभग 10 से 20 करघों वाली कुछ मंझोले आकार की इकाइयों की भी जांच की गई थी तथा यह देखा गया था कि यद्यपि ये इकाइयां तीन पारियों में प्रचालन करने तथा अत्यधिक उच्चतर क्षमताओं का उत्पादन करने में समर्थ हैं तथापि आर्डर्स न मिलने के कारण ये इकाइयां कमतर क्षमताओं पर प्रचालन कर रही हैं तथा उनके पास काफी अप्रयुक्त क्षमताएं हैं। यहां तक कि एकल पारी प्रचालन के आधार पर अप्रयुक्त घरेलू उद्योग के विद्यमान करघों का क्षमता उपयोग इस अवधि के दौरान केवल लगभग 70 प्रतिशत रहा है।

(iii) घरेलू बिक्री, मांग तथा बाजार हिस्सा

151. भारत में पावरलूम फैब्रिक की कुल मांग घरेलू खपत के रूप में सिल्क फैब्रिक उत्पादन का 85 प्रतिशत लेकर (शेष निर्यात के प्रयोजन के लिए होने के कारण) तथा उपर्युक्तानुसार कुल आयातों को जोड़कर आकलित की गई है। तदनुसार, कुल मांग तथा घरेलू उद्योगों का हिस्सा तथा पाटित आयात निम्नानुसार परिकलित होते हैं -

देश	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि वार्षिकीकृत
कुल मांग	12483317	22517020	34937734	67518321	69601266
चीन का हिस्सा	9%	47%	82%	91%	91%
प्रत्यक्ष निवेश का हिस्सा	83%	46%	9%	5%	5%
अन्य का हिस्सा	7%	7%	8%	4%	4%

152. उपर्युक्त आंकड़ों से प्रदर्शित है कि पाटित आयातों ने घरेलू बाजार से मात्रा तथा बाजार हिस्से की बिक्री के रूप में भारतीय करघों को वास्तव में बर्बाद कर दिया है जबकि पाटित आयातों का हिस्सा 9 प्रतिशत से बढ़कर 91 प्रतिशत हो गया है।

153. तथापि, हितबद्ध पक्षों की दलीलों के मद्देनजर कि प्रामाणिक आंकड़ों की अनुपस्थिति में घरेलू उद्योग द्वारा उल्लिखित करघों तथा उत्पादन में गिरावट सही नहीं है, प्राधिकारी ने समूची क्षति अवधि के लिए यह मानते हुए कि सभी 75000 करघे दो पारियों में प्रचालनरत हैं। समान मांग तथा बाजार हिस्सा संबंधी परिदृश्य की जांच की। संगत मांग तथा बाजार हिस्सा संबंधी स्थिति निम्नानुसार प्रदर्शित है:

मात्रा मीटर में

उत्पादित सिल्क फेब्रिक्स की मात्रा	20817000	20817000	20817000	20817000	20817000
कुल आयात	2074817	12108520	31774534	64355121	66438066
चीन से आयात	1184240	10508057	28806755	61361520	63455075.33
कुल मांग	22891817	32925520	52591534	85172121	87255066
चीन का हिस्सा	5%	32%	55%	72%	73%
प्रत्यक्ष निवेश का हिस्सा	91%	63%	40%	24%	24%
अन्य का हिस्सा	4%	5%	6%	4%	3%

154. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि यदि क्षति अवधि को शुरुआत में विद्यमान इकाइयां बिना किसी जीर्ण-शीर्णता के पूर्ण क्षमता के साथ प्रचालन करतीं तो भी बाजार हिस्सा 91 प्रतिशत से गिरकर 24 प्रतिशत तथा पाटित आयातों का हिस्सा 5 प्रतिशत से बढ़कर 73 प्रतिशत हो गया होता। इसलिए इस संबंध में हितबद्ध पक्षों के तर्क वैध प्रतीत नहीं होते।

(ख) कीमत प्रभाव

(i) आयात कीमतों की प्रवृत्ति

155. संबद्ध उत्पादों के आयातों की कीमत संबंधी प्रवृत्ति की डी जी सी आई एंड एस आंकड़ों के आधार पर जांच की गई। आंकड़े दर्शाते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं की औसत सी आई एफ कीमत में 40 प्रतिशत से अधिक की तथा पहुँच मूल्य में 45 प्रतिशत तक की गिरावट आई। इसी समय अन्य देशों से आयातों की सी आई एफ कीमत में मामूली वृद्धि हुई यद्यपि पहुँच मूल्य में आयात शुल्क में कमी के कारण लगभग 7 प्रतिशत की गिरावट आई।

वर्ष	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	जांच की अवधि
औसत सी आई एफ चीन	106.11	79.32	61.64	61.21	62.09
प्रवृत्ति	100	75	58	58	59
पहुँच मूल्य चीन	139.33	104.14	80.94	80.37	75.26

प्रवृत्ति	100	75	58	58	54
औसत सी आई एफ अन्य	87.99	89.25	79.96	88.91	88.84
प्रवृत्ति	100	101	91	101	101
पहुँच मूल्य अन्य	115.53	117.18	104.99	116.7454	107.68
प्रवृत्ति	100	101	91	101	93

(ii) घरेलू बिक्री कीमतें एवं कीमत कटौती

156. घरेलू बिक्री कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए दौरा की गई 15 इकाइयों से उपलब्ध नमूना बिक्री कीमतों और ऊपर उल्लिखित सर्वेक्षण रिपोर्टों के आधार पर पावरलूमों द्वारा विनिर्मित सिल्क फैब्रिक की घरेलू बिक्री कीमतों का विश्लेषण किया गया है। विभिन्न प्रकार की फैब्रिकों की बिक्री कीमतों की उपलब्ध वर्णभेद रहित आंकड़ों की सीमा तक उन विभिन्न किस्मों की आयात कीमतों के साथ तुलना किए जाने का प्रस्ताव है जिनके लिए सहयोगी निर्यातकों द्वारा सूचना उपलब्ध करायी गयी थी। तुलना करने पर यह नोट किया जाता है कि आयात कीमतें भारत में घरेलू उद्योग की अनुमानित बिक्री कीमतों से अत्यधिक कम हैं।

157. कम कीमत पर बिक्री की जांच के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी विभिन्न किस्मों और फैब्रिकों के ग्रेमेजिज के लिए उपभोग की गई सिल्क यार्न की लागत, टविस्टिंग एवं डिगमिंग लागत, बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय सहित अधिकतम उत्पादन लागत और केन्द्रीय रेशम बोर्ड से प्राप्त सूचना के आधार पर उचित लाभ की राशि, संगठित इकाइयों की लागत संबंधी लेखा परीक्षा रिपोर्ट और इस जांच के परिणाम में उद्धृत मौके पर किए गए सर्वेक्षणों की सर्वेक्षण रिपोर्टों के आधार पर उत्पादन लागत/क्षतिरहित कीमत का निर्धारण करने का प्रस्ताव करते हैं। फैब्रिक की विभिन्न किस्मों के लिए अनुमानित क्षतिरहित कीमत की सहयोगी निर्यातकों के संबंध में आयातित फैब्रिकों की तुलनीय किस्मों के पहुँच मूल्य के साथ तुलना की गई है। भारत औसत उत्पादन लागत, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और संबद्ध देशों से आयातों के पहुँच मूल्य के आधार पर कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री का निम्नानुसार परिकलन किया गया है:-

वर्ष	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
भारत औसत पहुँच मूल्य चीन	104.14	80.94	80.37	75.26
सी आई की भारत औसत घरेलू बिक्री कीमत	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	63.41	65.703	65.703
कीमत कटौती	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	31.69	40.256	51.14
सी आई की भारत औसत सी ओ पी	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	85.37	89.34	89.34
कम कीमत पर बिक्री	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	108.98	126.87	142

(iii) कीमत ह्रास एवं मंदी

158. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सिल्क फैब्रिकों की औसत उत्पादन लागत में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर गिरावट आयी है। तथापि, उत्पादन लागत में कमी के बावजूद घरेलू उद्योग लाभकारी कीमतें प्राप्त करने में सक्षम नहीं रहा है जिससे उत्पादन लागत से नीचे तीव्र गिरावट प्रदर्शित होती है, जिससे पाटित आयातों के कारण अत्यधिक कीमत ह्रास संबंधी प्रभावों का संकेत मिलता है। जैसा कि प्रारंभिक जांच परिणामों में दर्ज किया गया है, प्राधिकारी ने विश्व व्यापार एटलस में रिपोर्ट किए गए सिल्क फैब्रिक के निर्यात, मूल्य एवं औसत कीमत संबंधी आंकड़ों को भी ध्यान में रखा है। डब्ल्यू टी ए के आंकड़ों के अनुसार चीन से निर्यातित सिल्क फैब्रिक के निर्यातों का मूल्य एवं औसत कीमत निम्नानुसार है:-

चीन से सिल्क फैब्रिक के निर्यातों का मूल्य (एच एस एन 5007 2001 शहतूत सिल्क की अविरंजित अथवा विरंजित बुनी हुई फैब्रिक - मूल्य मिलियन अमरीकी डालर में)

	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05
विश्व	274.65	242.683	249.106	301.669	431.639
भारत	3.225	19.781	58.047	92.929	163.694

चीन से सिल्क फैब्रिक के निर्यातों की औसत कीमत (एच एस एन 5007 2001 शहतूत सिल्क की अविरंजित अथवा विरंजित बुनी हुई फैब्रिक - मूल्य मिलियन अमरीकी डालर में)

	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05
विश्व	2.63	2.4	1.9	1.83	2.02
भारत	2.23	1.83	1.41	1.37	1.7

159. उपर्युक्त आंकड़ों से समग्र स्तर पर डी जी सी आई एस के आंकड़ों की पुष्टि होती है और इनसे यह भी संकेत मिलता है कि वर्ष 2003-04 में चीन से सिल्क फैब्रिक की निर्यात कीमत में तीव्र गिरावट आयी थी जिसमें वर्ष 2000-01 की तुलना में जांच अवधि के बारह महीने शामिल हैं।

(ग) क्षति संबंधी अन्य मानदंड**(i) लाभप्रदता, निवेश पर आय और नकदी प्रवाह पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव**

160. प्राधिकारी नोट करते हैं कि बुनाई उद्योग, मुख्यतः असंगठित क्षेत्र में विशुद्ध रूप से विश्वास पर चलता है। चूंकि ये इकाइयां लघु परिवार आधारित उद्यमों के रूप में चलाए जाते हैं इसलिए कोई उचित लेखांकन एवं प्रलेखन प्रणाली नहीं है। तथापि, उत्पादन लागत, बिक्री कीमत और 15 इकाइयों की संख्या संबंधी अन्य सूचनाओं जिनके लिए वास्तविक आंकड़े उपलब्ध थे, की जांच की गई है। इन इकाइयों की लागत एवं कीमतों से यह संकेत मिलता है कि घरेलू उद्योग को कीमतों में तीव्र गिरावट के कारण अत्यधिक घाटा हुआ है।

				रुपए/किग्रा.
वर्ष	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
डी आई की भारित औसत सी ओ पी (सूचीबद्ध)	100	85.37	89.34	89.34
डी आई की भारित औसत घरेलू बिक्री कीमत (सूचीबद्ध)	100	63.41	65.703	65.703
औसत लाभ/घाटा	13.19	(21.91)	(23.93)	(23.93)
औसत लाभ/घाटा (सूचीबद्ध)	100	-166.1	-181.4	-181.4

प्राधिकारी के ध्यान में यह बात लायी गयी है कि कीमत का दबाव ऐसा रहा है कि घरेलू पावरलूम उत्पादक उत्पादन की लागत प्राप्त करने में सफल नहीं रहे हैं। इसलिए लाभप्रदता, निवेश पर आय और नकदी प्रवाह पर प्रभाव को अत्यधिक प्रतिकूल पाया गया है।

(ii) रोजगार और मजदूरी पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

161. राष्ट्रीय आंकड़े जो वस्त्र मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट पर आधारित हैं, से यह प्रदर्शित होता है कि हथकरघा क्षेत्र सहित सिल्क फैब्रिक उत्पादन क्षेत्र से भारत में कम से कम 5.5 मिलियन लोगों को रोजगार मिलता है। अनंतिम जांच परिणामों में प्राधिकारी ने यह टिप्पणी की थी कि पावरलूम क्षेत्र में रोजगार प्रत्यक्ष रूप से पावरलूमों की संख्या से जुड़ा है। पावरलूम में प्रत्यक्ष रोजगार ट्विस्टिंग और बुनाई की संयुक्त इकाई पर विचार करते हुए आमतौर पर 3 व्यक्ति प्रति लूम है। तथापि, पावरलूमों से बुनाई, ब्लीचिंग और रंगाई से संबंधित अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम दोनों खंडों में संबद्ध कार्यकलापों के लिए अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होता है। कार्यशील लूमों की संख्या में वर्ष 2000-01 में 75000 से जांच अवधि के दौरान 30,000 की कमी का अनुमान लगाने पर नौकरियों में प्रत्यक्ष कमी लगभग 1,35,000 है और अप्रत्यक्ष नौकरियों में कमी इस संख्या से भी अधिक होने का अनुमान है। बड़ी संख्या में पावरलूमों का बंद होना इस महत्वपूर्ण परम्परागत उद्योग में रोजगार में कमी होने का एक स्पष्ट एवं प्रत्यक्ष संकेतक है। बंद होने और मौजूदा क्षमता का कम उपयोग करने के परिणामस्वरूप भी ट्विस्टिंग, प्रसंस्करण, छपाई आदि जैसे अनेक अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम कार्यकलाप बंद हो गए हैं जिससे इस क्षेत्र में अनेक कुशल श्रमिक या तो बेरोजगार हो गए हैं अथवा उन्होंने वैकल्पिक रोजगार को अपना लिया है।

162. इस क्षेत्र में मजदूरी आमतौर पर मंहगाई और प्रतिदिन की श्रम उत्पादकता से जुड़ी होती है। यद्यपि उत्पादकता में कमी नहीं आयी है तथापि, लूमों के बंद होने और बेरोजगारी में परिणामी वृद्धि के कारण इन समूहों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

(iii) वृद्धि पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

163. प्राधिकारी ने पूर्व में हवाला दी गई फील्ड सर्वेक्षण रिपोर्टों और प्राधिकारी का वृद्धि संबंधी विभिन्न मानदंडों के आकलन के आधार पर इस क्षेत्र में वृद्धि संबंधी रूपरेखा की जांच की है। इस

क्षेत्र में क्षमता, उत्पादन और कारोबार के लिहाज से यह गिरावट 50 प्रतिशत से अधिक है। लागत में वृद्धि और बिक्री कीमतों में कमी के कारण इस क्षेत्र की लाभप्रदता में भी अत्यधिक गिरावट आयी है। प्राधिकारी ने पूर्ववर्ती खंडों में यह नोट किया था कि जांच अवधि के दौरान बिक्रियों, रोजगार और बाजार हिस्से में कमी आयी है। आयातों की मात्रा के प्रभाव और पाटित वस्तुओं के कीमत स्तरों से इस खंड की वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

(iv) पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

164. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इकाई का स्वरूप ऐसा है कि प्रायः यह अपना वित्त निजी स्रोतों के जरिए वित्त होता है जिसे इकाइयों को स्थापित करने और उनका प्रबंधन करने के लिए प्रयोग किया जाता है। तथापि, कार्यशील पूंजी के लिए बुनकर बैंकों, मुख्यतः वस्त्र सहकारी बैंकों और अन्य राष्ट्रीयकृत बैंकों पर निर्भर करते हैं। तथापि, उत्पादन में कमी और अप्रयुक्त क्षमताओं के कारण ऋणों की वसूलियां कम हैं जिसके परिणामस्वरूप बैंक आमतौर पर इस क्षेत्र में और अधिक सहयोग देने के लिए इच्छुक नहीं हैं। इसलिए घरेलू उद्योग की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता बुरी तरह प्रभावित हुई है।

(v) पाटन मार्जिन की मात्रा

165. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की मात्रा के संकेतक के रूप में पाटन मार्जिन 42 प्रतिशत से 77 प्रतिशत तक महत्वपूर्ण है।

(vi) मालसूची

166. जैसा कि प्राधिकारी के प्रारंभिक जांच परिणामों में रिकार्ड किया गया है, उद्योग के स्वरूप के कारण घरेलू उद्योग के स्टॉक संबंधी कोई विशिष्ट आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। तथापि, वर्तमान मामले में स्टॉक का विश्लेषण करना प्रासंगिक नहीं है क्योंकि सिल्क फैब्रिक का अधिकांश उत्पादन जॉब वर्क आधार पर किया जाता है।

(vii) उत्पादकता

167. प्रतिदिन प्रतिलूम फैब्रिक उत्पादन और प्रतिदिन की श्रमिक उत्पादकता के रूप में मापी गई घरेलू उद्योग की उत्पादकता से यह संकेत मिलता है कि किसी मानक लूम का औसत उत्पादन किसी एकल शिफ्ट प्रचालन के साथ प्रतिदिन 11 मीटर की औसत उत्पादकता के साथ फैब्रिक की किस्म पर निर्भर करते हुए 10 से 15 मीटर के बीच होता है जो निर्यातों के देश में पावरलूमों की उत्पादकता के साथ काफी तुलनीय है। प्रति दिन प्रति श्रमिक उत्पादन के रूप में भी मापी गई श्रमिक उत्पादकता लगभग 12 मीटर फैब्रिक बनती है। इसलिए, क्षति के सूचक के रूप में उत्पादकता इस मामले में बहुत अधिक प्रासंगिक नहीं है।

ट. क्षति संबंधी निष्कर्ष

168. उपर्युक्त जांच से यह प्रदर्शित होता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों में अत्यधिक बढ़ोतरी हुई है। वास्तव में, आयातों में वृद्धि और घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्रियों में परिणामी गिरावट अकेला सबसे महत्वपूर्ण कारक है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। पाटित आयात घरेलू मांग का एक बड़ा हिस्सा है। पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव क्षमता, उपयोग, बिक्रियों, बाजार हिस्से और रोजगार में अत्यधिक कमी के रूप में स्पष्ट है। सी आई एफ और भारित आयातों के पहुँच मूल्य में कमी बहुत अधिक है और कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री और कीमत मंदी के रूप में कीमत दबाव के परिणामस्वरूप अत्यधिक घाटा हुआ है और अनेक इकाइयां बंद हुई हैं। क्षति जांच के दौरान अनेक लूमों के बंद होने और रोजगार में परिणामी कमी क्षति के सबसे महत्वपूर्ण संकेतक हैं। इन कारकों के संबंध में क्षति की प्राधिकारी द्वारा मौके पर किए गए दौरों के जरिए पुष्टि की गई है।

169. प्राधिकारी ने उद्योग के स्वरूप को ध्यान में रखते हुए अन्य मानदण्डों पर पाटित आयातों के प्रभाव की संभव सीमा तक जांच की है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि यद्यपि नियमों में वहां सूचीबद्ध मानदण्डों सहित सभी प्रासंगिक मानदंडों के वस्तुनिष्ठ आकलन का प्रावधान है तथापि इनमें यह भी प्रावधान है कि इन मानदण्डों में से किसी एक या कई मानदण्डों से आवश्यक रूप से निर्णायक मार्गदर्शन नहीं मिल सकता है। न तो हितबद्ध पक्षकारों द्वारा हवाला दिया गया डब्ल्यू टी ओ न्याय शास्त्र और न ही नियमों में प्राधिकारी के लिए सभी या अधिकांश मानदंडों के संबंध में क्षति का पता लगाना अपेक्षित है। क्षति के आकलन के लिए विभिन्न मानदंडों पर आधारित समग्र आकलन अपेक्षित होता है। तात्कालिक मामले में अनेक लूमों के बंद होने और रोजगार में परिणामी कमी सबसे महत्वपूर्ण कारक हैं और घरेलू उद्योग द्वारा वहन की गई क्षति के प्रभावी सूचक हैं। इसलिए शामिल मुद्दों के समग्र आकलन के आधार पर प्राधिकारी को पर्याप्त विश्वास है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ट.1 क्षति मार्जिन

170. प्राधिकारी ने 13 इकाइयों के संबंध में दी गई सूचना को और अन्य 2 इकाइयों के संबंध में लागत परीक्षा रिपोर्ट को अपनाते हुए घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत की गणना की है। उत्पादन लागत के अलावा, लगाई गई पूंजी पर अनुकूल प्राप्ति की स्वीकृति दी गई है। तदनुसार, सिल्क फैब्रिक नामतः क्रीप, जार्जेट/शिफार्न, हैबूतई और 20-100 ग्रा./मी. की अन्य किरमों के संबंध में अलग से क्षति रहित कीमत निकाली गई है। क्षति रहित कीमत का निर्धारण संबद्ध देश के निर्यातकों द्वारा निर्यातित विभिन्न किरमों के फैब्रिक्स की उत्तराई मूल्य के साथ तुलना करके किया गया है और क्षति मार्जिन की तुलना कम शुल्क के आवेदन वाले अलग-अलग निर्यातकों के पाटन मार्जिन के साथ की गई है।

ठ. कारणात्मक संबंध

171. इस बात की पुष्टि हो जाने के बाद कि संबद्ध देश से पाटन हुआ है और घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है अनुबंध II के साथ पठित नियमावली के नियम 11 में प्राधिकारी के लिए पाटित आयातों और वहन की गई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध यदि कोई हो, स्थापित करने के लिए ऐसी क्षति के कारण की जांच करना अपेक्षित है।

ठ.1 हितबद्ध पक्षकारों के विचार

172. पाटित आयातों और घरेलू उद्योग द्वारा वहन की गई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों ने अन्य बातों के साथ-साथ यह तर्क दिया है कि केवल इस बात के कारण कारणात्मक संबंध स्थापित हुआ नहीं कहा जा सकता कि पावरलूमों की संख्या में कमी आयी है। प्राधिकारी को उन कारणों की अवश्य जांच करनी चाहिए जिनके कारण पावरलूम कथित रूप से बंद हुए थे। यह तर्क दिया गया है कि चीन से सिल्क फैब्रिक के आयातों और भारतीय घरेलू उद्योग की क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। घरेलू उद्योग की क्षति का कारण यह है कि भारतीय घरेलू उद्योग अपने आप को तीव्र गति से विकसित होते हुए बाजार के साथ अनुकूल बनने में विफल रहा था। यह भी तर्क दिया गया है कि अधिकांश वस्त्र और परिधान प्रयोक्ताओं के लिए भारतीय सिल्क फैब्रिकों की अनुपयुक्तता के कारण विशेष रूप से विस्कोस और पोलिस्टर को अपनाने के साथ खपत पद्धति में परिवर्तन हुआ है। इसलिए मांग में कमी के बजाए भारतीय सिल्क फैब्रिकों की अनुपयुक्तता अनेक बुनकरों द्वारा सिल्क फैब्रिक को छोड़कर विस्कोस और पोलिस्टर अपनाये जाने का सही अनुमान है। यह भी तर्क दिया गया है कि क्षति का वास्तविक कारण भारतीय सिल्क उद्योग का ढांचा, विनियामक कार्यवाही, अभावग्रस्त अवसंरचना है। यह भी तर्क दिया गया है कि ज्यादा क्षति शहतूत की कच्ची सिल्क पर पहले लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के सोपानी प्रभावों के कारण होती है।

ठ.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

173. हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि किसी भी क्षति का वास्तविक कारण निषेधात्मक टैरिफों के कारण वस्त्र एवं परिधानों के लिए प्रारंभ में सिंथेटिक फैब्रिकों से भारतीय सिल्क फैब्रिकों को खपत की पद्धति में परिवर्तन मालूम होता है और जब आयातों को उदार बना दिया गया और टैरिफों में कमी की गई तो वस्त्र एवं परिधान निर्माताओं ने या तो सिल्क फैब्रिक अथवा सिंथेटिक फैब्रिक बनाना शुरू कर दिया और इस प्रकार भारतीय सिल्क फैब्रिकों के लिए केवल फर्नीशिंग बाजार का क्षेत्र ही बच गया। इसलिए क्षति का वास्तविक कारण पाटित आयातों की बजाए खपत पद्धति में परिवर्तन है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों एवं घरेलू खपत संबंधी आंकड़ों से इस दलील की बिल्कुल भी पुष्टि नहीं होती है। यदि सिल्क फैब्रिक के समूचे घरेलू उत्पादन को नजरअंदाज भी कर दिया जाए तो मांग में अत्यधिक बढ़ोतरी हुई है। सारे विश्व में यह विदित है कि भारत की सिल्क के साथ एक लंबी परम्परा रही है और सिल्क से अन्य फैब्रिकों के लिए मांग में परिवर्तन आंकड़ों द्वारा समर्थित वास्तविकता नहीं है। पावरलूम क्षेत्र को क्षति के कारण के रूप में टेक्सटाइल क्षेत्र में विनियामक कार्यवाही के प्रभाव संबंधी तर्कों की किसी सकारात्मक सूचना अथवा आंकड़ों द्वारा पुष्टि नहीं की गई है।

174. यह भी तर्क दिया गया है कि भारत में सिल्क उद्योग इस उद्योग के ऐसे ढांचे के कारण नुकसान उठा रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि ढांचागत मुद्दे शामिल हैं तथापि लघु और असंगठित इकाइयों के स्वरूप के कारण प्रौद्योगिकी के समावेशन और प्रचालन के पैमाने के लिहाज से यह मॉडल पाटन शुरू होने से पहले भारत सिल्क की मांग की कुशलता से पूर्ति कर रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सिल्क की बुनाई करना भारत में एक परम्परा है और इसका विकास कुटीर और लघु क्षेत्रों में हुआ है। परम्परागत रूप से बुनाई इकाइयां सिल्क उपजकर्ता क्षेत्रों और इनके आस-पास क्षेत्रों में समूहों में लगाई गई है। प्रौद्योगिकी और मशीनों में सुधार के रूप में निरंतर सहायता की सी एस बी सहित विभिन्न एजेंसियों और तकनीकी संस्थानों के जरिए आपूर्ति की जा रही है। यद्यपि अलग-अलग इकाइयों के प्रचालन का मापदंड लघु रहा है तथापि, इन इकाइयों ने सिल्क उद्योग और ग्रामीण रोजगार में अत्यधिक योगदान दिया है।

175. हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग व्युत्क्रमित शुल्क ढांचों और मूल कच्ची सामग्री पर पाटनरोधी शुल्क के कारण नुकसान उठा रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में इस उत्पाद के अत्यधिक पाटन के कारण कच्ची सिल्क बाजार में हुई विकृति को ठीक करने के लिए चीन से कच्ची सिल्क के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। शुल्क लगाने के पश्चात इस उत्पाद की कीमत स्थिर हो गई है और कच्ची सिल्क के विनिर्माताओं के साथ फैब्रिक विनिर्माताओं के लिए समान स्थिति बना दी गई है। तथापि, कच्ची सिल्क पर शुल्क लगाने के पश्चात पाटन फिर से सिल्क फैब्रिक पर चला गया है जिसके कारण बाजार में अत्यधिक विकृति आ गई है। इसलिए क्षति के कारण के लिए शुल्क ढांचे को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है जैसा कि निर्यातकों द्वारा तर्क दिया गया है। जहां तक पावरलूम बुनकरों का विस्कोस आदि जैसे अन्य फैब्रिकों को अपनाने संबंधी कुछ तर्कों का संबंध है, सत्यापनों के दौरान मौके पर जांच से यह पता चलता है कि बुनकर बाजार में पाटित वस्तुओं की उपस्थिति में भारतीय सिल्क फैब्रिकों के लिए अलाभकारी कीमत के कारण सिल्क फैब्रिक के लिए आदेशों की अनुपलब्धता के कारण दूसरे प्रकार के फैब्रिकों को अपनाने के लिए बाध्य थे।

176. पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंधों के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों की जांच करने के बाद प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध II के पैरा (v) में सूचीबद्ध अनिवार्य कारकों की जांच की है।

(क) पाटित कीमतों पर नहीं बेचे गए आयातों की मात्रा एवं कीमत

177. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से पाटित आयात संबद्ध वस्तु के कुल आयातों का लगभग 96 प्रतिशत बनता है। अन्य स्रोतों से अपाटित आयात कुल आयातों और देश में कुल मांग का बहुत थोड़ा हिस्सा है। अपाटित वस्तुओं की औसत कीमतें भी पाटित वस्तुओं की कीमतों से बहुत अधिक हैं। इसलिए अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा एवं कीमतों का घरेलू उद्योग पर कोई प्रतिकूल प्रभाव मालूम नहीं होता है।

(ख) मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

178. जैसा कि पूर्ववर्ती खंड में नोट किया गया है, यदि घरेलू उद्योग के समूचे उत्पादन को भी नजरअंदाज कर दिया जाए तो भारत में सिल्क फैब्रिकों की खपत में केवल आयातों के आधार पर कई गुना वृद्धि हुई है। इसलिए मांग में संकुचन अथवा खपत की पद्धतियों में परिवर्तन को घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं माना जा सकता है।

(ग) व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

179. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वस्तुएं मुक्त रूप से आयात योग्य हैं और आयातित उत्पादों की भारतीय बाजार में बगैर किसी व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रतिस्पर्धा अथवा प्रतिबंध के मुक्त रूप से बिक्री की जा सकती है। यह भी नोट किया जाता है कि आयातित संबद्ध वस्तुएं एवं घरेलू रूप से उत्पादित वस्तुएं समान वस्तुएं हैं और इनका समान अनुप्रयोगों/अंतिम प्रयोगों के लिए प्रयोग किया जाता है।

(घ) प्रौद्योगिकी विकास, निर्यात निष्पादन और घरेलू उद्योग की उत्पादकता

180. जहां तक प्रौद्योगिकी के विकास का संबंध है, घरेलू उद्योग साधारण पावरलूमों और अर्द्ध-स्वचालित लूमों दोनों का प्रयोग करता है। प्रौद्योगिकी सहायता एवं सेवाएं अनेक संस्थानों के जरिए उपलब्ध हैं तथापि, प्रौद्योगिकी समावेशन एवं उन्नयन कई वर्षों से प्रचलित बाजार स्थितियों के कारण मंद रहा है। पाटित वस्तुओं की अत्यधिक मात्रा की उपस्थिति में कीमत और मात्रा ह्रास के कारण बुनकर आधुनिकीकरण में अतिरिक्त निवेश करने की स्थिति में नहीं है। इसलिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि आधुनिकीकरण के लिए कार्यक्षेत्र और स्वेच्छा है, तथापि प्रचलित बाजार स्थिति उद्योग को आधुनिकीकरण के लिए निवेश करने की अनुमति नहीं देती है। उपर्युक्त के परिप्रेक्ष्य में प्राधिकारी का विचार है कि प्रौद्योगिकी और आधुनिकीकरण के समावेशन में कमी घरेलू उद्योग द्वारा वहन की गई क्षति का प्रभाव है न कि क्षति का कारण।

181. घरेलू उद्योग की उत्पादकता प्रति लूम उत्पादन और श्रमिक उत्पादन के लिहाज से अत्यधिक रही है अर्थात् प्रतिदिन 10 से 15 मी. की रेंज में जो निर्यातक देश में उत्पादन के साथ मेल खाती है। इसलिए उत्पादकता घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं है।

182. निर्यात निष्पादन कार्यशील लूमों की संख्या से भी जुड़ा हुआ है। चूंकि लूमों की संख्या और उत्पादन में अत्यधिक गिरावट आयी है इसलिए इस क्षेत्र का निर्यात निष्पादन भी नुकसान उठाने के लिए बाध्य है। यह भी नोट किया जाता है कि विभिन्न आर्थिक सूचकों के संबंध में निष्पादन का निर्धारण केवल घरेलू बिक्रियों के संबंध में किया गया है। इसलिए प्राधिकारी मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा वहन की गई वास्तविक क्षति घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन के परिणामस्वरूप नहीं है। चूंकि वस्त्र मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्टों के अनुसार सिल्क क्षेत्र के निर्यात निष्पादन में समग्र रूप से एक स्वस्थ बढ़ोतरी प्रदर्शित होती है। इसलिए, क्षति के लिए निर्यात निष्पादन को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है।

ठ.3 कारणात्मक संबंध पर निष्कर्ष

183. पाटित आयातों की मात्रा में समग्र एवं तुलनात्मक वृद्धि के रूप में पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत प्रभावों की जांच और संबद्ध देश से आयात कीमतों में पर्याप्त गिरावट से यह पता चलता है कि पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग का निष्पादन अत्यधिक प्रभावित हुआ है। पाटित आयातों की मात्रा में भारी वृद्धि के परिणामस्वरूप उत्पादन में अत्यधिक गिरावट आई है तथा घरेलू उद्योग के अनेक पावरलूम बंद हो गए हैं। संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा अधिक होने के कारण बुनकर बंद करने के लिए बाध्य हुए हैं या उन्होंने अन्य वस्त्रों की बुनाई शुरू कर दी है। रेशम बुनाई पावरलूमों की बड़ी संख्या में बंदी संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है। प्राधिकारी ने पाया कि पावरलूमों की बंदी बुनकरों तथा संबद्ध कार्यकलापों में लगे अन्य कामगारों के रोजगार में परिणामी क्षति संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों में पर्याप्त वृद्धि के प्रत्यक्ष परिणाम है। चीन से आयातों के पाटन की अधिक मात्रा होने के कारण शेष बचे पावर लूम भी वास्तविक बंदी के कगार पर हैं। अन्य कारकों की जांच से भी यह पता चलता है कि ऐसा अन्य कोई कारण नहीं है जिसने घरेलू उद्योग को भारी क्षति पहुँचाई हो। अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि संबद्ध देश से पाटित आयातों ने मात्रा एवं कीमत प्रभावों के जरिए पाटनरोधी नियम के नियम 11 तथा पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पहुँचाई है।

ड. घरेलू उद्योग का हित

184. निर्यातकों ने यह तर्क दिया है कि सार्वजनिक हित का एक ऐसा मुद्दा है जिस पर प्राधिकारी को ध्यान देना चाहिए क्योंकि इसमें भारी निवेश, रोजगार एवं मूल्यवर्द्धन और प्रयोक्ता उद्योगों द्वारा निर्यात आय ए डी डी के मामले में उच्चतर कीमतों के कारण प्रभावित होती। चीनी सिल्क वस्त्र पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारतीय लोक हित के लिए लाभ की तुलना में नुकसान अधिक होगा। पाटनरोधी शुल्क चीन से कच्चे रेशम पर लगाया गया है। चीन से सिल्क वस्त्र पर उच्च पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से चीन के निर्यातक भारतीय बाजार में प्रवेश से वंचित होंगे और ये रेशम उद्योग एवं भारत के अन्य अनुषंगी उद्योग को काफी क्षति पहुँचाएंगे। चीन के सिल्क फैब्रिक उत्पाद गुणवत्ता एवं प्रकारों में भारत के उत्पादों से भिन्न हैं एवं बाजार अभिमुखीकरण अलग-अलग है। अतः चीनी सिल्क फैब्रिक उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से सिल्क की कीमत में अनिवार्यतः वृद्धि होगी और भारतीय उपभोक्ताओं की मांग पूरी नहीं की जा सकती। यह भी तर्क दिया गया है कि पावरलूम सिल्क फैब्रिक क्षेत्र की वृद्धि से हथकरघा सिल्क फैब्रिक क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा की स्थितियों पर और अधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा जिससे हथकरघा कामगारों की स्थिति दयनीय बन जाएगी और वे आत्महत्याएं करेंगे।

185. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः उस पाटन को समाप्त करना है जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहा है एवं भारतीय बाजार में ऐसी खुली एवं निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल करना है जो देश के सामान्य हित में है। प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तु के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता कुछ हद तक प्रभावित हो सकती है। तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू करने से पाटन की पद्धतियों से प्राप्त अनुचित लाभ प्राप्त होंगे। घरेलू उद्योग एवं परिणामी रोजगार एवं आजीविका में गिरावट रूकेगी; और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्प बनाए रखने में मदद मिलेगी। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इस प्रकार उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

ढ. निष्कर्ष

186. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि:

- (क) संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है; और
- (ग) यह क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण हुई है।

ण. सिफारिश

187. प्राधिकारी ने निर्धारित नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की जांच शुरू की और संबद्ध देशों के लिए सकारात्मक पाटन मार्जिन निर्धारित करने और यह निष्कर्ष निकालने के बाद कि ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू

उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है, प्राधिकारी का मत यह है कि घरेलू उद्योग को हो रही क्षति एवं पाटन को समायोजित करने के लिए निश्चयात्मक उपाय लागू करना अपेक्षित है। तदनुसार, प्राधिकारी निम्नानुसार स्वरूप एवं तरीके से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

188. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कम शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी कम पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, प्राधिकारी संबद्ध देश के मूल के या वहां से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की अनुसूची 1 के सीमाशुल्क शीर्ष 5007 के अंतर्गत आने वाली 20 - 100 ग्राम/मीटर के सिल्क फैब्रिक के आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से संबद्ध वस्तु के पहुँच मूल्य एवं इसके साथ संलग्न शुल्क तालिका कॉलम 9 में उल्लिखित राशि के बीच के अंतर के रूप में निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं बशर्ते पहुँच मूल्य कॉलम 9 में उल्लिखित मूल्य से कम हो। इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुँच मूल्य सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1962 द्वारा यथा निर्धारित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8ख, 9, 9 क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क के लागू स्तर शामिल होंगे।

त. आगे की प्रक्रिया

189. इस सिफारिश से उत्पन्न केन्द्र सरकार के आदेशों के खिलाफ कोई अपील अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

190. प्राधिकारी अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार समय-समय पर यथा अनुशंसित और समय-समय पर इस संबंध में जारी सार्वजनिक सूचनाओं के अनुसार निश्चयात्मक उपाय जारी रखने, उन्हें परिवर्तित करने अथवा समाप्त करने की जरूरत की समीक्षा कर सकते हैं। प्राधिकारी द्वारा ऐसी किसी समीक्षा के किसी अनुरोध को तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक कि उक्त अनुरोध इस प्रयोजनार्थ निर्धारित समय-सीमा के अनुसार किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा दायर न किया गया हो।

क्रिस्टी एल. फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

अनुबंध

- 1 अनुबंध-I : शुल्क तालिका
2. अनुबंध-II : शुल्क तालिका के अनुसार गैर प्रतिदर्शित निर्यातकों की सूची

शुल्क तालिका										
क्र.सं.	उप शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	5007.100 0 5007.200 05007.20 105007.2 0905007 9000	सिल्क फैब्रिक्स	निम्नलिखित भार रेंज की क्रेप	चीन जन. गण.	कोई भी देश	कोई भी	मै. झेजियांग कैथाया इंटरनेशनल ल कं. लि.	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
2	तदैव	तदैव	तदैव	कोई	चीन जन. गण.	कोई भी	तदैव	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है।					1.662		
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है।					1.833		
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है।					2.004		
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है।					2.175		
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है।					2.230		
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है।					2.518		
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है।					2.314		
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है।					2.818		
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है।					2.877		
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है।					3.203		
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है।					3.374		
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है।					3.426		
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है।					3.716		
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है।					3.887		
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है।					4.059		
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है।					4.230		
3	5007.100 0 5007.200 05007.20 105007.2 0905007 9000	सिल्क फैब्रिक्स	निम्नलिखित भार रेंज की जॉर्जेट व शिफॉन	चीन जन. गण.	कोई भी देश	कोई भी	मै. झेजियांग कैथाया इंटरनेशनल ल कं. लि.	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
4	तदैव	तदैव	तदैव	कोई	चीन जन. गण.	कोई भी	तदैव	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है।					1.689		
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है।					1.882		
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है।					2.072		

			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है ।					2.180		
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है ।					2.186		
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है ।					2.396		
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है ।					2.832		
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है ।					2.954		
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है ।					3.003		
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है ।					3.272		
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है ।					3.562		
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है ।					3.601		
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है ।					3.971		
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है ।					4.160		
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है ।					4.351		
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है ।					4.526		
5	5007.100 0 5007.200 05007.20 105007.2 0905007. 9000	सिल्क फैब्रिक्स	निम्नलिखित भार रेंज की हेबुताई	चीन जन. गण.	कोई भी देश	कोई भी	मै. झेजियांग कैथाया इंटरनेशन ल कं. लि.	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
6	तदेव	तदेव	तदेव	कोई	चीन जन. गण.	कोई भी	तदेव	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है ।					1.690		
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है ।					1.867		
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है ।					2.044		
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है ।					2.221		
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है ।					2.174		
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है ।					2.575		
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है ।					2.752		
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है ।					2.929		
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है ।					3.106		
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है ।					3.283		
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है ।					3.460		
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है ।					3.637		
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है ।					3.814		
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है ।					3.991		
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है ।					4.168		
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है ।					4.344		
7	5007.100 0 5007.200 05007.20 105007.2 0905007. 9000	सिल्क फैब्रिक्स	निम्नलिखित भार रेंज की अन्य (टसर को छोड़कर)	चीन जन. गण.	कोई भी देश	कोई भी	मै. झेजियांग कैथाया इंटरनेशन ल कं. लि.	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.

8	तदैव	तदैव	तदैव	कोई	चीन जन. गण.	कोई भी	तदैव	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है।					1.665		
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है।					1.837		
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है।					2.009		
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है।					2.181		
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है।					2.353		
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है।					2.525		
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है।					2.697		
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है।					2.869		
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है।					3.041		
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है।					3.213		
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है।					3.385		
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है।					3.557		
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है।					3.713		
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है।					3.901		
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है।					3.848		
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है।					4.245		
9	5007.100 0 5007.200 05007.20 105007.2 0905007. 9000	सिल्क फैब्रिक्स	निम्नलिखित भार रेंज की क्रोप	चीन जन. गण.	कोई भी देश	कोई भी	मै. झेजियांग जी एण्ड एफ फरिन ट्रेडिंग कं. लि.	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
10	तदैव	तदैव	तदैव	कोई	चीन जन. गण.	कोई भी	तदैव	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है।					1.662		
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है।					1.833		
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है।					1.898		
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है।					2.175		
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है।					2.347		
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है।					2.518		
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है।					2.689		
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है।					2.860		
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है।					3.031		
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है।					2.997		
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है।					3.374		
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है।					3.054		
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है।					3.716		
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है।					3.887		
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है।					4.059		

			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है।					4.230		
11	5007.100 0 5007.200 05007.20 105007.2 0905007. 9000	सिल्क फैब्रिक्स	निम्नलिखित भार रेंज की जॉर्जेट व शिफॉन	चीन जन. गण.	कोई भी देश	कोई भी	मै. इंजियांग जी एण्ड एफ फॉरिन ट्रेडिंग कं. लि.	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
12	तदैव	तदैव	तदैव	कोई	चीन जन. गण.	कोई भी	तदैव	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है।					1.692		
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है।					1.882		
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है।					2.057		
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है।					2.262		
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है।					2.452		
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है।					2.642		
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है।					2.724		
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है।					3.022		
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है।					3.212		
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है।					2.945		
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है।					3.591		
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है।					3.204		
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है।					3.971		
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है।					4.160		
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है।					4.351		
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है।					4.526		
13	5007.100 0 5007.200 05007.20 105007.2 0905007. 9000	सिल्क फैब्रिक्स	निम्नलिखित भार रेंज की हेबुताई	चीन जन. गण.	कोई भी देश	कोई भी	मै. इंजियांग जी एण्ड एफ फॉरिन ट्रेडिंग कं. लि.	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
14	तदैव	तदैव	तदैव	कोई	चीन जन. गण.	कोई भी	तदैव	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है।					1.690		
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है।					1.867		
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है।					2.044		
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है।					2.221		
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है।					2.398		
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है।					2.575		
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है।					2.284		
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है।					2.929		

			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है।					3.106		
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है।					3.283		
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है।					3.460		
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है।					3.637		
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है।					3.814		
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है।					3.991		
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है।					4.168		
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है।					4.344		
15	5007.100 0 5007.200 05007.20 105007.2 0905007. 9000	सिल्क फैब्रिक्स	निम्नलिखित भार रेंज की रेशम फैब्रिक्स	चीन जन. गण.	कोई भी देश	कोई भी	मै. अंजियांग जी एण्ड एफ फॉरेन ट्रेडिंग कं. लि.	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
16	तदैव	तदैव	तदैव	कोई	चीन जन. गण.	कोई भी	तदैव	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है।					1.665		
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है।					1.837		
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है।					2.009		
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है।					2.181		
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है।					2.353		
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है।					2.525		
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है।					2.697		
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है।					2.869		
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है।					3.041		
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है।					2.916		
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है।					3.385		
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है।					3.557		
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है।					2.878		
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है।					3.901		
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है।					4.073		
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है।					4.245		
17	5007.100 0 5007.200 05007.20 105007.2 0905007. 9000	सिल्क फैब्रिक्स	निम्नलिखित भार रेंज की क्रेप	चीन जन. गण.	कोई भी देश	कोई भी	मै. सिचुआन सिल्क एक्सपोर्ट एण्ड इम्पोर्ट	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
18	तदैव	तदैव	तदैव	कोई	चीन जन. गण.	कोई भी	तदैव	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है।					1.662		
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है।					1.833		

			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है।				2.004			
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है।				2.175			
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है।				2.347			
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है।				2.518			
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है।				2.689			
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है।				2.860			
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है।				3.031			
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है।				3.203			
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है।				3.374			
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है।				2.590			
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है।				3.716			
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है।				3.887			
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है।				4.059			
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है।				4.230			
19	5007.100 0 5007.200 05007.20 105007.2 0905007. 9000	सिल्क फैब्रिक्स	निम्नलिखित भार रेंज की जॉर्जेट तथा शिफॉन	चीन जन. गण.	कोई भी देश	कोई भी	मै. सिचुआन सिल्क एक्सपोर्ट एण्ड इम्पोर्ट	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
20.	तदैव	तदैव	तदैव	कोई	चीन जन. गण.	कोई भी	तदैव	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है।				1.692			
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है।				1.882			
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है।				1.958			
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है।				2.262			
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है।				2.452			
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है।				2.642			
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है।				2.791			
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है।				3.022			
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है।				3.212			
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है।				3.401			
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है।				3.591			
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है।				3.781			
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है।				3.971			
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है।				4.160			
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है।				4.351			
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है।				4.526			
21	5007.100 0 5007.200 05007.20 105007.2 0905007.	सिल्क फैब्रिक्स	निम्नलिखित भार रेंज वाले हेबुताई	चीन जन. गण.	कोई भी देश	कोई भी	मै. सिचुआन सिल्क एक्सपोर्ट एण्ड	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.

22	9000	तदैव	तदैव	कोई	चीन जन. गण.	कोई भी	इम्पोट	तदैव	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है।						1.690		
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है।						1.867		
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है।						2.044		
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है।						1.970		
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है।						2.283		
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है।						2.575		
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है।						2.655		
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है।						2.929		
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है।						3.106		
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है।						3.283		
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है।						3.460		
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है।						3.637		
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है।						3.814		
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है।						3.991		
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है।						4.168		
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है।						4.344		
23	5007.100 Q 5007.200 05007.20 105007.2 0905007. 9000	सिल्क फैब्रिक्स	निम्नलिखित भार रेंज की टस्सर को छोड़कर अन्ध	चीन जन. गण.	कोई भी देश	कोई भी	मे. सिचुआन सिल्क एक्सपोर्ट एण्ड इम्पोट		निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
24	तदैव	तदैव	तदैव	कोई	चीन जन. गण.	कोई भी	तदैव		निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है।						1.665		
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है।						1.837		
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है।						2.009		
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है।						2.181		
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है।						2.353		
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है।						2.525		
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है।						2.284		
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है।						2.590		
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है।						3.041		
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है।						3.213		
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है।						3.385		
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है।						3.557		
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है।						3.730		
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है।						3.901		
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है।						4.073		

			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है।					3.901		
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है।					4.073		
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है।					4.245		
25	5007.1000 5007.2000 5007.2010 5007.2090 5007.9000	सिल्क फैब्रिक्स	निम्नलिखित भार रेंज की क्रैप	चीन जन. गण.	कोई भी देश	कोई भी	मै. नानजिंग टैक्सटाइल् स इम्पोर्ट एक्सपोर्ट कार्पो. लि.	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
26	तदैव	तदैव	तदैव	कोई	चीन जन. गण.	कोई भी	तदैव	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है।					1.662		
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है।					1.833		
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है।					2.004		
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है।					2.165		
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है।					2.347		
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है।					2.518		
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है।					2.689		
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है।					2.799		
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है।					3.031		
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है।					3.203		
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है।					3.374		
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है।					3.415		
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है।					3.716		
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है।					3.887		
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है।					4.059		
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है।					4.230		
27	5007.1000 5007.2000 5007.2010 5007.2090 5007.9000	सिल्क फैब्रिक्स	निम्नलिखित भार रेंज की जॉर्जेट तथा शिफॉन	चीन जन. गण.	कोई भी देश	कोई भी	मै. नानजिंग टैक्सटा इल इम्पोर्ट- एक्सपोर्ट कार्पो. लि.	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
28	तदै	तदैव	तदैव	कोई	चीन जन. गण.	कोई भी	तदैव	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है।					1.692		
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है।					1.882		
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है।					2.072		
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है।					2.178		
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है।					2.452		

			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है।					2.642		
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है।					2.832		
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है।					3.022		
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है।					3.212		
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है।					3.401		
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है।					3.591		
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है।					3.608		
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है।					3.971		
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है।					4.160		
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है।					4.351		
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है।					4.526		
29	5007.1000 5007.2000 5007.2010 5007.2090 5007.9000	सिल्क फैब्रिक्स	निम्नलिखित भार रेंज की हबुताई	चीन जन. गण.	कोई भी देश	कोई भी	मै. नानजिंग टैक्सटा इल इंपोर्ट- एक्सपोर्ट कॉर्पो. लि.	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
30	तदैव	तदैव	तदैव	कोई	चीन जन. गण.	कोई भी	तदैव	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है।					1.690		
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है।					1.867		
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है।					2.044		
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है।					2.221		
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है।					2.398		
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है।					2.575		
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है।					2.752		
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है।					2.929		
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है।					3.106		
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है।					3.283		
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है।					3.460		
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है।					3.637		
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है।					3.814		
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है।					3.991		
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है।					4.168		
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है।					4.344		
31	5007.1000 5007.2000 5007.2010 5007.2090 5007.9000	सिल्क फैब्रिक्स	निम्नलिखित भार रेंज की टसर के अतिरिक्त अन्य	चीन जन. गण.	कोई भी देश	कोई भी	मै. नानजिंग टैक्सटा इल इंपोर्ट- एक्सपोर्ट	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.

							कॉर्पो. लि.			
32	तदैव	तदैव	तदैव	कोई	चीन जन. गण.	कोई भी	तदैव	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है।					1.665		
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है।					1.837		
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है।					2.009		
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है।					2.181		
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है।					2.353		
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है।					2.525		
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है।					2.697		
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है।					2.869		
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है।					3.041		
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है।					3.150		
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है।					3.385		
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है।					3.557		
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है।					3.730		
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है।					3.901		
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है।					4.073		
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है।					4.245		
33	5007.1000 5007.2000 5007.2010 5007.2090 5007.9000	सिल्क फैब्रिक्स	निम्नलिखित भार रेंज की क्रेप	चीन जन. गण.	कोई भी देश	कोई भी	मै. चोंगकिन सनफील शिजू सिल्क वीविंग कं. लि.	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
34	तदैव	तदैव	तदैव	कोई	चीन जन. गण.	कोई भी	तदैव	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है।					1.662		
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है।					1.833		
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है।					2.004		
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है।					2.175		
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है।					2.347		
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है।					2.518		
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है।					2.689		
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है।					2.851		
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है।					3.031		
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है।					3.203		
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है।					3.374		
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है।					3.382		
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है।					3.716		

			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है।					3.887		
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है।					4.059		
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है।					4.230		
35	5007.1000 5007.2000 5007.2010 5007.2090 5007.9000	सिल्क फैब्रिक्स	निम्नलिखित भार रेंज की जॉर्जेंट और शिफॉन	चीन जन. गण.	कोई भी देश	कोई भी	मै. चोंगक्चिन सनफील शिजू सिल्क वीविंग कं. लि.	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
36	तदेव	तदेव	तदेव	कोई	चीन जन. गण.	कोई भी	तदेव	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है।					1.692		
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है।					1.882		
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है।					2.072		
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है।					2.198		
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है।					2.452		
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है।					2.642		
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है।					2.832		
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है।					2.905		
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है।					3.212		
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है।					3.401		
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है।					3.591		
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है।					3.781		
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है।					3.971		
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है।					4.160		
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है।					4.351		
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है।					4.526		
37	5007.1000 5007.2000 5007.2010 5007.2090 5007.9000	सिल्क फैब्रिक्स	निम्नलिखित भार रेंज की क्रेप	चीन जन. गण.	कोई भी देश	कोई भी	मै. चोंगक्चिन सनफील शिजू सिल्क वीविंग कं. लि.	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
38	तदेव	तदेव	तदेव	कोई	चीन जन. गण.	कोई भी	तदेव	निम्नानुसार	मीटर	अम. डॉ.
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है।					1.690		
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है।					1.867		
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है।					2.044		
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है।					2.221		
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है।					2.398		
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है।					2.575		

39	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	सिल्क फैब्रिक्स	तसर को छोड़कर निम्नलिखित भार रेंज वाले अन्य	चीन जन. गण.	कोई देश	कोई	मै0 चौंगकिंग सनफील शिझु वीकिंग कं. लि.	नीचे दिए गए के अनुसार	मीटर
40	वही	वही	वही	कोई देश	चीन जन. गण.	कोई	वही	नीचे दिए गए के अनुसार	मीटर
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है					1.665	
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है					1.837	
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है					2.009	
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है					2.181	
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है					2.353	
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है					2.525	
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है					2.697	
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है					2.869	
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है					3.041	
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है					3.213	
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है					3.385	
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है					3.557	
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है					3.730	
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है					3.694	
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है					4.073	
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है					4.245	

41	5007.1000 5007.2000 5007.2010 5007.2090 5007.9000	सिल्क फैब्रिक	निम्नलिखित भार रेंज वाले क्रोप	चीन जन. गण.	कोई देश	कोई	संलग्न सूची के अनुसार नियतक	नीचे दिए गए के अनुसार	मीटर
42	वही	वही	वही	कोई	चीन जन. गण.	कोई	वही	नीचे दिए के अनुसार	मीटर
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है					1.662	
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है					1.833	
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है					1.983	
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है					2.173	
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है					2.323	
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है					2.518	
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है					2.614	
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है					2.838	
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है					3.001	
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है					3.162	
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है					3.374	
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है					3.173	
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है					3.716	
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है					3.887	
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है					4.059	
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है					4.230	
43	5007.1000 5007.2000 5007.2010 5007.2090 5007.9000	सिल्क फैब्रिक	निम्नलिखित भार रेंज वाले जॉजेट एवं शिफॉन	चीन जन. गण.	कोई देश	कोई	संलग्न सूची के अनुसार निर्यातक	नीचे दिए गए के अनुसार	मीटर

44	वही	वही	वही	कोई	चीन जन.गण.	कोई	वही	नीचे दिए गए के अनुसार	मीटर
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है					1.674	
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है					1.882	
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है					2.046	
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है					2.216	
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है					2.442	
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है					2.642	
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है					2.802	
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है					2.985	
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है					3.170	
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है					3.284	
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है					3.591	
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है					3.631	
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है					3.971	
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है					4.160	
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है					4.351	
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है					4.526	
45	5007.1000 5007.2000 5007.2010 5007.2090 5007.9000	सिल्क फैब्रिक	निम्नलिखित भार रेंज वाले हेबुताई	चीन जन.गण.	कोई देश	कोई	संलग्न सूची के अनुसार निर्यात	नीचे दिए के अनुसार	मीटर
46	वही	वही	वही	कोई	चीन जन.गण.	कोई	वही	चीने दिए के अनुसार	मीटर
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है					1.690	

			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है					1.867	
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है					2.044	
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है					2.171	
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है					2.330	
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है					2.575	
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है					2.639	
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है					2.929	
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है					3.106	
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है					3.283	
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है					3.460	
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है					3.637	
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है					3.814	
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है					3.991	
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है					4.168	
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है					4.344	
47	5007.1000 5007.2000 5007.2010 5007.2090 5007.9000	सिल्क फैब्रिक्स	तसर को छोड़कर निम्नलिखित भार रेंज वाले अन्य	चीन जन. गण.	कोई देश	कोई	मे0 चौंगक्विंग सनफील शिङ्गु वीर्विंग कं. लि.	नीचे दिए गए के अनुसार	मीटर
48	वही	वही	वही	कोई	चीन जन. गण.	कोई	वही	नीचे दिए के अनुसार	मीटन
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है					1.665	
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है					1.837	
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है					2.009	

			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है					2.181	
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है					2.353	
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है					2.525	
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है					2.615	
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है					2.813	
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है					3.041	
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है					3.141	
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है					3.385	
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है					3.557	
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है					3.556	
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है					3.860	
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है					4.028	
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है					4.245	
49	5007.1000 5007.2000 5007.2010 5007.2090 5007.9000	सिल्क फैब्रिक	निम्नलिखित भार रेंज वाले क्रेप	चीन जन. गण.	कोई देश	कोई	मै0 चौगव्किंग विन्टस (न्यूस्टार) ट्रेड डेवलपमेंट कं. लि.	नीचे दिए गए के अनुसार	मीटर
50	वहीं	वही	वही	कोई	चीन जन. गण.	कोई	वही	नीचे दिए के अनुसार	मीटर
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है					1.662	
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है					1.833	
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है					2.004	
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है					2.175	
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है					2.347	

			शामिल है						
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है					2.518	
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है					2.689	
			55 से अधिक और 60 तक जिसमें 60 शामिल है					2.860	
			60 से अधिक और 65 तक जिसमें 65 शामिल है					3.031	
			65 से अधिक और 70 तक जिसमें 70 शामिल है					3.203	
			70 से अधिक और 75 तक जिसमें 75 शामिल है					3.374	
			75 से अधिक और 80 तक जिसमें 80 शामिल है					3.518	
			80 से अधिक और 85 तक जिसमें 85 शामिल है					3.716	
			85 से अधिक और 90 तक जिसमें 90 शामिल है					3.887	
			90 से अधिक और 95 तक जिसमें 95 शामिल है					4.059	
			95 से अधिक और 100 तक जिसमें 100 शामिल है					4.230	
51	5007.1000 5007.2000 5007.2010 5007.2090 5007.9000	सिल्क फैब्रिक	निम्नलिखित भार रेंज वाले क्रेप	चीन जन.गण.	कोई देश	कोई	मै0 चौंगकिंग विन्टस (न्यूस्टार) ट्रेड डेवलेपमेंट कं. लि. वही	नीचे दिए गए के अनुसार	मीटर
52	वही	वही	वही	कोई	चीन जन.गण.	कोई	वही	नीचे दिए के अनुसार	मीटर
			20 से अधिक और 25 तक जिसमें 25 शामिल है					1.692	
			25 से अधिक और 30 तक जिसमें 30 शामिल है					1.882	
			30 से अधिक और 35 तक जिसमें 35 शामिल है					2.072	
			35 से अधिक और 40 तक जिसमें 40 शामिल है					2.262	
			40 से अधिक और 45 तक जिसमें 45 शामिल है					2.452	
			45 से अधिक और 50 तक जिसमें 50 शामिल है					2.642	
			50 से अधिक और 55 तक जिसमें 55 शामिल है					2.832	

				55 से अधिक तथा 60 तक जिसमें 60 शामिल हैं						2.980		
				60 से अधिक तथा 65 तक जिसमें 65 शामिल हैं						3.212		
				65 से अधिक तथा 70 तक जिसमें 70 शामिल हैं						3.401		
				70 से अधिक तथा 75 तक जिसमें 75 शामिल हैं						3.591		
				75 से अधिक तथा 80 तक जिसमें 80 शामिल हैं						3.781		
				80 से अधिक तथा 85 तक जिसमें 85 शामिल हैं						3.971		
				85 से अधिक तथा 90 तक जिसमें 90 शामिल हैं						4.160		
				90 से अधिक तथा 95 तक जिसमें 95 शामिल हैं						4.351		
				95 से अधिक तथा 100 तक जिसमें 100 शामिल हैं						4.526		
	53	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	सिल्क फैब्रिक	निम्नांकित भार रेंज के साथ हैबुतई	चीन जन गण	कोई देश	कोई	मै0 चोंगकिंग विनटस (न्यू स्टार) ट्रेड डेवलपिंग कं.	नीचे दिए गए अनुसार	मीटर	अम. डा.	
	54	वही	वही	वही	कोई	चीन जन गण	कोई	वही	नीचे दिए गए अनुसार	मीटर	अम. डा.	
				20 से अधिक तथा 25 तक जिसमें 25 शामिल हैं						1.690		
				25 से अधिक तथा 30 तक जिसमें 30 शामिल हैं						1.867		
				30 से अधिक तथा 35 तक जिसमें 35 शामिल हैं						2.044		
				35 से अधिक तथा 40 तक जिसमें 40 शामिल हैं						2.221		
				40 से अधिक तथा 45 तक जिसमें 45 शामिल हैं						2.398		
				45 से अधिक तथा 50 तक जिसमें 50 शामिल हैं						2.575		
				50 से अधिक तथा 55 तक जिसमें 55 शामिल हैं						2.752		
				55 से अधिक तथा 60 तक जिसमें 60 शामिल हैं						2.929		
				60 से अधिक तथा 65 तक जिसमें 65 शामिल हैं						3.106		

				65 से अधिक तथा 70 तक जिसमें 70 शामिल हैं				3.283			
				70 से अधिक तथा 75 तक जिसमें 75 शामिल हैं				3.460			
				75 से अधिक तथा 80 तक जिसमें 80 शामिल हैं				3.637			
				80 से अधिक तथा 85 तक जिसमें 85 शामिल हैं				3.814			
				85 से अधिक तथा 90 तक जिसमें 90 शामिल हैं				3.991			
				90 से अधिक तथा 95 तक जिसमें 95 शामिल हैं				4.168			
				95 से अधिक तथा 100 तक जिसमें 100 शामिल हैं				4.344			
	55	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	सिल्क फैब्रिक	तसर को छोड़कर निम्नलिखित भार रेंज वाले अन्य	चीन जन गण	कोई देश	कोई	मै0 चोंगकिंग विनटस (न्यू स्टार) ट्रेड डेवलपिंग कं.	नीचे दिए गए अनुसार	मीटर	अम. रा.
	56	वही	वही	वही	कोई	चीन जन गण	कोई	वही	नीचे दिए गए अनुसार	मीटर	अम. रा.
				20 से अधिक तथा 25 तक जिसमें 25 शामिल हैं				1.665			
				25 से अधिक तथा 30 तक जिसमें 30 शामिल हैं				1.837			
				30 से अधिक तथा 35 तक जिसमें 35 शामिल हैं				2.009			
				35 से अधिक तथा 40 तक जिसमें 40 शामिल हैं				2.181			
				40 से अधिक तथा 45 तक जिसमें 45 शामिल हैं				2.353			
				45 से अधिक तथा 50 तक जिसमें 50 शामिल हैं				2.525			
				50 से अधिक तथा 55 तक जिसमें 55 शामिल हैं				2.697			
				55 से अधिक तथा 60 तक जिसमें 60 शामिल हैं				2.869			
				60 से अधिक तथा 65 तक जिसमें 65 शामिल हैं				3.041			
				65 से अधिक तथा 70 तक जिसमें 70 शामिल हैं				3.213			
				70 से अधिक तथा 75 तक जिसमें 75 शामिल हैं				3.385			
				75 से अधिक तथा 80 तक जिसमें 80 शामिल हैं				3.557			

				शामिल हैं							
				80 से अधिक तथा 85 तक जिसमें 85 शामिल हैं				3.730			
				85 से अधिक तथा 90 तक जिसमें 90 शामिल हैं				3.901			
				90 से अधिक तथा 95 तक जिसमें 95 शामिल हैं				4.073			
				95 से अधिक तथा 100 तक जिसमें 100 शामिल हैं				4.245			
	57	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	सिल्क फेब्रिक	निम्नलिखित भार रेंज वाले क्रेप	चीन जन गण	कोई देश	कोई	मै 0 गुईझाऊ फार्च्यून ग्रीन प्रोडक्ट्स इम्पोर्ट एक्सपोर्ट कं. लि.	नीचे दिए गए अनुसार	मीटर	अम. डा.
	58	वही	वही	वही	कोई	चीन जन गण	कोई	वही	नीचे दिए गए अनुसार	मीटर	अम. डा.
				20 से अधिक तथा 25 तक जिसमें 25 शामिल हैं				1.662			
				25 से अधिक तथा 30 तक जिसमें 30 शामिल हैं				1.833			
				30 से अधिक तथा 35 तक जिसमें 35 शामिल हैं				2.004			
				35 से अधिक तथा 40 तक जिसमें 40 शामिल हैं				2.175			
				40 से अधिक तथा 45 तक जिसमें 45 शामिल हैं				2.347			
				45 से अधिक तथा 50 तक जिसमें 50 शामिल हैं				2.518			
				50 से अधिक तथा 55 तक जिसमें 55 शामिल हैं				2.689			
				55 से अधिक तथा 60 तक जिसमें 60 शामिल हैं				2.718			
				60 से अधिक तथा 65 तक जिसमें 65 शामिल हैं				3.031			
				65 से अधिक तथा 70 तक जिसमें 70 शामिल हैं				3.203			
				70 से अधिक तथा 75 तक जिसमें 75 शामिल हैं				3.374			
				75 से अधिक तथा 80 तक जिसमें 80 शामिल हैं				3.545			
				80 से अधिक तथा 85 तक जिसमें 85 शामिल हैं				3.716			
				85 से अधिक तथा 90 तक जिसमें 90 शामिल हैं				3.887			

				90 से अधिक तथा 95 तक जिसमें 95 शामिल हैं				4.059			
				95 से अधिक तथा 100 तक जिसमें 100 शामिल हैं				4.230			
	59	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	सिल्क फैब्रिक	निम्नलिखित भार रेंज वाले जार्जेट तथा शिफान	चीन जन गण	कोई देश	कोई	मै0 गुईझाऊ फार्च्यून ग्रीन प्रोडक्ट्स इम्पोर्ट एक्सपोर्ट कं. लि.	नीचे दिए गए अनुसार	मीटर	अम. डा.
	60	वही	वही	वही	कोई	चीन जन गण	कोई	वही	नीचे दिए गए अनुसार	मीटर	अम. डा.
				20 से अधिक तथा 25 तक जिसमें 25 शामिल हैं				1.692			
				25 से अधिक तथा 30 तक जिसमें 30 शामिल हैं				1.882			
				30 से अधिक तथा 35 तक जिसमें 35 शामिल हैं				2.072			
				35 से अधिक तथा 40 तक जिसमें 40 शामिल हैं				2.262			
				40 से अधिक तथा 45 तक जिसमें 45 शामिल हैं				2.452			
				45 से अधिक तथा 50 तक जिसमें 50 शामिल हैं				2.642			
				50 से अधिक तथा 55 तक जिसमें 55 शामिल हैं				2.832			
				55 से अधिक तथा 60 तक जिसमें 60 शामिल हैं				3.022			
				60 से अधिक तथा 65 तक जिसमें 65 शामिल हैं				3.212			
				65 से अधिक तथा 70 तक जिसमें 70 शामिल हैं				3.401			
				70 से अधिक तथा 75 तक जिसमें 75 शामिल हैं				3.591			
				75 से अधिक तथा 80 तक जिसमें 80 शामिल हैं				3.781			
				80 से अधिक तथा 85 तक जिसमें 85 शामिल हैं				3.971			
				85 से अधिक तथा 90 तक जिसमें 90 शामिल हैं				4.160			
				90 से अधिक तथा 95 तक जिसमें 95 शामिल हैं				4.351			
				95 से अधिक तथा 100 तक जिसमें 100 शामिल हैं				4.526			
	61	5007.1000 5007.20005	सिल्क फैब्रिक	निम्नलिखित भार रेंज वाले	चीन जन गण	कोई देश	कोई	मै0 गुईझाऊ फार्च्यून ग्रीन	नीचे दिए गए	मीटर	अम. डा.

		007.201050 07.2090500 7.9000		हनुतई				प्रोडक्ट्स, इम्पोर्ट एक्सपोर्ट कं. लि.	अनुसार		
	62	वही	वही	वही	कोई	चीन जन गण	कोई	वही	नीचे दिए गए अनुसार	मीटर	अम. डा.
				20 से अधिक तथा 25 तक जिसमें 25 शामिल हैं				1.690			
				25 से अधिक तथा 30 तक जिसमें 30 शामिल हैं				1.867			
				30 से अधिक तथा 35 तक जिसमें 35 शामिल हैं				2.044			
				35 से अधिक तथा 40 तक जिसमें 40 शामिल हैं				2.081			
				40 से अधिक तथा 45 तक जिसमें 45 शामिल हैं				2.398			
				45 से अधिक तथा 50 तक जिसमें 50 शामिल हैं				2.575			
				50 से अधिक तथा 55 तक जिसमें 55 शामिल हैं				2.752			
				55 से अधिक तथा 60 तक जिसमें 60 शामिल हैं				2.929			
				60 से अधिक तथा 65 तक जिसमें 65 शामिल हैं				3.106			
				65 से अधिक तथा 70 तक जिसमें 70 शामिल हैं				3.283			
				70 से अधिक तथा 75 तक जिसमें 75 शामिल हैं				3.460			
				75 से अधिक तथा 80 तक जिसमें 80 शामिल हैं				3.637			
				80 से अधिक तथा 85 तक जिसमें 85 शामिल हैं				3.814			
				85 से अधिक तथा 90 तक जिसमें 90 शामिल हैं				3.991			
				90 से अधिक तथा 95 तक जिसमें 95 शामिल हैं				4.168			
				95 से अधिक तथा 100 तक जिसमें 100 शामिल हैं				4.344			
	63	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	सिल्क फ़ैब्रिक	निम्नलिखित भार रेंज वाले अन्य, तसर को छोड़कर	चीन जन गण	कोई देश	कोई	मै0 गुईझाऊ फार्च्यून ग्रीन प्रोडक्ट्स इम्पोर्ट एक्सपोर्ट कं. लि.	नीचे दिए गए अनुसार	मीटर	अम. डा.

	64	वही	वही	वही	कोई	चीन जन गण	कोई	वही	नीचे दिए गए अनुसार	मीटर	अम. रा.
				20 से अधिक तथा 25 तक जिसमें 25 शामिल हैं				1.665			
				25 से अधिक तथा 30 तक जिसमें 30 शामिल हैं				1.837			
				30 से अधिक तथा 35 तक जिसमें 35 शामिल हैं				2.009			
				35 से अधिक तथा 40 तक जिसमें 40 शामिल हैं				2.181			
				40 से अधिक तथा 45 तक जिसमें 45 शामिल हैं				2.353			
				45 से अधिक तथा 50 तक जिसमें 50 शामिल हैं				2.525			
				50 से अधिक तथा 55 तक जिसमें 55 शामिल हैं				2.697			
				55 से अधिक तथा 60 तक जिसमें 60 शामिल हैं				2.869			
				60 से अधिक तथा 65 तक जिसमें 65 शामिल हैं				3.041			
				65 से अधिक तथा 70 तक जिसमें 70 शामिल हैं				3.213			
				70 से अधिक तथा 75 तक जिसमें 75 शामिल हैं				3.385			
				75 से अधिक तथा 80 तक जिसमें 80 शामिल हैं				3.557			
				80 से अधिक तथा 85 तक जिसमें 85 शामिल हैं				3.730			
				85 से अधिक तथा 90 तक जिसमें 90 शामिल हैं				3.901			
				90 से अधिक तथा 95 तक जिसमें 95 शामिल हैं				4.073			
				95 से अधिक तथा 100 तक जिसमें 100 शामिल हैं				4.245			
	65	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	सिल्क फैब्रिक	निम्नलिखित भार रेंज वाले क्रेप	चीन जन गण	कोई देश	कोई	उपयुक्त से इतर	नीचे दिए गए अनुसार	मीटर	अम. रा.
	66	वही	वही	वही	कोई	चीन जन गण	कोई	वही	नीचे दिए गए अनुसार	मीटर	अम. रा.
				20 से अधिक तथा 25 तक जिसमें 25 शामिल हैं				1.662			

				25 से अधिक तथा 30 तक जिसमें 30 शामिल हैं			1.833				
				30 से अधिक तथा 35 तक जिसमें 35 शामिल हैं			2.004				
				35 से अधिक तथा 40 तक जिसमें 40 शामिल हैं			2.175				
				40 से अधिक तथा 45 तक जिसमें 45 शामिल हैं			2.347				
				45 से अधिक तथा 50 तक जिसमें 50 शामिल हैं			2.518				
				50 से अधिक तथा 55 तक जिसमें 55 शामिल हैं			2.689				
				55 से अधिक तथा 60 तक जिसमें 60 शामिल हैं			2.860				
				60 से अधिक तथा 65 तक जिसमें 65 शामिल हैं			3.031				
				65 से अधिक तथा 70 तक जिसमें 70 शामिल हैं			3.203				
				70 से अधिक तथा 75 तक जिसमें 75 शामिल हैं			3.374				
				75 से अधिक तथा 80 तक जिसमें 80 शामिल हैं			3.545				
				80 से अधिक तथा 85 तक जिसमें 85 शामिल हैं			3.716				
				85 से अधिक तथा 90 तक जिसमें 90 शामिल हैं			3.887				
				90 से अधिक तथा 95 तक जिसमें 95 शामिल हैं			4.059				
				95 से अधिक तथा 100 तक जिसमें 100 शामिल हैं			4.230				
	67	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	सिल्क फैब्रिक	निम्नलिखित भार रेंज वाले जार्जेट तथा शिफान	चीन जन गण	कोई देश	कोई	उपर्युक्त से इतर	नीचे दिए गए अनुसार	मीटर	अम. डा.
	68	वही	वही	वही	कोई	चीन जन गण	कोई	वही	नीचे दिए गए अनुसार	मीटर	अम. डा.
				20 से अधिक तथा 25 तक जिसमें 25 शामिल हैं			1.692				
				25 से अधिक तथा 30 तक जिसमें 30 शामिल हैं			1.882				
				30 से अधिक तथा 35 तक जिसमें 35 शामिल हैं			2.072				
				35 से अधिक तथा 40 तक जिसमें 40 शामिल हैं			2.262				

				शामिल हैं							
				40 से अधिक तथा 45 तक जिसमें 45 शामिल हैं			2.452				
				45 से अधिक तथा 50 तक जिसमें 50 शामिल हैं			2.642				
				50 से अधिक तथा 55 तक जिसमें 55 शामिल हैं			2.832				
				55 से अधिक तथा 60 तक जिसमें 60 शामिल हैं			3.022				
				60 से अधिक तथा 65 तक जिसमें 65 शामिल हैं			3.212				
				65 से अधिक तथा 70 तक जिसमें 70 शामिल हैं			3.401				
				70 से अधिक तथा 75 तक जिसमें 75 शामिल हैं			3.591				
				75 से अधिक तथा 80 तक जिसमें 80 शामिल हैं			3.781				
				80 से अधिक तथा 85 तक जिसमें 85 शामिल हैं			3.971				
				85 से अधिक तथा 90 तक जिसमें 90 शामिल हैं			4.160				
				90 से अधिक तथा 95 तक जिसमें 95 शामिल हैं			4.351				
				95 से अधिक तथा 100 तक जिसमें 100 शामिल हैं			4.526				
	69	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	सिल्क फैब्रिक	निम्नलिखित भार वाले हेयुतई	चीन जन गण	कोई देश	कोई	उपर्युक्त से इतर	नीचे दिए गए अनुसार	मीटर	अम. डा.
	70	वही	वही	वही	कोई	चीन जन गण	कोई	वही	नीचे दिए गए अनुसार	मीटर	अम. डा.
				20 से अधिक तथा 25 तक जिसमें 25 शामिल हैं			1.690				
				25 से अधिक तथा 30 तक जिसमें 30 शामिल हैं			1.867				
				30 से अधिक तथा 35 तक जिसमें 35 शामिल हैं			2.044				
				35 से अधिक तथा 40 तक जिसमें 40 शामिल हैं			2.221				
				40 से अधिक तथा 45 तक जिसमें 45 शामिल हैं			2.398				
				45 से अधिक तथा 50 तक जिसमें 50 शामिल हैं			2.575				
				50 से अधिक तथा 55 तक जिसमें 55 शामिल हैं			2.752				
				55 से अधिक तथा 60 तक जिसमें 60 शामिल हैं			2.929				

				60 से अधिक तथा 65 तक जिसमें 65 शामिल हैं				3.106			
				65 से अधिक तथा 70 तक जिसमें 70 शामिल हैं				3.283			
				70 से अधिक तथा 75 तक जिसमें 75 शामिल हैं				3.460			
				75 से अधिक तथा 80 तक जिसमें 80 शामिल हैं				3.637			
				80 से अधिक तथा 85 तक जिसमें 85 शामिल हैं				3.814			
				85 से अधिक तथा 90 तक जिसमें 90 शामिल हैं				3.991			
				90 से अधिक तथा 95 तक जिसमें 95 शामिल हैं				4.168			
				95 से अधिक तथा 100 तक जिसमें 100 शामिल हैं				4.344			
	71	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	सिल्क फैब्रिक	तसर को छोड़कर निम्नलिखित भार रेंज वाले अन्य	चीन जन गण	कोई देश	कोई	उपयुक्त से इतर	नीचे दिए गए अनुसार	मीटर	अम. रश.
	72	वही	वही	वही	कोई	चीन जन गण	कोई	वही	नीचे दिए गए अनुसार	मीटर	अम. रश.
				20 से अधिक तथा 25 तक जिसमें 25 शामिल हैं				1.665			
				25 से अधिक तथा 30 तक जिसमें 30 शामिल हैं				1.837			
				30 से अधिक तथा 35 तक जिसमें 35 शामिल हैं				2.009			
				35 से अधिक तथा 40 तक जिसमें 40 शामिल हैं				2.181			
				40 से अधिक तथा 45 तक जिसमें 45 शामिल हैं				2.353			
				45 से अधिक तथा 50 तक जिसमें 50 शामिल हैं				2.525			
				50 से अधिक तथा 55 तक जिसमें 55 शामिल हैं				2.697			
				55 से अधिक तथा 60 तक जिसमें 60 शामिल हैं				2.869			
				60 से अधिक तथा 65 तक जिसमें 65 शामिल हैं				3.041			
				65 से अधिक तथा 70 तक जिसमें 70 शामिल हैं				3.213			
				70 से अधिक तथा 75 तक जिसमें 75 शामिल हैं				3.385			

			75 से अधिक तथा 80 तक जिसमें 80 शामिल हैं	3.557			
			80 से अधिक तथा 85 तक जिसमें 85 शामिल हैं	3.730			
			85 से अधिक तथा 90 तक जिसमें 90 शामिल हैं	3.901			
			90 से अधिक तथा 95 तक जिसमें 95 शामिल हैं	4.073			
			95 से अधिक तथा 100 तक जिसमें 100 शामिल हैं	4.245			

अनुबंध-II

गैर-प्रतिदर्शित निर्यातकों की सूची

क्र.सं.	गैर-प्रतिदर्शित निर्यातकों के नाम	प्रान्त
1	लॉगचांग यिन्हुआ सिल्क कं0	सिचुआन
2	जियांग्सु होंगबाओ ग्रुप इं.एंड एक्स. कं. लि.	जियांग्सु
3	चोंगकिंग बोशन सिल्क कं. लि.	चोंगकिंग
4	एन्हुई सिल्क कं. लि.	एन्हुई
5	जिनयुआन कोकून सिल्क ग्रुप कं.लि.	जियांग्सु
6	हुझाऊ सेंटांग सिल्क वीविंग कं. लि.	झेजियांग
7	शंघाई सिल्क ग्रुप कं. लि.	शंघाई
8	झेजियांग मिहुअंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं.लि.	झेजियांग
9	देयांग बाइलॉग लाइफेंग सिल्क फेब्रिक कं.लि.	सिचुआन
10	जियांग्सु सोहो इंटरनेशनल ग्रुप कार्प.	जियांग्सु
11	ग्वांगडांग सिलिक इंटरनेशनल ग्रुप गोल्ड सिल्क कं.लि.	ग्वांगडांग
12	ग्वांगडांग सिलिक इंटरनेशनल ग्रुप विन्टेक्स कार्प लि.	ग्वांगडांग
13	चेंग्डु इनवेस्टमेंट इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.	सिचुआन
14	चेंग्डु किल्टर सिल्क ट्रेड कार्पोरेशन लि0	सिचुआन
15	क्विनडाओ हिरून इन्वेस्टमेंट ग्रुप कं.लि.	शानडोंग
16	झेजियांग जियांक्सिंग सिल्क इं. एक्स कं.लि.	झेजियांग
17	सिचुआन न्यू राइज (लेंगझांग) सिल्क कं.लि.	सिचुआन
18	सिचुआन न्यू राइज इं.एंड एक्स कं. लि.	सिचुआन
19	सिचुआन याटे सिल्क इं. एंड एक्स कं. लि.	सिचुआन
20	चेमकेंग (जियांग्सु) क्लोदिंग कं. लि.	जियांग्सु

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****FINAL FINDINGS**

New Delhi, the 15th November, 2006

Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of Silk Fabrics 20-100 gms per meter from People's Republic of China.

F.No. 14/20/2004-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules);

A. Background and initiation:

2. WHEREAS, having regard to above Rules, the Designated Authority (herein after referred to as Authority), on the basis of a fully documented application filed by the Central Silk Board, Bangalore, on behalf of the following co-operative / federation / associations representing the power loom silk fabric producers in India, viz. (a) The Mysore Power Loom Silk Manufacturers Co-operative Society Ltd., Bangalore, Karnataka. (b) M/s Karnataka Weavers Federation, Bangalore, Karnataka. (c) M/s Bangalore District and Bangalore Rural District Power-Loom Weavers Production and Sales Co-operative Federation Ltd., Dodda Ballapur, Karanataka. (d) M/s Silk Trade Association (Regd), Varanasi, UP. (e) M/s Pure Silk Weavers Association, Surat, Gujarat; (herein after referred to as the applicants), alleging dumping of silk fabrics weighing 20-100 gms per meter (herein after referred to as subject goods) originating in or exported from the People Republic of China (hereinafter referred to as subject country), initiated an investigation, vide notification dated 18th May 2005, in accordance with Rules 5(5) of the said Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty that would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

3. And whereas the Authority notified its preliminary findings, vide notification dated 27th April 2006; published in the Gazette of India Extraordinary, recommending imposition of provisional antidumping duty on the subject goods imported from the subject country. The Central Government, vide Notification No. 53/2006- Customs Dated 31st May 2006, imposed provisional antidumping duty on the subject goods.

B. Procedure

4 The procedure described below has been followed by the Authority in the above matter with regard to this investigation after issuance of the Preliminary Findings.

i) The Designated Authority sent copies of preliminary finding dated 27th April 2006 to all interested parties to this investigation, including the Embassy of the subject country in India, cooperating exporters from the subject country, domestic industry and the importers participating in the investigation requesting them to make their views known in writing within 40 days of the notification of the preliminary findings.

ii) As recorded in the preliminary findings, the Authority resorted to sampling in terms of Rule 17 and the following sampled exporters, from the subject country, have filed their questionnaire response to the initiation of the investigation and made substantive submissions after the preliminary findings:

- a) M/s. Zhejiang G&F Foreign Trading Co. Ltd (Exporter) alongwith two of its associate producers, namely M/s Huzhou City Linghu Jinshan Yisheng Silk Woven Factory; and M/s Deqing Wenya Heat-Preservative Material & Silk Fabrics Limited Company;
- b) M/s. Sichuan Silk Export and Import (Exporter) alongwith two of its associate producers, namely M/s Deyang Bailong Lifeng Silk Co., Ltd. and M/s Deqing Wenya Heat-Preservative Material & Silk Fabrics Limited;
- c) M/s Zhejiang Cathaya International Co., Ltd. (Exporter) alongwith its 5 producers namely, M/s Deqing County Bolida Silk Co. Ltd; M/s Huzhou Huasheng Silk Factory; M/s Deqing Xinrun Silk Co. Ltd; M/s Zhejiang Yangshi Silk Co. Ltd; M/s Hangzhou Yuanyuan Silk Co. Ltd;
- d) M/s Nanjing Textiles Import & Export Corporation Ltd. along with its producers M/s Suqian Hongyun Silk Co. Ltd and Deyang Bailong Lifeng Silk Fabric Co. Ltd;
- e) M/s. Chongqing Sunfeel Shizhu Silk Weaving Co. Ltd. producer-exporter.

iii) Following two other non-sampled but responding cooperating exporters also filed their request for individual treatment alongwith their questionnaire responses.

- a) M/s Guizhou Fortune Green Products Import & Export Co. Ltd , and
- b) M/s Chongqing Wintus (New Star) Trade Development Ltd ("Chongqing Wintus") alongwith its subsidiary producer M/s Liangping Wintus Silk & Textile Ltd ("Liangping Wintus")

Comments on the preliminary findings were also filed by the China Chamber of Commerce and Industry (CCCT).

iv) The following importers and importer's associations also filed their comments on the preliminary findings

- a) M/s Kailpar Engineering Co. Ltd., Mumbai;
- b) M/s Tekchand International, Delhi;
- c) M/s Universal Textile Mills, Bangalore

v) As mentioned in the preliminary findings M/s Indian Silk Export Promotion Council (ISEPC) , Mumbai; M/s Silk & Textile Mercantile Traders Association (Regd), Delhi and Delhi Hindustani Mercantile Association (Regd.), Delhi also made a brief submissions;

vi) The comments of the interested parties in response to the initiation of the investigation and the preliminary findings have been taken on record and the Authority has examined the issues raised therein in this disclosure statement.

vii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;

viii) For the sake brevity the comments of various interested parties and issues dealt in the preliminary findings and disclosure statements, to the extent possible, have not been repeated in this finding.

ix) The Authority held a public hearing on 16.06.2006 to provide an opportunity to all interested parties to present their views. The oral submissions made by the parties during the public hearing reproduced in writing have been taken on record for the purpose of this investigation.

x) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts considered for these findings and basis of determination, were disclosed to known interested parties, vide general disclosure and confidential disclosures to parties involved, vide letters dated 30th October 2006. Comments to the disclosures received from the interested parties have also been duly considered in these findings to the extent the arguments and claims made by various parties are substantiated with evidence and data;

xi) The Authority has examined the confidentiality claims of various interested parties in respect of the data submitted by them. The information, which is by nature confidential or which has been provided on a confidential basis by the interested parties' alongwith non-confidential summary thereof, has been treated confidential. *** in this disclosure represents information furnished by the petitioner on confidential basis and so considered by Authority under the Rules;

xii) Investigation was carried out for the period starting from 1st April 2003 to 30th September 2004 (POI).

C Products under Consideration and Like Article

5. The product involved in the present investigation is Silk Fabric of weight 20-100 gms per meter produced in the power looms only (hereinafter also referred to as subject goods). As indicated in the Initiation notice itself only silk fabrics produced by power looms are covered in the product under consideration and not the fabrics produced in the handloom sector. Silk fabric is produced from the basic raw material raw silk, which is drawn from silk cocoons. Silk Fabric is classified under Heading 5007 of the Customs Tariff Act and generally gets cleared under Sub-heading 5007 9000. The subject goods are also cleared under Sub-headings 5007 1000, 5007 2000, 5007 2010 and 5007 2090 of the Customs Tariff Act. These Classifications are indicative only and are in no way binding on the scope of the present investigation.

6. Authority notes that different qualities of silk fabrics with weight ranging from 20-100 gms generally are used for sarees, dress materials mainly for ladies scarves, stoles, shawls, duppattas, Men's wear, ties etc. Heavy varieties (exceeding 100 gms per meter) are mainly used as furnishings, bed covers, quilts etc.

7. The applicants have claimed that goods produced by them are similar to those being exported from subject countries and there are no differences in the product produced by them and the allegedly dumped product. The production process employed by the domestic industry and by the exporters also does not have any material difference. There is no significant difference in the subject goods produced by the petitioner and those exported from subject country.

C.1 Views of interested parties

8. CCCT, in its submissions, has argued that Indian Silk and Chinese Silk are not technically and commercially substitutable. 90% of Indian silk fabric production is from multi-voltine cocoons, which is of low quality, low productivity and low reelability, whereas Chinese Silk is mainly of the bi-voltine variety. Further the Chinese silk producers employ dry cocoon reeling method to obtain raw silk, which is the main raw materials of the subject goods whereas Indian producers use fresh cocoon reeling method to obtain raw silk, which creates difference in the quality. The difference is such that Domestic Industry is rarely able to produce the subject goods at a level higher than that of Level 4A as per the standard of the International Silk Association, whereas China can produce grade 7A and even above. Further it has been argued that there is also a huge difference in the production process in China and India. Indian machines are old and obsolete with low reelability whereas Chinese producers use multi-end automatic reeling machines. The Indian reeling rate is 1 kg silk from 10 kg of cocoons, whereas the reeling rate of Chinese producers is 1 kg silk from 6 kg of cocoon. The twisting machines used by Indian producers can reach 800 twists per minute at the most whereas Chinese twisting machines can reach more than 2600 twists per minute.

9. The exporters, in their various submissions, have inter alia argued

- That while defining the scope of products concerned, the Designated Authority only used the grammage as a criterion and did not set limits on other characteristics of silk fabric, which has enlarged the scope of investigation. It has been argued that India does not produce some major products of the specification of Georgette, Habutai and others. Therefore, these products should be excluded from the scope of investigation.
- That WTO AB Ruling in "EC-Bicycles" provides the disciplines that 'unlike articles' may be neither technically nor commercially substitutable in any manner whatsoever. However, this does not impede the Authority from taking cognizance of differences in each grade, type, model or weight that may result in distinct costs, prices, or uses or to effectively segment the market.
- That apart from some differences in price, the demand for each type of Subject Goods is based on end-user requirements and preferences and convenience. This indicates that the market segments served, the distribution channels and levels of trade between domestic product and exported products from China are substantially different and there is limited competition between them.

- That while product under consideration has been defined as 'Silk Fabrics with a weight range of 20-100 grams /meter', only power loom producers of silk have been considered to be the domestic industry. It is common knowledge that the number of handlooms far exceeds the number of power looms in India. Further, the process of manufacture cannot determine who should constitute the domestic industry. The relevant criteria are the end product. Any body, who produces the product under consideration, whether using power looms or handlooms, should be treated as the 'domestic industry'.
- That Rule 2(b) defines domestic industry as 'the producers as a whole engaged in the manufacture of the like article'. Rule 2(d) defines like article as an article identical or alike in all respects to the article under investigation or another article, which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation. Nowhere in the rule there is a reference to the process or technology used for manufacturing the articles. The authority should consider all handlooms in India that produce silk fabrics.
- That the respective Subject Goods, produced in China and India, are not treated as like articles by users/consumers in either country or in the world market. Indian silk is used more in decorations and furnishings and in certain clothing that is used for certain traditional ceremonies and functions in India. Chinese silk is more suitable for apparel and garments and for this reason user/exporters have opposed the anti-dumping duty.
- That the users and market segments and patterns of consumption of Indian and Chinese silk fabrics are different is also reasonably inferred *prima facie* from the fact that while India is the second largest producer of silk fabrics as found by the Authority, it is not the second largest exporter and has a disproportionately lower share of world exports. This is reasonably explained by the fact that most world silk fabrics trade is for international style apparel, garments while the trade in silk fabrics for furnishings and decorations and ethnic wear is much lower. Thus, it is clear that the respective markets served are substantially different. In case of any minor overlap this could not be sufficient in any case for causal injury determination. In view of differences also in quality specifications, production process, natural advantages enjoyed by China, climate and so on the Authority may find the respective Chinese and Indian Subject Goods as being not like articles.
- That the imported goods have been classified into five distinct categories namely Tassar, Crepe, Georgette/Chiffon, Habutai and others. However, the types or categories of silk produced by the domestic industry are not clear. There are several varieties of silk like Tassar, Eri and Muga, derived from different types of silk worms are produced in different regions of India, which are not manufactured in China.
- That Habutai is a specialty of Chinese Silk and has no equivalent in Indian Silk. Habutai being a variety that is not at all manufactured in India should not be treated as a product under consideration. In respect of other

varieties of silk, the authority has failed to determine the corresponding like variety in India so that the costs, prices etc of could be compared.

C.2 Examination by the Authority

10. The Authority has noted various arguments of interested parties, including the arguments of CCCT on the like article issue. In respect of the scope of the product under consideration the basic issue raised by the interested parties is that the scope of the product should not be defined in terms of grammage and other characteristics should have been considered and by doing so certain varieties of the silk not produced in India but produced and exported from China and vice versa, should have been excluded. Another view has been expressed that Indian handloom fabrics being dominant segment and being a like product to the fabrics manufactured in the powerloom sector, should have been covered under the scope of product under consideration or treated as like article for determination of standing of the applicant domestic industry.

11. While it has been argued that Indian silk fabrics, major portion of which comes from handloom sector, are coarse and used in a different segment do not compete with the Chinese silk, at the same time it has been argued that for the domestic like product determination handloom silk should also be included irrespective of the grammage since end product, and not the process of manufacturing, is the criteria for like product determination.

12. The Authority is of the view that the product under consideration has been defined in this case keeping in view the type of product being imported from the subject country and the segment of the domestic industry it is affecting. It is clearly the case that only the Indian powerloom sector is affected by import of silk fabrics within 20-100 gms per meter range. Silk fabrics above this range has a different usages and do not compete with the fabrics in the range below 100 gms per meter. Handloom fabrics manufactured in India has a different market segment and therefore, do not compete with power-loom products which is the mainline fabrics. In view of the above, the arguments of the interested parties in respect of the product under consideration are not valid. Therefore, the Authority holds that the product under consideration has been correctly defined as powerloom silk fabrics within weight range of 20 to 100 gms per meter.

13. As far as various types of silk in India is concerned, as per Ministry of Textile Annual Report in 2003-04, India has the distinction of cultivating all the four commercially known varieties of silk namely, Mulberry, Tasar, Eri and Muga. Mulberry accounted for 88.7% of total silk production in India. Other Indian indigenous varieties are Tassar (2.0%), Eri (8.6%), Muga (0.7). These varieties constitute a small proportion of the silk produced in India and are mainly used in handloom sector for traditional products. However, the Authority notes that though the initiation notification described the product as fabrics in the weight range of 20-100 gms, the product has been categorized into six distinct types viz. Tasar, Crepe, Chiffon, Georgette, Habutai and others. Investigation reveals that fabrics made out of Tasar has not been imported from China PR during the POI. Since Tasar accounts for a very small product segment (2%) of the total silk production in India, in the absence of any import of fabrics of made out of Tasar, the Authority is of the view that there is no justification to keep this category of fabric within the product under consideration. The share of this product type is very small and therefore, it would not affect the composition of the domestic

industry and its standing. Accordingly, Tasar has been taken out of the scope of the product under consideration of this investigation.

14. As far as domestic like product determination, for the purpose of determination of the scope of domestic industry and standing is concerned, the interested parties have argued that fabrics produced by the Indian handloom sector should also be treated as like product to the powerloom product and therefore, the handloom producers should also be included in the domain of the domestic industry for standing and injury determination. For the reasons explained in the foregoing paragraphs, the Authority holds that the fabric manufactured in the handloom sector in India is clearly not a like article to the fabric manufactured in the powerloom sector. They have different end use and cater to a different market segment altogether and therefore, do not compete with each other in the same market segment. Therefore, the Authority holds that the powerloom fabrics and Indian handloom fabrics cannot be treated as like articles for the above purpose as argued by the interested parties.

15. As regard the likeness of Indian silk fabrics and Chinese silk fabrics, as a whole and some specific varieties in particular, the Authority notes that as far as the source raw material is concerned, cocoon of the silk worms is the basic raw material for silk production. While bi-voltine cocoons (harvested only twice in a year) is produced in China, 90% of Indian cocoon production is of multi-voltine type (continuously harvested throughout the year). Technical institutions in India, in collaboration with international agencies, like JICA, have produced certain hybrid strains, which are popular among seri-culturists in India as it gives higher yield and productivity. While reeling in India is done from the fresh cocoons immediately after harvesting and before pupation occurs, reeling in China is done from the dried cocoons. The fresh cocoons are boiled, dried and stored for reeling at a later stage as cocoons are produced only during two seasons in a year. Dried cocoons are again boiled and used in multi-end reeling machines for drawing the fibre. However, drying process involves additional handling and associated expenses. It was further stated that since reeling in India is done from fresh cocoon by hand the reeling rate is normally 800% which means that 100 kg of silk yarn is obtained from 800 kgs of fresh cocoons. Whereas all silk reeling units in China are automated and the reeling rate is about 300%. However, the Authority notes that Chinese silk industry uses dried cocoon for reeling, which is only 40% of the weight of the fresh cocoon. Therefore, reeling rate from fresh cocoon in China would also work out to about 750-800%, which is same as in India. However, it has been further argued that though reeling rate could be similar there are inherent cost implication because of storage and wastage of fresh cocoons and inefficiencies associated with manual reeling. The Authority notes that entire reeling in India is not by hand, as has been argued by the interested parties. A significant portion of the reeling is also done by using semi-automated and automated multi-end reeling machines. Moreover, the cost associated with drying, handling and storage, and boiling for reeling purpose is also substantial to neutralize the cost advantage, if any, otherwise.

16. As regards the gradation and difference in quality of silk in India and China is concerned, though China has claimed that their quality of cocoons and process used allows them to produce silk up to 7A grade, the verification process in China revealed that Grade 3A and B are the most popular grades in China and the exports to India is below 3A grades only. Indian raw silk production is in the range of 2A-4A grade. The Authority notes that Indian power-looms use both Indian silk yarn, as well as Chinese silk yarn, as India is a net importer of silk yarn for weaving the fabrics. Therefore, quality difference in the Indian and Chinese silk yarns is not much relevant for determination of like article issue for silk fabrics.

17. Examination of claim of technical superiority in plant and machinery also revealed that most of the production units of silk fabrics and reeling units in China use very old machineries taken over from the erstwhile state-owned units and use similar technologies. Therefore, the arguments of superiority in technology and quality over Indian silk do not appear to be correct. As far as equivalent types of certain varieties of Chinese silk fabrics are concerned, the Authority is of the view that the all varieties of silk fabrics covered in this investigation have significant degree of technical and commercial substitutability though the type of fabrics vary depending upon the twisting and weaving methods used. The Authority also notes that Habutai is made out of untwisted yarn and Indian silk has similar products, made out of untwisted yarn and is commercially known as soft silk. Therefore, Habutai has been treated as a like article to the fabrics produced by the domestic industry.

18. In their post disclosure comments some of the exporters have argued that certain types of products or products of weight ranges not exported by them during the POI should be excluded for the purpose of imposition of duty on them, if the Authority proceeds to impose duty. The Authority notes that the product under consideration includes the silk fabrics in the weight range specified, except fabrics made out of Tasar and accordingly, duty is required to be imposed on the entire product under consideration exported from the subject country. Therefore, exclusion requested by the individual exporters is not possible.

19. Examination of the above indicates that though Chinese silk industry produces silk fabrics from silk yarn using a different process of reeling from dried cocoons in place of fresh cocoons, there is no significant difference in weaving process. There is also no significant difference between the silk fabrics exported to India, majority of which conforms to below 3A category. The silk fabrics exported from China and manufactured by the Indian power looms are technically and commercially substitutable and used interchangeably. Therefore, the Authority holds that the silk fabric exported from China and the same manufactured by the domestic industry are 'like product' within the meaning of the term as defined in the Rules.

D DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

20. The application has been filed by the Central Silk Board, Bangalore on behalf of the following co-operative / federation / associations representing the power loom silk fabric producers in India viz.

- a) The Mysore Power Loom Silk Manufacturers Co-operative Society Ltd., Bangalore, Karnataka;
- b) M/s Karnataka Weavers Federation, Bangalore, Karnataka;
- c) M/s Bangalore District and Bangalore Rural District Power-Loom Weavers Production and Sales Co-operative Federation Ltd., Dodda Ballapur, Karnataka;
- d) M/s Silk Trade Association (Regd), Varanasi, UP;
- e) M/s Pure Silk Weavers Association, Surat, Gujarat.

21. On the basis of information available with the Authority, about the capacity and production of the members of these co-operative / federation / associations of power looms expressly supporting the application, the Authority, in its preliminary findings held that these producers accounted for more than 50 percent of total production of the like article produced by the domestic industry. Accordingly, the Authority held that aforesaid applicants satisfied the criteria of standing to file the application on behalf of the domestic industry in terms of Rule 5(3) (a) and represent the domestic industry within the meaning of Rule 2 (b) of the Rules supra. However, the interested parties have raised several objections to the standing and domestic industry determination which have been examined as follows:

D.1 Views of exporters and other interested parties on standing

22. The exporters and other interested parties in their submissions have, *inter alia*, argued

- That identification of the domestic industry depends on the identification of different varieties of Indian silk that is manufactured in India. The current application is made by power loom weavers located in Karnataka, Tamil Nadu, UP and Gujarat. However, different varieties of silk are being manufactured at a number of other states also covering several variety of silk, which has not been taken into account.
- That out of the five petitioners, one is a cooperative society, two are associations and two are federations. Since none of the 5 petitioners are themselves the producers of the subject goods, the names of their constituent members who are producers of the subject goods should have been given in the petition. It has been argued that Rule 5(3) specifically requires determination of 'share of the petitioners' in total domestic production. Total production referred to in this rule implies 'actual' production. It cannot be estimated or based on some theoretical

assumptions. However, in the petition production based on some theoretical assumption alone has been given.

- That the Authority has not examined the standing requirement with respect to support or opposition to the petition filed by the applicants before the Authority. No statistically valid sampling techniques were used to determine the support for the application, in violation of Footnote 13 of Anti-Dumping Agreement.
- That even if an Association can represent a fragmented industry the applicant in this case is not an Association but a Government body charged with supervising the development of the silk industry in India and it is neither a producer nor an Association of producers. Thus, the Central Silk Board cannot be eligible to qualify as the applicant particularly since there are Associations of producers they could have filed the Petition instead.
- That the WTO Appellate Body in the case of US-Hot-Rolled Steel ruled that investigating authorities can undertake "an evaluation of particular parts, sectors or segments within a domestic industry", provided they respect the fundamental obligation in Article 3.1 to conduct an "objective assessment". The investigating authorities are not entitled to conduct their investigation in such a way that it becomes more likely that, as a result of the fact-finding or evaluation process, they will determine that the domestic industry is injured. Therefore, it is essential that Designated Authority identifies the domestic industry as a whole and then use the data from such domestic industry to determine the existence of dumping and injury. Without an objective assessment of domestic industry data, there can be no valid determination of injury or anti-dumping duty. And such objective assessment requires prior clear identification of the domestic industry.
- It has also been argued that import of the subject goods 'may' and not 'shall' exclude the importer/producer from the scope of domestic industry. Hence, the Authority must first decide whether it will include or exclude producers that may also be importers from the scope of domestic industry. It is only then that the domestic industry standing of applicants may be determined.
- Admittedly, the Authority has departed from the normal standards on the basis of the industry being a fragmented industry. No legal basis is provided for changing the 'goalposts' for a fragmented industry.
- That the substance of the fairness of the said process are vitiated when the Applicant is a Government body and the Authority is seen to waive or reduce the normal standards and make assumptions in favour of the Applicant's information on the basis that it is a Government body supervising the concerned industry.

D.2 Examination by the Authority

23. The authority notes that the fabric manufactured only in the power-loom are the subject matter of this investigation and the fabric manufactured in the handlooms are not like articles to the product under consideration. Therefore, the production volume of the silk fabrics manufactured in the powerloom sector is the criteria for deciding the scope of the domestic industry, as well as the standing of the applicants in this case. The application has been filed by the Central Silk Board, Bangalore on behalf of certain co-operatives / federations / associations representing the power loom silk fabric producers in India. Interested parties have argued that CSB, being a Government body, and not a producer or association of the producers, is not eligible to file the application. In this connection Rule 5 (1) of the Rules provide that

24. "Except as provided in sub-rule (4), the designated authority shall initiate an investigation to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping only upon receipt of a written application by or on behalf of the domestic industry."

Explanation: – "For the purpose of this rule the application shall be deemed to have been made by or on behalf of the domestic industry, if it is supported by those domestic producers whose collective output constitute more than fifty per cent of the total production of the like article produced by that portion of the domestic industry expressing either support for or opposition, as the case may be, to the application."

25. Therefore, the Rule as such does not bar filing of an application by an agency other than the domestic producers, as long as it is filed on behalf of the domestic industry. In the instant case the federations/associations named above, accounting for more than 50% of the production of the subject goods in India, are the applicants and CSB, the nodal agency looking after the silk industry in the country, has only facilitated the filing of the application in view of the very nature of the industry. It is well known that silk industry in India is extremely fragmented and unorganized. The industry is basically in the form of tiny, family based cottage industries, spread out in various regions. This industry could not have been able to organize itself to file an application, even with the help of their associations, unless the activity is coordinated by an agency conversant with the procedure and legal issues involved. Therefore, CSB as the nodal agency has facilitated the process of filing, and to the extent possible, provided the data support for this purpose. Therefore, the Authority holds that the initiation itself cannot be treated as vitiated because of the involvement of the CSB.

26. As far as support and opposition to the application is concerned, since the federations/ associations represent almost 100% of the powerloom producers in various regions of the country they were deemed to have commanded the support of the entire domestic producers and therefore, command the standing

for the purpose of the above Rules. Reference has been drawn to footnote 13 of ADA, which provides that in the case of fragmented industries involving an exceptionally large number of producers, authorities may determine support and opposition by using statistically valid sampling techniques. However, the Authority notes that when the producers have been represented through their respective associations, accounting for almost entire production of the subject goods in the country, the internal decision making procedure and support and opposition within the associations/federations is not the subject of the Authority's examination. Moreover, no producer or any representative body of the producers has filed any objection to the investigation. Therefore, the Authority holds that the application has been supported by major proportion of the domestic producers and therefore, valid.

27. As far as the scope of domestic industry for the purpose of injury examination is concerned, Rule 2 (b) defines domestic industry as follows:

"domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case [such producers may be deemed] not to form part of domestic industry:

28. The authority notes that no material fact has been placed before the Authority to indicate that any member of the associations before the Authority have actually imported the subject goods or are related to the importers or exporters. It is also noted that the structure of the industry is such that it would not be possible for the weavers in cottage or small sector constituting the domestic industry in this case to import the fabrics in any significant quantity, which could disqualify them for being considered as the domestic industry. Therefore, on the basis of data on production of the subject goods available the Authority holds that the members of the above associations and federations before the Authority command major proportion of the total production of the subject goods in India and therefore, constitutes the domestic industry within the meaning of the Rules.

E Initiation and issues related to it

E.1 Views of the interested parties

29. The exporters have raised the issue of sufficiency and accuracy of information in the application filed by the domestic industry for initiation of the antidumping investigation in this case on the grounds that sufficient information regarding the composition of the domestic industry and their production as well as information on dumping, injury and causal links were not available in the

application filed by the domestic industry. Therefore, the information supplied in the application was not sufficient to justify the initiation of the anti-dumping investigation. It has been argued that the production volumes have been estimated without providing the actual production and capacities, without supporting evidence to prove the reliability of the estimated figure. It has also been argued that the allegation of dumping in the petition is based on constructed cost of production based on estimations and the domestic industry did not give its own cost of production details. Therefore, the authority should not have accepted the claims of the petitioners without examining and / or satisfying himself as to the correctness of the said information / data which is in violation of the provisions under Rule 5(3)(b). Therefore, exporters have basically questioned the initiation standards on the grounds that the application was incomplete, contained several unsubstantiated assertions and allegations on several aspects of standing, dumping, injury and causal link.

30. The domestic industry, responding to the objection raised by the interested parties about the legality and the jurisdiction of the initiation notification, has argued that the interested parties should have raised the issue of adequacy and accuracy immediately after the initiation. By raising this issue at this stage attempt is being made to subvert the proceedings. Referring to the *United States – Sunset Reviews Of Anti-Dumping Measures On Oil Country Tubular Goods From Argentina (WT/DS268/AB/R 29 November 2004)* which *inter alia* held that Articles 6.1 and 6.2 do not provide for "indefinite" rights, so as to enable respondents to submit relevant evidence, attend hearings, or participate in the inquiry as and when they choose, the domestic industry has argued that it is not open for the interested parties to raise all kinds of issues at all points of time.

31. The domestic industry has further argued that without prejudice to the impermissibility of raising issues relating to adequacy and accuracy after the prescribed time limits, the arguments fail on merits too because of the fact that all parts of the application proforma have been duly filled in by the Applicant providing sufficient information on dumping, injury and causal link. The domestic industry has argued that the decision or the judgment of the Authority cannot be questioned as long as there is sufficient information on dumping, injury and causal link to justify an investigation. In the present case, all information, which was required, has been given by the applicants and the Authority was satisfied with the information and considered it sufficient to justify and investigation.

32. The exporters have further argued that as per the abundant jurisprudence in India, while ordinarily a party will be expected to take up any legal objection at the first instance there is no absolute bar on taking up fundamental, jurisdictional issues at any stage. It has been argued that in fact there has been no delay by Chinese cooperating Parties in taking up legal issues because of the sampling process adopted by the Authority in this case and they raised their objections at the first available opportunity. It has been argued that as per Indian jurisprudence

once an argument has been raised it may be further developed, clarified, amplified and refined right through until the final decision.

E.2 Examination by the Authority

33. The Authority notes that in the Guatemala – Mexico Cement case the Panel held that it is *however the sufficiency of the evidence, and not its adequacy and accuracy, per se, which represents the legal standard to be applied in the case of a determination whether to initiate an investigation*. The Panel in the said dispute held that *an anti-dumping investigation is a process where certainty on the existence of all the elements necessary in order to adopt a measure is reached gradually as the investigation moves forward. However, the evidence must be such that an unbiased and objective investigating authority could determine that there was sufficient evidence of dumping within the meaning of Article 2 to justify initiation of an investigation*. In the instant case sufficient evidence was placed by the applicants indicating prima facie existence of dumping, injury and causal link. However, in view of the nature of the structure of domestic industry, being in the un-organized sector, certain information could not have been compiled in absolute terms. The Authority notes that Article 5.2 of the Agreement provides that the application shall contain such information as *may be reasonably available to the applicants*. Considering the fact that the domestic industry is highly fragmented and unorganized, the information as was reasonably available to the applicants, were provided in the application. Having satisfied about prima facie evidence placed before it, the Authority has initiated the investigation to examine the issues in greater detail. Therefore, the objections of the interested parties are not tenable.

F Other issues raised by the interested parties

34. Apart from their submissions on issues discussed in the preceding sections the interested parties, including the exporters and importers, in their post preliminary finding submissions have inter alia argued that the Preliminary Findings indicate an absence of objective assessment as required by the Authority. It has been argued that preferential treatment has been given to the Applicant by virtue of being a fellow Government body by lowering of requirements for fragmented industries and Government bodies that participate as parties to this investigation. Despite the similar fragmented nature of the respective Chinese industries, no similar waivers or concessions were extended to the fragmented Chinese industries in respect of waiver of individual responses in favour of collective response by the Chamber only or reliance on estimates instead of actual data. It has been argued that the Preliminary Findings clearly indicate the deficiencies in the information furnished by the applicants, not only at initiation, but even on the date of the Preliminary Findings. It has been argued that even if sometimes it may be possible to use aggregate data, such aggregate information must also satisfy the tests of adequacy and accuracy. The Authority should not have accepted the information provided by the applicant, which is

another Government body without further test as the estimates accepted by the Authority are in wide variance with the data provided by the Ministry of Textiles in its Annual Reports in respect of No. of Looms and fabrics produced.

35. In addition to the above arguments of the interested parties the importers in their post preliminary finding submissions have inter alia argued that majority of the members of the applicant associations are using or importing raw silk from China as enough qty of raw silk is not available in India and with Indian raw silk same quality as of Chinese crepe or georgette or habutai or tassar is not possible. The domestic industry can't produce same quality as Chinese fabric because to make the same they will need Chinese raw silk only. As anti Dumping duty has been imposed on raw silk it would not be proper to impose anti-dumping duty both on raw material and finished goods, as silk fabric prices are hugely dependent on raw silk prices.

36. It has also been argued by the importers that the reference prices arrived at in the preliminary findings for levy of anti-dumping duty are calculated wrongly and even higher than what has been demanded by the complainant/applicant and such duty structure would favour only a select group of people as well as encourage smuggling across border from India. Antidumping duty will make products more expensive for buyers and consumer and expensive prices will harm and curtail the growth of exports of silk garments, scarf and made-ups etc. High antidumping duty will reduce legal imports and the government will lose revenue.

37. It has been argued by the importers that if at all the antidumping duty is required to be imposed the Authority should take normal cost and not pass on inefficiency of Indian weavers to the consumers. The importers have further argued that Anti Dump duty, if at all to be levied, should be levied on KG basis and not on gram per meter to address price difference due to grammage and it should be same for all exporters to avoid discrimination.

38. These issues have been examined by the Authority. As far as the fragmented nature of the domestic industry and standards of examination is concerned, the Authority notes that the information filed by Central Silk Board has been examined by the Authority and other information brought to the notice of the Authority, to a large extent, corroborates with the data filed by CSB. Therefore, the Authority finds no reason to reject any data or information provided by CSB simply because the data has been filed by another government body which has coordinated the filing of the petition on behalf of the domestic industry. The Authority also notes that neither the Agreement, nor the Rules, or any other jurisprudence on the subject prohibit acceptance of the data filed by another government body. The fragmented nature of Indian silk industry is quite evident from the very structure of the industry and accordingly, various information about this industry has been collected and examined to the extent

possible. Therefore, the arguments of the interested parties, that the domestic industry has been given any preferential treatment whatsoever, are not tenable.

39. As far as acceptance of estimates in respect of various injury parameters are concerned, the injury parameters have been examined afresh taking into account various inputs received by the Authority and the same has been dealt in appropriate places in this findings.

40. The Authority has also noted the views of the importers regarding the duty on raw silk and silk fabrics and is of the view that the purpose of the antidumping duty is to remove the distortion in the market at appropriate levels and not to create shortage of the goods in terms of quality and quantity. As far as the structure and level of duty is concerned the views of the interested parties have been taken into account for determination of various elements of dumping and injury margins.

G. Confidentiality

41. The exporters, importers and domestic industry have commented upon various confidentiality claims of the parties involved in the investigation and the treatment of confidential information by the Authority. The exporters have inter alia argued that

- It is accepted practice that when a party to an investigation provides confidential information, the party has also to provide meaningful non-confidential summaries thereof. In the event that information cannot be summarized, the party in question is required to state the reasons for such non-summarization. In the instant case, the Applicant has kept certain crucial information pertaining to the costing information and the methodology adopted to arrive at the normal value confidential. They did not even provide meaningful non-confidential summaries of the information it has kept confidential. Further, even the import data as sourced from DGCI&S has been kept confidential. The Applicant neither provided reasons to the basis of the confidential treatment required, nor as to why the respective summarization cannot be produced.
- that the details of estimates of Normal Value in China and of the Export Price do not contain any sensitive, proprietary business information of the applicants and being estimates only and therefore, cannot be treated as confidential and must be provided to the other parties for detailed comments through the Public File.
- Similarly, the weighted average data for the applicants can be neither proprietary to any single applicant nor sensitive to the business interests of any individual applicant. Therefore, the complete calculation showing the details of normal value determined by the authority should be made available to all the interested parties.

42. The domestic industry has argued that excessive confidentiality has been claimed by the sampled, as well as non-sampled, exporters/producers without any justification. Further, non-confidential version of the questionnaire response has not been given for all the information contained in the confidential version. It was obligatory for the producer/exporters to give proper statement of reasons as to why confidentiality was claimed and why summarization was not possible for certain information.

43. In their post disclosure submissions the interested parties have reiterated their respective positions in respect of various confidentiality claims and disclosure of essential facts. It has been argued that all information submitted by the domestic industry or collected by the Authority during the course of investigation should be placed in the public file. The interested parties have also asked for disclosure of the elements of determination of Normal value, NIP and injury determination. It has been argued that since NV has been constructed based on estimated data and not on the basis of any specific industry data the entire normal value calculation should be disclosed.

44. The Authority has examined the issues raised and notes that to the extent possible and practicable the confidentiality claims of various parties submitting the information have been examined and confidentiality claims admitted on the basis of nature of information provided by the parties. The Authority notes that the import data and volume statistics etc. have been placed in the public folder and no confidentiality has been admitted for such information, which is not business proprietary information or sensitive for the domestic industry. However, keeping in the view that estimation of the normal value for the Chinese exporters has been done on the basis of the operating information of the domestic industry and breakup of various elements of such an estimated value is business sensitive information for the domestic industry, detailed breakup was not provided in the public file. As far as the submissions of the exporters are concerned, the information provided by the sampled and non-sampled exporters, to the extent they are not business sensitive to the party providing the same, have been placed in the public folders.

45. The Authority notes that the methodology of computation of normal value has been explained in the disclosure and final normal values at individual PCN levels have also been disclosed. However, further details have been provided in the relevant section of this finding for a better understanding of the methodologies adopted.

46. As far as placing various government documents used by the Authority in the injury determination is concerned, the Authority notes that such reports collected by the Authority during the course of investigation have been placed in the public file and information contained in the said report to the extent they have been used in this investigation have been disclosed in the disclosure statements.

H. Dumping Determination

H.1 Examination of Market Economy Conditions

47. In the preliminary findings the Authority held that though the raw material for producing silk fabric is raw silk, the state control of cocoon trading has significant effect on the price of raw silk as cocoon cost constitute about 80% of the silk yarn price and silk yarn constitute about 65-70% of the price of silk fabric. The Authority also noted that that no interested party has given evidence to demonstrate that there is no linkage between the price of fresh cocoon and dried cocoon or that the price of the latter is not influenced by the price of fresh cocoon. The authority therefore, did not accept market economy claims of the sampled exporters / producers for the preliminary determination due to the fact that the cost of major raw material raw silk is affected by the Government Guidance Pricing of cocoons which constitute a significant part of the cost of raw silk. Accordingly, for the preliminary findings the normal value was determined as per para. 7 of Annex I of the Anti Dumping Rules on the basis of the price actually paid or payable in India for the like product or any other reasonable basis. However, the exporters and CCCT have raised several arguments in respect of non-market economy treatment and the arguments of the interested parties in this respect have been summarized as follows:

H.1.1 Submissions on behalf of M/s Sunfeel; Wintus, Cathaya and Nantex

48. Commenting on the non-market economy determination made by the Authority in its Preliminary Findings, the above exporters have argued that in order to prevent market failure, appropriate coordination is essential for any modern government. Cocoon is a kind of scarce resource and produced by a much fragmented, ill-equipped and financially unsecured industrial sector in any Country. In order to protect the basic survival right of the cocoon farmers, who are still in the position as disadvantaged group in China, the Government has to undertake measures to balance the price of cocoon, which also is of significance to the stability of the society and the economic development of disadvantaged territories of China. Other countries, including India, also take similar supporting policy to cocoon production. However, the practices of government guidance prices have not and will not affect the prices of silk fabric.

49. It has been argued that the guidance prices practices of China has never violated its access agreements to WTO, and it is completely in accordance with the obligations and rights of China under the framework of WTO. China has the right to undertake guidance prices on the basis of Article 9.2 of Protocol, and cocoon is one of the goods under the guidance prices demonstrated in the Annex 2, sections 52, 53, 54 and 55 have stated explicitly the extent and manner of the guidance prices undertaken by China. The guidance price is a mechanism of market-based pricing. Products and services subject to government pricing were those having a direct bearing on the national economy and the basic needs of

the people's livelihood, including those products that were scarce and necessity for some farmers in China. Cocoon in any country is volatile in its production and marketing. Therefore, applying guidance price is consistent with the spirit of WTO.

50. According to the guidance price mechanism followed in China, by applying guidance price, "the competent agencies or operators could, in the light of market changes and according to relevant provisions of the Price Law, submit applications or proposals to the competent pricing authorities for pricing or adjustment of the original prices." The Government does not control prices at will, but should take factors such as "market demand and supply, operational costs, effect on consumers as well as the quality of services" into consideration in setting "guidance prices and floating ranges within which operators could determine specific prices." Therefore the guidance price is a flexible pricing mechanism, and has never been a significant interference to the operators' operation. This has been clearly reflected in the statements of the Section 54 of the Working Report

51. The general policy for the cocoon pricing managements of China, on *Reforms in Cocoon Market Mechanism* announced in 2001 *inter alia* stated that *the guideline for furthering reform in cocoon market mechanism is: according to the demands of economy market, make further transformation of Government functions, realize the deviation between the Government and enterprises, boost the free cocoon circulation, optimally allocate resources, develop the cocoon and silk fabric market, establish market-based price mechanism, exert the basic function of market in allocating resources. The State shall use economic methods to adjust the cocoon and silk yarn market such as raw silk repertory, keeping the stability of the market.* Since 2001, the provincial guidance prices have been applied to fresh and dry cocoon according to the market conditions. In the light of such factors as market demand and supply, operational costs, the rate of exchange with grain and cotton, international prices the competent authorities shall propose the prices. The State no longer assigns raw silk price.

52. It has been argued that the Government corrects the distorted market price signal by exerting and spreading market signals in the form of guidance prices. Actually, the Government is more of a timely messenger rather than a guider, let alone a controller in this course of establishing market equilibrium, which has been demonstrated in the *Notification of Inspection Report Form Mechanism and Report Work on Cocoon and Silk Market by Ministry of Commerce*. It has been argued that in any case, the impact of any such price guidance on Cocoon will be to raise prices of the raw materials and raise costs. Thus, it will not be a hidden subsidy or facilitate dumping.

53. It has been argued that since the applicant, i.e., the Central Silk Board is a Government Body it would be highly objectionable for the Authority to cite partial state ownership of any producers as a ground for denying MET.

54. These exporters in their submissions have further argued that

- The exporters in China do not enjoy a monopoly on Subject Goods production, trade or exports and that there is no State/Government control on pricing and costing of the exporters. The exporters purchase the raw materials and sell the finished products at market driven prices that are not regulated by the State/Government.
- The accounting system used by the exporters in China is consistent with international norms in a market economy. The exporters do not receive any subsidies other than permitted VAT reimbursement that are levied on domestic sales and purchase its foreign exchange through the authorized dealer bank as in any other market economy.
- The decisions of the exporters in China with respect to prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and the costs of the inputs reflect market values. It has been submitted that there is neither any State regulation of costs or prices of these inputs in China, nor any system of 'administered prices'. It has also been submitted:
- That the exporters are subject to China's laws and regulations with respect to bankruptcy and property respectively. There are a number of bankruptcies in China of similar firms including in the POI.
- That full or part 'state ownership' is not listed as a published criterion relevant for price/behavior comparability in either the said Protocol or the said Rules and may not be read into the phrase 'interference by the State' since the said Protocol contemplates price comparability only and the said Rules provide for 'operate as a market economy firm' indicating behavior.
- That words 'interference by the State' must in accordance with the 'Rule of Reason' test be read to mean "State interference incompatible with a market economy". However, state interference does not in and of itself imply that an economy is not a market economy. Thus, it is only if the concerned State interference is beyond the norms in a market economy can this criterion be applied to deny market economy treatment to an exporter from a designated non-market economy.
- That exclusion from market economy status simply due to partial state ownership and a reason that thus 'interference by the State can not be ruled out' is neither a good nor sufficient cause.

H.1.2 Submissions on behalf of M/s Zhejiang G&F and M/s Sichuan Silk

55. In the submissions made on behalf of these exporters it has been argued that the authority has failed to examine how the Government Guidance Price system operates in China and whether it leads to distortions in the market. In this regard, attention has been invited to the Trade Policy Review report of WTO on China PR published on 28th February 2006 [WT/TPR/S/161] relevant portions of which reads as follows:

"According to its Protocol of Accession to the WTO, at the time of China's accession, tobacco was subject to "state pricing" (i.e. prices fixed at the central level), and cotton, grain, silkworm cocoons, and vegetable oil to "government guidance pricing" (i.e. the Government set either a "basic price" or a price that could fluctuate within a range (generally 5% to 15%)). In the context of this review, the authorities clarified that even though cotton was included in Annex 4 (Products Subject to Government Guidance Pricing) of the Accession Protocol¹, its price has been liberalized gradually starting in 1998, when state pricing was changed to a guidance price; since September 1999, it has been determined mainly by market forces.² Vegetable oil has also been removed from the list of products subject to government pricing.³ As of 1 August 2001, several agricultural products, i.e. cotton, edible vegetable oil, grain, silkworm cocoons, and sugar, have been considered "important reserved materials". Reserves are sold at a statutory price, which is lower than the market price, when the market price reaches a certain level. It appears that these products are not otherwise subject to price controls (Chapter III (4)(ii))."

56. It has been argued that under the GGP in vogue in China, the price control extends only to the stock of the items held by the State as part of its reserves. The industry is free to fix its own prices in the market. The Government does not fix any price for these commodities. Whenever the market price of an agricultural commodity reaches above a certain level so as to be outside the reach of a common man, government would release the quantity held as reserve in its stocks at a price lower than the market price. With the infusion of the government stock at a lower price, market prices would naturally come down. Thus, it is a way of guiding the market prices to a level affordable by common man. This is akin to the principles on which the Indian PDS is designed. Therefore, Chinese GGP cannot be held to be distorting the market. At best, one can say that it seeks to correct inflated pricing in the market.

H.1.3 Submissions on behalf of CCCT

¹ WTO document WT/L/432, 23 November 2001.

² Liu, Zhenwei (2002).

³ WTO document G/SCM/M/48, 30 March 2004.

57. China Chamber of Commerce for Textiles, in its submissions, has reiterated various arguments extended on behalf of the exporters and producers and has *inter alia* submitted that the silk sector and silk fabric producers in China are operating under market economy condition and therefore, the exporters participating in the investigation should be granted market economy status for determination of the normal value in China. CCCT has argued that basic raw material for production of silk fabrics is raw silk and not cocoons. Therefore, cocoon should not be regarded as the subject goods or its main raw material. It has been argued that the Central Government in China does not implement government guidance price by state, but only implemented annual anticipated price by state on fresh cocoons. Price of dried cocoons, raw silk and silk fabrics are not amenable to any form of governmental regulations and control. CCCT has also produced a copy of the Report of the Working Party on the Accession of China to WTO and referring to section 7 (paragraphs 52 to 55) of the same CCCT submitted that there is a significant difference between the 'price control' and 'price guidance'. While the 'price control' is government price fixed by government agencies for specified goods, 'guidance price' is a more flexible form of pricing guided by the government. In addition to the above they have also made certain arguments about the cost and price advantage of the Chinese silk producers over the Indian silk producers on the grounds that Chinese silk producers enjoy certain technical and productivity advantages over Indian producers.

H.1.4 Submissions on behalf of the Domestic Industry

58. The domestic industry has argued that the Authority has rightly denied MET to all the exporters and producers, considering the conditions prevailing in the silk market, as well as the Protocol on Accession of PRC wherein China has admitted State control over the silk cocoon prices. Neither the exporters from China, nor the officials of the Chinese Embassy could give any answers to the queries raised by the Designated Authority in relation to the pricing mechanism of cocoons and the raw silk. It has also been submitted that none of the Chinese exporters/producers can be given MET for a number of other reasons. In almost all cases, the responses of the exporters and producers from China borders on mis-declaration and misrepresentation as the exporters have concealed information which is critical to their being considered for grant of MET. In response to the argument made by the exporters through their Advocates that it is to be presumed that China is a market economy unless proved otherwise the domestic industry has reiterated that the Indian law is abundantly clear that there is a legal but rebuttable presumption that China is a NME country.

H.2 Examination by the Authority

59. The Authority has examined various arguments extended by the interested parties in respect of the market economy claims made by the

responding exporters from China, with reference to the relevant Rules and submissions made.

60. Para 8 of Annex I of the AD Rules, as amended vide, Customs Notification No 101/2003-Cust (NT) dated 10.11.2003 reads as follows:

(1) *The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3);*

(2) *There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti dumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non market economy country.*

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3).

(3) *The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether:*

- (a) *the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;*
- (b) *the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;*
- (c) *such firms are subject to bankruptcy and properly laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and*
- (d) *the exchange rate conversions are carried out at the market rate.*

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph.

(4) Notwithstanding, anything contained in sub-paragraph (2), the designated authority may treat such country as market economy country which, on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria, which includes the criteria specified in sub-paragraph (3), has been, by publication of such evaluation in a public document, treated or determined to be treated as a market economy country for the purpose of antidumping investigation, by a country which is a member of the World Trade Organization".

61. The issues relating to granting of market economy treatment to the Chinese exporters have been examined in the light of the above Rules. The Authority notes that in case of erstwhile centrally planned economies there is a rebuttable presumption of non-market economy, unless however, the country has been granted the market economy status by any other WTO Member after evaluation of all relevant parameters laid down in the said Rules. Though the responding exporters and CCCT has claimed that China has been granted market economy status by several countries, no evidence has been provided that such treatment has been accorded after evaluation of all relevant parameters. Therefore, the rebuttable presumption remains and the individual exporters/producers were required to submit evidence in terms of para 8(2) for grant of individual market economy treatment.

62. The Authority notes that all the sampled and participating exporters/producers have submitted their NME questionnaire responses and the same have been examined through on-the-spot verifications to the extent possible. CCCT has also made submissions in respect of general market economy conditions of the sector as a whole and the issues raised by CCCT were also examined through on-the-spot verifications. On the basis of these examinations the observations of the Authority on the market economy claims of the sector as whole and individual participating exporters/producers are as follows:

H.2.1 General Market Economy examination of the Silk sector in China

63. CCCT has argued that raw silk is the basic raw material for production of the silk fabrics and raw silk is produced from dried cocoons in China. Therefore, market distortion if any, in the fresh cocoon, due to alleged guidance price mechanism, should not affect the market economy claims of the fabric producers. They have also argued that the 'guidance price' mechanism followed for fresh

cocoons are fundamentally different from 'controlled prices' mechanism. It has been argued that the government-controlled prices are set by price administration authorities and could not be changed without the approval of the same authorities. Products and services subject to government pricing were those having a direct bearing on the national economy and the basic needs of the people's livelihood, including those products that were scares in China. On the other hand, under the guidance price mechanism, the price administration authorities stipulate either a basic price or floating ranges. Enterprises could, by reference to the guidance and taking into account the market situation, make their own decision on prices. In formulating government prices and government guidance prices, the administering authorities take into account the criteria like, normal production costs, supply and demand situations, relevant government policies and price of related products. Therefore, it has been argued that, the government guidance price is not the price arbitrarily controlled by the government, but a flexible pricing mechanism practiced by the government but mainly based on market prices. The main purpose of the guidance price is to suggest enterprises to adopt reasonable prices so as to avoid the confusion of market order, price manipulation and monopolization. However, violation of government guidance price would not attract punitive action from the state.

64. Reference has been made to 'Administrative Measure on Circulation of Cocoon and Silk by the State Economic and Trade Commission, National Development and Reform Commission, 2002'; and 'Notice on the Price Policy of Cocoon and strengthening the administration on purchase proceedings, National Development and Reform Commission, for the years 2003, 2004, 2005 and 2006' to prove that the mechanism of government controls and guidance in the silk and cocoon sector has been considerably reduced since 2002. It has been argued that the changes in the guidance mechanism is very clear in these notifications as these notifications only provide an anticipated price of fresh cocoons to encourage the farmers. The Chinese Government strongly protects the interests of the farmers through this mechanism though the pricing cannot be enforced. It was also argued that actual price of fresh cocoon in the market widely varied despite the government guidance price. In support of this argument statistics of purchase prices of fresh cocoons in China in 2003 and 2004, compiled by Chinese silk Association and monthly statistics of the price of dry cocoons and raw silk at China Cocoon and Silk Exchange, during 2003-04, were produced. Referring to these statements CCCT has submitted that the prices of fresh cocoons as well as dry cocoon and raw silk varies during different seasons and also widely varies from regions to regions. Therefore, it has been argued that the actual market price has no bearing on the guidance prices.

65. The issues have been examined by the Authority. As far as the starting point of the raw material for the manufacture of the silk fabrics is concerned, the Authority notes that silk cocoons are the basic raw material for manufacture of any silk good. Whether the silk yarn is reeled out of fresh cocoon, as is done in India, or from dried cocoon, as is done in China, is only a matter of process.

Dried cocoon is nothing but the fresh cocoons dried and preserved for reeling at a later stage. Whereas reeling from fresh cocoon is done by cooking the cocoons immediately after harvesting and before pupation, the cocoons are boiled and dried and preserved for reeling at a later stage in dried cocoon process. Therefore, distinction between the use of fresh cocoon or dried cocoon does not alter the position that the basic raw material starts from cocoons. Many composite silk units do start from the cocoon reeling stage up to weaving and finishing stage. The costing of the fabrics depends largely on the cost of cocoon, and various intermediate processing costs like reeling, twisting, and weaving. As such cost of cocoons constitutes about 70% of the cost of fabrics. Therefore, it is important to understand and examine distortion, if any, in the price mechanism of fresh cocoons.

66. The Authority also notes that while one set of exporters have argued that the effect of price guidance system on Cocoon will be to raise prices of the raw materials and raise costs rather than reduce it to facilitate dumping, the other set of exporters argue that guidance price mechanism is a way of guiding the market prices to a level affordable by common man and seeks to correct inflated pricing in the market. On the other hand CCCT has argued that the main purpose of the guidance price is to suggest enterprises to adopt reasonable prices so as to avoid the confusion of market order, price manipulation and monopolization. The Authority finds these arguments contradictory to each other and does not support the claims of the exporters that the government price mechanism of cocoons does not amount to interference of the government in free market price mechanism and does not distort the prices. On the contrary, the price guidance orders quoted above do have specific directions to all levels of government agencies to 'seriously supervise the execution of price policies' of cocoons to 'maintain normal price order to avoid extreme fluctuations of the market and promote stable and healthy improvement of cocoon and silk'. Para 2 of the 2004 order provides the general directions to the relevant administrative authorities to exercise 'supervisory functions' in this matter and defines 'legal eligibility of the silk cocoon purchasers'. Therefore, in spite of the fact that the guidance price mechanism of fresh cocoons and government controls and guidance in the silk and cocoon sector has been considerably reduced since 2002, it appears that there is significant intervention of the government in the sector, including the price of the fresh cocoons.

67. Besides the above issue, the Authority has also examined other aspects of the silk industry in China to find if significant distortions exist in the market due to the intervention of the Government, or there are significant distortions due to carryover of the non-market system adopted in the past. Therefore, the Authority has examined the structure of the silk industry in general and structure of silk fabric industry in China, in particular.

68. As far as cocoon breeding is concerned, mulberry farming and raising the silk worms (cocoon farming), in China, are done mostly by individual families.

The silk worms are generally raised within the dwelling units of the farmers. The worms feed on mulberry leaves, which are grown on the land in the backyards. However, in certain areas voluntary cocoon cooperatives have been formed. Since land in China are held by the state and there is no individual holding of the land, except under leasing system, the mulberry farmers get the land from the state through the local governments for farming. The land use fees or lease rents continue to be very low in China. Since the entire capital cost of the silk farming is farmland and small dwelling units, the cost implication of low land use fee on the cost of cocoon is significant.

69. Cocoon producers sell the fresh cocoon in local areas directly to cocoon purchasing or reeling enterprises. Since there are only about 7 to 10 days between complete pupation and the emergence of moth, fresh cocoon must be reeled immediately or turned into dried cocoon by drying treatment during this period for reeling process in the future. Dried cocoon is only 40-50% of the weight of the fresh cocoon before drying treatment. However, this process involves labour and treatment process cost. The producers of cocoons, or the reelers, do the drying process. Drying and reeling units are composite or separate small or medium sized enterprises, which purchase cocoon from cocoon exchanges or breeders directly.

70. Weaving units, in China, are small or medium sized enterprises. As per the Silk Industry Report of China 2005 by National Bureau of Statistics of PRC, there are 2558 enterprises in silk industry in China. Before, the process of liberalization started in China almost all silk units in China were under the state control as Town and Village Enterprises (TVEs), managed by the local governments. Even after liberalization started, as per the above report, 113 units continue to be state-owned or state-controlled. The rest of the units, mostly erstwhile state-owned silk enterprises, have been partially or fully privatized through corporate restructuring, associations, mergers, property lease, contracted management, joint ventures, state-owned property rights transfers or joint equities. On-the-spot verification of the sampled exporters and their supporting producers, as dealt in the following paragraphs, showed that most of the trading units were earlier fully in the state sector. In the process of restructuring, these state-owned enterprises have been transferred to different investment holding companies, dominantly controlled by the state. Most of these units were earlier in the state control and due to heavy losses they have been transferred to the current management structures through corporate restructuring, associations, mergers, property lease, contracted management, joint ventures, state-owned property rights transfers or joint equities. The valuation of assets and liabilities at the time of transfer, and the method of transfer are mostly non-transparent and do not reflect the market dynamics. The units have mostly old and secondhand plants and machineries acquired from the erstwhile state-owned enterprises at very little capital expenditure and therefore, incur very little capital and financial costs.

H.2.2 Examination of Individual exporters/producers

a) M/s Zhejiang Cathaya and associated producers

71. Examination of Cathaya and its five participating producers indicates that Cathaya was established as a Chinese joint stock limited company with ****% of share contribution from M/s Zhejiang Silk Group Company, a ****% state-owned holding company set up by Zhejiang Provincial Government to invest in Silk business alongwith other textile machineries and equipments. The capital contribution of the Holding Company in Cathaya is in the form of asset contributions only and no cash contribution has been made. The relationship between the holding company and Cathaya has been established through a comprehensive service agreement. Another ****% of shares of the Company are also held by three other state-owned entities. ****% of shares of the Company are owned by Shanghai Inna Investment & Development Co. Ltd. set up in 2001 with the investment from 30 employees of Zhejiang Silk Group Company, who later joined Cathaya as its employees. Management control of Cathay is in the hands of a board of Directors largely controlled by the state-owned entities.

72. Examination of participating producers of Cathaya, namely M/s Zhejiang Yangshi Silk Co. Ltd; M/S Hangzhou Yuanyuan Silk Co. Ltd.; M/s Deqing Xinrun Silk Company Ltd.; M/s Deqing County Bolidi Silk Company Ltd; M/s Hozhou Huasheng Silk Factory, also shows that the factories belonging to these companies were operating as town and village enterprises or collective enterprises run by the village communities, under various local governments. Due to accumulated losses or bankruptcy of the units the units were closed and the assets of these units were later sold off to the present owners. The methods of valuation and transfer of assets have not been transparent or market driven. In view of the above the cost of production and the prices of the finished goods do not appear to reflect correct market value of the product.

b) M/s. Sichuan Silk Export and Import and its associated producers

73. Examination of M/s Sichuan Silk reveals that this business entity was established in 1982 under the Chinese Company Law in the name of Sichuan Silk Import & Export Corporation as a state-owned enterprise under the Provincial Government of Sichuan Province. Till 1998 it was fully owned by the provincial Government of Sichuan Province. 1998 Provincial Govt. transferred this business enterprise to another state-owned enterprise in the name of M/s Sichuan Hoist Group Inc Ltd. (Hoist). At present Hoist holds ****% of the shares of the enterprise and only ****% is held by one private individual. Hoist was established in 1994, invested by 7 state enterprises and has undergone

structural changes thereafter. However, the holding company still remains dominantly under state control. The management system of the Company indicates that the Company has a Board of Directors with the Chairman and Managing Director from Hoist and other Directors represent their respective enterprises including the university research institute, which holds ****% share in the parent Company.

74. Examination of participating producers of Sichuan namely, M/s Deyang Bailong Lifeng Silk Co., Ltd. and M/s Sichuan Lezhi Longtai Silk Fabric Co. Limited indicates that Sichuan province Deyang City Bailong Silk Factory was operating under the Sichuan provincial Government till 2003. The factory was making huge losses under the state control and the net worth of the factory was negative. Some of them employees of this factory bought the factory from the county government and M/s Deyang Bailong Lifeng Silk Fabric co., Ltd. was established as a private company in 2004. The valuation report shows that the company had a negative net-worth as on 31-03.2004. The new investors took over a part of the assets and liabilities and rest of the assets and liabilities still stand in the name of the original factory, which does exist on the paper only. Therefore, practically nothing has been paid for the plant and machineries acquired.

75. Examination of M/s Sichuan Lezhi Longtai Silk Fabric Co. Limited also shows that the factory was originally operating in the name of 'Shuguang Silk Factory' producing the subject goods. However, the factory ran into financial problems and the main banker i.e., Agricultural Bank of China seized the assets of the said plant for non-payment of debts owed to them. Initially, four individuals entered into an agreement in November 2000 with the bank to run the factory on rental basis. The agreement was renewed in 2003. The factory had been mortgaged to the Lezhi sub-branch in question and declared bankrupt by the court subsequently. Specifically, entrusted by Lezhi sub-branch of the Agricultural Bank of China, Sichuan Chengdu Hualian Auction Co., Ltd held an auction to sell the Shuguang Silk Mill on February 27, 2004 in Lezhi County. The same four individuals participated in the auction and secured the bid and took over the factory from the bank to establish the present Company.

76. The above examination indicates that the exporting company is dominantly under state control. The cost and prices of the producers have also been significantly distorted due to non-transparent conversion of erstwhile state-owned or state-controlled units into private enterprises.

c) M/s. Zhejiang G&F Foreign Trading Co. Ltd. and its associated producers

77. Examination of the status of this exporter revealed that this company was formed in 1995 promoted by a state-owned enterprise in the name of M/s Zhejiang Native Produce and Animal By-Products Co Ltd, owned by the Provincial Government. This investment company was established in 1975 under

a Holding Company in the name of Zhejiang Province Grand Glory Holding Company Limited, controlled by the Zhejiang Provincial Government. Till 1995 M/s Zhejiang Native Produce and Animal By-Products Co Ltd, was doing import and export business in various natural products as a state trading company. Thereafter it became only an investment company and trading was handed over to other invested companies. M/s. Zhejiang G&F Foreign Trading Co. Ltd is one of those divested companies. The manner of transition and divestment was also examined to find whether the Government continues to have significant presence in the company. It was noticed that the new entity i.e. M/s. Zhejiang G&F Foreign Trading Co. Ltd was formed in 1999 out of an agreement between the labour union and the promoter i.e., state-owned M/s Zhejiang Native Produce and Animal By-Products Co Ltd in the ratio of ****-****%. The Labour union exists as a separate legal entity as per the Trade Union Law of the PR China and represents the legal rights of the employees in terms of Article 2 of the said Law. The contribution of the employees have been collected by the labour union and invested in the new company. For all practical purposes the new company is a venture between the State-owned Zhejiang Native Produce and Animal By-Products Co Ltd, and the labour union of the same company. The Chairman of the Board of Directors represents M/s Zhejiang Native Produce and Animal By-Products Co Ltd, owned by the Provincial Government. Other directors are elected by the employees in the shareholding meeting. General Manager is elected by the board of directors to look after the day-to-day affairs of the Company.

78. Examination of the participating producers of this exporter, namely, M/s Huzhou City Linghu Jinshan Yisheng Silk Woven Factory; and M/s Dequing Wenya Heat-Preservative Material & Silk Fabrics Limited Company shows that Yisheng's manufacturing facilities were set up in 2002 by an individual investor with secondhand plants and machineries. Previous history of the original factory from which the plants and machineries have been sourced is not known. The other producer was in the heat preservative business and has added silk business in 2002. The land has been leased out from the Economic Cooperative Society of Zhongguan Village for a period of 30 years from May 2002 for an annual rent of RMB****/-. The production unit has 351, mostly secondhand, looms with annual production capacity of ****mtrs of fabric during the POI. The source of plants and machineries is not known.

79. The above examination indicates that the exporter continues to be significantly under state control and the method of establishment of the production units is non-transparent. Therefore, the cost and prices of the subject goods producers and exported by the above producers and exporters appear to have been significantly distorted.

d) M/a Nanjing Textiles Export Import Corporation and its associated producers

80. Examination of the status of this exporter reveals that this company is a listed joint stock company since Feb 5th 2001. Originally Nantex was a State

Trading Company dealing with the export of silk fabrics, ****% owned by Nanjing Municipality. First restructuring of the SOE was done in 1994. As per the above restructuring approved by the Nanjing Economy System Reform Committee the SOE became a joint stock Company and the employees of the company took over ****% of the shares. As per asset valuation report dated 30th April 1994 net assets of the Company after valuation was capitalized and retained by the State through the Nanjing State-owned Asset Management (Holding) Co. Ltd. Additional capital was raised from the employees at the rate of RMB 1 per share.

81. Second capital restructuring was done in 1999 and the shares held by the employees were transferred to four other State-Owned Enterprises. The company issued RMB ordinary shares total ****shares first after approval by the China Securities Regulatory Commission on February 5, 2001. These issued shares have been listed and traded in Shanghai Stock Exchange on March 6, 2001.

82. The shareholding pattern of the Current Company shows that state still holds about ****% of the total shares of this Company through the Nanjing State-owned Assets Management (Holding) CO.,Ltd. and other state-owned entities. Balance ****% of the company's shares are negotiable shares and are traded in the Shanghai Stock Exchange.

83. The management structure and management control of the Company indicates that out of 11 Directors 2 are from the State asset management (Holding Company) and 2 are independent directors. Others directors are elected by the shareholders, including the other state-owned enterprises.

84. Examination of the participating producers of this exporter, namely, M/s Suqian Hongyun Silk Co., Ltd and M/s Deyang Bailong Lifeng Silk Fabric Co., Ltd indicates that Suqian Hongyun Silk Co., Ltd was originally established in 1991 in the name of M/s Suqian Hongyun Silk & Degumming Co., Ltd. as a collectively owned enterprise by the Suqian County. In 2002 this company was sold to few individuals and became a privately owned enterprise. As per the valuation report of Dec 2001 net-worth of the company was negative. The old factory had about 180 Looms taken over by the new company. It reveals that the new owners of the company, established in the name of Hongyun, have basically taken over the old plants and machineries of the erstwhile state-owned-enterprise at negative net-worth. Share holding pattern of the current company indicates that the head of the erstwhile factory has taken over more than ****% of the shares of the company. Other 27 shareholders hold the rest of the shares of the company. All of the shareholders were the employees of the old factory and paid in cash RMB **** to the County Government to take over the assets of the old factory.

85. Examination of the other supporting producer reveals that Sichuan

province Deyang City Bailong Silk Factory was operating under the Sichuan provincial Government till 2003. The factory was making huge losses under the state control and the net worth of the factory was negative. On 1st January 2004 Mr Zhou and 48 others (some of them employees of the earlier factory) bought the company from the county government and M/s Deyang Bailong Lifeng Silk Fabric co., Ltd. was established as a private company registered under *Company Law of P.R. China in 2004*. The new investors purchased a part of the assets and liabilities and rest of the assets and liabilities still stand in the name of the original factory, which does exist on the paper only. The producer has two production units with combined annual capacity of ****mtrs of fabrics per annum. The plants and machineries of the unit are old and taken over from the erstwhile factory under the provincial/county government. Practically nothing has been paid for the assets acquired.

86. The above examination indicates that the exporter continues to be significantly under state control and the method of transfer of assets of the erstwhile state-controlled production units to private enterprises has significant distorting effect on the cost and prices of the subject goods.

c) M/s. Chongqing Sunfeel Shizhu Silk Weaving Co.,Ltd. (producer-exporter)

87. Examination of the status of this producer-exporter reveals that M/s Chongqing Sunfeel Shizhu Silk Weaving Co. Ltd was established as private limited company under the Company Law of the PRC in May 2000 by investment from another company in the name and form of M/s Chongqing Sunfeel Industrial Group Co., Ltd together with another individual namely Mr Zhou Yongzhong who also holds major share in the Group Company. M/s Chongqing Sunfeel Industrial Group Co., Ltd holds ****% of the shares in M/s Chongqing Sunfeel Shizhu Silk Weaving Co., and balance ****% is held by Mr Zhou Yongzhong. This Company does not have a board of Directors but an executive Director Mr Zhou Yongzhong.

88. The Group Company M/s Chongqing Sunfeel Trading Company Shizhu Limited was established in 1996 as a trading Company by share contribution from 10 individual shareholders, including Mr Zhou Yongzhong and Mr Tang Lie who hold ****% of the share contributed in cash and kind. Though the group Company was established as a trading company it does not do any direct business now. It has different companies under it doing business in silk, wine, construction and medicine packaging etc. and the group has invested in those businesses jointly with other individual investors. In the year 2000 the name of the Company was changed to M/s Chongqing Sunfeel Industrial Group Co., Ltd. In 2000 May this Group Company established the Sunfeel Silk Weaving Company, which took over the old factory of Shizhu County to start silk fabric production business.

89. The manner of establishment of the production facility of exporter, i.e. the Sunfeel Silk Weaving Company was also examined to find out if there is any significant distortion in the capital cost of acquisition and consequent on the cost of production and selling prices. An old collectively owned silk factory, in the name of Shizhu County Silk Factory, existed in the Shizhou County under the County administration of Chongqing City Municipality. This factory had huge accumulated losses and was bankrupt. Therefore, the factory was closed and was under liquidation. M/s Chongqing Sunfeel Industrial Group Co., Ltd negotiated with the Liquidators and purchased the factory, including the plants and machineries, buildings of this old factory as well as the land use rights from the County Government for a total price of RMB **** Million. However, no valuation of the assets of the factory was carried out by the liquidators for the purpose of liquidation. The assets were acquired through negotiation process with the liquidators and the money was paid to the Liquidator. With the acquired assets of the erstwhile SOE unit the new company in the name of M/s. Chongqing Sunfeel Shizhu Silk Weaving Co. was established. M/s Chongqing Sunfeel Shizhu Silk Weaving Co., is engaged in weaving operations and it has three subsidiaries producing raw silk and Cocoon.

90. The above examination indicates that though the producer-exporter at present is a fully private entity and operates as such the manner of acquisition of the plants and machineries from the state-owned enterprise has significant distorting effect on its cost and prices.

f) M/s Chongqing Wintus (New Star) Trade Development Ltd and its associate producer M/s Liangping Wintus Silk & Textile Ltd

91. M/s Chongqing Wintus (New Star) Trade Development Ltd ("Chongqing Wintus") China PR was established as trading Company by Ms Wang Xiaohui in 1997 for trading mainly cottons products and cotton made hotel accessories in the domestic market. Till 2002 the company was engaged in trading in the domestic market only. In the year 2002 the company got its export license in 2002 and started export business including export of silk goods. ****% of the shares have subsequently been transferred to another individual i.e., Mr Luo Ping. This Company has three related entities involved mostly in silk and silk fabric business. M/s Wulong Wintus Silk Ltd. Is one of the subsidiaries of Chongqing Wintus established in May 2004 and is engaged in production of Cocoon in Wulong County. The Company supports the farmers for production of Cocoon and buys fresh cocoons from the farmers. The cocoon is then dried and supplied to the reeling unit of another subsidiary of Chongqing Wintus i.e. M/s Liaping Wintus.

92. M/s Liaping Wintus was established in March 2004 as the reeler and weaver of silk fabrics for export to India. Wintus has ****% share in this Company and promoter of Wintus has ****% share in this Company in individual capacity.

93. The history of the production unit and the manner of establishment of the

production facility of was also examined to find out if there is any significant distortion in the capital cost of acquisition and consequently on the cost of production and selling prices of the subject goods manufactured by this unit. It was noticed that the production unit was originally operating in the name of Liangping Yuli Silk Co., Ltd. under the Chongqing Municipality as a state-owned enterprise. The unit was making heavy loss and was bankrupt. Chongqing Wintus (new star) Trade Development Ltd. rented all manufacturing equipments of this factory to produce silk fabric from July 2002 to September 2003. During this period all production and operation activities are implemented in the name of Chongqing Yuli instead of Chongqing Wintus. In September 2003, Liangping Wintus was established by the promoter Company Chongqing Wintus to operate the production unit of the old factory unit of Laiping Yuli. The production facilities (i.e. the plants and machineries, except the land, was purchased by Wintus from the Municipality in 2003 for RMB****. After purchasing the old plant and machineries the production facility was set up at a new location in the name of Liangping Wintus.

94. The examination of the business operation of the group as a whole revealed that this group has a cocoon production support and purchasing unit in the name of Wullong Wintus who supplies dried cocoon to the reeling and weaving unit of Liaping Wintus. Chongqing Wintus purchases the subject goods from LIANGPING WINTUS and other suppliers and sells the same in domestic and foreign markets. The exports to India are made in the name of its overseas trading arm M/s Hong Kong Wintus.

95. Therefore, the examination of the above company reveals that though the current operation of the company is as per market signals there is a significant distortion in cost and prices of the subject goods due to the manner in which the plant and machineries have been acquired from the erstwhile state-owned enterprise.

**g) M/s Guizhou Fortune Green Products Import & Export Co. Ltd , China
PR**

96. This company is only an exporter of the subject goods without any production unit of its own. This exporter from China has not made any claim for market economy treatment. However, they have requested for acceptance of their export price for determination of a separate dumping margin for them based on normal value as may be determined by the Authority. Therefore, detailed market economy examination has not been carried out for this exporter.

H.3 Over all assessment of Market Economy claims of the exporters

97. Examination of other market economy parameters as laid down in the Rules indicates that Chinese Government has progressively enacted labour laws, property and bankruptcy laws, reformed interest rates, accounting principles and

marginally modified its foreign exchange regime. It has been clarified that labor law in China provides for minimum wages to be paid to the labour to protect the interest of the labour class. However, the minimum wages vary from province to province. The silk industries in different provinces fix the wages for the employees based on their productivity. Average wage for labour was in the range of 650 to 700 RMB per month.

98. The Authority notes that interested parties have not disputed the above general non-market economy examination except for individual market economy claims of few producers. The Authority notes that in addition to capital acquisition methods and involvement of Government agencies, several other factors have been taken into account in deciding that silk industry in China as a whole does not operate under market economy conditions. Examination of the status of the individual exporters have been examined carefully and the Authority is of the view that in spite of variation in the mode of transfer of assets there is significant carry over of distortions from the non-market economy systems.

99. Therefore, after examination of various issues related to the market economy parameters and backgrounds, as well as current operating conditions of the silk industry in China as a whole, and silk fabrics industry in particular, the Authority holds

- That the production costs and financial situation of the examined producers/exporters are subject to significant distortions carried over from former non-market economy system in the form of depreciation and valuation of assets, write off of liabilities and transfers of assets to new enterprises from the erstwhile SOEs, land-use rights, manufacturing and sales.
- That the cost of major inputs does not substantially reflect market value due to intervention of the State in the pricing mechanism of fresh cocoon under the guidance price mechanism followed by the Chinese Government.
- That the major exporters examined by the Authority continue to have significant presence of state-holding and state control on the affairs of these entities. In fact most of these exporters had been established as state-trading corporations and continue to have that dominant position in silk trade despite alteration of their share-holding patterns subsequently.
- The Authority also notes that in the matter of import of raw silk from China the Authority held that the Chinese raw silk producers, the major raw material for production of silk fabrics, do not operate under market economy conditions.

100. In view of the above position, the Authority holds that in term of para 8(3) of annex I of the Rules, the Chinese exporters and producers cannot be given market economy status for determination of their normal values for the subject goods.

Determination of Normal Value

101. In view of provisional non-market economy determination and in the absence of an appropriate market economy third country, the Authority, in its preliminary findings, provisionally determined the normal value in China based on 'any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product', in terms of second part of paragraph 7 of Annex I to the Rules. For determining the price actually paid or payable in India, the authority considered the price of major raw material i.e., raw silk on the basis of silk yarn price prevailing during the period of investigation in India, conversion charges, financial cost, factory overheads, selling, general and administrative expenses, on the basis of domestic industry's cost after reasonable adjustments and a reasonable profit margin to arrive at the normal value. However, the interested parties have argued that the methodology adopted by the Authority is not in order. The comments of the interested parties have been summarized below.

I.1 Views of Exporters and Interested parties

102. The interested parties have argued that the authority has actually resorted to constructing the normal value based on the costs of the domestic industry 'after reasonable adjustments' but the preliminary finding is silent about the nature of expenses as well as the nature of the adjustments including the reasonableness of those adjustments. It has been argued that no confidentiality can be claimed by the petitioners as they have only made an estimate of their costs and have never filed their actual costs.

103. It has been argued that for determining the price actually paid or payable in India, authority has considered the price of major raw material i.e., raw silk on the basis of silk yarn price prevailing during the period of investigation in India. Since the prices of different varieties of silk yarn i.e. mulberry raw silk, Eri, Muga, Tassar etc. vary significantly it needs to be clarified which type of silk has been considered for arriving at the raw material cost. Secondly, in specialty varieties like Habutai, which is not at all manufactured in India, authority could not have got the raw material price from the Silk Yarn Exchange in India. It is not known as to how the authority determined the normal value for such varieties. It has been further argued that in determining the 'price paid or payable in India', the authority could not have taken the cost from one source, conversion costs from another source and added a profit margin based on some other criteria. The authority is required to take the price prevalent in the market for the product concerned and add a reasonable profit margin thereto.

104. It has been further argued that once a country is chosen as a comparison market economy or for construction of normal value then aspects of public policy, regulatory environment, operations, business organization and market structure that are similar between China and the comparison market economy ought not to

be identified as grounds for denying market economy treatment to Chinese producers in the spirit of national treatment principle. Given the dominant share of China in World production and trade of silk fabrics, there is no truly suitable comparable market economy. Once the Authority has chosen to construct normal value as per Indian costs and prices, it must take into account the structure and regulations of the silk industry in India and not treat as NME similar structure or regulations in China.

I.2 Examination by the Authority and Methodology for determination of Normal Value

105. Having determined that the producers and exporters in China PR do not operate under market economy conditions and the cost and prices of the subject goods in the subject country does not reflect the market driven cost and prices, the Authority has determined the Normal Value for the Chinese exporters/producers in terms of para 7 of annex 1 of the Rules which reads as follows:

Para 7: In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, "keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time for selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

106. As per the information available with the Authority more than 90% of total production of silk fabric in the world is accounted for by India and China, with China's share being approximately 78% and that of India being about 14%. Due to the overwhelming concentration of production of silk fabric in the two countries and other unique features of this industry, there is no other country, which can be considered as an appropriate market economy third country as per para 7 of Annexure 1 of Anti Dumping Rules. Therefore, it is not possible to select an appropriate market economy third country for the purpose of determining Normal Value for the exporters in China. The interested parties have also agreed to the

fact that there is no other third country for determination of normal value in this case.

107. Having examined various options available under the Rules and views of the interested parties, the Authority holds that the normal value of silk fabrics in China has to be based on any reasonable basis, including the price paid or payable in India, or in terms of the second proviso of the above Rules, in the absence of any other alternative in this case. The authority also notified the exporters and CCCT and sought their comments in this regard, in terms of the above Rules.

108. Therefore, for the purpose of this determination the Authority has considered the price payable in India, reasonably adjusted, as the most reasonable method in the prevailing situation. The Cost of production of different types of silk fabrics has been determined based on the average import price of raw silk during the POI. The Authority notes that China is the largest exporter of raw silk and raw silk is mostly imported to India from China. However, export of raw silk from China has also been at dumped prices as determined by the Authority in an earlier investigation and such imports are subject to antidumping duty on reference price basis at US\$27.97 per Kg. Therefore, for the purpose of determining international price of raw silk CIF price, based on this reference price (after deducting the basic customs duty), has been adopted as the reasonable input price for manufacturing the silk fabrics. The Authority notes that while computing the cost of production and normal value as disclosed in the disclosure statement the degumming loss from raw silk to fabric was erroneously not taken into account. The interested parties, in their post disclosure submissions have argued that the physical parameters of production of silk fabrics cannot be treated to be affected by the non-market economy condition and therefore, the consumption/wastage norm as per the cooperating producer's production data should be adopted for computing the input cost. The Authority has accordingly, adopted the degumming and weaving losses of the cooperating producers from China to work out the cost of raw silk consumed in the production of silk fabrics. Conversion charges, financial cost, factory-overheads, selling, general and administrative expenses have been considered on the basis of domestic industry's cost after reasonable adjustments. A reasonable profit margin of ****% is has been added to the cost so arrived at, for determination of the revised normal values for different product control numbers (PCNs) at ex-factory level.

109. Some of the interested parties have argued that determination of single normal value for a country is contrary to the provisions of the ADA. However, it may is noted that China has been treated as a Non-market economy country and none of the producers have passed the market economy test for determination of individual normal value based on their own cost and prices. Therefore, under the above circumstances a single normal value for the entire country is the standard norm and no provision of ADA has been violated as has been argued by the exporters.

I.3 Methodology and Determination of Export Prices

110. The Authority notes that the methodology and computation sheets of export prices were communicated to the participating exporters in the disclosure statements and the comments of the exporters, including minor errors pointed out by the exporters have been taken into account in this findings. However, the Authority notes that certain exporters have argued that as per their information the export prices of all exporters from China is in similar and as such their dumping margin should not be different with a single normal value for the whole country.

111. The Authority notes that there is a very wide range of products in terms of types and weight ranges exported from China and each of these exporters, except Cathaya, have been dealing with certain product types and weight ranges (PCNs) only, with some overlap. Therefore, the composition of products of these exporters being widely different the export prices could not be same for them. Moreover, while at the individual product levels, where there is a overlap of PCNs the DM could be in a narrow range, the DM communicated is only a weighted average DM for all products exported by the individual exporters and therefore, may not reflect correct *inter se* comparison. Therefore, the arguments and apprehensions of the exporters in this respect are not valid.

112. The Authority notes that the domestic industry has also raised the issue of export price of the cooperative exporters and it has been submitted that the Authority has considered the proceeds claimed to have been realized by the exporters irrespective of whether the same have been received through proper banking channel on account of the concerned importer who has bought the goods. It has been argued that certain export proceeds realized through TT transactions should not be considered for the purpose of computation of export price. Apart from the jurisdictional issues, as neither the ADA nor the Indian antidumping Rules provide any provision to deal with the subject, the Authority notes that since the duty has been recommended in the provisional findings on reference price basis, determination export price and landed value excluding the proceeds realized otherwise would have no impact on the reference price.

I.3.1 Sampled Exporters

113. The export data of the cooperating exporters and their supporting producers were verified by the Authority to the extent possible and on the basis of such verification detailed reports were sent to each of the exporter/producers and their comments received have been taken into account for determination of their net export prices. Accordingly, export prices of the sampled exporters have been determined as described in the following paragraphs.

b) M/s Zhejiang Cathaya International Co., Ltd

114. The Authority notes that all the cooperative producers of this exporter have sold the goods domestically to this exporter and the exporter has, in turn, exported the goods to India. Since the transactions between the producers and the exporters are domestic sales and the export documents do not carry the name of the producers, the export prices for the exporter has been determined on the basis of the transaction-wise data of exports made by M/s Cathaya during the POI, duly adjusted to bring it to the ex-factory level of the producers. Cathaya has exported **** meters of silk fabrics during the POI covering 45 PCNs. Since the export price is at CIF level, adjustments towards inland freight, ocean freight and insurance, bank charges, storage and handling charges, packing cost and VAT adjustment, as a difference of VAT paid at the time of purchase of the goods and refund obtained at the time of exports, etc., as verified from their records, has been carried out to arrive at net export prices for each PCN at the ex-works level of the producers. Minor error in computation of inland transportation expenses was pointed out by the exporter in its post disclosure submission and necessary correction has been carried out to arrive at revised export prices.

b) M/s. Sichuan Silk Export and Import Group Co., Ltd

115. The Authority notes that all the cooperative producers of this exporter have sold the goods domestically to this exporter and the exporter has, in turn, exported the goods to India. The transactions between the producers and the exporters are domestic sales and the export documents do not carry the name of the producers. Therefore, the export prices for the exporter has been determined on the basis of the transaction-wise data of exports made by M/s Sichuan during the POI, duly adjusted to bring it to the ex-factory level of the producers. Sichuan has exported **** meters of silk fabrics during the POI covering 12 PCNs. Since the export price is at CIF level adjustments towards inland freight, ocean freight and insurance, Bank charges, storage and handling charges, packing cost and VAT adjustment, as a difference of VAT paid at the time of purchase of the goods and refund obtained at the time of exports, etc., as verified from their records, has been carried out to arrive at net export prices for each PCN at the ex-works level of the producers.

c) M/s. Zhejiang G&F Foreign Trading Co. Ltd.

116. All the cooperative producers of this exporter have sold the goods domestically to this exporter and the exporter has, in turn, exported the goods to India. The transactions between the producers and the exporters have been treated as domestic sales and the export documents of the exporter do not carry the name of the producers. Therefore, the export prices for the exporter have been determined on the basis of the transaction-wise data of exports made by M/s G&F during the POI duly adjusted to bring it to the ex-factory level of the

producers. G&F has exported **** meters of silk fabrics during the POI covering 15 PCNs. Since the export prices are at CIF level, adjustments towards inland freight, ocean freight and insurance, Bank charges, storage and handling charges, packing cost and VAT adjustment, as a difference of VAT paid at the time of purchase of the goods and refund obtained at the time of exports, etc., as verified from their records, has been carried out to arrive at net export prices, for each PCN, at the ex-works level of the producers.

d) M/s Nanjing Textiles Export Import Corporation

117. All the cooperative producers of this exporter have sold the goods domestically to this exporter and the exporter has, in turn, exported the goods to India. The Authority notes that the transactions between the producers and the exporters are domestic sales and the export documents do not carry the name of the producers. Therefore, the export prices for the exporter have been determined on the basis of the transaction-wise data of exports made by M/s Nantex during the POI duly adjusted to bring it to the ex-factory level of the producers. Nantex has exported **** meters of silk fabrics during the POI covering 18 PCNs. The export prices are at the FOB level. Therefore, only adjustments towards inland freight and other selling expenses, and VAT adjustment, as a difference of VAT paid at the time of purchase of the goods and refund obtained at the time of exports, etc. have been carried out to arrive at net export prices, for each PCN at the ex-works level of the producers. Minor error in computation of inland transportation expenses was pointed out by the exporter in its post disclosure submission and necessary correction has been carried out to arrive at revised export prices.

e) M/s. Chongqing Sunfeel Shizhu Silk Weaving Co.,Ltd.

118. The above exporter is a producer-exporter of the subject goods. The records of the Company showed that they have sold ****meters of silk fabrics for export to India. However, out of the total 262 export transactions, **** meters were sold through M/s China National Export Bases Development, Tibet, Co. and ****meters were exported through M/s. China Tibet International Economic & Technical Cooperation Co. The sales to these two traders from the responding exporters have been under domestic selling invoices in RMB and these two traders have not cooperated in the investigation. The actual export prices of these traders are also not known. Therefore, these transactions have been removed from the export transaction of this exporter for the purpose of determination of export price for this exporter.

119. Since all transactions are on CIF terms, necessary adjustments towards inland transportation, ocean freight, handling and shipping charges, bank charges, and an adjustment towards difference between the VAT paid and refund obtained, as verified from the exporter's records, have been carried out to arrive at net export prices for each PCN at the ex-works level of the producers.

1.3.2 Non-Sampled exporters

120. The Authority notes that only two exporters from the subject country had filed their exporter's responses and requested for individual treatments in terms of Rule 17 (3) of the Rules. Other exporters who initially filed their request for individual treatment have either withdrawn their requests or did not file their questionnaire response. Therefore, only two requests received for individual treatments were examined and verifications were also carried out in accordance with the Rules. The export prices in respect of these two exporters have been determined as follows:

a) M/s Chongqing Wintus (New Star) Trade Development Co. Ltd

121. This Company has sold **** meters of silk fabrics for export to India against 27 export transactions through its subsidiary M/s Hong Kong Wintus (Wintus China) though all the customs documents have been filed by Chongqing Wintus and shipments have been made directly to India from Chongqing Wintus. The exporter has exported 4 types of fabrics to India. The exporter has its own production facility, though in a different name, and the goods have been shipped from their factory on payment of VAT @ 17% of the invoice value of the producer. Since the goods have been exported under Chongqing Wintus export documents and VAT refund has been claimed by Chongqing Wintus @ 15% during 2003 and 13% in 2004. Since all transactions are on CIF terms, necessary adjustments towards inland transportation, ocean freight handling charges and shipping charges, packing charges, documentation and handling charges, commodity inspection fee etc., and difference between the VAT paid and refund obtained, as verified from the exporters records, have been applied to arrive at net export price of each PCN at ex-factory level.

b) M/s Guizhou Fortune Green Products Import & Export Co. Ltd

122. During the POI, this company exported 34 consignments of silk fabrics of **** running meters to India. The exporter has exported 11 types of fabrics during the POI. The exports are at CIF level. Therefore, adjustments towards VAT paid and refund obtained, inland transportation and ocean freights paid, ocean insurance and inspection fees, as verified from their records, have been applied to arrive at the net export price of each PCN at the ex-works level.

1.4 Methodology and Determination of Dumping Margins

1.4.1 Sampled Exporters

123. Having determined the weighted average normal values and weighted average export prices at the ex-factory levels for the individual product groups (PCNs) as explained above, they have been compared at the same level of trade

for determination of dumping margins for each PCN for individual exporters. The individual dumping margins determined at product group (PCN) levels have been used to determine the weighted average dumping margins for the individual exporters, without zeroing the negative dumping margins, if any. Accordingly, the weighted average dumping margins of the individual exporters work out as given in the table at the end of this section.

1.4.2 Exporters claiming individual dumping margins

124. The methodology explained above has been adopted for determining the dumping margins for the non-sampled exporters who have been granted individual treatments.

1.4.3 Non-sampled exporters

125. The dumping margin for the following exporters who had made themselves known in response to the sampling questionnaire but were not included in the sample, has been determined as the weighted average of the dumping margins determined for aforesaid sampled exporters in terms of Rule 17(3) of the Rules. The weighted average dumping margin, determined on the basis of the above method, works out to 56%.

S.No.	Name of Non-sampled Exporters	Province
1	Longchang Yinhua Silk Co.	Sichuan
2	Jiangsu Hongbao Group Im. & Ex Co. Ltd.	Jiangsu
3	Chongqing Boshan Silk Co. Ltd.	Chongqing
4	Anhui Silk Co. Ltd.	Anhui
5	Xinyuan Cocoon Silk Group Co. Ltd.	Jiangsu
6	Huzhou Sentong Silk Weaving Co. Ltd.	Zhejiang
7	Shanghai Silk Group Co. Ltd.	Shanghai
8	Zhejiang Mihuang Import & Export Co. Ltd.	Zhejiang
9	Deyang Bailong Lifeng Silk Fabric Co. Ltd.	Sichuan
10	Jiangsu Soho International Group Corp.	Jiangsu
11	Guangdong Silique International Group Gold Silk Co. Ltd.	Guangdong
12	Guangdong Silique International Group Wintex Corp. Ltd.	Guangdong
13	Chengdu Investment Imp. & Exp. Co. Ltd.	Sichuan
14	Chengdu Kilter Silk Trade Corporation Ltd.	Sichuan
15	Qindao Hirun Investment Group Co. Ltd.	Shandong
16	Zhejiang Jiaxing Silk Imp. & Exp. Co. Ltd.	Zhejiang
17	Sichuan New Rise (Langzhong) Silk Co. Ltd.	Sichuan
18	Sichuan New Rise Imp. & Exp. Co. Ltd.	Sichuan
19	Sichuan Yate Silk Import/Export Co. Ltd.	Sichuan
20	ChenFeng (Jiangsu) Clothing Co. Ltd.	Jiangsu

1.4.4 All other exporters

126. Dumping margin for all other non-cooperating exporters has been determined on the basis of best facts available taking into account the normal values and export prices determined for the cooperating exporters.

1.5 Summary of Dumping Margins

127. On the basis of the above determinations the weighted average dumping margins for all exporters from the subject country works out as follows:

SAMPLED EXPORTERS	Dumping Margins
M/s. Sichuan Silk Export and Import	42%
Zhejiang G&F Foreign Trading Co. Ltd	51%
M/s Zhejiang Cathaya International Co., Ltd	51%
M/s Nanjing Textiles Import & Export Corporation Ltd	77%
M/s. Chongqing Sunfeel Shizhu Silk Weaving Co., Ltd	69%
WEIGHTED AVERAGE DM	56%
All Non Sampled Exporters (As per list)	56%
Non-Sampled exporters granted individual treatment	
M/s Chongqing Wintus (New Star) Trade Development Ltd	64%
M/s Guizhou Fortune Green Products Import & Export Co. Ltd	63%
All other non-cooperative exporters	77%

J. Determination of Injury and Causal Links

128. The Authority, in the preliminary findings, noted that the domestic industry in the present case is highly fragmented and scattered, comprising of thousands of tiny units. Therefore, this industry is quite different in structure and composition as compared to the typical domestic industry in various other cases. The units are mainly cottage based and run by individual families. By very nature of their manufacturing activity, these units do not maintain, nor are they required to maintain, accounts under various Indian laws, as is the case for the organized industries. It was also noted that in view of the nature of operations and the size of the units, it is not possible to obtain exact details, regarding the various injury parameters, from the domestic industry as required in the usual manner as in the case of the industry in the organized sector. The Authority also held that though it is required to examine all the parameters specified under the Rules, it is also a settled position that all parameters need not necessarily show injury to the domestic industry, in an antidumping investigation for a positive injury determination. The Authority noted that it is the overall evaluation of the factors, which would enable the Authority to take a view whether injury exists in a particular case, or not. Accordingly, the Authority made a provisional injury determination based on certain parameters. However, the exporters and other

interested parties have argued that such an approach to the injury investigation is flawed. The arguments of the interested parties with regard to injury determination are summarized as follows:

J.1 Views of Interested parties

129. CCCT, in its post-preliminary finding submissions, has argued *inter alia* that the entire injury analysis is grossly incomplete on account of the fact that no data has been made available by the Domestic Industry which would enable the Authority to evaluate the alleged injury to the domestic industry. They have argued that as far as the volume and price analysis is concerned, it is not only enough to return a positive finding that there has been an increase in volume of the imports of the subject goods at a price lower than its normal value, but what needs to be demonstrated is the consequent injurious impact on the domestic industry on account of the imports. The impact on the domestic industry is to be gauged with reference to certain economic parameters elucidated in *paragraph IV of Annexure II* of the Anti-Dumping Rules. It has been argued that the analysis of the domestic industry on certain named parameters is a *sine qua non* for injury determination. It has been further argued that neither in the Agreement or in the Rules there is any exception that has been carved out which would exempt domestic industry of a certain type and nature to be exempted from the requirement to provide information on economic parameters or allow the Authority to exempt the domestic industry from such requirements. Therefore, even if the Authority waives the requirement of the domestic industry to provide first hand data in connection with injury, the Authority cannot waive the requirement for at least secondary source data in support of injury. No data has been provided either from primary sources or secondary sources in support of injury analysis as required by the law.

130. The exporters, in their various submissions have reiterated the above arguments and have further argued that the Silk Board cannot substitute the records of the concerned industry for purposes of meeting the requirements of AD law. It has been argued that it is incumbent upon the Authority to objectively examine both, the volume of dumped imports and the effect of dumped imports in the domestic market for the like article and the consequent impact of these imports on the domestic producers of such products. While it is true that not all the injury parameters must establish injury, all injury parameters must be examined. It is not sufficient to find injury on some parameters and ignore the other parameters. The Domestic Industry, in its proforma IVA has failed to assess and examine all the listed factors of injury as mandated under Article 3.4 of the WTO Agreement on Anti-Dumping. The exporters have argued that Authority has not been able to carry out analysis of the mandatory parameters and the examination of the injury indices by the Authority is mostly based on estimated data, which makes the conclusion unreliable. It has been argued that the authority has examined neither actual, nor estimated production. The authority has taken into account the claim that the number of power looms has

come down from 75000 to 30000 and therefore, there should have been less capacity and less capacity utilization. Market share of the domestic industry has also been determined without considering the actual or estimated sales volume of the domestic industry.

131. The exporters have further argued that the respective Indian and Chinese Silk fabrics sell in largely different markets – Chinese silk fabrics are used for apparel and garments and Indian silk fabrics for furnishings and certain ethnic wear. The overlap, if any, for apparel and garments is very low. Thus there is no injury and no price effect as the market segments are different.

132. The exporters have also questioned the price undercutting and underselling analysis in the preliminary findings on the grounds that no domestic selling prices were available in respect of certain types of fabrics.

J.2 Examination by the Authority

133. Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products, with regard to the volume effect of the dumped imports. The authorities are required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in the importing member. With regard to the price effect of the dumped imports, the authorities are required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in the importing country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

134. The Authority has taken note of the arguments of the interested parties on injury examination aspect and addressed the issues raised at appropriate places in this disclosure statement to the extent these arguments are valid. The Authority has examined the injury parameters objectively, while keeping in view the structure and nature of the domestic industry. The Authority notes that while the domestic industry has provided information on various injury parameters that is reasonably available, in view of the nature of the industry, the Authority has also taken steps to corroborate the data and information through independent sources and field visits. The Authority also notes that while the Agreement on Antidumping provides for objective examination of all relevant parameters for an injury examination, it also recognizes the problem of fragmented and unorganized industries in the footnote to the Agreement.

135. In their post disclosure submissions the interested parties have reiterated their respective positions in respect of the injury and causal link determination in this case. The interested parties have argued that certain information on the

number of looms and production etc. have been used in the investigation for the first time based on certain reports which have not been made available to the interested parties. They have also questioned several observations and analysis on the injury and causal links without providing any information on the issues raised.

136. The Authority notes that the peculiarities of the domestic industry and availability of absolute data in this case have been adequately dealt in the disclosure statements and injury investigation in this case has been carried out on the basis of data provided by the domestic industry and supplemented by data from the secondary sources such as various survey reports quoted in the disclosure statement. These reports and other information made available to the Authority during the course of the investigation have been placed in the public folder and information contained in the said report to the extent they have been used in this investigation has been disclosed in the disclosure statements.

137. The Authority also notes that dumping examination concluded in the previous section clearly establishes that the goods have been exported from the subject country into Indian market at dumped prices and the dumping margins have been found to be substantial. Therefore, the effects of the dumped imports on the domestic industry have been examined as follows:

a) Volume effects

i) Volume of dumped imports and impact on domestic industry

138. In the preliminary findings the Authority had examined the volume of imports based on aggregate import data of the subject goods from two sources, i.e., DGCI&S and World Trade Atlas. The volume indicated in the data sources have not been disputed by any party. Both the data sources showed significant increase in the imports from the subject country, both in absolute terms as well as relative to the total imports. The Authority also notes that there is a very high degree of participation of the exporters from China in this case, who have provided their export data. The authority has also examined the DGCIS import data at transaction level. Based on the participating exporters data, DGCIS data and World Trade atlas data the trend in import volumes of the subject goods have been analysed as follows:

Exports of Silk Fabric from China (HSN 5007 2011 unbleached or bleached woven fabric of Mulberry Silk – Qty. in meters)

	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05
World	104,372,481	100,984,242	131,395,482	165,033,508	213,811,686
India	1,448,613	10,786,081	41,051,422	67,652,080	96,491,270
Indexed	100	745	2834	4670	6661

Source: World Trade Atlas

139. This data shows that between 2000-01 and 2004-05, the import of silk fabrics from China has increased over 66 times in volume terms. However, as this data is at aggregate level, the transaction-wise import data of DGCIS has also been examined to compare the same with WTA export data of China PR to India. Silk Fabric is classified under Heading 5007 of the Customs Tariff Act and generally gets cleared under Sub-heading 5007 9000. However, the subject goods have also been cleared under Sub-headings 5007 1000, 5007 2000, 5007 2010 and 5007 2090 of the Customs Tariff Act. DGCIS data, after pruning the same for unrelated products under the above heads, shows that the imports data of the subject goods from China more or less conforms to the WTA statistics except for the year 2004-05, where the WTA data shows much higher imports. Therefore, for the purpose of injury analysis the DGCIS data has been used as a more conservative estimate.

DGCIS Data

Qty in meters

Country	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	POI	POI annualized
Total	2074817	12108520	31774534	64355121	99657099	66438066
Trend	100	584	1531	3102	4803	3202
China	1184240	10508057	28806755	61361520	95182613	63455075.33
Trend	100	887	2433	5182	8037	5358
Others	890577	1600463	2967779	2993601	4474486	2982991
Trend	100	180	333	336	502	335
Share of China	57%	87%	91%	95%	96%	96%
Share of others	43%	13%	9%	5%	4%	4%

140. Even this conservative data shows that the imports of the subject goods have increased over 50 fold in the injury investigation period while the imports from the other countries have increased only three fold. The share of imports from China, in total imports, has increased from 57% to 96%. Therefore, the growth of imports from the subject country and its share in the total imports during the injury investigation period is overwhelming.

ii) Capacity and Production

141. The Authority notes that the interested parties have raised several objections to the use of estimated capacities and production based on the information made available by the Central Silk Board, who is also representing the applicants. They have also raised the issue of inconsistency of the data provided by CSB and the Ministry of Textiles on the number of looms in operation and the figures have been disputed.

142. The Authority notes that the capacity for production of the subject goods is directly proportionate to the number of looms in operation. The structure of the silk weaving industry is such that an exact estimation of actual number of looms in operation and actual production of these looms is not possible. As noted in the

preliminary findings these units are small and scattered. Basically major part of the silk weaving is a kind of cottage industry in India with the size of units varying from 2 to 3 looms to 10 to 12 looms. Due to the very nature of this industry, these producers are not required to register themselves with any administrative authority and file any return of their actual production and sales, as a result of which actual data of their capacity and production is not submitted to any authority. This problem has also been recognized by the Ministry of Textiles and in its Annual Report the Textiles Ministry has recorded that as the power-looms in various segments of textile industry are spread all over the country and exact number of operating looms was not known, number of power-looms and handlooms were assessed through census from time to time. One such census was carried out way back in 1987 and the number of power-looms given in the status report available in the Textile Ministry's website, as quoted by the interested parties shows the census result of 1987. Another comprehensive survey was carried out by the Ministry of Textiles through National Council for Applied Economic Research (NCAER) in 1995-96. Joint census of the powerloom sector, as issued by NCAER, was also consulted for this purpose. However, this census covered all powerlooms including cotton and silk and does not provide desegregated data on powerlooms producing silk only.

143. A survey of Power-loom units in Karnataka, engaged in silk and art silk fabrics production, was carried out for Karnataka Power-loom Development Corporation in 2003 by Central Silk Technological Research Institute, Bangalore. This report indicates that out of 88566 power-looms, as reported in the "Census of Powerlooms-1996", only 48341 looms were working in Karnataka in 2003, covering 14951 units. Average size of the units was less than 6 looms, per unit. 83% of these units were proprietary concerns and were run as family business and 41% were working on job work basis. The Authority notes that the above report is a comprehensive one, based on actual field survey of 7 clusters in Karnataka, which is adequately representative of the silk fabrics industry in India. Therefore, estimates of the number of looms in the country, based on this report appear to be the best information available on the subject and cannot be disregarded only because CSB, one of the parties to the application, has submitted the same.

144. The Authority has also examined the Beneficiary assessment of the National Sericulture Project, Varanasi Yarn Market, compiled by Economic Development Associates in 1993. This report, on the basis of field estimates, puts the number of power-looms in UP at about 17750 in 1993. The Department of Handlooms and Textiles, Government of Karnataka, in its letter-dated 11.07.2006 has intimated that about 25000 looms are currently in operation in Karnataka Region.

145. The interested parties have not provided any concrete information that can dispute these figures. Therefore, the estimates of the number of looms during the injury information period and decline thereof is sufficiently backed up with data

and hence accepted by the Authority for the purpose of injury investigation. On the basis of the above reports, number of power-looms operating in India in 2000-01 has been estimated as roughly 75000, which have come down to less than 30000 in the POI.

146. As far as capacity, actual production and capacity utilization is concerned, the said report on survey of Power-loom units in Karnataka provides the information as in 2003, based on the actual field survey, in respect of the productivity of the looms and labour productivity in terms of meters weaved per day. As per this report production per loom was around 10-15 meters in case of plain fabrics and usual warp length is 200-500 meters. One weaver per loom is common loom allocation but for cases like chiffon weaving two looms per weaver is also practiced. The mean production per loom per day is around 11 meters and mean production per labour is around 12 meters per day. As per the survey, the capacity utilization achieved by the industry, in Karnataka region, is about 78%. Karnataka region being the largest and representative of the Indian silk industry the same has been relied upon to examine the volume effects of dumped imports.

147. The interested parties have argued that CSB being the government agency in-charge of the silk sector, the Authority should not accept the data submitted by CSB. The Authority notes that CSB is the nodal agency vested with the responsibility of facilitating growth of this sector. Though it has facilitated the filing of the application on behalf of the associations of the domestic producers, it has also the responsibility of providing authentic information about various aspects of the case. The data submitted by CSB in respect of number of looms etc. have been corroborated by various field survey reports and reports of other Government and independent agencies as noted above. Therefore, there is little ground to challenge the reliability of the information or estimation provided by CSB in this regard.

148. In view of the reasons stated above, the Authority finds that it is not possible to have the figure of looms on year-on-year basis. However, on the basis of data compiled from various sources as noted above and corroborated by the data provided by respective associations and federations, the capacities and production of the domestic industry has been estimated as follows:

Particulars	2000-01	2003-04
No of Power Looms	75000	29900
Capacity in MT	11250	4485
Qty of silk fabrics produced MT	10408.5	3163.2
Capacity Utilization	93%	71%

The capacity has been assessed based on average production of 10 meter of 50 gm\$ per meter fabrics per loom per day.

149. As far as general injury parameters are concerned, the Authority has received information about the status of the silk industry from the applicants, and also commissioners of sericulture in the affected states. However, in order to independently verify the claims of the applicants about the plight of the power-loom sector and closure of units in various clusters, the authority undertook spot verification of few clusters in the state of Karnataka, having highest concentration of power-loom units, to examine the actual situation on the ground. Visits to those clusters revealed that several units have closed down and the looms have been dismantled and sold to producers of cotton and synthetic textiles in other regions. Several such closed/ displaced units, where a sizable number of looms were operating, were seen during such visits. A sizeable number of units, still operating, have shifted to job-work for art-silk or zari based products to survive. Therefore, though the accuracy of the estimated number of looms may be debatable, the fact remains that large number of looms has been closed down and shifted to other segments during this period due to the competition from the dumped imports from the subject country.

150. It has been found that there are only 3 to 4 units in the organized sector. Out of which, M/s Chamundi Silk, one of the largest units, known for its crepe fabrics, has closed down its main production unit with over 100 looms near Bangalore. About 25 looms have been leased out for contracted job work in dupion furnishing fabrics work. Rest of the looms and the entire finishing line is lying idle for a long time. M/s Karnataka Silk Industries Corporation, the largest unit in the power-loom segment, has moved away from the production of the product under consideration to high-end pure-zari based sarees. However, the unit has a huge idle capacity because the demand for zari based sarees is limited and the current price level of the fabrics, due to price pressure from dumped imports from china, is such that it is not viable to run the factory for this product even if it has idle capacity. Few medium sized units with around 10 to 20 looms were also examined and it was observed that though these units are capable of operating three shifts and produce significantly higher quantities, due to lack of orders these units are operating at lower capacities and have significant idle capacities. Even based on single shift operation the capacity utilization of the existing looms of the domestic industry has been only about 70% during this period.

iii) Domestic sales, Demand and Market share

151. Total demand of power-loom fabrics in India has been assessed by taking 85% of the silk fabrics production as domestic consumption (rest being for exports purpose) and adding the total imports as above. Accordingly, total demand and share of the domestic industry and the dumped imports work out as follows:

Country	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	POI Annualized
Total Demand	12483317	22517020	34937734	67518321	69601266
Share of China	9%	47%	82%	91%	91%

Share of DI	83%	46%	9%	5%	5%
Share of others	7%	7%	8%	4%	4%

152. The above data shows that the dumped imports have practically wiped out the Indian looms from the domestic market in terms of volume of sales and market share. The share of domestic industry has fallen from 83% to 5% whereas the share of the dumped imports has gone up from 9% to 91%.

153. However, in view of the arguments of the interested parties that the decline of the looms and the production as reported by the domestic industry is not correct in the absence of authentic data, the Authority has examined the likely demand and market share scenario assuming that all the 75000 looms are in operation, with two shift operation, for the entire injury period. The corresponding demand and market share situation shows as follows:

Qty in Meters

Qty of silk fabrics produced	20817000	20817000	20817000	20817000	20817000
Total import	2074817	12108520	31774534	64355121	66438066
Imports from China	1184240	10508057	28806755	61361520	63455075.33
Total Demand	22891817	32925520	52591534	85172121	87255066
Share of China	5%	32%	55%	72%	73%
Share of DI	91%	63%	40%	24%	24%
Share of others	4%	5%	6%	4%	3%

154. The above data shows that even if the existing units in the beginning of the injury period would have operated at full capacity, without any attrition, the market share would have fallen from 91% to 24% and share of the dumped imports would have increased from 5% to 73%. Therefore, the arguments of the interested parties in this regards does not seem to be valid.

B) Price effects

i) Trend in Import Prices

155. The price trend of the imports of the subject goods has been examined on the basis of the DGCIS data. The data shows that the average CIF price of the subject goods from the subject country has declined by over 40% and the landed value has declined by 45%. At the same time the CIF price of imports from other countries has increased marginally though the landed value has declined by about 7% due to reduction of the import duty.

Year	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Average CIF China	106.11	79.32	61.64	61.21	62.09
Trend	100	75	58	58	59
Landed Value China	139.33	104.14	80.94	80.37	75.26
Trend	100	75	58	58	54

Average CIF others	87.99	89.25	79.96	88.91	88.84
Trend	100	101	91	101	101
Landed Value others	115.53	117.18	104.99	116.7454	107.68
Trend	100	101	91	101	93

ii) Domestic selling prices and price undercutting

156. The domestic selling prices of the silk fabrics manufactured by the power-looms have been analysed on the basis of sample selling prices available from the 15 units visited and on the basis of the survey reports stated above, in order to examine the effects of the dumped imports on the domestic selling prices. The selling prices of various types of fabrics, to the extent desegregated data is available, is proposed to be compared with the import prices for various types for which the information had been made available by the cooperating exporters. On a comparison, it is noted that the import prices are substantially lower than the estimated selling prices of the domestic industry in India.

157. For the purpose of price underselling examination, the Authority proposes to determine cost of production/non-injurious price on the basis of the optimum cost of production inclusive of cost of silk yarn consumed for various types and grammages of fabrics, conversion cost, twisting and degumming cost, selling, general and administrative expenses and a reasonable amount of profit based on information received from Central Silk Board, cost Audit Reports of organized units and survey reports of field surveys quoted in this finding. This non-injurious price estimated for various types of fabrics have been compared with the landed values of imports of comparable types of imported fabrics in respect of the cooperative exporters. Based on weighted average cost of production, selling price of the domestic industry and landed value of imports from the subject countries, the price undercutting and underselling works out as under:

Year	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Wt Avg Landed Value China	104.14	80.94	80.37	75.26
Wt Avg Domestic Selling Price of DI	****	****	****	****
Trend	100	63.41	65.703	65.703
Price Undercutting	****	****	****	****
Trend	100	31.69	40.256	51.14
Weighted Average COP of DI	****	****	****	****
Trend	100	85.37	89.34	89.34
Price Underselling	****	****	****	****
Trend	100	108.98	126.87	142

iii) Price suppression and depression

158. The Authority notes that the average cost of production of silk fabrics, based on the data available, has declined. However, in spite of decline in the

cost of production the domestic industry has not been able to realize remunerative prices, which shows a sharper decline below the cost of production, indicating significant price depression effects of the dumped imports. As recorded in the preliminary findings the Authority has also consulted the data reported in World Trade Atlas regarding the exports of silk fabric, values and average price. As per the WTA data the value of exports and average price of silk fabric exported from China is as under:

Value of Exports of Silk Fabric from China (HSN 5007 2011 unbleached or bleached woven fabric of Mulberry Silk – Value in million US\$)

	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05
World	274.65	242.683	249.106	301.669	431.639
India	3.225	19.781	58.047	92.929	163.694

Average price of exports of Silk Fabric from China (HSN 5007 2011 unbleached or bleached woven fabric of Mulberry Silk – Price in US\$)

	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05
World	2.63	2.4	1.9	1.83	2.02
India	2.23	1.83	1.41	1.37	1.7

159. The above data corroborates with the DGCIS data at aggregate level and also indicates that there was a steep reduction in the export price of silk fabric from China in the year 2003-04, which covers the twelve months of the POI, in comparison to the year 2000-01.

c) Other injury parameters

i) Actual and Potential impact on Profitability, return on investment and cash flow

160. The Authority notes that the weaving industry, largely in the unorganized segment, runs purely on trust. As the units are run as tiny family based enterprises, there is no proper accounting and documentation system maintained. However, the costs of production, selling prices and other information of 15 units, for which actual data was available, have been examined. The information of the cost and prices of these units indicate that the domestic industry has suffered significant loss due to sharp decline in prices.

				Rs/Kg
Year	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Weighted Average COP of DI (Indexed)	100	85.37	89.34	89.34
Wt Avg Domestic Selling Price of DI (Indexed)	100	63.41	65.703	65.703
Avg. Profit/Loss	13.19	(21.91)	(23.93)	(23.93)

Avg. Profit/Loss (indexed)	100	-166.1	-181.4	-181.4
-----------------------------------	------------	---------------	---------------	---------------

It has been brought to the notice of the Authority that the price pressure has been such that the domestic powerloom producers have not been able to realize the cost of production. Therefore, the impact on profitability, return on investment and cash flow has been found to be significantly adverse.

ii) Actual and potential effect on Employment and Wages

161. National statistics, based on the Annual Report of the Ministry of Textiles, show that silk fabrics production sector, including the handloom sector provides employment to at least 5.5 Million people in India. In the provisional findings the Authority had observed that the employment in power loom sector is directly linked to the number of powerlooms. Direct employment in the power loom is generally of 3 persons per loom considering a composite unit of twisting and weaving. However, the powerlooms also generate indirect job for the allied activities, both in the upstream and downstream segments linked to weaving, bleaching and dyeing. Having estimated the decline of number of working looms from a level of 75,000 in 2000-01 to about 30,000 during the period of investigation, direct loss of job is about 1,35,000 and indirect job loss is estimated to be much higher than this figure. The closure of the large number of power looms is a clear and direct indicator of loss of employment in this vital traditional industry. Closure and under utilization of existing capacity has also resulted in the closure of many upstream and downstream activities like twisting, processing, printing etc. rendering many skilled labour in this segment either jobless or shifting to alternate employment.

162. The wage in this sector is generally linked to inflation and labour productivity per day. Though the productivity has not declined, due to closure of looms and consequent rise in unemployment the wage rates in these clusters have been adversely affected.

iii) Actual and potential impact on growth

163. The Authority has examined the growth profile of this sector on the basis of field survey reports quoted earlier and Authority's assessment of various growth parameters. In terms of capacity, production and turnover of this sector, the decline is more than 50%. Profitability of the sector has also declined significantly due to increase in cost and decline in selling prices. The Authority also noted in the previous sections that sales, employment and market share have declined over the investigation period. The impact of volumes of imports and price levels of dumped goods has impacted the growth of the segment adversely.

iv) Ability to raise capital investment

164. The Authority notes that the nature of the unit is such that it is usually the own finance, or finance through private sources, which are used for establishing

and managing the units. However, for the working capitals the weavers depend upon the banks, mainly textile cooperative banks and other nationalized banks. However, due to decline in production and idle capacities, the recoveries of the loans are poor. As a result of which the banks are generally reluctant to take higher exposure in this sector. Therefore, the ability of the domestic industry to raise capital investment has been severely affected.

v) Magnitude of dumping margin

165. The Authority notes that dumping margins, as indicator of magnitude of effect of dumped imports on the domestic industry, are significant, ranging from 42% to 77%.

vi) Inventory

166. As recorded in the preliminary findings of the Authority, due to very nature of the industry, no specific data is available regarding the stocks of the domestic industry. However, analysis of stock in the present case is not relevant as most of the production of silk fabric is on job-work basis.

vii) Productivity

167. The productivity of the domestic industry, measured in terms of fabric production per loom per day and labour productivity per day, indicates that average production of a standard loom varies between 10 to 15 meters depending upon the type of fabric with an average productivity of 11 meters per day, with a single shift operation, which compares well with the productivity of the powerlooms in the country of exports. The labour productivity also measured in terms of production per labour per day works out to about 12 meters of fabric. Therefore, the productivity, as an indicator of injury, is not very relevant in this case.

K Conclusion on Injury

168. The above examination shows that there has been a tremendous increase in the imports of subject goods from the subject country. In fact the surge in imports, and consequent decline in the domestic industry's production and sales, is the single most important factor contributing to the injury cause to the domestic industry. The dumped imports represent a significant proportion of the domestic demand. The volume effect of the dumped imports is evident in the terms of significant decline in capacity, production, sales, market share, and employment. Decline in CIF and landed value of the dumped imports is significant and the price pressure in terms of price undercutting, underselling, and price suppression has resulted in significant losses and closure of large number of units. The

closure of large number of looms during the injury investigation and consequent loss of employment are the most significant indicators of injury. The injury in respect of these factors has been confirmed through the field visits undertaken by the Authority.

169. The Authority has also examined the impact of dumped imports on other parameters, to the extent possible, keeping in view the nature of the industry. The Authority also notes that though the Rules provide for an objective assessment of all relevant parameters, including the parameters listed there in, it also provides that no one or several of these parameters can necessarily give decisive guidance. Neither the WTO jurisprudence quoted by the interested parties, nor the Rules require the Authority to find injury in respect of all or majority of the parameters. The injury assessment requires an overall assessment based on various parameters. In the instant case closure of large number of looms and consequent loss of employment are the most important factors and overwhelming indicators of injury suffered by the domestic industry. Therefore, on the basis of an overall assessment of the issues involved, the authority is reasonably convinced that the domestic industry has suffered material injury.

K.1 Injury Margins

170. The Authority has determined Non-injurious price for the domestic industry by adopting the information provided in respect of 13 Units and the Cost Audit Reports in respect of 2 other units. In addition to the cost of production, reasonable return has been allowed on the capital employed. Accordingly, Non-Injurious Price has been worked out in respect of different varieties of Silk Fabric namely Crepe, Georgette/Chiffon, Habutai and others for 20-100 gms/meter separately. The non-injurious price so determined has been compared with the landed prices of various types of fabrics exported by the exporters from the subject country and the margins of injury has been compared with the margins of dumping of individual exporters for application of lesser duty.

L Causal link

171. Having established that dumping has taken place from the subject country and the domestic industry has suffered material injury, Rule 11 of the Rules read with Annexure II requires the Authority to examine the cause of such injury to establish causal link, if any, between the dumped imports and the injury suffered.

L.1 Views of the interested parties

172. With regard to the causal link between the dumped imports and injury suffered by the domestic industry the interested parties have, *inter alia*, argued that merely because number of power looms has come down, causal link cannot

be said to have been established. The authority must examine the causes that led to the alleged closure of the power looms. It has been argued that there is no causal link between the imports of silk fabric from China and the injury of the Indian domestic industry. The reason for the injury of the domestic industry is that the Indian domestic industry failed to adapt itself to the rapid-developing market. It has also been argued that the consumption pattern has changed with shift to viscose, in particular, and polyester because of unsuitability of Indian silk fabrics for most apparel and garment users. Therefore, unsuitability of Indian silk fabrics, rather than reduction in demand is the correct inference of the shift by many weavers from silk fabrics to viscose and polyester. It has also been argued that the real cause of injury is the structure, regulatory framework, poor infrastructure of the Indian silk industry. It has been further argued that much of injury flows from the cascading effects of the anti-dumping duty earlier imposed on Mulberry Raw Silk.

L.2 Examination by the Authority

173. The interested parties have argued that the real cause of any injury appears to be a change in the pattern of consumption initially from synthetic fabrics to Indian silk fabrics for apparel and garments due to prohibitive tariffs and once imports were liberalized and tariffs declined apparel and garment makers shifted to either imported silk fabrics or synthetic fabrics thus leaving only the furnishings market segment for the Indian silk fabrics. Therefore, real cause of injury is the change in consumption pattern rather than dumped imports. However, the Authority notes that the data on imports and domestic consumption does not support this argument at all. Demand has gone up tremendously, even if entire domestic production of silk fabrics is ignored. It is well known worldwide that India has a long tradition of affinity towards silk and the shifting of demand from silk to other fabrics is not a reality supported by data. The arguments of effect of the regulatory framework in the textile sector as the cause of injury to the powerloom sector have not been supported by any positive information or data.

174. It has also been argued that the silk industry in India is suffering because of the structure of the industry as such. The Authority notes that though there are structural issues involved, in terms of absorption of technology and scale of operation due to the very nature of small and unorganized units, this model have been efficiently servicing the Indian silk demand before the dumping began. The Authority notes that silk weaving is a tradition in India and has developed in the cottage and small sectors. Traditionally weaving units have come up in clusters in and around silk growing areas. Constant support in terms of improvement in technology and machinery is being supplied through various agencies and technical institutions, including CSB. Though the scale of operation of individual units has been small these units have significantly contributed to the silk industry and rural employment.

175. The interested parties have also argued that the domestic industry is suffering due to inverted duty structures and antidumping duty on the basic raw material. The Authority notes that antidumping duty was imposed on import of raw silk from China in order to correct the distortion caused in the raw silk market due to high degree of dumping of this product in India. After imposition of duty the price of this product has stabilized and level playing field has been created for the raw silk manufacturers as well as the fabric manufacturers. However, after imposition of duty on raw silk, the dumping has shifted to silk fabrics again causing severe distortion in the market. Therefore, the cause of injury cannot be attributed to the duty structure as has been argued by the exporters. As regards some of the arguments regarding switching over of power loom weavers to other kinds of fabrics like viscose etc., examination in the field during verifications reveal that the weavers were forced to switch over to other types of fabric due to non-availability of orders for silk fabric because of unremunerative price for Indian silk fabrics in the presence of dumped goods in the market.

176. Having examined the arguments of the interested parties in respect of the causal links between dumped imports and injury suffered by the domestic industry, the Authority has examined the mandatory factors listed in para (v) of the Annexure II of the Rules.

a) Volume and price of imports not sold at dumped prices

177. The Authority notes that the dumped imports from the subject country constitute about 96% of total imports of the subject goods. Un-dumped imports from other sources constitute a very small proportion of the total imports as well as total demand in the country. The average prices of un-dumped goods are also significantly higher than the prices of dumped goods. Therefore, volume and prices of imports from other sources do not seem to have any adverse effect on the domestic industry.

b) Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption

178. As noted in the previous section, even if the entire production of the domestic industry is ignored, the consumption of the silk fabrics in India, based on the imports alone, has gone up several folds. Therefore, contraction in demand or change in patterns of consumption cannot be attributed to the cause of injury of the domestic industry.

c) Trade Restrictive practices of and competition between foreign and domestic producers

179. The authority notes that the goods are freely importable and imported products are freely sold in the Indian market without any trade restrictive competition or restriction. It is further noted that the imported subject goods and

domestically produced goods are like articles and are used for similar applications/end uses.

c) Developments in Technology, Export performance and productivity of the Domestic Industry

180. As far as development of technology is concerned, the domestic industry uses both ordinary powerlooms and semi-automatic looms. Technology support and services are available through a number of institutions. However, technology absorption and up-gradation has been slow due to the market condition prevailing for several years. Due to the price and volume depression in the presence of high volume of dumped goods, the weavers are not in a position to make additional investments in modernization. Therefore, the Authority notes that though there is scope and willingness for modernization the prevailing market condition does not allow the industry to invest for modernization. In view of the above the Authority is of the view that lack of absorption of technology and modernization is the effect of the injury suffered by the domestic industry, rather than the cause of the injury.

181. The productivity of the domestic industry in term of output per loom and labour output has remained high, i.e., in the range of 10 to 15 meters per day, which compares with the output in the exporting country. Therefore, productivity is not a cause of injury to the domestic industry.

182. The export performance is also linked to the number of working looms. Since the number of looms and production has declined significantly, export performance of this segment is also bound to suffer. It is further noted that the performance with respect to various economic indicators have been determined with respect to domestic sales only. Hence, the authority holds that material injury suffered by the domestic industry is not as a result of the export performance of the domestic industry. As such, as per Textile Ministry's Annual Reports, the export performance of the silk sector as a whole shows a healthy growth. Therefore, the export performance cannot be attributed to the injury.

L.3 Conclusion on causation

183. Examination of the volume and price effects of the dumped imports in terms of absolute and relative increase in the volume of dumped imports, significant decline in import prices from the subject country, indicates that the domestic industry's performance has been significantly affected by the dumped imports. Significant increase in the volume of dumped imports has resulted in significant decline in production and closure of large number of power looms of the domestic industry. In the face of large-scale imports of dumped imports from subject country, the weavers were forced to close down or to switch over to weaving of other fabrics. The closure of large number of silk weaving power looms is attributable to the dumped imports of subject goods from subject

country. The authority finds that the closure of power looms, consequential loss of employment to the weavers and other workers engaged in allied activities, are the direct consequences of the significant increase in dumped imports of subject goods. Due to the high degree of dumping of Chinese imports, even the remaining power looms are on the verge of virtual extinction. Examination of other factors also indicates that there is no other factor that could have significantly contributed to the injury of the domestic industry. Therefore, the Authority concludes that the dumped imports from the subject country, through their volume and price effects, have caused material injury to the domestic industry, within the meaning of Rule 11 of Anti Dumping rules and article 3.5 of the Agreement of Anti Dumping.

M. Indian Industry's interest

184. The exporters have argued that there is an issue of public interest, which should be taken into account by the authority, as there is far greater investment, employment and value addition and exports earnings by the user industries that will suffer due to higher prices in case of ADD. The imposition of anti-dumping duty on the Chinese silk fabric will bring more detriments than benefit for the Indian public interest. Anti-dumping duty has been imposed on the raw silk from China. Imposing high anti-dumping duty on silk fabric from China will prevent the Chinese exporters from entering the Indian market and will accordingly do great harm to the silk industry and other down-stream industry of India. The silk fabric products of China differ with the ones of India in the quality and types and the market orientation is different. Therefore, imposing anti-dumping duty on the Chinese silk fabric products will inevitably increase the price of the silk, and the demand of the Indian consumers cannot be met. It has been argued that the growth of the powerloom silk fabrics sector will further adversely impact the conditions of competition of the Handloom silk fabrics sector leading to further misery and suicides by handloom workers.

185. The Authority notes that the purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices; prevent the decline of the domestic industry and consequent employment and livelihood; and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

N. CONCLUSIONS:

186. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- (a) The subject goods have been exported to India from the subject country below its normal value;

- (b) The domestic industry has suffered material injury; and
- (c) The injury has been caused by the dumped imports from the subject country.

O. Recommendation

187. The Authority initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry, in terms of the Rules laid down, and having established positive dumping margins against the subject countries, and having concluded that the domestic industry suffers material injury due to such dumped imports, the Authority is of the opinion that definitive measure is required to be imposed to offset dumping and injury being caused to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of definitive antidumping duty in the form and manner prescribed below.

188. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of definitive anti dumping duties, from the date of notification to be issued in this regard, by the Central Government, on imports of Silk Fabric of weight 20-100 gms per meter, falling under Custom Heading 5007 of Schedule 1 of Customs Tariff Act, originating in or exported from subject country, as the difference between the landed value of the subject goods and the amount indicated in Col 9 of the duty table annexed herewith, provided the landed value is less than the value indicated in Col 9. The landed value of imports for this purpose shall be the assessable value as determined by the customs under Customs Tariff Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

P Further Procedures

189. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

190. The Authority may review the need for continuation, modification or termination of the definitive measure as recommended herein from time to time as per the relevant provisions of the Act and public notices issued in this respect from time to time. No request for such a review shall be entertained by the Authority unless the same is filed by an interested party as per the time limit stipulated for this purpose.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority

Annexure:

1. Annexure –1: Duty table
2. Annexure II : List of Non-sampled exporters as per duty table

Duty Table								Annexure-I		
S.No.	Sub-Heading	Description of Goods	Specification	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measure	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Crepe with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Zhejiang Cathaya International Co. Ltd.	As givebn below	Meter	US\$
2	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.662		
			Above 25 upto & Including 30					1.833		
			Above 30 upto & Including 35					2.004		
			Above 35 upto & Including 40					2.175		
			Above 40 upto & Including 45					2.230		
			Above 45 upto & Including 50					2.518		
			Above 50 upto & Including 55					2.314		
			Above 55 upto & Including 60					2.818		
			Above 60 upto & Including 65					2.877		
			Above 65 upto & Including 70					3.203		
			Above 70 upto & Including 75					3.374		
			Above 75 upto & Including 80					3.426		
			Above 80 upto & Including 85					3.716		
			Above 85 upto & Including 90					3.887		
			Above 90 upto & Including 95					4.059		
			Above 95 upto & Including 100					4.230		
3	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Georgette and Chiffon with following weight Ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Zhejiang Cathaya International Co. Ltd.	As givebn below	Meter	US\$
4	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.689		
			Above 25 upto & Including 30					1.882		
			Above 30 upto & Including 35					2.072		
			Above 35 upto & Including 40					2.180		
			Above 40 upto & Including 45					2.186		
			Above 45 upto & Including 50					2.396		
			Above 50 upto & Including 55					2.832		
			Above 55 upto & Including 60					2.954		
			Above 60 upto & Including 65					3.003		
			Above 65 upto & Including 70					3.272		
			Above 70 upto & Including 75					3.562		
			Above 75 upto & Including 80					3.601		
			Above 80 upto & Including 85					3.971		
			Above 85 upto & Including 90					4.160		
			Above 90 upto & Including 95					4.351		
			Above 95 upto & Including 100					4.526		

5	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Habutai with following weight Ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Zhejiang Cathaya Internatio nal Co.	As givebn below	Meter	US\$
6	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.690		
			Above 25 upto & Including 30					1.867		
			Above 30 upto & Including 35					2.044		
			Above 35 upto & Including 40					2.221		
			Above 40 upto & Including 45					2.174		
			Above 45 upto & Including 50					2.575		
			Above 50 upto & Including 55					2.752		
			Above 55 upto & Including 60					2.929		
			Above 60 upto & Including 65					3.106		
			Above 65 upto & Including 70					3.283		
			Above 70 upto & Including 75					3.460		
			Above 75 upto & Including 80					3.637		
			Above 80 upto & Including 85					3.814		
			Above 85 upto & Including 90					3.991		
			Above 90 upto & Including 95					4.168		
			Above 95 upto & Including 100					4.344		
7	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Others (Except tasar) with following weight Ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Zhejiang Cathaya Internatio nal Co. Ltd.	As givebn below	Meter	US\$
8	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.665		
			Above 25 upto & Including 30					1.837		
			Above 30 upto & Including 35					2.009		
			Above 35 upto & Including 40					2.181		
			Above 40 upto & Including 45					2.353		
			Above 45 upto & Including 50					2.525		
			Above 50 upto & Including 55					2.697		
			Above 55 upto & Including 60					2.869		
			Above 60 upto & Including 65					3.041		
			Above 65 upto & Including 70					3.213		
			Above 70 upto & Including 75					3.385		
			Above 75 upto & Including 80					3.557		
			Above 80 upto & Including 85					3.713		
			Above 85 upto & Including 90					3.901		
			Above 90 upto & Including 95					3.848		
			Above 95 upto & Including 100					4.245		

9	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Crepe with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Zhejiang G&F Foreign Trading Co. Ltd.	As givebn below	Meter	US\$
10	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.662		
			Above 25 upto & Including 30					1.833		
			Above 30 upto & Including 35					1.898		
			Above 35 upto & Including 40					2.175		
			Above 40 upto & Including 45					2.347		
			Above 45 upto & Including 50					2.518		
			Above 50 upto & Including 55					2.689		
			Above 55 upto & Including 60					2.860		
			Above 60 upto & Including 65					3.031		
			Above 65 upto & Including 70					2.997		
			Above 70 upto & Including 75					3.374		
			Above 75 upto & Including 80					3.054		
			Above 80 upto & Including 85					3.716		
			Above 85 upto & Including 90					3.887		
			Above 90 upto & Including 95					4.059		
			Above 95 upto & Including 100					4.230		
11	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Georgette & Chiffon with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Zhejiang G&F Foreign Trading Co. Ltd.	As givebn below	Meter	US\$
12	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.692		
			Above 25 upto & Including 30					1.882		
			Above 30 upto & Including 35					2.057		
			Above 35 upto & Including 40					2.262		
			Above 40 upto & Including 45					2.452		
			Above 45 upto & Including 50					2.642		
			Above 50 upto & Including 55					2.724		
			Above 55 upto & Including 60					3.022		
			Above 60 upto & Including 65					3.212		
			Above 65 upto & Including 70					2.945		
			Above 70 upto & Including 75					3.591		
			Above 75 upto & Including 80					3.204		
			Above 80 upto & Including 85					3.971		
			Above 85 upto & Including 90					4.160		
			Above 90 upto & Including 95					4.351		
			Above 95 upto & Including 100					4.526		

13	5007.1000 5007.20005 5007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Habutai with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Zhejiang G&F Foreign Trading	As givebn below	Meter	US\$
14	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.690		
			Above 25 upto & Including 30					1.867		
			Above 30 upto & Including 35					2.044		
			Above 35 upto & Including 40					2.221		
			Above 40 upto & Including 45					2.398		
			Above 45 upto & Including 50					2.575		
			Above 50 upto & Including 55					2.284		
			Above 55 upto & Including 60					2.929		
			Above 60 upto & Including 65					3.106		
			Above 65 upto & Including 70					3.283		
			Above 70 upto & Including 75					3.460		
			Above 75 upto & Including 80					3.637		
			Above 80 upto & Including 85					3.814		
			Above 85 upto & Including 90					3.991		
			Above 90 upto & Including 95					4.168		
			Above 95 upto & Including 100					4.344		
15	5007.1000 5007.20005 5007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Others except tasar with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Zhejiang G&F Foreign Trading Co. Ltd.	As givebn below	Meter	US\$
16	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.665		
			Above 25 upto & Including 30					1.837		
			Above 30 upto & Including 35					2.009		
			Above 35 upto & Including 40					2.181		
			Above 40 upto & Including 45					2.353		
			Above 45 upto & Including 50					2.525		
			Above 50 upto & Including 55					2.697		
			Above 55 upto & Including 60					2.869		
			Above 60 upto & Including 65					3.041		
			Above 65 upto & Including 70					2.916		
			Above 70 upto & Including 75					3.385		
			Above 75 upto & Including 80					3.557		
			Above 80 upto & Including 85					2.878		
			Above 85 upto & Including 90					3.901		
			Above 90 upto & Including 95					4.073		
			Above 95 upto & Including 100					4.245		

17	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Crepe with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Sichuan Silk Export and Import	As givebn below	Meter	US\$
18	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.662		
			Above 25 upto & Including 30					1.833		
			Above 30 upto & Including 35					2.004		
			Above 35 upto & Including 40					2.175		
			Above 40 upto & Including 45					2.347		
			Above 45 upto & Including 50					2.518		
			Above 50 upto & Including 55					2.689		
			Above 55 upto & Including 60					2.860		
			Above 60 upto & Including 65					3.031		
			Above 65 upto & Including 70					3.203		
			Above 70 upto & Including 75					3.374		
			Above 75 upto & Including 80					2.590		
			Above 80 upto & Including 85					3.716		
			Above 85 upto & Including 90					3.887		
			Above 90 upto & Including 95					4.059		
			Above 95 upto & Including 100					4.230		
19	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Georgette & Chiffon with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Sichuan Silk Export and Import	As givebn below	Meter	US\$
20	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.692		
			Above 25 upto & Including 30					1.882		
			Above 30 upto & Including 35					1.958		
			Above 35 upto & Including 40					2.262		
			Above 40 upto & Including 45					2.452		
			Above 45 upto & Including 50					2.642		
			Above 50 upto & Including 55					2.791		
			Above 55 upto & Including 60					3.022		
			Above 60 upto & Including 65					3.212		
			Above 65 upto & Including 70					3.401		
			Above 70 upto & Including 75					3.591		
			Above 75 upto & Including 80					3.781		
			Above 80 upto & Including 85					3.971		
			Above 85 upto & Including 90					4.160		
			Above 90 upto & Including 95					4.351		
			Above 95 upto & Including 100					4.526		

21	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Habutai with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Sichuan Silk Export and	As givebn below	Meter	US\$
22	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.690		
			Above 25 upto & Including 30					1.867		
			Above 30 upto & Including 35					2.044		
			Above 35 upto & Including 40					1.970		
			Above 40 upto & Including 45					2.283		
			Above 45 upto & Including 50					2.575		
			Above 50 upto & Including 55					2.655		
			Above 55 upto & Including 60					2.929		
			Above 60 upto & Including 65					3.106		
			Above 65 upto & Including 70					3.283		
			Above 70 upto & Including 75					3.460		
			Above 75 upto & Including 80					3.637		
			Above 80 upto & Including 85					3.814		
			Above 85 upto & Including 90					3.991		
			Above 90 upto & Including 95					4.168		
			Above 95 upto & Including 100					4.344		
23	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Others (except tasar) with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Sichuan Silk Export and Import	As givebn below	Meter	US\$
24	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.665		
			Above 25 upto & Including 30					1.837		
			Above 30 upto & Including 35					2.009		
			Above 35 upto & Including 40					2.181		
			Above 40 upto & Including 45					2.353		
			Above 45 upto & Including 50					2.525		
			Above 50 upto & Including 55					2.284		
			Above 55 upto & Including 60					2.590		
			Above 60 upto & Including 65					3.041		
			Above 65 upto & Including 70					3.213		
			Above 70 upto & Including 75					3.385		
			Above 75 upto & Including 80					3.557		
			Above 80 upto & Including 85					3.730		
			Above 85 upto & Including 90					3.901		
			Above 90 upto & Including 95					4.073		
			Above 95 upto & Including 100					4.245		

25	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Crepe with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Nanjing Textiles Import Export Corporati on Ltd.	As givebn below	Meter	US\$
26	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.662		
			Above 25 upto & Including 30					1.833		
			Above 30 upto & Including 35					2.004		
			Above 35 upto & Including 40					2.165		
			Above 40 upto & Including 45					2.347		
			Above 45 upto & Including 50					2.518		
			Above 50 upto & Including 55					2.689		
			Above 55 upto & Including 60					2.799		
			Above 60 upto & Including 65					3.031		
			Above 65 upto & Including 70					3.203		
			Above 70 upto & Including 75					3.374		
			Above 75 upto & Including 80					3.415		
			Above 80 upto & Including 85					3.716		
			Above 85 upto & Including 90					3.887		
			Above 90 upto & Including 95					4.059		
			Above 95 upto & Including 100					4.230		
27	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Georgette & Chiffon with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Nanjing Textiles Import Export Corporati on Ltd.	As givebn below	Meter	US\$
28	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.692		
			Above 25 upto & Including 30					1.882		
			Above 30 upto & Including 35					2.072		
			Above 35 upto & Including 40					2.178		
			Above 40 upto & Including 45					2.452		
			Above 45 upto & Including 50					2.642		
			Above 50 upto & Including 55					2.832		
			Above 55 upto & Including 60					3.022		
			Above 60 upto & Including 65					3.212		
			Above 65 upto & Including 70					3.401		
			Above 70 upto & Including 75					3.591		
			Above 75 upto & Including 80					3.608		
			Above 80 upto & Including 85					3.971		
			Above 85 upto & Including 90					4.160		
			Above 90 upto & Including 95					4.351		
			Above 95 upto & Including 100					4.526		

29	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Habutai with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Nanjing Textiles Import Export Corporati	As givebn below	Meter	US\$
30	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.690		
			Above 25 upto & Including 30					1.867		
			Above 30 upto & Including 35					2.044		
			Above 35 upto & Including 40					2.221		
			Above 40 upto & Including 45					2.398		
			Above 45 upto & Including 50					2.575		
			Above 50 upto & Including 55					2.752		
			Above 55 upto & Including 60					2.929		
			Above 60 upto & Including 65					3.106		
			Above 65 upto & Including 70					3.283		
			Above 70 upto & Including 75					3.460		
			Above 75 upto & Including 80					3.637		
			Above 80 upto & Including 85					3.814		
			Above 85 upto & Including 90					3.991		
			Above 90 upto & Including 95					4.168		
			Above 95 upto & Including 100					4.344		
31	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Others (except Tasar) with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Nanjing Textiles Import Export Corporati on Ltd.	As givebn below	Meter	US\$
32	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.665		
			Above 25 upto & Including 30					1.837		
			Above 30 upto & Including 35					2.009		
			Above 35 upto & Including 40					2.181		
			Above 40 upto & Including 45					2.353		
			Above 45 upto & Including 50					2.525		
			Above 50 upto & Including 55					2.697		
			Above 55 upto & Including 60					2.869		
			Above 60 upto & Including 65					3.041		
			Above 65 upto & Including 70					3.150		
			Above 70 upto & Including 75					3.385		
			Above 75 upto & Including 80					3.557		
			Above 80 upto & Including 85					3.730		
			Above 85 upto & Including 90					3.901		
			Above 90 upto & Including 95					4.073		
			Above 95 upto & Including 100					4.245		

33	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Crepe with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s. Chongqin g Sunfeel Shizhu Silk Weaving Co. Ltd	As givebn below	Meter	US\$
34	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.662		
			Above 25 upto & Including 30					1.833		
			Above 30 upto & Including 35					2.004		
			Above 35 upto & Including 40					2.175		
			Above 40 upto & Including 45					2.347		
			Above 45 upto & Including 50					2.518		
			Above 50 upto & Including 55					2.689		
			Above 55 upto & Including 60					2.851		
			Above 60 upto & Including 65					3.031		
			Above 65 upto & Including 70					3.203		
			Above 70 upto & Including 75					3.374		
			Above 75 upto & Including 80					3.382		
			Above 80 upto & Including 85					3.716		
			Above 85 upto & Including 90					3.887		
			Above 90 upto & Including 95					4.059		
			Above 95 upto & Including 100					4.230		
35	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Georgette & Chiffon with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s. Chongqin g Sunfeel Shizhu Silk Weaving Co. Ltd	As givebn below	Meter	US\$
36	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.692		
			Above 25 upto & Including 30					1.882		
			Above 30 upto & Including 35					2.072		
			Above 35 upto & Including 40					2.198		
			Above 40 upto & Including 45					2.452		
			Above 45 upto & Including 50					2.642		
			Above 50 upto & Including 55					2.832		
			Above 55 upto & Including 60					2.905		
			Above 60 upto & Including 65					3.212		
			Above 65 upto & Including 70					3.401		
			Above 70 upto & Including 75					3.591		
			Above 75 upto & Including 80					3.781		
			Above 80 upto & Including 85					3.971		
			Above 85 upto & Including 90					4.160		
			Above 90 upto & Including 95					4.351		
			Above 95 upto & Including 100					4.526		

37	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Habutai with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s. Chongqin g Sunfeel Shizhu Silk Weaving Co. Ltd	As givebn below	Meter	US\$
38	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.690		
			Above 25 upto & Including 30					1.867		
			Above 30 upto & Including 35					2.044		
			Above 35 upto & Including 40					2.221		
			Above 40 upto & Including 45					2.398		
			Above 45 upto & Including 50					2.575		
			Above 50 upto & Including 55					2.752		
			Above 55 upto & Including 60					2.929		
			Above 60 upto & Including 65					3.106		
			Above 65 upto & Including 70					3.283		
			Above 70 upto & Including 75					3.460		
			Above 75 upto & Including 80					3.637		
			Above 80 upto & Including 85					3.814		
			Above 85 upto & Including 90					3.991		
			Above 90 upto & Including 95					4.168		
			Above 95 upto & Including 100					4.344		
39	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Others (except Tasar) with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s. Chongqin g Sunfeel Shizhu Silk Weaving Co. Ltd	As givebn below	Meter	US\$
40	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.665		
			Above 25 upto & Including 30					1.837		
			Above 30 upto & Including 35					2.009		
			Above 35 upto & Including 40					2.181		
			Above 40 upto & Including 45					2.353		
			Above 45 upto & Including 50					2.525		
			Above 50 upto & Including 55					2.697		
			Above 55 upto & Including 60					2.869		
			Above 60 upto & Including 65					3.041		
			Above 65 upto & Including 70					3.213		
			Above 70 upto & Including 75					3.385		
			Above 75 upto & Including 80					3.557		
			Above 80 upto & Including 85					3.730		
			Above 85 upto & Including 90					3.694		
			Above 90 upto & Including 95					4.073		
			Above 95 upto & Including 100					4.245		

41	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Crepe with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	Exporters As per list attached	As givebn below	Meter	US\$
42	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.662		
			Above 25 upto & Including 30					1.833		
			Above 30 upto & Including 35					1.983		
			Above 35 upto & Including 40					2.173		
			Above 40 upto & Including 45					2.323		
			Above 45 upto & Including 50					2.518		
			Above 50 upto & Including 55					2.614		
			Above 55 upto & Including 60					2.838		
			Above 60 upto & Including 65					3.001		
			Above 65 upto & Including 70					3.162		
			Above 70 upto & Including 75					3.374		
			Above 75 upto & Including 80					3.173		
			Above 80 upto & Including 85					3.716		
			Above 85 upto & Including 90					3.887		
			Above 90 upto & Including 95					4.059		
			Above 95 upto & Including 100					4.230		
43	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Georgette & Chiffon with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	Exporters As per list attached	As givebn below	Meter	US\$
44	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.674		
			Above 25 upto & Including 30					1.882		
			Above 30 upto & Including 35					2.046		
			Above 35 upto & Including 40					2.216		
			Above 40 upto & Including 45					2.442		
			Above 45 upto & Including 50					2.642		
			Above 50 upto & Including 55					2.802		
			Above 55 upto & Including 60					2.985		
			Above 60 upto & Including 65					3.170		
			Above 65 upto & Including 70					3.284		
			Above 70 upto & Including 75					3.591		
			Above 75 upto & Including 80					3.631		
			Above 80 upto & Including 85					3.971		
			Above 85 upto & Including 90					4.160		
			Above 90 upto & Including 95					4.351		
			Above 95 upto & Including 100					4.526		

45	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Habutaiwi th following weight ranges	China PR	Any Country	Any	Exporters As per list attached	As givebn below	Meter	US\$
46	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.690		
			Above 25 upto & Including 30					1.867		
			Above 30 upto & Including 35					2.044		
			Above 35 upto & Including 40					2.171		
			Above 40 upto & Including 45					2.330		
			Above 45 upto & Including 50					2.575		
			Above 50 upto & Including 55					2.639		
			Above 55 upto & Including 60					2.929		
			Above 60 upto & Including 65					3.106		
			Above 65 upto & Including 70					3.283		
			Above 70 upto & Including 75					3.460		
			Above 75 upto & Including 80					3.637		
			Above 80 upto & Including 85					3.814		
			Above 85 upto & Including 90					3.991		
			Above 90 upto & Including 95					4.168		
			Above 95 upto & Including 100					4.344		
47	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Others (except Tasar) with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	Exporters As per list attached	As givebn below	Meter	US\$
48	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.665		
			Above 25 upto & Including 30					1.837		
			Above 30 upto & Including 35					2.009		
			Above 35 upto & Including 40					2.181		
			Above 40 upto & Including 45					2.353		
			Above 45 upto & Including 50					2.525		
			Above 50 upto & Including 55					2.615		
			Above 55 upto & Including 60					2.813		
			Above 60 upto & Including 65					3.041		
			Above 65 upto & Including 70					3.141		
			Above 70 upto & Including 75					3.385		
			Above 75 upto & Including 80					3.557		
			Above 80 upto & Including 85					3.556		
			Above 85 upto & Including 90					3.860		
			Above 90 upto & Including 95					4.028		
			Above 95 upto & Including 100					4.245		

49	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Crepe with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Chongqin g Wintus (New Star) Trade Develop	As givebn below	Meter	US\$
50	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.662		
			Above 25 upto & Including 30					1.833		
			Above 30 upto & Including 35					2.004		
			Above 35 upto & Including 40					2.175		
			Above 40 upto & Including 45					2.347		
			Above 45 upto & Including 50					2.518		
			Above 50 upto & Including 55					2.689		
			Above 55 upto & Including 60					2.860		
			Above 60 upto & Including 65					3.031		
			Above 65 upto & Including 70					3.203		
			Above 70 upto & Including 75					3.374		
			Above 75 upto & Including 80					3.518		
			Above 80 upto & Including 85					3.716		
			Above 85 upto & Including 90					3.887		
			Above 90 upto & Including 95					4.059		
			Above 95 upto & Including 100					4.230		
51	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Georgette & Chiffon with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Chongqin g Wintus (New Star) Trade Develop	As givebn below	Meter	US\$
52	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.692		
			Above 25 upto & Including 30					1.882		
			Above 30 upto & Including 35					2.072		
			Above 35 upto & Including 40					2.262		
			Above 40 upto & Including 45					2.452		
			Above 45 upto & Including 50					2.642		
			Above 50 upto & Including 55					2.832		
			Above 55 upto & Including 60					2.980		
			Above 60 upto & Including 65					3.212		
			Above 65 upto & Including 70					3.401		
			Above 70 upto & Including 75					3.591		
			Above 75 upto & Including 80					3.781		
			Above 80 upto & Including 85					3.971		
			Above 85 upto & Including 90					4.160		
			Above 90 upto & Including 95					4.351		
			Above 95 upto & Including 100					4.526		

53	5007.000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Habutai with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Chongqin g Wintus (New Star) Trade Develop	As givebn below	Meter	US\$
54	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.690		
			Above 25 upto & Including 30					1.867		
			Above 30 upto & Including 35					2.044		
			Above 35 upto & Including 40					2.221		
			Above 40 upto & Including 45					2.398		
			Above 45 upto & Including 50					2.575		
			Above 50 upto & Including 55					2.752		
			Above 55 upto & Including 60					2.929		
			Above 60 upto & Including 65					3.106		
			Above 65 upto & Including 70					3.283		
			Above 70 upto & Including 75					3.460		
			Above 75 upto & Including 80					3.637		
			Above 80 upto & Including 85					3.814		
			Above 85 upto & Including 90					3.991		
			Above 90 upto & Including 95					4.168		
			Above 95 upto & Including 100					4.344		
55	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Others (except Tasar) with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Chongqin g Wintus (New Star) Trade Develop	As givebn below	Meter	US\$
56	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25					1.665		
			Above 25 upto & Including 30					1.837		
			Above 30 upto & Including 35					2.009		
			Above 35 upto & Including 40					2.181		
			Above 40 upto & Including 45					2.353		
			Above 45 upto & Including 50					2.525		
			Above 50 upto & Including 55					2.697		
			Above 55 upto & Including 60					2.869		
			Above 60 upto & Including 65					3.041		
			Above 65 upto & Including 70					3.213		
			Above 70 upto & Including 75					3.385		
			Above 75 upto & Including 80					3.557		
			Above 80 upto & Including 85					3.730		
			Above 85 upto & Including 90					3.901		
			Above 90 upto & Including 95					4.073		
			Above 95 upto & Including 100					4.245		

57	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Crepe with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Guizhou Fortune Green products Import Exports Co. Ltd.	As givebn below	Meter	US\$
58	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25				1.662			
			Above 25 upto & Including 30				1.833			
			Above 30 upto & Including 35				2.004			
			Above 35 upto & Including 40				2.175			
			Above 40 upto & Including 45				2.347			
			Above 45 upto & Including 50				2.518			
			Above 50 upto & Including 55				2.689			
			Above 55 upto & Including 60				2.718			
			Above 60 upto & Including 65				3.031			
			Above 65 upto & Including 70				3.203			
			Above 70 upto & Including 75				3.374			
			Above 75 upto & Including 80				3.545			
			Above 80 upto & Including 85				3.716			
			Above 85 upto & Including 90				3.887			
			Above 90 upto & Including 95				4.059			
			Above 95 upto & Including 100				4.230			
59	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Georgette & Chiffon with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Guizhou Fortune Green products Import Exports Co. Ltd.	As givebn below	Meter	US\$
60	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25				1.692			
			Above 25 upto & Including 30				1.882			
			Above 30 upto & Including 35				2.072			
			Above 35 upto & Including 40				2.262			
			Above 40 upto & Including 45				2.452			
			Above 45 upto & Including 50				2.642			
			Above 50 upto & Including 55				2.832			
			Above 55 upto & Including 60				3.022			
			Above 60 upto & Including 65				3.212			
			Above 65 upto & Including 70				3.401			
			Above 70 upto & Including 75				3.591			
			Above 75 upto & Including 80				3.781			
			Above 80 upto & Including 85				3.971			
			Above 85 upto & Including 90				4.160			
			Above 90 upto & Including 95				4.351			
			Above 95 upto & Including 100				4.526			

61	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Habutai with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Guizhou Fortune Green products Import Exports Co. Ltd.	As givebn below	Meter	US\$
62	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25				1.690			
			Above 25 upto & Including 30				1.867			
			Above 30 upto & Including 35				2.044			
			Above 35 upto & Including 40				2.081			
			Above 40 upto & Including 45				2.398			
			Above 45 upto & Including 50				2.575			
			Above 50 upto & Including 55				2.752			
			Above 55 upto & Including 60				2.929			
			Above 60 upto & Including 65				3.106			
			Above 65 upto & Including 70				3.283			
			Above 70 upto & Including 75				3.460			
			Above 75 upto & Including 80				3.637			
			Above 80 upto & Including 85				3.814			
			Above 85 upto & Including 90				3.991			
			Above 90 upto & Including 95				4.168			
			Above 95 upto & Including 100				4.344			
63	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Others (except Tasar) with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	M/s Guizhou Fortune Green products Import Exports Co. Ltd.	As givebn below	Meter	US\$
64	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25				1.665			
			Above 25 upto & Including 30				1.837			
			Above 30 upto & Including 35				2.009			
			Above 35 upto & Including 40				2.181			
			Above 40 upto & Including 45				2.353			
			Above 45 upto & Including 50				2.525			
			Above 50 upto & Including 55				2.697			
			Above 55 upto & Including 60				2.869			
			Above 60 upto & Including 65				3.041			
			Above 65 upto & Including 70				3.213			
			Above 70 upto & Including 75				3.385			
			Above 75 upto & Including 80				3.557			
			Above 80 upto & Including 85				3.730			
			Above 85 upto & Including 90				3.901			
			Above 90 upto & Including 95				4.073			
			Above 95 upto & Including 100				4.245			

65	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Crepe with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	Other than Above	As givebn below	Meter	US\$
66	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25				1.662			
			Above 25 upto & Including 30				1.833			
			Above 30 upto & Including 35				2.004			
			Above 35 upto & Including 40				2.175			
			Above 40 upto & Including 45				2.347			
			Above 45 upto & Including 50				2.518			
			Above 50 upto & Including 55				2.689			
			Above 55 upto & Including 60				2.860			
			Above 60 upto & Including 65				3.031			
			Above 65 upto & Including 70				3.203			
			Above 70 upto & Including 75				3.374			
			Above 75 upto & Including 80				3.545			
			Above 80 upto & Including 85				3.716			
			Above 85 upto & Including 90				3.887			
			Above 90 upto & Including 95				4.059			
			Above 95 upto & Including 100				4.230			
67	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Georgette & Chiffon with following weight ranges	China PR	Any Country	Any	Other than Above	As givebn below	Meter	US\$
68	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25				1.692			
			Above 25 upto & Including 30				1.882			
			Above 30 upto & Including 35				2.072			
			Above 35 upto & Including 40				2.262			
			Above 40 upto & Including 45				2.452			
			Above 45 upto & Including 50				2.642			
			Above 50 upto & Including 55				2.832			
			Above 55 upto & Including 60				3.022			
			Above 60 upto & Including 65				3.212			
			Above 65 upto & Including 70				3.401			
			Above 70 upto & Including 75				3.591			
			Above 75 upto & Including 80				3.781			
			Above 80 upto & Including 85				3.971			
			Above 85 upto & Including 90				4.160			
			Above 90 upto & Including 95				4.351			
			Above 95 upto & Including 100				4.526			

69	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500	Silk Fabrics	Habutai with following weight	China PR	Any Country	Any	Other than Above	As givebn below	Meter	US\$
70	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25				1.690			
			Above 25 upto & Including 30				1.867			
			Above 30 upto & Including 35				2.044			
			Above 35 upto & Including 40				2.221			
			Above 40 upto & Including 45				2.398			
			Above 45 upto & Including 50				2.575			
			Above 50 upto & Including 55				2.752			
			Above 55 upto & Including 60				2.929			
			Above 60 upto & Including 65				3.106			
			Above 65 upto & Including 70				3.283			
			Above 70 upto & Including 75				3.460			
			Above 75 upto & Including 80				3.637			
			Above 80 upto & Including 85				3.814			
			Above 85 upto & Including 90				3.991			
			Above 90 upto & Including 95				4.168			
			Above 95 upto & Including 100				4.344			
71	5007.1000 5007.20005 007.201050 07.2090500 7.9000	Silk Fabrics	Others (except Tasar) with following weight	China PR	Any Country	Any	Other than Above	As givebn below	Meter	US\$
72	Do	Do	Do	Any	China PR	Any	Do	As givebn below	Meters	US\$
			Above 20 upto & Including 25				1.665			
			Above 25 upto & Including 30				1.837			
			Above 30 upto & Including 35				2.009			
			Above 35 upto & Including 40				2.181			
			Above 40 upto & Including 45				2.353			
			Above 45 upto & Including 50				2.525			
			Above 50 upto & Including 55				2.697			
			Above 55 upto & Including 60				2.869			
			Above 60 upto & Including 65				3.041			
			Above 65 upto & Including 70				3.213			
			Above 70 upto & Including 75				3.385			
			Above 75 upto & Including 80				3.557			
			Above 80 upto & Including 85				3.730			
			Above 85 upto & Including 90				3.901			
			Above 90 upto & Including 95				4.073			
			Above 95 upto & Including 100				4.245			

Note: All Weight Ranges are in Grammes per Meter
List of Exporters as per Annexure II

		Annexure II
List of Non-sampled exporters		
S.No.	Name of Non-sampled Exporters	Province
1	Longchang Yinhua Silk Co.	Sichuan
2	Jiangsu Hongbao Group Im. & Ex Co. Ltd.	Jiangsu
3	Chongqing Boshan Silk Co. Ltd.	Chongqing
4	Anhui Silk Co. Ltd.	Anhui
5	Xinyuan Cocoon Silk Group Co. Ltd.	Jiangsu
6	Huzhou Sentong Silk Weaving Co. Ltd.	Zhejiang
7	Shanghai Silk Group Co. Ltd.	Shanghai
8	Zhejiang Mihuang Import & Export Co. Ltd.	Zhejiang
9	Deyang Bailong Lifeng Silk Fabric Co. Ltd.	Sichuan
10	Jiangsu Soho International Group Corp.	Jiangsu
11	Guangdong Silique International Group Gold Silk Co. Ltd.	Guangdong
12	Guangdong Silique International Group Wintex Corp. Ltd.	Guangdong
13	Chengdu Investment Imp. & Exp. Co. Ltd.	Sichuan
14	Chengdu Kilter Silk Trade Corporation Ltd.	Sichuan
15	Qindao Hirun Investment Group Co. Ltd.	Shandong
16	Zhejiang Jiaxing Silk Imp. & Exp. Co. Ltd.	Zhejiang
17	Sichuan New Rise (Langzhong) Silk Co. Ltd.	Sichuan
18	Sichuan New Rise Imp. & Exp. Co. Ltd.	Sichuan
19	Sichuan Yate Silk Import/Export Co. Ltd.	Sichuan
20	ChenFeng (Jiangsu) Clothing Co. Ltd.	Jiangsu